



2010

हिन्दी प्रकाशन





...नल बुक ट्रस्ट, इंडिया

विषय-सूची

* आदेश की आपूर्ति के समय पुस्तक का मूल्य परिवर्तित हो सकता है।

अपने बारे में

नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया, माध्यमिक एवं उच्चतर शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अधीन एक अत्यंत कुशल स्वायत्त संस्थान है, जो कि गत 52 वर्षों से पुस्तक प्रकाशन व ज्ञान के प्रसार के क्षेत्र में सक्रिय है।

ट्रस्ट-कार्यालय

सन् 1957 में अपनी स्थापना के तुरंत बाद नेशनल बुक ट्रस्ट ने निज़ामुद्दीन इलाके की एक इमारत से अपना कामकाज शुरू किया। फिर ग्रीन पार्क में उसका मुख्य कार्यालय बना। अब ट्रस्ट के सभी विभाग नवनिर्मित नेहरू भवन में आ गए हैं, जिसका नामकरण ट्रस्ट के संस्थापक के नाम पर हुआ है। **वसंत कुंज इंस्टीट्यूशनल एरिया** में स्थित यह भवन एक हेक्टेयर से भी अधिक क्षेत्र में फैला हुआ है। परिसर में कार्यालय ब्लॉक, स्थायी प्रदर्शनी ब्लॉक और एक अलग स्टोर/हाउसिंग ब्लॉक हैं। पूरा परिसर विषम चतुर्भुज के आकार का है जिसकी ढलानें इसे एक प्राकृतिक सुंदरता देती हैं और इनके उपयोग से एक सीढ़ीदार मुक्ताकाशी रंगमंच का निर्माण संभव हुआ है। भवन की पहली मंजिल पर अध्यक्ष और निदेशक के कार्यालय, संपादकीय विभाग, स्थापना, प्रशासन, लेखा और कला विभाग हैं। दूसरी और तीसरी मंजिल में क्रमशः प्रदर्शनी, सूचना और प्रचार, सहायता और उत्पादन विभागों को रखा गया है। ट्रस्ट का पुस्तकालय दूसरी और तीसरी मंजिलों पर है।

प्रकाशन

हम किफायती मूल्य पर हिंदी तथा अंग्रेजी सहित भारत की सभी प्रमुख भाषाओं में पुस्तकें प्रकाशित करते हैं। अन्य भाषाएं हैं: असमिया, उर्दू, ओड़िया, कन्नड़, कश्मीरी, कोंकणी, गुजराती, तमिल, तेलुगू, नेपाली, पंजाबी, बांग्ला, मणिपुरी, मराठी, मलयालम, मैथिली और सिंधी।

हमने बच्चों की चुनिंदा पुस्तकों को गोंडी, भीली, संथाली तथा पूर्वोत्तर की कुछ भाषाओं- आओ, नागा, कोकबोरक, खासी, गारो, नेवारी, बोडो, भुटिया, मिसिंग, मिजो, लिम्बू और लेप्चा में भी अनूदित कराया है। भारत की अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में उपलब्ध महत्त्वपूर्ण साहित्य के प्रकाशन के लिए भी हम प्रयासरत हैं।

हम प्रकाशन की उन विधाओं की ओर विशेष ध्यान देते हैं जो महत्त्वपूर्ण होने के बावजूद भारत में उपेक्षित रही हैं, जैसे कि सामान्य पाठकों के लिए लोकोपयोगी विज्ञान, तकनीक और पर्यावरण तथा भारत के विभिन्न पहलुओं पर पुस्तकें।

हम अभी तक 32 भाषाओं में 17,000 से अधिक पुस्तकों का प्रकाशन कर चुके हैं जिसमें मूल, पुनर्मुद्रण और भारतीय भाषाओं व अंग्रेजी में अनुवाद शामिल हैं।

पुस्तकमालाएं

हम निम्न पुस्तकमालाओं के अंतर्गत पुस्तकें प्रकाशित करते हैं: भारत–देश और लोग, तरुण भारती, लोकोपयोगी विज्ञान, लोकोपयोगी सामाजिक विज्ञान, आदान-प्रदान (अंतर्भारतीय पुस्तकमाला--चर्चित साहित्य का अनुवाद), भारतीय साहित्य निधि, विश्व साहित्य, हिंदी नवजागरण के अग्रदूत, राष्ट्रीय जीवनचरित, लोक–संस्कृति और साहित्य, सृजनात्मक शिक्षा, भारतीय डायस्पोरा अध्ययन, एफ्रो–एशियाई देश, सतत शिक्षा, एशिया–प्रशांत सहप्रकाशन कार्यक्रम, नेहरू बाल पुस्तकालय (बच्चों के लिए पुस्तकें), नवसाक्षर साहित्यमाला (नवसाक्षरों के लिए पुस्तकें), विविध। इसके अलावा, भारतीय साहित्य पुस्तकमाला तथा आत्म जीवनचरित ट्रस्ट की हाल ही में आरंभ की गई पुस्तकमालाएं हैं। ट्रस्ट की स्थापना के 50 वर्ष पूर्ण होने पर स्वर्ण जयंती पुस्तकमाला के अंतर्गत सभी भारतीय भाषाओं की चुनिंदा, विविध विधाओं की, रचनाओं का प्रकाशन किया गया। ट्रस्ट से ब्रेल पुस्तकें भी प्रकाशित होती हैं।

अन्य कार्य

हम विदेशों में भारतीय पुस्तकों के प्रोन्नयन और भारत में पुस्तक–संस्कृति के प्रसार के लिए केंद्रीय अभिकरण के रूप में काम करते हैं।

नेशनल बुक ट्रस्ट निम्न कार्य भी करता है :

- देशभर में विभिन्न स्तरों पर पुस्तक मेलों/प्रदर्शनियों का आयोजन। हमने अभी तक 18 विश्व पुस्तक मेले, 33 राष्ट्रीय पुस्तक मेले, 15 बाल पुस्तक मेले, 61 क्षेत्रीय पुस्तक समारोह आयोजित किए हैं और पूरे देश में 7,500 पुस्तक परिक्रमा व प्रदर्शनियां लगाई हैं। भारतीय साहित्य और ज्ञान–विज्ञान को विदेशों तक ले जाने के क्रम में हमने 350 अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेलों में हिस्सा लिया है जहां विभिन्न प्रकाशकों द्वारा प्रकाशित चुनिंदा पुस्तकों की प्रतिनिधि प्रदर्शनियां आयोजित की गई हैं। नेशनल बुक ट्रस्ट पुस्तक प्रकाशन में प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलता के साथ चलाता है और प्रतिवर्ष 14 से 20 नवंबर तक राष्ट्रीय पुस्तक सप्ताह भी मनाता है, जिसमें प्रकाशकों की बिरादरी के साथ-साथ शैक्षिक और साहित्यिक संस्थाओं की भी सक्रिय भागीदारी रहती है। ट्रस्ट उच्च शिक्षा

के क्षेत्र में तकनीकी पुस्तकें प्रकाशित करने के लिए निजी प्रकाशकों को आर्थिक सहायता भी मुहैया कराता है।

18वां विश्व पुस्तक मेला प्रगति मैदान, नई दिल्ली में 2 से 10 फरवरी 2008 तक संपन्न हुआ। इस पुस्तक मेले में 1,200 से अधिक प्रकाशक, 23 से भी अधिक देशों के भागीदार सहित ट्रस्ट ने अपनी पुस्तकें और पठन सामग्री प्रदर्शित कीं। चूंकि वर्ष 2008 को भारत में 'रूस वर्ष' घोषित किया गया था, अत: ट्रस्ट ने सम्मानित अतिथि देश के रूप में रूस को पुस्तक मेले में आमंत्रित किया। एक विशिष्ट हॉल में अवस्थित रूसी मंडप में रूस से आए 80 से अधिक प्रकाशकों ने अपने नवीनतम प्रकाशनों को प्रदर्शित किया।

अठारहवें नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले में 23 देशों के 41 प्रतिभागियों समेत 1,343 प्रतिभागी शामिल हुए। इनमें अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन, विश्व स्वास्थ्य संगठन, यूनीसेफ, यूरोपीय समुदाय आदि जैसे अंतरराष्ट्रीय निकाय प्रमुख थे। यह मेला 13 हॉलों में 4,500 वर्ग मीटर क्षेत्र में फैला हुआ था। इस बार हॉल सं 1 से 12 तथा सं. 14 में लगभग 2,500 स्टॉल और स्टैंड थे।
महात्मा गांधी की 60वीं पुण्यतिथि के अवसर पर ट्रस्ट ने 'शब्द और कर्म' नाम से गांधी द्वारा लिखित और उन पर लिखित पुस्तकों की एक अंतरराष्ट्रीय स्वत्वाधिकार प्रदर्शनी का लोकार्पण किया।

19वां नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला 30 जनवरी से 7 फरवरी 2010 तक प्रगति मैदान, नई दिल्ली में होगा।

- विभिन्न अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेलों में सहभागिता;
- लोगों को उनके दरवाजे पर पुस्तकें उपलब्ध करवाने के लिए सचल पुस्तक प्रदर्शनियों का आयोजन;
- देशभर में 50,000 से अधिक किताब-क्लब सदस्यों का पंजीयन;
- लेखकों और प्रकाशकों को सहायता प्रदान करना;
- विचार-गोष्ठियों और कार्यशालाओं का आयोजन;
- राष्ट्रीय बाल साहित्य केंद्र का गठन।

अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेलों में सहभागिता

विदेशों में पुस्तक-प्रोन्नयन के लिए केंद्रीय अभिकरण के रूप में नेशनल बुक ट्रस्ट विभिन्न अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेलों में सहभागिता करता है। साथ ही भारत के विभिन्न प्रकाशकों की चुनिंदा पुस्तकों की प्रदर्शनियों का आयोजन विदेश में करता है। 1970

से अभी तक हम 350 से अधिक अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेलों में भाग ले चुके हैं। इनमें दुनियाभर में लोकप्रिय फ्रैंकफुर्त, बोलोना, जिम्बाब्वे और नाइजीरिया पुस्तक मेले शामिल हैं।

एशिया क्षेत्र में आयोजित सभी पुस्तक मेलों में ट्रस्ट भाग लेता है। ये मेले हैं : क्वालालंपुर (मलेशिया), बीजिंग (चीन), सिंगापुर, कोलंबो (श्रीलंका), सियोल (दक्षिण कोरिया), ढाका (बांग्लादेश), मनीला (फिलीपिंस), टोकियो (जापान) और बैंकाक (थाईलैंड)।

सचल पुस्तक प्रदर्शनियां

पूरे देश में दूरस्थ और दुरूह ग्रामीण अंचलों में रहने वाले बड़े पाठक वर्ग तक पुस्तकें पहुंचाने के लिए नेशनल बुक ट्रस्ट मोबाइल वैन में सचल पुस्तक प्रदर्शनियों की अनूठी योजना संचालित करता है। सन् 1992 में प्रारंभ इस योजना के अंतर्गत अभी तक पूर्वोत्तर राज्यों सहित समूचे देश में ऐसी 5,000 से अधिक प्रदर्शनियों का आयोजन किया जा चुका है।

पूर्वोत्तर में गतिविधियां

पूर्वोत्तर के राज्यों में पुस्तकों के उन्नयन के उद्देश्य से ट्रस्ट इन क्षेत्रों में विशेष पुस्तक मेलों व साहित्यिक गतिविधियों का आयोजन करता है। आईजोल, बारपेटा, दुलियाजान, नलवाड़ी और शिलांग में पुस्तक मेले आयोजित किए जा चुके हैं। सबसे हाल का पुस्तक मेला तेजपुर और मोरनहाट में मार्च 2009 में आयोजित किया गया था। पूर्वोत्तर में अब तक कुल 17 पुस्तक मेलों के आयोजन हुए हैं।

विचार-गोष्ठी, कार्यशाला, प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

पुस्तक प्रकाशन के क्षेत्र में कार्यरत लोगों को प्रकाशन की नई गतिविधियों से अवगत करवाने के लिए ट्रस्ट नियमित रूप से विचार-गोष्ठियों और कार्यशालाओं का आयोजन करता है। इसी उद्देश्य को लेकर तथा युवा प्रतिभाओं को इस दिशा में आकर्षित करने के लिए नेशनल बुक ट्रस्ट प्रति वर्ष प्रकाशन पर एक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का आयोजन करता है। पुस्तक-जगत में इस पाठ्यक्रम को सम्माननीय स्थान मिला हुआ है। सन् 1996 से इस तरह के 14 प्रशिक्षणों का आयोजन हो चुका है। ऐसे ही प्रशिक्षणों का आयोजन कानपुर में हिंदी, नासिक में मराठी और अलीगढ़ में उर्दू भाषा में हो चुका है।

राष्ट्रीय पुस्तक सप्ताह

पुस्तक उन्नयन और पठन अभिरुचि के विकास के लिए प्रत्येक वर्ष नवंबर में ट्रस्ट द्वारा कई गतिविधियों का आयोजन होता है। प्रत्येक वर्ष 14 से 20 नवंबर तक राष्ट्रीय

पुस्तक सप्ताह मनाया जाता है और इस अवसर पर पूरे देश में विद्यालयों, पुस्तकालयों और शैक्षिक संस्थाओं में कई गतिविधियां आयोजित की जाती हैं। देशभर की संस्थाओं को इस बारे में प्रचार सामग्री डाक से भिजवाई जाती है। ट्रस्ट को प्रचार माध्यमों से भी बेहतरीन सहयोग मिलता है। इसके चलते पूरे देश में पुस्तक सप्ताह की परिकल्पना स्थापित हो चुकी है। इस सप्ताह के दौरान पूरे देश में कई गोष्ठियां, कार्यशालाएं, पुस्तक प्रदर्शनियां और बच्चों के लिए व बच्चों के द्वारा कई गतिविधियां आयोजित की जाती हैं।

राष्ट्रीय बाल साहित्य केंद्र

बच्चों के लिए नेशनल बुक ट्रस्ट में 'राष्ट्रीय बाल साहित्य केंद्र' के नाम से एक विशेष अनुभाग कार्यरत है। यह अनुभाग विभिन्न भारतीय भाषाओं में बाल साहित्य के समन्वय, आयोजन और सहायता का कार्य करता है। बाल साहित्य के पुस्तकालय-सह-प्रलेखन केंद्र को स्थापित करने के अतिरिक्त यह अनुभाग कार्यशालाओं, संगोष्ठियों और प्रदर्शनियों का आयोजन करने और स्कूल-स्तर पर पठन-वृत्ति को बढ़ावा देने के लिए पाठक-मंचों की स्थापना को प्रोत्साहित करने में सक्रिय है। यह अनुभाग बाल साहित्य संबंधी सर्वेक्षण एवं अनुसंधान कार्य करता है।

गौरव का वर्ष

वर्ष 2003-04 भारत के लिए गौरव का वर्ष था। इस वर्ष यूनेस्को और अंतरराष्ट्रीय प्रकाशक संघ ने दिल्ली को विश्व पुस्तक राजधानी से सम्मानित किया था। उल्लेखनीय है कि अलेक्जेंड्रिया और मैड्रिड के बाद दिल्ली यह गौरव पाने वाला विश्व का तीसरा शहर था। इस अवसर पर सालभर गतिविधियों के आयोजन हेतु मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार ने नेशनल बुक ट्रस्ट को केंद्रीय अभिकरण नियुक्त किया था। इसके अंतर्गत ट्रस्ट द्वारा 23 अप्रैल 2003 से 22 अप्रैल 2004 तक देशभर में कई गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस अवधि में कई विचार-गोष्ठियों, पुस्तक मेले और दिल्ली, इलाहाबाद, कोलकाता में एक साथ कई स्थानों पर पुस्तक प्रदर्शनियों के आयोजन उल्लेखनीय रहे।

फ्रैंकफुर्त पुस्तक मेला

फ्रैंकफुर्त पुस्तक मेला 2006 में भारत का अतिथि देश के रूप में चयन एक बड़ा सम्मान रहा। फ्रैंकफुर्त पुस्तक मेला विश्व में सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेला है जिसका आयोजन प्रतिवर्ष जर्मनी के फ्रैंकफुर्त में किया जाता है। वह पुस्तकोन्नयन, शैक्षणिक विशिष्टता तथा ज्ञान-तकनीक के प्रसार के क्षेत्र में किसी देश की ताकत

को प्रदर्शित करने का एक वैश्विक मंच प्रदान करता है। फ्रैंकफुर्त मेला प्राधिकरण द्वारा प्रतिवर्ष किसी एक देश का अतिथि देश के रूप में चयन किया जाता है। भारत विश्व का वह एक़मात्र देश है जिसे अतिथि देश बनने का यह सम्मान दो बार मिला है–पहली बार 1986 में और फिर 2006 में। गत वर्ष फ्रैंकफुर्त पुस्तक मेला का आयोजन 14 से 18 अक्टूबर 2009 की अवधि में हुआ था।

नेशनल बुक ट्रस्ट ने भारत को पाठकों का एक समाज बनाने की जिम्मेवारी अपने ऊपर ली है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए ट्रस्ट ने सारे देश में बड़े पैमाने पर एक जागरूकता अभियान शुरू किया है।

किताब क्लब की योजना

ट्रस्ट की एक और योजना है–नेशनल बुक ट्रस्ट किताब क्लब की योजना। किताब क्लब के सदस्यों को ट्रस्ट की पुस्तकों की खरीद पर विशेष छूट दी जाती है, साथ ही वी.पी.पी. द्वारा पुस्तकें मंगाने पर उन्हें डाक खर्च में भी छूट दी जाती है। किसी व्यक्ति के लिए इस क्लब की आजीवन सदस्यता का शुल्क मात्र 50/–रुपये है। इसके अलावा, सभी सदस्य ट्रस्ट से हिंदी तथा अंग्रेजी में हर माह प्रकाशित मुखपत्र प्राप्त करने के भी अधिकारी होंगे जो उन्हें ट्रस्ट की गतिविधियों से निरंतर भिज्ञ रखते हैं।

आर्थिक सहायता योजना

उच्च शिक्षा की पुस्तकों के उचित मूल्य पर प्रकाशन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हम लेखकों तथा पाठ्य पुस्तकों और संदर्भ सामग्री के प्रकाशकों को आर्थिक सहायता देते हैं। पुस्तकों के अनुदानित (आर्थिक सहायता प्राप्त) प्रकाशन के लिए हमारी योजना के अंतर्गत, केवल वैसी पुस्तकों को आर्थिक सहायता दी जाती है जिसके संबंध में एक निश्चित जरूरत महसूस की जाए और जो ऐसे विषय-क्षेत्र से संबद्ध हो जहां एक स्वीकार्य स्तर की पुस्तकें या तो उपलब्ध नहीं हैं या फिर इतनी महंगी हों जो विद्यार्थियों की क्रय सीमा से बाहर हो। अब तक हमने लगभग 930 पुस्तकों के लिए प्रकाशन अनुदान दिया है, इनमें अधिकांश अंग्रेजी की पुस्तकें हैं। इसी से, अब यह निर्णय लिया गया है कि अनुदान हेतु अंग्रेजी की पुस्तकों का बेहद सावधानी से चुनाव किया जाए तथा भारतीय भाषाओं के वंचित प्रकाशकों को प्रोत्साहन हेतु इस योजना का अधिकतम लाभ दिया जाए। इसके अलावा, प्रकाशन हेतु सहायता उपलब्ध कराने की इस योजना का विस्तार कर इसके क्षेत्र के अंतर्गत, भारतीय भाषाओं में, कथेतर क्षेत्र की विचारोत्तेजक कृतियों को भी सम्मिलित किया गया है जिसमें शब्दकोश और विश्वकोश आदि जैसी कृतियां भी होंगी।

हमारा प्रकाशन कार्यक्रम

हम कुछ सुपरिभाषित पुस्तकमालाओं के अंतर्गत पुस्तकों का प्रकाशन करते हैं, जिनकी चर्चा नीचे की गई है:

भारत-देश और लोग

इस पुस्तकमाला की पुस्तकें भारत को संग्रथित व सजीव रूप देने वाले नानारूप, भौतिक पर्यावरण, विविध सांस्कृतिक परंपराओं तथा वनस्पति व पशु-पक्षी जगत का परिचय कराती हैं। विषय-विशेषज्ञों द्वारा सुस्पष्ट, सरल और गैर-तकनीकी भाषा-शैली में लिखित ये पुस्तकें ऐसे पाठकों को प्रामाणिक तथा अद्यतन जानकारी प्रदान करती हैं जो संभवतया विषय से परिचित न हों।

तरुण भारती

'तरुण भारती' पुस्तकमाला के अंतर्गत पुस्तकें प्रकाशित करने का प्रमुख ध्येय 18 वर्ष के आसपास की आयु वाले युवा पाठकों को उन सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक अवधारणाओं, मुद्दों और विकल्पों से परिचित कराना है, जिनका सामना उन्हें आने वाले वर्षों में करना पड़ेगा। इस पुस्तकमाला में साहसिक उपक्रमों तथा यात्राओं के वृत्तांत और रोजगार के अवसरों से संबंधित विषयों पर भी पुस्तकें सम्मिलित की जाती हैं।

लोकोपयोगी विज्ञान

इस पुस्तकमाला का उद्देश्य आम पढ़े-लिखे पाठक को आसपास की दुनिया व विज्ञान की प्रगति को समझने में मदद करना तथा दैनिक जीवन में विज्ञान और प्रौद्योगिकी द्वारा निभाई जाने वाली भूमिका से अवगत कराना है। जहां भी संभव है, इनमें संबद्ध क्षेत्र में भारत के योगदान पर भी प्रकाश डाला जाता है। इस पुस्तकमाला की पुस्तकें सुबोध और सरल भाषा-शैली में लिखी जाती हैं तथा इनमें दैनिक जीवन के उपाख्यानों और सादृश्यों को भी सम्मिलित किया जाता है। आरेख, रेखाचित्र व छायाचित्र पाठ्य-सामग्री को सुस्पष्ट करते हैं।

लोकोपयोगी सामाजिक विज्ञान

इस पुस्तकमाला के अंतर्गत सामान्य पाठकों के लिए सामाजिक विज्ञान के लोकप्रिय विचार एवं अवधारणाओं पर आधारित पुस्तकें प्रकाशित की जाती है। उभरते हुए

ऐसे विविध विषय क्षेत्र जैसे स्त्री विमर्श, आदिवासी विमर्श, दलित विमर्श, संस्कृति विमर्श, शांति और संघर्ष विमर्श, विकास अर्थशास्त्र, सामाजिक संरचना आदि इस पुस्तकमाला के मुख्य विषय हैं। सामान्यत: ये विषय क्षेत्र अकादमिक विमर्शों तक ही सीमित रह जाते हैं और इसलिए यह अनुभव किया गया कि इन विचारों को सामान्य पाठकों के समक्ष गैर-अकादमिक तथा संक्षिप्त रूप में प्रस्तुत किया जाए।

आदान-प्रदान (अंतर्भारतीय पुस्तकमाला)

यह विभिन्न क्षेत्रों के सृजनात्मक साहित्य के आदान-प्रदान द्वारा राष्ट्रीय एकता को बढ़ाने की अतुल क्षमता रखने वाली एक विशिष्ट पुस्तकमाला है। इसके अंतर्गत विभिन्न भाषाओं की सुप्रसिद्ध रचनाएं, जिनमें मुख्यतया उपन्यास व कहानियां शामिल हैं, अन्य भाषायी पाठकों को उपलब्ध कराई जाती हैं। चूंकि आदान-प्रदान में केवल समकालीन कृतियों को ही प्रकाशित किया जाता है, इसलिए हम भारतीय साहित्य की कालजयी कृतियों को एक अन्य पुस्तकमाला, भारतीय साहित्य निधि के अंतर्गत प्रकाशित करते हैं।

भारतीय साहित्य पुस्तकमाला

इस पुस्तकमाला के अंतर्गत मूल भाषा में सुविख्यात रचनाकारों की कालजयी रचनाओं, जिनमें मुख्यतया उपन्यास, कहानियां, एकांकी व निबंध शामिल हैं, का प्रकाशन किया जाता है।

भारतीय साहित्य निधि

आदान-प्रदान पुस्तकमाला में केवल समकालीन रचनाएं प्रकाशित की जाती हैं, इसलिए भारत की सभी भारतीय भाषाओं के क्लासिकल साहित्य का प्रकाशन इस पुस्तकमाला के अंतर्गत किया जाता है।

विश्व साहित्य

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद की अवधि में प्रकाशित, मूल रूप से विभिन्न भाषाओं में लिखित, चुनिंदा उपन्यासों को अब अंग्रेजी में अनूदित एवं प्रकाशित किया जा रहा है ताकि न केवल वे स्वदेश के अंग्रेजी पाठकों को उपलब्ध हों, बल्कि उन्हें अंतरराष्ट्रीय मंच और पाठक वर्ग भी मिले। इससे विदेशी भाषाओं में उनके अनुवाद की संभावनाएं भी बढ़ जाएंगी। चुनिंदा कहानियों के भाषावार संकलन भी अंग्रेजी में संकलित एवं प्रकाशित किए जा रहे हैं। इसके अलावा, एशियाई, अफ्रीकी और लैटिन अमेरिकी देशों की समकालीन रचनाओं के संकलन भी प्रकाशित करने का प्रस्ताव है।

हिंदी नवजागरण के अग्रदूत

भारत के आधुनिक पुनर्जागरण की भावना के प्रसार में 19वीं सदी के उत्तरार्द्ध तथा 20वीं सदी के पूर्वार्द्ध के प्रमुख हिंदी गद्य लेखकों की ऐतिहासिक भूमिका सर्वविदित है, और उनकी प्रासंगिकता किसी भी विवाद से परे है। पाश्चात्य ज्ञान और विज्ञान की चुनौतियों का सामना करते हुए, आधुनिक हिंदी लेखकों ने हमारी प्राचीन परंपराओं के मूल्य को बरकरार रखा और हमें उपनिवेशवादी विचारधारा से मुक्ति दिलाने में महती भूमिका का निर्वाह किया। यह आज भी हमें प्रेरणा देता है। किंतु, दुर्भाग्यवश इस काल की रचनाएं आसानी से उपलब्ध नहीं हैं। यहां तक कि इन रचनाओं की जानकारी देने के लिए तैयार किए गए संग्रह न तो सही अवस्था में हैं, न ही सामान्य पाठकों के लिए उपयोगी। इस शून्य को भरने के लिए हिंदी पुनर्जागरण काल के हर प्रमुख लेखक के प्रतिनिधि रचना संकलन का इस पुस्तकमाला के तहत प्रकाशन किया जाता है।

राष्ट्रीय जीवनचरित

इस पुस्तकमाला का उद्देश्य भारत के ऐसे पुरुषों और स्त्रियों के जीवनचरित प्रकाशित करना है जिन्होंने भारतीय समाज, संस्कृति, विज्ञान, अर्थव्यवस्था और राज्यतंत्र के साथ ही आधुनिक भारतीय चिंतन के विकास में असाधारण योगदान दिया है। इन पुस्तकों में संबद्ध व्यक्तियों के जीवन और काल का प्रामाणिक, तटस्थ, विस्तृत एवं विश्लेषणात्मक विवरण होता है।

आत्म जीवनचरित

हाल ही में आरंभ की गई इस पुस्तकमाला का उद्देश्य उन पुरुषों और स्त्रियों की आत्मकथाओं को प्रकाशित करना है, जिन्होंने समाज, संस्कृति, विज्ञान, अर्थव्यवस्था और राजनीति क्षेत्र में आधुनिक चिंतन के विकास में अभूतपूर्व योगदान दिया है। इसके तहत नई पुस्तकों में शामिल हैं–किस पहि खोलऊं गठरी (कर्त्तार सिंह दुग्गल) तथा मेरे जीवन की कुछ यादें (जेड.ए. अहमद)।

लोक-संस्कृति और साहित्य

प्रारंभ में, इस पुस्तकमाला का उद्देश्य एक क्षेत्र के पाठकों को देश के अन्य क्षेत्रों की उस लोक-संस्कृति और साहित्य से परिचित कराना था जिसने उस क्षेत्र के लोगों को अलग सांस्कृतिक पहचान दी है। इस पुस्तकमाला की पुस्तकों में संबद्ध क्षेत्र, वहां के लोग, मिथक, पौराणिक कथाएं, धर्म, रीति-रिवाज, परंपराएं, मेले, तीज-त्योहार, संगीत, नृत्य, नाटक, कला और शिल्प, लोक-साहित्य आदि का भी

विवरण दिया जाता था। अब यह निर्णय लिया गया है कि इस पुस्तकमाला के संकुचित स्वरूप में परिवर्तन कर लोक-साहित्य को और अधिक जीवंत रूप में प्रस्तुत किया जाए।

सृजनात्मक शिक्षा

इस पुस्तकमाला का उद्देश्य नई शैक्षिक अवधारणाओं और शिक्षण सामग्री पर पुस्तकें प्रकाशित करना है, जिनका स्कूल-पूर्व और प्राथमिक स्तर की शिक्षा में सक्रियता से समावेश किया जा रहा है। शिक्षा के प्रति व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाने के लिए इन पुस्तकों का प्रकाशन अध्यापकों तथा शिक्षा के साथ जुड़े अन्य लोगों की जरूरतों को पूरा करता है।

भारतीय डायस्पोरा अध्ययन

इस पुस्तकमाला के अंतर्गत दुनिया के भिन्न-भिन्न भागों में रह रहे भारतीय आप्रवासियों के विषय में तथा आप्रवासी समुदाय के कार्यों पर केंद्रित पुस्तकें होंगी। इसके अंतर्गत ज्ञान के विविध तंत्रों जैसे लेखन, साहित्य, समाज शास्त्र, संस्कृति, दर्शन आदि के ऊपर पड़ने वाले अंतरसांस्कृतिक प्रभाव, हस्तांतरण तथा निष्कासन, विस्थापन, आप्रवासन आदि के प्रभाव की महत्त्वपूर्ण विशेषताओं को बाहर लाने की मंशा है। चूंकि आप्रवासी विमर्श आज अध्ययन के एक महत्त्वपूर्ण क्षेत्र के रूप में उभर रहा है, अतः इस क्षेत्र में प्रकाशन की पहल नेशनल बुक ट्रस्ट का एक पथप्रदर्शक प्रयास है।

एफ्रो-एशियाई देश

परवर्ती औपनिवेशिक विश्व में, एशिया तथा अफ्रीका के देश सांस्कृतिक, सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक शक्ति के रूप में उभरे तथा समान स्थितियों के कारण अध्ययन के एक महत्त्वपूर्ण क्षेत्र बन रहे हैं। इस पुस्तकमाला के अंतर्गत भू-राजनीतिक क्षेत्रों में विज्ञान और तकनीक, व्यापार, कृषि, आधारभूत संरचना, शिक्षा, स्वास्थ्य, राजनीतिक साहचर्य आदि क्षेत्रों में निरंतर विकास, वैश्वीकरण तथा अंतरनिर्भरता की समस्याओं और आशाओं पर केंद्रित पुस्तकों का प्रकाशन किया जाएगा।

सतत शिक्षा

इसका उद्देश्य सतत शिक्षा कार्यक्रम के भागीदारों के लिए देश की सभी प्रमुख भाषाओं में पुस्तकों का प्रकाशन करना है। इस पुस्तकमाला में स्वतंत्रता संग्राम के गीतों के संकलन के साथ-साथ भारतीय संस्कृति, राज्यतंत्र, उद्योग, कृषि आदि से संबंधित पुस्तकें आती हैं। इसके अतिरिक्त, जीवनचरितों तथा महत्त्वपूर्ण भारतीय उपन्यासों के संक्षिप्त संस्करणों का भी लक्षित पाठकों के लिए प्रकाशन किया जाता है। दैनिक जीवन के लिए जानकारीपरक पुस्तकें भी इस पुस्तकमाला में शामिल हैं।

एशिया-प्रशांत सहप्रकाशन कार्यक्रम

यह एशियाई बच्चों के लिए एशियाई लेखकों द्वारा पुस्तकें तैयार करने का यूनेस्को का एक अनोखा प्रयास है। कोरिया के बच्चे यदि श्रीलंका के बच्चों के साथ अपनी भावनाओं का आदान-प्रदान कर सकें तो यह कोई छोटी उपलब्धि नहीं है। और जब महाद्वीप के 20 देशों के बच्चों के लिए पुस्तकें तैयार करने के लिए भारत और पाकिस्तान के संपादक एक टीम के रूप में काम करते हैं तो इसे एक नई शुरुआत कहा जा सकता है। तेहरान से टोक्यो तक फैले संसार के अनेक देश रंग भरे शब्दों की सृष्टि करने में परस्पर सहयोग करते हैं जिन्हें पूरे विश्व के न सही, महाद्वीप के बच्चे अवश्य पढ़ना पसंद करेंगे। दिलों के बीच एक सेतु का काम करने तथा इस विशाल महाद्वीप के लिए साझी विरासत की सृष्टि करने की दिशा में ये पुस्तकें एक बड़ा कदम हैं तथा एशिया में ये सर्वोत्तम हैं।

नेहरू बाल पुस्तकालय

'नेहरू बाल पुस्तकालय' पुस्तकमाला का उद्देश्य रोचक एवं सूचनाप्रद साहित्य के एक समृद्ध भंडार का विकास करना है जिसे बच्चे स्वेच्छा से पढ़ सकें। देश भर के बच्चों को उनकी मातृभाषा में विभिन्न विषयों पर समान पठन-सामग्री उपलब्ध कराके यह पुस्तकमाला राष्ट्रीय एकता को भी बढ़ावा देती है।

इस पुस्तकमाला की पुस्तकें चार आयु-वर्गों अर्थात स्कूल जाने की उम्र से छोटे बच्चों, 6 से 8 वर्ष, 9 से 11 वर्ष और 12 से 14 वर्ष के बच्चों की जरूरतें पूरी करती हैं। इन पुस्तकों की साज-सज्जा के लिए चित्र आदि बनाने का कार्य विशेष रूप से कराया जाता है और सभी पुस्तकों में रंगीन तथा/अथवा श्वेत-श्याम चित्र, रेखाचित्र एवं छायाचित्र होते हैं।

स्कूल जाने की उम्र से छोटे बच्चों की पुस्तकों में यदि कुछ शब्द दिए जाते हैं तो वे बहुरंगी तस्वीरों के सहायक मात्र होते हैं जो अपनी कहानी आप कहती हैं।

नवसाक्षर साहित्यमाला

इस पुस्तकमाला के अंतर्गत प्रकाशित अधिकांश पुस्तकें स्थानीय लोगों की भागीदारी से आयोजित कार्यशालाओं में तैयार की जाती हैं। लेखकों/विशेषज्ञों को भी पुस्तक लेखन का कार्य सौंपा जाता है तथा पुस्तकों का रूपांतरण एवं संक्षेपण भी कराया जाता है।

पुस्तकों को नवसाक्षरों की आवश्यकताओं के अनुरूप बनाने के लिए इन पुस्तकों को उनकी सुपरिचित भाषा-शैली में लिखा जाता है और नवसाक्षरों द्वारा पढ़वाकर इन्हें अंतिम रूप दिया जाता है। इन पुस्तकों में व्यापक चित्रांकन भी होता है।

कहानियां, जीवनचरित, उपन्यासिकाएं, लोककथाएं, समसामयिक विषय और व्यवहारोपयोगी सूचनाप्रद पुस्तकें ऐसी शैली में प्रकाशित की जाती हैं जो नवसाक्षरों को अपने आप पुस्तकें पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें।

विविध

अन्य महत्त्वपूर्ण पुस्तकें, जो उपर्युक्त पुस्तकमालाओं के अंतर्गत नहीं स्वीकार की जा सकतीं, विविध पुस्तकों के रूप में प्रकाशित की जाती हैं।

स्वर्ण जयंती पुस्तकमाला

ट्रस्ट की स्थापना (1957) के पचास वर्ष पूर्ण होने पर वर्ष 2007 में इस पुस्तकमाला के अंतर्गत सभी भारतीय भाषाओं की चुनिंदा, विविध विधाओं की, रचनाओं का प्रकाशन किया गया। इस पुस्तकमाला के अंतर्गत अब तक 17 भाषाओं में 35 पुस्तकों का प्रकाशन हो चुका है। इन पुस्तकों में भारत की स्वाधीनता के बाद की रचनाओं का संकलन है। ये पुस्तकें कविता, कहानी और नाटक विधा की हैं। प्रत्येक पुस्तक का संकलन और संपादन उस खास भाषा और विधा के किसी महत्त्वपूर्ण लेखक द्वारा किया गया है। इस सूचीपत्र में इस पुस्तकमाला की केवल हिंदी, मैथिली, राजस्थानी और हिमाचली पुस्तकों को शामिल किया गया है।

ब्रेल पुस्तकें

नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया 'ऑल इंडिया कन्फेडरेशन ऑफ द ब्लाइंड, नई दिल्ली' के सहयोग से अब तक ब्रेल संस्करण की लगभग 200 पुस्तकें प्रकाशित कर चुका है। ये पुस्तकें हिंदी, अंग्रेजी, तमिल, गुजराती, कन्नड़, मलयालम तथा मराठी भाषाओं में ब्रेल संस्करण के रूप में हैं। ब्रेल में प्रकाशन के लिए चुनिंदा पुस्तकमालाओं से कुछ पुस्तकों का चयन किया गया है।

भारत–देश और लोग

राज्य संबंधी जानकारी

1. अंडमान और निकोबार द्वीप समूह

बहादुर राम टम्टा पृ. 162 रु. 50.00

इस पुस्तक में लेखक ने अंडमान और निकोबार द्वीप समूहों में भारत के अंश को उजागर किया है, जो महानगरीय सभ्यता की चकाचौंध से दूर प्रकृति की गोद में बसी आदिवासी जनजातियों के सरल जीवन और जिजीविषा की अदम्य छटपटाहट से जुड़ा है।

ISBN 81-237-0485-2

2. उत्तर प्रदेश

एस.एन. झा अनु. : बनवारीलाल पृ. 176, रु. 70.00

प्रस्तुत पुस्तक उत्तर प्रदेश राज्य के भू-भागों व्यक्तियों, रीति-रिवाजों, संसाधनों, शिल्प, साहित्य आदि की व्यावहारिक जानकारी प्रदान करती है। ISBN 978-81-237-5364-5

3. गोवा

जे. एफ. गोम्स अनु. : चंद्रमौलि मणि पृ. 252, रु. 95.00

प्रस्तुत पुस्तक गोवा के भौतिक परिवेश, ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, सामाजिक संरचना पर एक विहंगम दृष्टि है। साथ ही इसमें वहां की सांस्कृतिक विरासत, साहित्य, जनश्रुति के अन्य आयामों का भी विवरण है। ISBN 978-81-237-5584-7

4. झारखंड

अनिल कुमार पृ. 194, रु. 75.00

भारत के 28वें राज्य झारखंड के भौतिक परिदृश्य, ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, प्रशासनिक गठन, संसाधन एवं आर्थिक स्वरूप, मानव संसाधन, समाज एवं संस्कृति, परिवहन एवं पर्यटन, संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी तथा विकास की संभावनाओं को प्रस्तुत पुस्तक में व्यक्त किया गया है। ISBN 978-81-237-5207-5

5. बिहार का भूगोल

अनिल कुमार पृ. 148 रु. 40.00

बिहार राज्य की भौगोलिक स्थिति, जलवायु, मृदा, प्राकृतिक वनस्पति, भूमि, जल, खनिज संसाधनों, उद्योग, परिवहन आदि के साथ साथ राज्य की समस्याओं और समृद्ध भविष्य की विस्तृत झांकी का लेखा जोखा। ISBN 81-237-1215-4

6. भारत का प्राकृतिक भूविज्ञान

शंकर मोहन माथुर अनु. : विजय सिंह पृ. 162 रु. 45.00

प्रस्तुत पुस्तक में उपमहाद्वीप के प्राकृतिक भूविज्ञान को घेरे हुए महासागरों व उनके द्वीपों के समस्त पहलुओं पर प्रकाश डाला गया है।

ISBN 81-237-2061-0

7. हरियाणा

डी.सी. वर्मा, सुखबीर सिंह अनु. : के.एस.सक्सेना पृ. 172 रु. 70.00

सांस्कृतिक संपदा से समृद्ध हरियाणा राज्य ने 1966 में अपने गठन से लेकर आज तक एक स्वतंत्र राज्य के रूप में कृषि और औद्योगिक क्षेत्र में तेजी से विकास किया है। एक विकासशील राज्य की झांकी प्रस्तुत करती पुस्तक।

ISBN 81-237-4428-5

8. हरियाणा की दुविधा : समस्याएं और संभावनाएं

डी.आर चौधरी पृ. 136 रु. 50.00

हरियाणा विरोधाभासों और अंतर्विरोधों की भूमि है। यह राजधानी दिल्ली से सटा हुआ भी है। यह पुस्तक हरियाणा की ऐसी ही कई दुविधाओं, अनिश्चितताओं को तर्क के साथ प्रस्तुत करती है। लेखक का मानना है कि इस राज्य का गठन ही अत्यधिक विषम और त्रुटिपूर्ण है। यहां के आर्थिक विकास को कतई नकारा नहीं जा सकता, लेकिन कला, संस्कृति, साहित्य में इसकी कतई पहचान नहीं है।

ISBN 978-81-237-4969-3

9. हिमाचल प्रदेश

हरिकृष्ण मिट्टू अनु. : नरेश 'नदीम' पृ. 100 रु. 35.00

'देवभूमि' कहे जाने वाले हिमाचल प्रदेश के इतिहास, सामाजिक एवं सांस्कृतिक जीवन तथा आर्थिक विकास के बहुआयामी पक्षों की जानकारी उपलब्ध कराती पुस्तक।

ISBN 81-237-1122-0

इतिहास/कला/संस्कृति

1. अरुणाचल का आदिकालीन इतिहास

एल.एन. चक्रवर्ती अनु. : सच्चिदानन्द चतुर्वेदी पृ. 172 रु. 55.00

उत्तर में तिब्बत, दक्षिण में असम घाटी, पूर्व में बर्मा और तिब्बत तथा पश्चिम में भूटान और असम से घिरे अरुणाचल प्रदेश, जिसे नेफा के नाम से जाना जाता रहा है, के इतिहास की रोचक व रोमांचक प्रस्तुति।

ISBN 81-237-4367-X

2. उत्तर भारत के मंदिर

कृष्णदेव अनु. : ओमप्रकाश टंडन पृ. 60 रु. 35.00

उत्तर भारत के मंदिर अपनी विशेषताओं के उत्कृष्ट प्रतीक हैं। प्रस्तुत पुस्तक में गुप्त काल से लेकर 20वीं सदी के प्रारंभ में हुए विशिष्ट स्थापत्य शैली के प्रादुर्भाव तक को दर्शाया गया है। ISBN 81-237-4304-1

3. दक्षिण भारत के मंदिर

के. आर. श्रीनिवासन अनु. : उमेश दत्त दीक्षित पृ. 216 रु. 55.00

दक्षिण भारत में स्थापत्य कला के अद्वितीय उदाहरण, वहां के मंदिरों के इतिहास तथा उनकी वर्तमान स्थिति पर प्रामाणिक दस्तावेज। ISBN 81-237-1867-5

4. प्राचीन भारतीय वेशभूषा

रोशन अल्काजी अनु. : हमीदुल्ला पृ. 144 रु. 45.00

इस पुस्तक में पुरातत्वीय स्रोतों के आधार पर 321 ईसा पूर्व और 850 ई. के मध्य भारतीय वेशभूषा के क्रमिक विकास की जानकारी दी गई है। यह चित्रकारों, कला के विद्यार्थियों, फैशन डिजाइनरों तथा फिल्मों, टेलीविजन और रंगमंच के लिए वेशभूषा डिजाइन करने वालों के लिए एक सुलभ संदर्भ ग्रंथ है। ISBN 81-237-3754-8

5. पारंपरिक भारतीय रंगमंच : अनंत धाराएं

कपिला वात्स्यायन अनु. : बदीउज़्ज़मा पृ. 192 रु. 84.00

इस पुस्तक में भारतीय नाट्य कलाओं के कुछ रूपों का पथदर्शी अध्ययन है, जो परंपरागत संदर्भ में न 'लोक' और न ही 'शास्त्रीय' आन-बान के हैं, बल्कि दोनों के मिश्रित तत्वों की अभिव्यक्ति हैं। ISBN 81-237-1432-7

6. बांग्ला रंगमंच

किरणमय राहा अनु. : गुलशेर खान 'शानी' पृ. 152 रु. 26.00

प्रस्तुत पुस्तक में बांग्ला रंगमंच के प्रारंभ से लेकर आज तक, लगभग 150 वर्षों में हुए विकास क्रम का अध्ययन करते हुए बांग्ला रंगमंच की विषय-वस्तु और सापेक्षता दोनों का ही वर्तमान स्थितियों के अनुसार वर्णन किया गया है। ISBN 81-237-0294-9

7. भारत की राष्ट्रीय संस्कृति

एस.आबिद हुसैन अनु. : दुर्गाशंकर शुक्ल पृ. 174 रु. 40.00

पुस्तक में भारतीय इतिहास का काल-क्रमानुसार सर्वेक्षण प्रस्तुत करते हुए ऐसी बातों पर प्रकाश डाला गया है, जो इस तथ्य को उजागर करती हैं कि भारत में जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में विविधता होने के बावजूद आंतरिक तौर पर एकता निहित है।

ISBN 81-237-0708-8

8. भारत की समकालीन कला–एक परिप्रेक्ष्य

प्राण नाथ मागो अनु. : सौमित्र मोहन पृ. 236 रु. 400.00

प्रस्तुत पुस्तक में उस इतिहास को खोजने का प्रयास किया गया है जिसके फलस्वरूप हमारे देश की कला में समसामयिकता अथवा आधुनिकता की चेतना फलीभूत हुई। साथ ही 19वीं शताब्दी के मध्य से वर्तमान काल तक की विभिन्न प्रवृत्तियों व दिशाओं के विकास का संक्षेप में वर्णन किया गया है। ISBN 81-237-4617-2

9. भारत में प्रदर्शन परंपरा

सुरेश अवस्थी अनु. : इंदुजा अवस्थी पृ. 94 रु. 80.00

यह पुस्तक महाकाव्यों की प्रदर्शन परंपरा से लेकर नए समकालीन रंगमंच तक भारत की प्रदर्शन परंपरा के विविध पक्षों के माध्यम से देश के सामाजिक-सांस्कृतिक पक्ष को जानने का विकल्प प्रस्तुत करती है। ISBN 978-81-237-5518-2

10. भारतीय चित्रकला

सी. शिवराममूर्ति अनु. : रश्मिकला अग्रवाल पृ. 118 रु. 70.00

प्रस्तुत पुस्तक में प्रागैतिहासिक काल से लेकर आज तक की विभिन्न भारतीय चित्र शैलियों की प्रमुख विशेषताओं पर संक्षेप में प्रकाश डाला गया है।

ISBN 978-81-237-5347-8

11. मंच आलोकन

जी.एन.दासगुप्ता अनु. : अजय मलकानी पृ. 156 रु. 65.00

मंच प्रस्तुतियों के लिए आलोकन का एक महत्वपूर्ण स्थान है। प्रस्तुत पुस्तक में मंच दीपन कला और उसकी प्रक्रिया को संचालित करने वाले सिद्धांतों का विवेचन प्रस्तुत किया गया है। ISBN 81-237-3761-0

12. हिमालय की यात्राएं : एक कलाकार की स्केच बुक

राम नाथ पसरीचा पृ. 78 रु. 70.00

जाने-माने कलाकार द्वारा बनाए गए स्केचों तथा पेंटिंग से सजी कलाकार के ही शब्दों में व्यक्त उनके हिमालय भ्रमण का रोचक वर्णन। ISBN 978-81-237-5002-6

13. वाद्य यंत्र

बी.चैतन्य देव अनु. : अलका पाठक पृ. 122 रु. 40.00

यह पुस्तक वाद्य यंत्रों की संरचना के विकास और संगीत में उनकी उपयोगिता और गुणवत्ता का रोचक विवरण प्रस्तुत करती है। यहां उनका अध्ययन न केवल मिथकों, लोकगीतों और धर्म संदर्भ में बल्कि अंतर्सांस्कृतिक आंदोलनों और सामाजिक विकास के संदर्भ में भी किया गया है। ISBN 978-81-237-0652-9

उद्योग/कृषि/जीव-जगत

1. आनंद पंछी निहारन का

विश्वमोहन तिवारी पृ. 214 रु. 110.00

भारतीय पक्षियों के अध्ययन को विकसित करने के लिए इस पुस्तक में पक्षियों का बहुत सहज, सरल भाषा में वर्णन किया गया है। इनकी पहचान को सरल बनाने के लिए अंग्रेजी के अलावा लोकमानस में प्रचलित नामों का प्रयोग किया गया है। पुस्तक में दिए गए रंगीन चित्र व रेखांकन इस अध्ययन को रोचक बनाते हैं। ISBN 81-237-2534-5

2. औद्योगिक विकास

एम.आर.कुलकर्णी अनु. : भोलानाथ गोयल पृ. 376 रु. 70.00

भारत में औद्योगिक विकास के अध्ययन, उसकी समस्याओं और प्रगति की सरल एवं रोचक भाषा शैली में प्रस्तुति। ISBN 81-237-1202-2

3. औषधीय पौधे

सुधांशु कुमार जैन पृ. 200 रु. 55.00

प्रस्तुत पुस्तक में लेखक द्वारा लगभग सौ किस्म के औषधीय पौधों के बारे में जानकारी दी गई है। इनमें जड़ी-बूटियां, वनस्पति नामकरण, पौधों का संरक्षण तथा लुप्तप्रायः पौधे जैसे विषय शामिल हैं। ISBN 81-237-0847-5

4. कीट

एम.एस.मणि अनु. : नरेन्द्र सिंह चौहान पृ. 176 रु. 50.00

प्रारंभ से मानव के संगी रहे कीटों की अद्भुत दुनिया के बारे में जानकारी प्रस्तुत करती रोचक पुस्तक। ISBN 81-237-2294-X

5. गन्ना : उत्पादन और उपयोग

अशोक कुमार श्रीवास्तव शीघ्र प्रकाश्य

यह पुस्तक गन्ने के इतिहास, भारत और दुनिया के अन्य देशों में इस फसल की पैदावार, चीनी उद्योग में नए प्रयोग आदि के साथ-साथ गन्ने में ख्यातिप्राप्त अनुसंधान, कृषि दक्ष प्रणाली, बौद्धिक संपदा अधिकार, आदि विषयों को आम लोगों की भाषा में प्रस्तुत करती है।

6. पालतू पशु

हरबंस सिंह अनु. : प्रेमकांत भार्गव पृ. 154 रु. 60.00

प्रस्तुत पुस्तक में लेखक ने अद्यतन आंकड़ों तथा अन्य देशों की उन्नत प्रणाली के आधार पर देश में उपलब्ध पशुधन के अधिकाधिक उपयोग पर प्रकाश डाला है।

ISBN 81-237-0855-6

7. फसल पीड़क कीट

एस.प्रधान अनु. : हनुमान सिंह पंवार पृ. 200 रु. 52.00

इस पुस्तक में आम पाठक के लिए फसलों के प्रमुख कीटों तथा उनकी रोकथाम के विषय में आवश्यक जानकारी दी गई है।

ISBN 81-237-1502-1

8. बागानी फसलें

आर. डी. शर्मा अनु. : अनुराग शर्मा पृं. 302 रु. 100.00

प्रस्तुत पुस्तक बागानी फसलों के उद्भव, वानस्पतिकी, सुधार, पौध-रक्षा, शस्योत्तर प्रबंधन और उत्पादक विकास के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान करती है।

ISBN 978-81-237-5734-6

9. भारत के दुर्लभ पौधे

सुधांशु कुमार जैन, रामलखन सिंह सिकरवार पृ. 196 रु. 90.00

प्रस्तुत पुस्तक में ऐसे 122 दुर्लभ पौधों का वर्णन किया गया है, जो लुप्त हो जाने के कगार पर हैं। दुर्लभ पौधों की जानकारी ज्ञानवर्धक व रोचक होने के साथ-साथ उनके संरक्षण में भी सहायक है।

ISBN 81-237-4142-1

10. भारत के संरक्षित वन क्षेत्र

महेन्द्र प्रताप सिंह शीघ्र प्रकाश्य

प्रस्तुत पुस्तक भारत में संरक्षित वनों के इतिहास, इससे संबंधित कानून, देश के प्रमुख चिड़ियाघरों के साथ-साथ प्रत्येक राज्य में स्थित संरक्षित वन, उनकी भौगोलिक स्थिति, वहां पाए जाने वाले जानवर व वनस्पति की जानकारी देती है। इन वनों तक पहुंचने के मार्ग के साथ-साथ पारिस्थितिकी तंत्र, प्रदूषण और वन, जैव विविधता संरक्षण और राष्ट्रीय वन नीति की प्रामाणिक जानकारी भी इसमें प्रस्तुत की गई है।

11. मछलियां

मैरी चैंडी अनु. : नरेन्द्र सिंह चौहान . पृ. 186 रु. 80.00

इस पुस्तक में मछलियों की संरचना, अनुकूलन और विचित्र स्वभाव तथा रंग-ढंग का वणन किया गया है तथा इसके अतिरिक्त ताल-मत्स्यपालन सहित मात्स्यकी के विषय में भी जानकारी दी गई है।

ISBN 978-81-237-5066-8

12. सामान्य भारतीय सांप

रोमुलस व्हिटेकर अनु. : सुधीर सेन पृ. 168 रु. 55.00

यह पुस्तक भारत में सामान्य रूप से पाए जाने वाले सांपों की सरल-सुबोध निर्देशिका है, जो सांपों के बारे में अधिक जानने के लिए आम आदमी की रुचि जाग्रत करती है।

ISBN 81-237-1459-9

13. हमारे परिचित पक्षी
सालिम अली, लाईक़ फ़तेह अली अनु. : गंगा प्रसाद श्रीवास्तव
पृ. 112 रु. 35.00
पक्षी विज्ञान और पक्षियों की प्रजातियां; उनकी विशेषताओं के बारे में अंतर्राष्ट्रीय स्तर के पक्षी वैज्ञानिक द्वारा रोचक प्रस्तुति। ISBN 81-237-1174-3

सूचनाप्रद

1. पंचायती राज
महीपाल पृ. 162 रु. 50.00
प्रस्तुत पुस्तक में भारत में पंचायती राज व्यवस्था के इतिहास के साथ-साथ वर्तमान समय में पंचायतों के समक्ष जो अनेक कार्यात्मक, वित्तीय, प्रशासनिक और सामाजिक चुनौतियां हैं, उनका अध्ययन प्रस्तुत किया गया है। ISBN 81-237-4293-2

2. प्रतिदिन का भारतीय संसाधित आहार
के.टी. अच्चया अनु. : वीरेन्द्र मुंशी पृ. 190 रु. 50.00
प्रस्तुत पुस्तक आधारभूत भोज्य पदार्थों जैसे कि चावल, गेहूं, दूध तथा वनस्पति तेल और अधिक परिष्कृत संसाधित आहारों की पोषणिक, रासायनिक और प्रौद्योगिकी गुणवत्ता को रेखांकित करती है। ISBN 81-237-3882-X

3. भारत की नदियां
राधाकान्त भारती पृ. 172 रु. 70.00
प्रस्तुत पुस्तक में भारत की प्रमुख नदियों से जुड़े अतीत, वर्तमान और भविष्य के सभी संभावित पहलुओं पर प्रकाश डाला गया है। ISBN 81-237-2364-4

4. भारत में लोक प्रशासन
पद्मा रामचंद्रन अनु. : नरेश 'नदीम' पृ. 242 रु. 80.00
प्रस्तुत पुस्तक में प्राचीनकाल से लेकर भारत में आज तक के लोक प्रशासन का इतिहास दर्शाया गया है तथा स्वाधीनता से पूर्व के भारतीय प्रशासन की प्रमुख विशेषताओं को संक्षेप में प्रस्तुत किया गया है। ISBN 81-237-4464-1

5. भारत में प्रेस : एक सिंहावलोकन
जी. एस. भार्गव अनु. : अनंग पाल सिंह पृ. 216 रु. 95.00
भारत में प्रेस की स्थिति और एक उद्योग के रूप में उसके विकास एवं महत्ता की व्याख्या करती एक महत्वपूर्ण पुस्तक। ISBN 978-81-237-5621-9

6. भारत में मानवाधिकार

सुभाष शर्मा पृ. 256 रु. 80.00

भारतीय संविधान में उल्लिखित मानवाधिकारों का विस्तार से वर्णन करती पुस्तक।

ISBN 978-81-237-5578-6

7. भारतीय समाज में महिलाएं

नीरा देसाई, ऊषा टक्कर अनु. : सुभी धुसिया पृ. 212 रु. 75.00

यह पुस्तक बदलते सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और शैक्षिक परिदृश्य में भारत की महिलाओं और उनसे जुड़े सवालों का गंभीरता से आकलन करने का समर्थ प्रयास है।

ISBN 978-81-237-5694-3

8. मसाले

जीवन सिंह प्रुथी अनु. : मायाराम शर्मा पृ. 326 रु. 105.00

भारत विश्व का एक प्रमुख मसाला-उत्पादक और निर्यातक देश है। प्रस्तुत पुस्तक में 86 मसालों के नाम, वर्णन, उत्पादन का क्षेत्र, गुण, रासायनिक संघटन और उपयोग दिए गए हैं। ऐसे मसाले जो आम नहीं हैं, उनके यथासंभव चित्र भी दिए गए हैं। एक रोचक व उपयोगी पुस्तक।

ISBN 81-237-4729-2

9. हमारा संविधान

सुभाष काश्यप पृ. 352 रु. 90.00

संविधान की उत्पत्ति, कार्यप्रणाली और न्यायिक व्याख्याओं द्वारा विकसित संवैधानिक नियमों को विश्लेषित करती यह पुस्तक तथ्यपूर्ण, उद्देश्यपरक व अत्यंत रोचक है।

ISBN 81-237-1913-2

10. हमारी न्यायपालिका

बालमुकुंद अग्रवाल अनु. : भवानी दत्त पंड्या पृ. 186 रु. 50.00

भारत में न्याय व्यवस्था का इतिहास और देश की वर्तमान न्याय प्रक्रिया का सरल भाषा में विवरण।

ISBN 81-237-1680-X

11. हमारी संसद

सुभाष काश्यप पृ. 268 रु. 75.00

इस पुस्तक में डा. काश्यप ने संसद के विषय में सुविधाजनक और सरल, गैर-तकनीकी भाषा में आधारभूत तथ्य और प्रामाणिक जानकारी प्रस्तुत की है।

ISBN 81-237-0257-1

तरुण भारती

1. अविस्मरणीय नेहरू

पी.डी. टंडन अनु. : दिनेश मिश्र पृ. 224 रु. 85.00

पंडित नेहरू के वर्षों तक करीबी रहे पत्रकार व लेखक द्वारा लिखे गए ऐसे संस्मरण, जिनसे देश के पहले प्रधानमंत्री के बहुआयामी व्यक्तित्व की झलक मिलती है।

ISBN 81-237-4456-0

2. आजाद हिंद फौज की कहानी

एस. ए. अय्यर अनु. : प्रेमचंद आर्य पृ. 98 रु. 25.00

आजाद हिंद फौज, जिसे लोग आई.एन.ए. के नाम से भी जानते हैं, की प्रामाणिक जानकारी प्रस्तुत करने वाली पुस्तक। ISBN 81-237-0256-4

3. आजादी के मुकदमे

बालमुकुंद अग्रवाल अनु. : विद्या निधि छाबड़ा पृ. 180 रु. 45.00

इस पुस्तक में स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़े प्रमुख देशभक्तों पर 90 वर्षों की अवधि में चलाए गए मुकदमों की प्रामाणिक जानकारी दी गई है। ISBN 81-237-1433-5

4. एथलेटिक स्वर्णपदक की ओर

एरिक प्रभाकर अनु. : योगराज थानी, सविता गोविल पृ. 226 रु. 80.00

एथलेटिक प्रतियोगिताओं–दौड़, कूद और फेंकने की विभिन्न प्रतियोगिताओं में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए प्रशिक्षण नियमावली। ISBN 81-237-4267-3

5. काम की प्रशंसा में

स. आ. सप्रे अनु. : रामचंद्र मिश्र पृ. 70 रु. 25.00

गीता के मुख्य उपदेश कर्मयोग की यथासंभव सरलतम रूप में व्याख्या। इस पुस्तक में काम की दार्शनिक, मनोवैज्ञानिक और समाज-शास्त्रीय महत्ता की अभिव्यक्ति है।

ISBN 81-237-2359-X

6. किशोरावस्था : उलझाव-सुलझाव

नीरजा शर्मा अनु. : रेनू चौहान पृ. 144 रु. 55.00

बालपन से युवावस्था में प्रवेश का समय बच्चों के साथ-साथ उनके अभिभावकों, शिक्षकों व शुभचिंतकों के लिए बेहद जटिल होता है। किशोरावस्था में बच्चे के शारीरिक व यौन बदलाव तो होते ही हैं, उनके बुद्धिमत्ता, भावनाओं, नैतिकता में भी परिवर्तन आते हैं। यह पुस्तक ऐसे ही सभी व्यावहारिक विषयों को बेहद सहज और सरल तरीके से प्रस्तुत करती है। ISBN 81-237-4636-9

7. गजराज

रामेश बेदी पृ. 104 रु. 40.00

जंगल का गौरव कहे जाने वाले हाथी के आचार-व्यवहार, विशेषताओं और जीवन शैली का वर्णन–प्रख्यात वन्य-प्राणी विशेषज्ञ रामेश बेदी के शब्दों में।

ISBN 81-237-1686-9

8. ज़ाकिर साहब की कहानी

सैयदा खुर्शीद आलम अनु. : निज़ामुद्दीन पृ. 82 रु. 25.00

डा. ज़ाकिर हुसैन की पुत्री द्वारा लिखित यह पुस्तक ज़ाकिर साहब के निजी एवं राजनैतिक जीवन पर प्रकाश डालती है।

ISBN 81-237-3386-0

9. जंगल-जंगल, पर्वत-पर्वत

मनमोहन बावा पृ. 156 रु.55.00

वरिष्ठ घुमंतू लेखक की यह पुस्तक निश्चित तौर पर आपको भी देशाटन कराएगी, ऐसा हमारा विश्वास है। जब मन में मंजिल को पाने की हसरत हो तो कोई भी लक्ष्य पाया जा सकता है।

ISBN 978-81-237-5587-8

10. डाक-टिकटों में भारत दर्शन

अरविन्द कुमार सिंह शीघ्र प्रकाश्य

यह पुस्तक भारतीय डाक-टिकटों के इतिहास, विविधता, विमोचन, फिलेटली, छपाई, डिजाइन आदि विषयों पर प्रकाश डालती है तथा सन् 2008 तक मुद्रित सभी टिकटों का विवरण विशेष अवसरों के उल्लेख के साथ करती है।

11. नेगल

विलास मनोहर अनु. : दि.वा. (बाल) ऊर्ध्वरेषे पृ. 138 रु. 50.00

एक अलग प्रकार के अनुभव के संसार का दर्शन कराती पुस्तक। बेसहारा जंगली जानवरों के बच्चों का अपने बच्चों की तरह लालन-पालन करने का मार्मिक वर्णन।

ISBN 81-237-2604-X

12. पश्चिम यूरोप की चित्रकला

अशोक मित्र अनु. : प्रयाग शुक्ल पृ. 124 रु. 35.00

युवाओं के लिए विशेष तौर पर तैयार की गई इस पुस्तक में पश्चिमी यूरोपीय कला का इतिहास बहुत सरल और रोचक ढंग से प्रस्तुत किया गया है।

ISBN 81-237-1345-2

13. पर्यावरण पथ के पथिक

ममता पंड्या, मीना रघुनाथन (संपा.) अनु. : अरविन्द गुप्ता पृ. 120 रु. 55.00

वन्य प्राणी और पर्यावरण के क्षेत्र में काम करने वाले पंद्रह अनुभवी विशेषज्ञों के लेखों का संकलन। आम से लेकर पर्यावरण से जुड़े पाठक–सबको यह पुस्तक समान रूप से रुचिकर लगेगी।

ISBN 978-81-237-5532-8

14. भारत में पत्रकारिता

आलोक मेहता पृ. 286 रु. 105.00

पत्रकारिता इन दिनों आम लोगों के लिए जिज्ञासा का व्यवसाय बनता जा रहा है। कई युवा इसकी चकाचौंध से प्रभावित हो कर इस व्यवसाय को अपनाने के लिए तत्पर होते हैं, लेकिन वे लोकतंत्र के इस चौथे स्तंभ की चुनौतियों से अनभिज्ञ रहते हैं। प्रख्यात पत्रकार द्वारा लिखी गई यह पुस्तक पत्रकारिता के अतीत, वर्तमान और भविष्य पर प्रकाश डालती है।

ISBN 81-237-4720-9

15. भारतीय समाज

श्यामाचरण दुबे अनु. : वंदना मिश्र पृ. 132 रु. 40.00

यह पुस्तक भारतीय समाज का एक प्रामाणिक दस्तावेज है। इस पुस्तक में विभिन्न स्रोतों द्वारा भारतीय समाज के भूत और भविष्य को निकट से देखने का प्रयास किया गया है।

ISBN 81-237-3516-2

16. भारतीय डाक : सदियों का सफरनामा

अरविंद कुमार सिंह पृ. 406 रु. 125.00

भारत में डाक प्रणाली के 150 वर्ष के अवसर पर तैयार यह पुस्तक देश की डाक प्रणाली के प्रत्येक पहलू की विवेचना प्रस्तुत करती है। संदेश व संवाद प्रेषण के साथ-साथ, डाक विभाग की बचत संस्थान, सशस्त्र बलों की सहयोगी जैसी महत्वपूर्ण भूमिका भी है। यह पुस्तक संचार क्रांति के कारण डाक विभाग के सामने आने वाली चुनौतियों की ओर भी ध्यान आकृष्ट करती है।

ISBN 81-237-4794-9

17. युवाओं के लिए बुद्ध

एस. भट्टाचार्य अनु. : मधुकर उपाध्याय पृ. 54 रु. 20.00

युवा वर्ग के लिए बुद्ध द्वारा स्वयं अपने बारे में कही गई बातों के आधार पर लिखी गई रोचक पुस्तक।

ISBN 81-237-2544-2

18. लोकतंत्र

डेविड बीथम, केविन बॉयले अनु. : देसराज गोयल पृ. 108 रु. 35.00

विश्व में लोकतंत्र को परिभाषित करने वाले 80 अत्यधिक प्रभावी प्रश्नों के उत्तर देने वाली इस पुस्तक का प्रकाशन यूनेस्को पब्लिशिंग के सहयोग से हुआ है। इसकी भूमिका जाने-माने पत्रकार निखिल चक्रवर्ती ने लिखी है तथा कार्टून आर. के. लक्ष्मण के हैं।

ISBN 81-237-1772-5

19. वैज्ञानिक वृत्ति और सत्य की खोज

राजेन्द्र लाल बिहारी अनु. : विजय कुमार श्रीवास्तव पृ. 60 रु. 25.00

वैज्ञानिक वृत्ति के उद्देश्य को स्पष्ट करती एक महत्वपूर्ण पुस्तक।

ISBN 81-237-2681-3

20. शब्द चित्र और श्रद्धांजलियां : गांधीजी

यू. एस. मोहन राव (संपा.) अनु. : रामेश्वर मिश्र 'पंकज' पृ. 124 रु. 35.00

इस पुस्तक में गांधीजी द्वारा लिखित उन व्यक्तियों के रेखाचित्र और श्रद्धांजलियां संकलित हैं, जिनके बारे में उनके मन में स्नेह भाव था। इन श्रेष्ठ नर-नारियों से गांधीजी का संपर्क व्यक्तिगत अथवा पत्राचार के माध्यम से था।

ISBN 81-237-0760-6

21. शेरों और हाथियों के बीच

रामेश बेदी अनु. : बृजमोहन गुप्त पृ. 92 रु. 45.00

जंगल में शेर और हाथी ऐसे जानवर हैं जो बलशाली व चतुर होते हैं। इस पुस्तक में इन दोनों जानवरों की जीवन शैली, उनके आपस में तथा इंसान के साथ खट्टे-मीठे रिश्तों को बारीकी से चित्रित किया गया है।

ISBN 81-237-3516-2

22. शिला आरोहण

मनोहर पुरी पृ. 150 रु. 50.00

पर्वतारोहण का दूसरा सोपान कहलाने वाले 'रॉक क्लाईमिंग' या शिला आरोहण पर हिंदी में पहली पुस्तक। साधारण पत्थरों और चट्टानों पर चढ़ाई के रोमांचक व जोखिम भरे खेल के तकनीकी व व्यावहारिक पहलुओं पर प्रामाणिक पुस्तक।

ISBN 81-237-4250-9

23. स्वैच्छिक कार्य और गांधीवादी दृष्टि

डी. के. ओझा अनु. : नेमिशरण मित्तल पृ. 70 रु. 21.00

प्रामाणिक तथ्यों पर आधारित यह पुस्तक गांधीवादी दर्शन और उससे प्रभावित तीन स्वैच्छिक आंदोलनों के बारे में प्रकाश डालती है।

ISBN 81-237-1176-X

24. सिकुड़ता हुआ ब्रह्मांड

तपन भट्टाचार्य अनु. : विजय कुमार श्रीवास्तव पृ. 134 रु. 45.00

आज संचार के क्षेत्र में कंप्यूटर, आई.टी. और इंटरनेट की गूंज है। सूचना प्रौद्योगिकी की इसी महत्वपूर्ण तकनीक के कारण सिकुड़ते जा रहे ब्रह्मांड की जानकारी।

ISBN 81-237-3862-5

25. सूचना प्रौद्योगिकी के दौर में करियर

विनीता सिंघल पृ. 144 रु. 55.00

बारहवीं कक्षा के बाद छात्र-छात्राओं के समक्ष सही करियर का चुनाव एक समस्या या कहें कि चुनौती होती है जिसका समाधान इस पुस्तक में किया गया है। करियर के विभिन्न विकल्पों की जानकारी उपलब्ध करानेवाली एक उपयोगी पुस्तक।

ISBN -978-81-237-5373-7

26. हमारा पर्यावरण

लाईक़ फ़तेहअली अनु. : अमन नम्र पृ. 134 रु. 55.00

पर्यावरण को बहुत-सा नुकसान तो अनजाने में हो जाता है। इस पुस्तक में भारत के पहाड़ों, जंगलों, नदियों, समुद्र, गांवों और शहरों के पर्यावरण पर विस्तार से प्रकाश डाला गया है। साथ ही लोगों को चेताया गया है कि उनकी छोटी-छोटी गतिविधियां किस तरह पर्यावरण की अपूरणीय क्षति कर देती हैं।

ISBN-81-237-4654-7

लोकोपयोगी विज्ञान

आयुर्विज्ञान

1. आधुनिक निदानात्मक उपचार पद्धतियां

अनिल अग्रवाल अनु.: प्रवीण शर्मा पृ. 250 रु.100.00

आधुनिक प्रौद्योगिकी के कारण रोग के निदान और उपचार क्षेत्र में आई क्रांति का विश्लेषण करती एक महत्वपूर्ण पुस्तक।

ISBN -978-81-237-5638-7

2. आयुर्वेद : विभिन्न पहलू

शरदिनी डहाणूकर, उर्मिला थत्ते अनु. : लक्ष्मीनारायण गर्ग पृ. 130 रु. 40.00

आयुर्वेद के रहस्यों को आम पाठकों के समक्ष रखने वाली महत्वपूर्ण पुस्तक।

ISBN 978-81-237-2852-0

3. एड्स की चुनौती

खुर्शीद एम. पावरी अनु. : विजय कुमार श्रीवास्तव पृ. 148 रु. 45.00

पूरे विश्व पर अभूतपूर्व खतरे का रूप ले रहे एड्स के विषय में सरल भाषा में आम पाठकों के लिए वैज्ञानिक तथा प्रामाणिक जानकारी प्रदान करती पुस्तक।

ISBN 81-237-2350-4

4. कुछ सामान्य रोग

अनिल अग्रवाल अनु. : चन्द्रभान शर्मा पृ. 80 रु. 35.00

यह पुस्तक हमें शरीर की बीमारियों से न केवल परिचित कराती है अपितु उन बीमारियों के निदान की पर्याप्त जानकारी भी देती है। पुस्तक रोचक व सरल भाषा में लिखी गई है।

ISBN-978-81-237-1344-1

5. कैंसर

शशांक मोहन बोस पृ. 94 रु. 55.00

कैंसर के बारे में पूरी जानकारी देती महत्वपूर्ण पुस्तक। एक संग्रहणीय प्रकाशन।

ISBN 978-81-237-5594-6

6. जलने से बचाव

कल्पना सूद लाल अनु. : पंकज चतुर्वेदी पृ. 76 रु. 50.00

आग लगने से बचने के प्रयास करना इसके इलाज से कहीं बेहतर होता है। एक चिकित्सक द्वारा लिखी गई यह पुस्तक आग की घटनाओं से बचाव व सामान्य उपचार की जानकारी देती है।

ISBN 978-81-237-4925-9

7. त्वचा और बाल

जे.एस. पसरीचा, रामजी गुप्ता अनु. : विनोद विप्लव पृ. 194 रु. 75.00

त्वचा और बालों संबंधी सभी रोगों पर विज्ञान सम्मत जानकारी देती सूचना-प्रधान पुस्तक।

ISBN 978-81-237-5103-X

8.. दमा

एम. पी. एस. मेनन अनु. : चन्द्रभान शर्मा पृ. 50 रु. 25.00

यह छोटी-सी पुस्तक दमा के रोगियों को दमा से संबंधित अनेक प्रश्नों के उत्तर उपलब्ध कराती है। प्रख्यात विशेषज्ञ द्वारा लिखित इस पुस्तक में सामान्य पाठकों के लिए इस दुरूह रोग के बारे में आधुनिकतम जानकारी अत्यंत स्पष्ट ढंग से दी गई है।

ISBN 81-237-0746-0

9. मधुमेह के साथ बेहतर जीवन जीना सीखिए

एम.एम.एस.आहूजा अनु. : बीर सिंह पृ. 118 रु. 40.00

मधुमेह होने के कारण, उसके विरुद्ध लड़ाई और उससे बचाव--इन सब मुद्दों पर प्रामाणिक जानकारी इस पुस्तक में दी गई है। ISBN-978-81-237-3143-8

10. मनोरोग

मनजीत सिंह भाटिया पृ. 186 रु. 80.00

मनोरोग जैसे गूढ़ विषय पर अत्यंत सरल, सहज एवं जानकारीपूर्ण पुस्तक।

ISBN 81-237-4373-4

11. मानव मशीन

आर.एल. बिजलानी अनु. : शमशेर सिंह पृ. 158 रु. 60.00

मानव शरीर की जटिल रचना की आम आदमी को पूर्ण जानकारी देने वाली महत्वपूर्ण पुस्तक। ISBN 81-237-4407-2

12. मिर्गी

एम. सी. माहेश्वरी अनु. : अपूर्व पौराणिक पृ. 80 रु. 30.00

मिर्गी के विषय में फैली भ्रांतियों, उसके सही निदान और इलाज के विषय में जानकारी देती पुस्तक। ISBN 81-237-2725-9

13. वृद्धावस्था

कल्लूरी सुब्बा राव अनु. : विनीता सिंघल पृ. 62.00 रु. 21.00

बूढ़े होने की प्रक्रिया शारीरिक, मनोवैज्ञानिक और सामाजिक कारणों की जटिल क्रियाओं के कारण होती है। इन्हीं क्रियाओं के विषय में आम पाठकों और विशेषज्ञों के लिए समान रूप से रोचक पुस्तक। ISBN 81-237-2126-9

14. स्व-परिचर्या स्त्रियों के लिए

पारुल आर शेठ अनु. : विनीता सिंघल पृ. 140.00 रु. 50.00

शरीर और इसके विभिन्न अंगों एवं तंत्रों के विषय में जानकारी, वे कैसे काम करते हैं तथा स्त्रियों द्वारा इनकी बाह्य और आंतरिक रूप से देखभाल के संबंध में इस पुस्तक में विस्तृत चर्चा की गई है। ISBN 978-81-237-5197-9

15. हम और हमारा आहार

कोगंद्र तम्मु अच्चया अनु. : कुलवंत सिंह कोछड़ पृ. 94.00 रु. 30.00

भोजन के विषय में आवश्यक पहलुओं पर एक जानकारी प्रधान पुस्तक। इसमें संतुलित आहार, विशिष्ट-आहार, पाचन-तंत्र आदि की विस्तृत जानकारी दी गई है। -

ISBN 81-237-1568-4

16. हम और हमारा स्वास्थ्य

वी.एन. भावे, एन. एस. देवधर, एस. वी. भावे पृ. 444 रु. 96.00

स्वास्थ्य और रोग की सामान्य संकल्पना से प्रारंभ हुई इस पुस्तक में शरीर की संरचना व कार्य, रोग की प्रकृति और कारण, संक्रामक रोग, पोषण के महत्व सरीखी ऐसी सामग्री है जो चिकित्सकों, नर्सों और आम आदमी सभी के लिए उपयोगी होगी।

ISBN 81-237-0014-8

17. हृदय रोग और जनसाधारण

एस. पद्मावती अनु. : विनीता सिंघल पृ. 66 रु. 25.00

इस छोटी-सी पुस्तक में हृदय रोग से संबंधित सभी पक्षों की जानकारी दी गई है। आम पाठक के लिए एक उपयोगी प्रकाशन।

ISBN 81-237-2102-1

तकनीकी विषय

18. आधुनिक आनुवंशिकी

जगजीत सिंह अनु. : विष्णु गोपाल वैद्य पृ. 200 रु. 55.00

यह पुस्तक विषाणुओं, जीवाणुओं, पौधों, पशुओं और मनुष्यों की आनुवंशिकी की जटिल क्रियाविधि का परिचय देती है। पुस्तक का विषय चाहे कठिन है, लेकिन इसका महत्व उतना ही अधिक है।

ISBN 81-237-3496-4

19. ऊर्जा

एस. के. बख्शी अनु. : ध्रुव देव शर्मा पृ. 90 रु. 40.00

इस पुस्तक में ऊर्जा के विभिन्न स्रोतों के विषय में प्रामाणिक जानकारी प्रदान की गई है। ऊर्जा के महत्वपूर्ण विकल्पों पर भी गहन चर्चा की गई है।

ISBN 81-237-2205-2

20. कृष्ण विवर

जयंत नार्लीकर अनु. : प्रदीप कुमार मुखर्जी पृ. 66 रु. 40.00

इस तकनीकी विषय को आम पाठकों के लिए अत्यंत सरल भाषा-शैली में प्रस्तुत किया गया है।

ISBN 978-81-237-4931-0

21. क्वांटम जगत का रहस्य

रजत चंदा अनु. : प्रदीप कुमार मुखर्जी पृ. 114 रु. 45.00

विकिरण सिद्धांत की कल्पना का सुलझाने के लिए क्वांटम परिकल्पना को लागू किया गया। इसने पदार्थों की प्रकृति के संबंध में हमारी समझ को बदलकर रख दिया और ऐसे उपयोगों को जन्म दिया जो हमारे जीने और काम करने के तरीकों में परिवर्तन ला रहे हैं।

ISBN 81-237-4200-2

22. चाय की प्याली में पहेली

पार्थ घोष, दीपांकर होम अनु. : अरविन्द गुप्ता पृ. 106 रु. 35.00

रोजमर्रा के जीवन की घटनाओं को जानने की जिज्ञासा प्रायः सभी के मन में होती है। वैज्ञानिक सिद्धांत लिए हुए यह पुस्तक आसपास की घटनाओं पर आधारित पहेलियों की ओर हमारा ध्यान आकर्षित करती है।

ISBN 978-81-237-1343-6

23. जल : जीवन का आधार

कृष्ण कुमार मिश्र पृ. 106 रु. 35.00

पानी के कारण ही पृथ्वी पर जीवन अस्तित्व में आया। इसी पानी के विभिन्न पक्षों पर वैज्ञानिक जानकारी देती पुस्तक।

ISBN 81-237-3583-9

24. तंतु प्रकाशिकी

जी.के. भिड़े अनु. : विभोर सिंह पृ. 82 रु. 50.00

तंतु प्रकाशिकी जैसे महत्वपूर्ण, कठिन विषय के विभिन्न आयामों पर प्रकाश डालती एक सूचना-प्रधान पुस्तक। विषय नया, किंतु समझ में आने वाला।

ISBN 81-237-4442-0

25. दूरसंचार कथा

मोहन सुंदर राजन अनु. : लक्ष्मीनारायण गर्ग पृ. 226 रु. 55.00

यह पुस्तक टेलीफोन प्रणाली से उपग्रह संचार सेवा तक की आरंभिक और नवीनतम जानकारी बड़ी सरल भाषा में देती है। पाठकों की जानकारी के लिए पुस्तक बहुत ही रोचक व महत्वपूर्ण है।

ISBN 81-237-1274-X

26. दैनिक जीवन में गणित

आर. एम. भागवत अनु. : प्रदीप कुमार मुखर्जी पृ. 74 रु. 35.00

गणित की अनेक गुत्थियां सुलझाती आम पाठक को संबोधित पुस्तक।

ISBN 81-237-2552-3

27. नये युग के रासायनिक तत्व

डी. वी. जहागीरदार अनु. : सतीश चन्द्र सक्सेना पृ. 78 रु. 35.00

इस पुस्तक में वायुमंडल और भूपर्पटी में पाए जाने वाले तत्वों की जानकारी दी गई है। आम पाठक और विषय विशेषज्ञों के लिए एक सूचना-प्रधान प्रकाशन।

ISBN 81-237-1711-3

28. नैनो : अगली क्रांति की ओर

मोहन सुंदर राजन अनु. : आर.एस. यादव पृ. 180 रु. 85.00

हमारे दैनिक जीवन में नैनो तकनीकी भविष्य की नई क्रांति के रूप में उभर कर आ रही है। इलेक्ट्रॉनिक्स, जीव विज्ञान, भौतिक शास्त्र, पदार्थ विज्ञान और अभियांत्रिकी के क्षेत्र में आश्चर्यचकित कर देने वाले अनुप्रयोग हमारे सामने हैं। पुस्तक में इस नई क्रांतिकारी तकनीकी की मूलभूत जानकारी, इसके विकास की पृष्ठभूमि और भारत सहित विश्व के वैज्ञानिकों की अगुआई में चल रहे शोधकार्यों पर विस्तार से चर्चा की गई है।

ISBN 978-81-237-5309-6

29. पवन ऊर्जा

सुनील बी. आठवले अनु. : विजय सिंह पृ. 70 रु. 35.00

ऊर्जा के परंपरागत स्रोतों के जरूरत से ज्यादा उपयोग के कारण उत्पन्न ऊर्जा संकट से निबटने के लिए एक विकल्प है, पवन ऊर्जा। पवन ऊर्जा के विभिन्न पक्षों पर तथ्यपूर्ण जानकारी इस पुस्तक में सहज-सरल भाषा-शैली में दी गई है।

ISBN 81-237-1675-3

30. पुस्तकालय सामग्री और कला-वस्तुओं का परिरक्षण

ओ. पी. अग्रवाल अनु. : राजेन्द्र प्रसाद तिवारी पृ. 102 रु. 40.00

पुस्तकालय सामग्री और कला-वस्तुएं किसी भी राष्ट्र की धरोहर होती हैं। इन्हीं के परिरक्षण के संबंध में प्रामाणिक जानकारी देती पुस्तक।

ISBN 81-237-2545-0

31. प्लास्टिक

चिन्तन अनु. : धर्मेन्द्र कुमार पृ. 82 रु. 45.00

यह पुस्तक प्लास्टिक के कारण पर्यावरण, मानव स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले कुप्रभावों और भविष्य में मानव जाति के लाभ के लिए प्लास्टिक पर हमारी निर्भरता कम करने के प्रयासों के विषय में बताती है।

ISBN 978-81-237-5468-0

32. बीता हुआ भविष्य

बाल फोंडके (संपा.) पृ. 248 रु. 56.00

संपादक बाल फोंडके द्वारा संकलित विभिन्न भारतीय भाषाओं की चुनिंदा विज्ञान कथाओं की मूल विषय-वस्तु प्रमुखतया मानव-केंद्रित है, जो वैज्ञानिक प्रगति तथा मानवीय संवेदनाओं अथवा सामाजिक सिद्धांतों के पारस्परिक प्रभाव को दर्शाती है।

ISBN 81-237-0952-8

33. भारत के संकटग्रस्त वन्य प्राणी

एम. एस. नायर अनु. : हरिचरण अग्रवाल पृ. 94 रु. 26.00

प्रस्तुत पुस्तक जनसाधारण में दुर्लभ और संकटग्रस्त वन्य प्राणियों के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा इनके संरक्षण की आवश्यकता को ध्यान में रखकर लोकप्रिय शैली में लिखी गई है।

ISBN 81-237-1290-1

34. भूकंप

अशोक कुमार राव हेम्माडी पृ. 98 रु. 50.00

यह पुस्तक भूकंप के कारणों, उसकी छान-बीन कैसे की जाती है, यंत्रों के सैद्धांतिक आधार, सावधानियों और आर्थिक उपलब्धियों के संबंध में भूवैज्ञानिकों की अवधारणा को प्रस्तुत करती है।

ISBN 81-237-4179-0

35. मादक औषधियां

अनिल अग्रवाल अनु. : चन्द्रशेखर श्रीवास्तव पृ. 172 रु. 65.00

वर्तमान युग में नशीली दवाओं की तस्करी और उनके दुरुपयोग ने विकराल रूप धारण कर लिया है। मादक औषधियों के विभिन्न पहलुओं पर एक महत्वपूर्ण प्रकाशन।

ISBN 81-237-1719-9

36. मानव की कहानी

बिमान बसु अनु. : शमशेर सिंह पृ. 80 रु. 35.00

मानव के विकास की प्रामाणिक वैज्ञानिक जानकारी को संजोए यह पुस्तक उबाऊ न होकर अत्यंत पठनीय बन पड़ी है। विषय को समझने में कहीं कोई कठिनाई नहीं होती।

ISBN 81-237-3130-2

37. यंत्रमानव और यंत्रमानवविज्ञान

एम.आर. चिदम्बरा अनु. : वासुदेव प्रसाद पृ. 68 रु. 25.00

जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में रोबोट के उपयोग की जानकारी देती पुस्तक। विषय कठिन है, किंतु इसे सरल, सुबोध ढंग से आम पाठकों के लिए लिखा गया है।

ISBN 81-237-2695-3

38. विमानन की असाधारण कहानी

आर.के. मूर्ति अनु. : जय प्रकाश शर्मा पृ. 108 रु. 50.00

मानव द्वारा आसमान में उड़ने की कल्पना को साकार करती वैमानिकी की रोचक कहानी।

ISBN 978-81-237-5140-5

39. समुद्र के भीतर मानव

बी.एफ. छापगर अनु. : सुषमा श्रीवास्तव पृ. 178 रु. 75.00

समुद्र के भीतर के संसार की विस्तृत जानकारी। गोताखोरी के विभिन्न तरीकों पर खुलकर चर्चा की गई है। समुद्र जीवन में रुचि लेने वालों के लिए एक उपयोगी प्रकाशन।

ISBN 978-81-237-5521-2

40. समुद्र विज्ञान

ए.एन.पी. उमरकुट्टी अनु. : डी. पी. पांडे पृ. 132 रु. 50.00

अज्ञात, रहस्यमयी तथा भयावह समुद्र से साक्षात्कार की रोचक कहानी प्रस्तुत करती इस पुस्तक में समुद्र से उठाए जा सकने वाले लाभ तथा देश की समृद्धि में उनके योगदान को भी दर्शाया गया है।

ISBN 81-237-0671-5

41. सुंदर सलोने भारतीय खिलौने

सुदर्शन खन्ना अनु. : अरविन्द गुप्ता पृ. 126 रु. 50.00

इस पुस्तक में 101 ऐसे खिलौने बनाने का विवरण है, जो हमारे देश के विभिन्न अंचलों के बच्चे बगैर किसी खर्च के बनाते हैं। बच्चों में स्वयं सृजन करने का आत्मविश्वास पैदा करने में सहायक यह पुस्तक बच्चों और बड़ों दोनों के लिए है।

ISBN 978-81-237-3125-4

42. हमारे जल साधन

राम अनु. : अतुल पृ. 106 रु. 9.50

भारत के जल साधनों का मुख्य स्रोत वर्षा है, किंतु इसके असमान वितरण के कारण जल के नियंत्रण, एकत्रीकरण तथा स्थानांतरण के लिए विशाल परियोजनाओं की आवश्यकता उत्पन्न होती है। एक सूचना-प्रधान पुस्तक।

43. हवा और पानी में जहर!

एन. मणिवासकम अनु. : सरिता भल्ला पृ. 106 रु. 45.00

पर्यावरण का असंतुलन मानव के लिए विनाशकारी होता जा रहा है। हवा, पानी और मिट्टी को प्रदूषकों से मुक्त रखने के महत्व को दर्शाती महत्वपूर्ण पुस्तक।

ISBN 81-237-2346-6

लोकोपयोगी सामाजिक विज्ञान

1. अस्मिता की अग्नि-परीक्षा

मीनाक्षी स्वामी पृ. 160 रु. 55.00

यह पुस्तक बलात्कारी के मनोविज्ञान, परिवार, पुलिस, पड़ोस और कानून की उलझनों में फंसी औरत की मानसिक स्थिति का आकलन प्रस्तुत करती है। कई प्रकरणों के माध्यम से इसमें यह भी बताया गया है कि किस तरह कानून की पेचीदगियों का फायदा उठाकर बलात्कारी निर्लज्जता से पीड़िता को ही कटघरे में खड़ा करता रहता है।

ISBN 978-81-237-5292-1

2. इंकलाब 1857

पी.सी. जोशी (संपा.) अनु. : हीरालाल कर्नावट पृ. 332 रु. 105.00

भारत की आजादी की पहली लड़ाई के नाम से मशहूर 1857 के विद्रोह को आधुनिक भारत के राजनीतिक इतिहास का महत्वपूर्ण पड़ाव कहा जाता है। यह पुस्तक 1857 के विद्रोह की परिस्थितियों, उस समय के राज, समाज और विश्व की घटनाओं, विद्रोह का राष्ट्रीय साहित्य पर प्रभाव, लोकगाथाओं में विद्रोह के वीर, जैसे कई विषयों पर प्रकाश डालती हैं।

ISBN 978-81-237-5270-9

3. कालापानी : दंडी बस्ती का इतिहास

प्रमोद कुमार पृ. 110 रु. 50.00

कालापानी का सेलूलर जेल भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के सेनानियों पर हुए बर्बर अत्याचारों का ऐसा अध्याय रहा है, जो तत्कालीन अंग्रेज सरकार की सामंतवादी सोच को उजागर करता है। यह एकांत जेल जिस सिद्धांत पर बनाई गई थी, उसका खुलासा करती यह पुस्तक जेल की यातनाओं की भयावहता का प्रामाणिक दस्तावेज है।

ISBN 978-81-237-4807-4

4. खिलाफत आंदोलन

काजी मुहम्मद अदील अब्बासी अनु. : नूर नबी अब्बासी पृ. 212 रु. 70.00

पहले विश्व युद्ध के बाद तुर्की में स्थित खिलाफत संस्था में ब्रितानी सरकार द्वारा की गई दखलंदाजी के खिलाफ भारत में जो आंदोलन खड़ा हुआ, वह आनेवाले सालों में अपने हक की लड़ाई लड़ने वालों के लिए मिसाल बन गया। यह पुस्तक विश्व युद्ध व भारतीय राजनीति, सर सैयद और अलीगढ़ आंदोलन, मौलान मुहम्मद अली व शौकत अली (अली बंधुओं), मौलाना अबुल कलाम आजाद, जलियांवाला बाग कांड आदि के परिप्रेक्ष्य में भारत की आजादी की लड़ाई में खिलाफत आंदोलन की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालती है। यह पुस्तक लेखक की मूल उर्दू कृति 'तहरीक-ए-खिलाफत' का हिंदी अनुवाद तथा संक्षिप्त संस्करण है।

ISBN 978-81-237-5230-3

5. पानीदार समाज

अमन नम्र पृ. 68 रु. 135.00

देश के विभिन्न क्षेत्रों में कई स्वयंसेवी संस्थाएं व व्यक्ति पानी के संरक्षण के अनूठे प्रयोग कर रहे हैं। इस पुस्तक में ऐसे ही चुनिंदा अनूठे व अनुकरणीय प्रयोगों को चित्रों के साथ प्रकाशित किया गया है। यह जल संकट से परेशान लोगों के लिए उम्मीद की किरण तो है ही, साथ ही यह देश की जल-नीति निर्धारकों के लिए दस्तावेज भी है।

ISBN 978-81-237-4780

6. प्रतिष्ठापूर्ण विकास

अमित भादुड़ी अनु. : गिरीश मिश्र पृ. 108 रु. 50.00

स्वतंत्रता के लगभग छह दशक बीत जाने के बाद भी देश की आबादी का बड़ा हिस्सा गरीबी से ग्रस्त है। मुफ्त व्यापार के दौर में आम आदमी की मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए सरकार की अर्थनीति कैसी हो पुस्तक में ऐसे ही कुछ सुझाव दिए गए हैं।

ISBN 81-237-4651-2

7. बांग्लादेश के स्वतंत्रता संग्राम में भारत का योगदान

सलाम आज़ाद अनु. : के.बी. सिंह पृ. 452 रु. 145.00

बांग्लादेश के स्वतंत्रता संग्राम में भारतीय मुक्ति योद्धाओं का अप्रतिम योगदान रहा। भारतीयों के अदम्य साहस और योगदान को व्याख्यायित करती पुस्तक।

ISBN 978-81-237-5434-5

8. भगतसिंह के राजनीतिक दस्तावेज

चमनलाल (संपा.) पृ. 208 रु. 90.00

भगतसिंह के अब तक उपलब्ध दस्तावेजों में से यहां कुछ ऐसे दस्तावेजों को प्रस्तुत किया गया है, जो 21 से 23 वर्ष आयु की तरुणाई में उनकी वैचारिक प्रौढ़ता का स्पष्ट बिंब है। इस पुस्तक में भगतसिंह की हस्तलिपि चार भाषाओं–हिंदी, अंग्रेजी, पंजाबी और उर्दू में प्रकाशित की गई है।

ISBN 978-81-237-5109-2

9. भारत का विभाजन

अनिता इंदर देसाई अनु. : जगदीश चंद्रिकेश पृ. 100 रु. 35.00

भारत के विभाजन की त्रासद परिस्थितियों का वर्णन प्रस्तुत करती पुस्तक।

ISBN 978-81-237-5021-7

10. भारतीय कृषि : आजादी के बाद

जी.एस.भल्ला अनु.: रजनीश कुमार शीघ्र प्रकाश्य

स्वातंत्र्योत्तर भारतीय कृषि की उपलब्धियों की समीक्षात्मक व्याख्या करती पुस्तक। छात्रों, अध्येताओं और योजनाकारों के लिए महत्वपूर्ण और उपयोगी।

11. 1789 फ्रांस की क्रांति

प्रमोद कुमार शीघ्र प्रकाश्य

विश्व के परिदृश्य में राजनैतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक बदलाव की कारक कहलाने वाली सन् 1789 की फ्रांस की क्रांति की परिस्थितियों, घटनाओं और नायकों का लेखा-जोखा।

12. स्वतंत्र भारत की विदेश नीति

वी.पी. दत्त अनु. : नरेन्द्र तोमर पृ. 200 रु. 80.00

भारत की स्वतंत्रता के बाद से नेहरू से लेकर वर्तमान प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के पहले कार्यकाल तक की देश की विदेश नीति पर पुस्तक में चर्चा की गई है। अंतरराष्ट्रीय अध्ययन के अध्येताओं के लिए एक महत्वपूर्ण पुस्तक। ISBN 978-81-237-5643-1

13. सांप्रदायिक समस्या

अनु. : दिवाकर पृ. 176 रु. 60.00

मार्च 1931 में कानपुर में भड़के सांप्रदायिक दंगों के कारणों की जांच के लिए भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस द्वारा गठित जांच समिति की दुर्लभ रिपोर्ट। इसमें हमारे देश में हिंदू और मुसलमानों के सहअस्तित्व के समृद्ध अतीत पर शोधपरक सामग्री है।

ISBN 81-237-4703-9

14. सांप्रदायिकता : एक प्रवेशिका

विपिन चंद्रा पृ. 90 रु. 45.00

इस प्रवेशिका में सांप्रदायिकता के उद्भव और विकास के विभिन्न पहलुओं को ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में देखने का प्रयास किया गया है। ISBN 978-81-237-5258-7

15. सामुदायिक ग्रामीण विकास

बैजनाथ सिंह पृ. 152 रु. 70.00

यह पुस्तक गांवों में रहने वालों में स्वावलंबन, स्वाभिमान और सतत परिश्रम की भावना जाग्रत करने का प्रयास करती है। खेती के साथ-साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, श्रमदान, कुटीर उद्योग और आय के अन्य साधन किस तरह एक आदर्श गांव की परिकल्पना को साकार कर सकते हैं, इस तथ्य को लेखक अपने अनुभवों के साथ प्रस्तुत कर रहे हैं।

ISBN 978-81-237-5485-7

16. सूचना का अधिकार कानून 2005 : एक प्रवेशिका

सुची पांडे, शेखर सिंह अनु. : कमाल अहमद पृ. 70 रु. 35.00

यह प्रवेशिका सूचना प्राप्त करने की मंशा रखनेवालों, इनके अभिरक्षकों और सूचना के अधिकार से संबद्ध अपीलीय प्राधिकारियों के लिए सहायक है।

ISBN 978-81-237-5569-4

17. संस्मृतियां

शिव वर्मा पृ. 152 रु. 80.00

प्रख्यात क्रांतिकारी शिव वर्मा ने भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, राजगुरू, सुखदेव, महावीर सिंह, यतीन्द्रनाथ दास और भगवतीदास वोहरा के साथ अपनी यादों को इस पुस्तक में व्यक्त किया है। इसमें इन महान क्रांतिकारियों के सहज, मजाकिया लेकिन दृढ़निश्चयी व्यक्तित्व का खुलासा होता है। इसकी भाषा बेहद प्रवाहमय और किसी उपन्यास की तरह लगती है। ISBN 978-81-237-5296-9

18. स्त्री-मुक्ति : साझा चूल्हा

अनामिका शीघ्र प्रकाश्य

आधुनिक भूमंडलीकृत विश्व में स्त्री की छवि ने नया आयाम ग्रहण कर लिया है। वह पुरुष सत्ता का अधीनस्थ उपनिवेश अब नहीं रही। बदले विश्व परिदृश्य में स्त्री की सबला छवि के आईने में स्त्री-विमर्श ने नया रूप और प्रतिमान गढ़ा है। स्त्री-विमर्श पर एक विचारोत्तेजक पुस्तक।

19. रोजगार गारंटी

निखिल डे, ज्यां द्रेज़, रीतिका खेरा पृ. 40 रु. 12.00

राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम 2005 की मौलिक विशेषताओं पर चर्चा करते हुए इसको सशक्त और प्रभावी बनाने हेतु नागरिकों के कर्त्तव्य की ओर संकेत देती पुस्तिका। ISBN 81-237-4737-3

आदान-प्रदान (अंतर्भारतीय पुस्तकमाला)

कहानी

1. 1857 की कहानियां

ख्वाज़ा हसन निज़ामी अनु. : जगदीश चंद्र पृ. 56 रु. 25.00

दिल्ली के शाही खानदान पर सन् 1857 के गदर में जो कुछ बीता, इस पुस्तक में उनकी दुख भरी दास्तान तथा दर्दनाक परिस्थितियां इस प्रकार चित्रित हुई हैं कि पढ़ते समय वे सारे चित्र मूर्त हो उठते हैं। ISBN 81-237-1592-7

2. अमरकान्त : संकलित कहानियां

पृ. 240 रु. 95.00

स्वातंत्र्योत्तरकालीन हिन्दी कहानी के प्रसिद्ध कथाकार और नई कहानी आंदोलन के सबल स्तंभ अमरकान्त की श्रेष्ठ कहानियों का संकलन। ISBN 978-81-237-5336-2

3. आकाश

भवेन सैकिया अनु. : नवारुण वर्मा पृ. 286 रु. 50.00

कथाकार की चुनी हुई बीस असमिया कहानियों के इस संकलन में मनुष्य के सहज जीवन की सचाई हर जगह झांकती है। इन कहानियों में चकाचौंध उत्पन्न करने वाली घटनाएं नहीं गढ़ी गई हैं। इनमें जीवन की सहजता के साथ, उसकी सहज लय के साथ यह प्रमाणित किया गया है कि ऐसी कहानियां भी श्रेष्ठ कोटि की होती हैं।

ISBN 81-237-1565-X

4. आजादी की छांव में

बेगम अनीस किदवई अनु. : नूर नबी अब्बासी पृ. 310 रु. 65.00

भारत से पाकिस्तान और पाकिस्तान से लुट-पिटकर और उजड़कर आने वाले शरणार्थियों की पीड़ा, यातना और शोषण का चश्मदीद दस्तावेज है बेगम अनीस किदवई की यह पुस्तक।

ISBN 81-237-3193-0

5. आदवन की कहानियां

आदवन अनु. : सरस्वती रामनाथ पृ. 152 रु. 35.00

मूल तमिल से अनूदित इस संकलन में महानगरीय जन-जीवन की विसंगतियां, वहां के नागरिकों द्वारा अपनी अस्मिता की तलाश की कोशिश, बेचैनी, समाज और व्यक्ति की आंतरिक समस्याओं के समन्वय आदि के चित्र सूक्ष्मता से दर्ज किए गए हैं।

ISBN 81-237-1585-4

6. आधुनिक तमिल कहानियां

अशोक मित्रन अनु. : के. ए. जमुना पृ. 154 रु. 31.00

तमिल की सोलह आधुनिक कहानियों का संकलन। ये उन लेखकों की कहानियां हैं, जिन्होंने सन् साठ के बाद अपनी पहचान बनाई है।

ISBN 81-237-0690-1

7. आशापूर्णा देवी की श्रेष्ठ कहानियां

अनु. : सूर्यनाथ सिंह पृ. 214 रु. 50.00

दैनंदिन जीवन की अत्यंत छोटी-छोटी घटनाएं आशापूर्णा की लेखनी का स्पर्श पाकर महान हो जाती हैं। बांग्ला से अनूदित इस कहानी संकलन में घर, आंगन, परिवार, मुहल्ले की उपेक्षित-सी घटनाओं को भी वैराट्य देने की सफलता दिखती है।

ISBN 81-237-1599-4

8. इक्कीस बांग्ला कहानियां

अरुण कुमार मुखोपाध्याय अनु. : देवलीना पृ. 234 रु. 35.00

वर्तमान काल की बांग्ला कहानियों का यह संकलन सिर्फ कथा रस से ही सराबोर नहीं वरन् रवींद्रनाथ टैगोर के बाद के बांग्ला साहित्य की मौलिकता का भी सूचक है।

ISBN 81-237-1478-5

9. उर्दू कहानियां

रज़िया सज्जाद ज़हीर (संपा.) अनु. : गुलवंत फारिग़ पृ. 194 रु. 40.00

समकालीन उर्दू साहित्य की चौबीस प्रतिनिधि कहानियों का संकलन।

ISBN 81-237-2019-X

10. उर्दू की नई कहानियां

रामलाल, इज़हार उस्मानी (संपा.) अनु. : एम. शहबाज़ पृ. 190 रु. 50.00

उर्दू की नई कहानियों की प्रवृत्तियों से परिचय कराती छब्बीस प्रमुख कहानियों का संकलन।

ISBN 81-237-3452-2

11. उपेन्द्रनाथ अश्क की श्रेष्ठ कहानियां

पृ. 212 रु. 95.00

स्वातंत्र्योत्तरकालीन हिन्दी कहानी को नई दिशा देने वाले प्रसिद्ध कथाकार उपेन्द्रनाथ अश्क की चुनिंदा कहानियों का संकलन।

ISBN 978-81-237-5512-0

12. एक किशोरी फुलझड़ी-सी

टी. पद्‌मनाभन अनु. : एन.ई. विश्वनाथ अय्यर पृ. 108 रु. 23.00

मलयालम से अनूदित इस कहानी संकलन में पीड़ित और शोषित सहजीवियों के वास्तविक चित्र अंकित हैं। कला और यथार्थ का अद्‌भुत सम्मिश्रण यहां मिलता है। पृष्ठभूमि, पात्र, संवाद और आवेग–सब सम्मिलित होकर इन कहानियों में हृदयहारी अनुभव कराते हैं।

ISBN 81-237-1881-0

13. कथा पंजाब-(खंड दो)

हरिभजन सिंह (संपा.) अनु. : सुभाष नीरव पृ. 322 रु. 48.00

पंजाबी की श्रेष्ठ कहानियों के जरिए बीते वर्षों में पंजाबी परिवेश की चेतना और भावना के रूपों में हुए अपार परिवर्तन को निरूपित करती हुई एक श्रेष्ठ पुस्तक।

ISBN 81-237-2239-7

14. कथा भारती : असमिया कहानियां

निर्मल प्रभा बरदलै (संपा.) अनु. : नवारुण वर्मा पृ. 266 रु. 47.00

असम जनपद एवं वहां के कथालेखन की वास्तविक झांकी प्रस्तुत करता हुआ एक महत्वपूर्ण कहानी संग्रह, जिसमें वहां के स्थापित कथाकारों को संकलित करने का यथासंभव प्रयास किया गया है। ISBN 81-237-1543-9

15. कथा भारती : ओड़िया कहानियां

पठाणि पटनायक (संपा.) अनु. : शिवप्रिया महापात्र पृ. 188 रु. 32.00

ओड़िया भाषा के प्रमुख कथाकारों की चुनी हुई कहानियों का संकलन।

ISBN 81-237-2234-6

16. कथा भारती : गुजराती कहानियां

यशवंत शुक्ल, अनिरुद्ध भट्ट अनु. : रमेश उपाध्याय पृ. 172 रु. 36.00

बीसवीं सदी के प्रारंभ से लेकर 1975 तक के गुजरात के प्रतिष्ठित और परिचित लेखकों की बीस कहानियां इसमें संगृहीत हैं जो विषय वैविध्य के कारण अत्यंत रोचक और पठनीय हैं। ISBN 81-237-2293-1

17. कथा भारती : मलयालम कहानियां

ओम चेरी एन.एन. पिल्लै (संपा.) अनु. : सुधांशु चतुर्वेदी पृ. 154 रु. 31.00

प्रस्तुत कथा संकलन में मलयालम के प्रसिद्ध कथाकारों की श्रेष्ठ कृतियों को संकलित किया गया है। इसमें संकलित कहानियां पाठकों की पठन रुचि बढ़ाने में सहायक होंगी।

ISBN 81-237-1962-0

18. कन्नड़ कहानियां

जी. एच. नायक (संपा.) अनु. : बी.आर. नारायण पृ. 278 रु. 70.00

प्रस्तुत पुस्तक में आधुनिक कन्नड़ साहित्य के प्रतिनिधि लेखकों की 25 कहानियां संकलित की गई हैं। ISBN 978-81-237-3173-6

19. कमलेश्वर की श्रेष्ठ कहानियां

पृ. 244 रु. 95.00

समय और समाज की धड़कन को कलम की धार देकर कागज पर उकेरने वाले हिंदी कथा साहित्य के सशक्त हस्ताक्षर कमलेश्वर की श्रेष्ठ पचीस कहानियों का भीना-भीना गुलदस्ता है यह पुस्तक, जिसकी कहानियों का चयन स्वयं कथाकार द्वारा हुआ है।

ISBN 978-81-237-4365-3

20. कश्मीरी कहानियां

मोहम्मद ज़मा आजुर्दा (संपा.)   अनु. : जोहरा अफजाल   पृ. 148   रु. 60.00

कश्मीरी के साहित्य की श्रेष्ठ कहानियों का शानदार संकलन। यह संकलन एक साथ कश्मीरी भाषा साहित्य की घनीभूत संवेदना और जनपद की चित्त छवि को मूर्त करता है।

ISBN 81-237-4115-4

21. काठनिबारी घाट

महिम बरा   अनु. : नवारुण वर्मा   पृ. 116   रु. 15.00

असमिया भाषा के प्रबुद्ध कथाकार महिम बरा की 12 प्रतिनिधि कहानियों का संग्रह।

22. कामतानाथ : संकलित कहानियां

पृ. 208   रु. 90.00

स्वातंत्र्योत्तरकालीन हिन्दी कहानी को नई दिशा देने वाले प्रसिद्ध कथाकार कामतानाथ की चुनिंदा कहानियों का संकलन।

ISBN 978-81-237-5247-1

23. काशीनाथ सिंह : संकलित कहानियां

पृ. 216   रु. 90.00

स्वातंत्र्योत्तरकालीन हिन्दी कहानी की अगली खेप को अद्यतन कर नई दिशा देने वाले प्रसिद्ध कथाकार काशीनाथ सिंह की चुनिंदा कहानियों का संकलन।

ISBN 978-81-237-5259-4

24. किस्सा पंजाब

हरिभजन सिंह (संपा.)   अनु. : विजय चौहान   पृ. 84   रु. 21.00

प्रस्तुत पुस्तक में पंजाब के कुछ लोकप्रिय किस्सों का नई शैली में वर्णन किया गया है। ये किस्से हीर-रांझा, मिरजा साहिबां, सस्सी-पुन्नू, सोहनी-महिवाल आदि के प्रेम-प्रसंगों, पूरन भगत और राजा रसालू की पावन कथाओं के साथ ही दुल्ला भट्टी और जीउणा मोड़ जैसे वीरों की लोककथाएं सुनाते हैं।

ISBN 81-237-2001-7

25. कुर्रतुल-ऐन-हैदर की श्रेष्ठ कहानियां

अनु. : शाहीना तबस्सुम   पृ. 212   रु. 50.00

भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित प्रख्यात उर्दू लेखिका की श्रेष्ठ कहानियों का संकलन।

ISBN 81-237-2133-1

26. कुलवंत सिंह विर्क की कहानियां

जसवंत सिंह विरदी (संपा.)   अनु. : सुभाष नीरव   पृ. 142   रु. 32.00

पंजाबी के श्रेष्ठ कथाकार कुलवंत सिंह विर्क की 29 श्रेष्ठ कहानियों का संकलन।

ISBN 81-237-2288-5

27. गोपीनाथ महांति की कहानियां

सीताकांत महापात्र (संपा.)   अनु. : प्रभात त्रिपाठी   पृ. 178   रु. 60.00

आदिवासी जनजीवन के सुख-दुख, संघात-संघर्ष और संभावना के चित्रों को उकेरती हुई गोपीनाथ महांति की सत्रह ओड़िया कहानियों का संकलन। ISBN 81-237-3874-9

28. जयकांतन की कहानियां

जयकांतन   अनु. : र. शौरिराजन   पृ. 172   रु. 80.00

तमिल के श्रेष्ठ कथालेखक जयकांतन की चुनी हुई 15 कहानियों का संकलन।

ISBN 978-81-237-5348-5

29. जयशंकर प्रसाद की कहानियां

विजयमोहन (संपा.)   पृ. 150   रु. 65.00

प्रसिद्ध छायावादी कवि की 17 यथार्थवादी कहानियों का संकलन। ये कहानियां समकालीन ग्रामीण यथार्थ, स्वाधीनता पूर्व अंग्रेज पोषित भारतीय जमींदारों की दुष्कृति एवं महाजनी सभ्यता के अमानवीय पक्ष को भलीभांति उजागर करती हैं। ISBN 81-237-4582-6

30. जैनेन्द्र कुमार की कहानियां

प्रदीप कुमार (संपा.)   भूमिका : विष्णु खरे   पृ. 106   रु. 35.00

हिन्दी के प्रख्यात कथाकार और हिन्दी कथाधारा के स्तंभ स्व. जैनेन्द्र कुमार की प्रतिनिधि कहानियों का संकलन। ISBN 978-81-237-2971-5

31. प्रेमचंद : संकलित कहानियां

रामबक्ष (संपा.)   पृ. 244   रु. 85.00

प्रेमचंद के इस संकलन में जातिवाद, धार्मिक सहिष्णुता और दलित उत्पीड़न से संबंधित कहानियां ली गई हैं। ISBN 978-81-237-5465-9

32. फणीश्वरनाथ 'रेणु' की श्रेष्ठ कहानियां

भारत यायावर (संपा.)   पृ. 260   रु. 55.00

'रेणु' की कहानियां अपनी संरचना, प्रकृति, शिल्प और रस की दृष्टि से हिन्दी कहानियों की परंपरा में एक अलग और नई पहचान उपस्थित करती हैं। ग्रामीण परिवेश के छोटे-बड़े, सुख-दुख, रीति-रिवाज पर सचेत रहने वाले ऊर्जस्वित कथाकार 'रेणु' की 21 चुनिंदा कहानियों का संकलन। ISBN 81-237-1537-4

33. बामाचरण मित्र की कहानियां

शत्रुघन पांडव (संपा.)   अनु. : शंकरलाल पुरोहित   पृ. 142   रु. 50.00

ओड़िया के प्रख्यात कथाकार बामाचरण मित्र की चुनी हुई कहानियों का अनूठा संकलन।

ISBN 81-237-4083-2

34. बेजबरुआ की संकलित रचनाएं

नगेन सैकिया (संक.) अनु. : नवारुण वर्मा पृ. 222 रु. 95.00

असमिया के श्रेष्ठ रचनाकार बेजबरुआ की प्रतिनिधि रचनाओं का संग्रहणीय संचयन।

ISBN 978-81-237-5283-9

35. मछली पिए न सूखे ताल

ए. विद्यासागर अनु. : जे. एल. रेड्डी पृ. 146 रु. 70.00

आदिवासियों की वास्तविक व्यथा व यातनाओं को सजीव रूप में प्रस्तुत करती यथार्थपरक कहानियां।

ISBN 978-81-237-5377-5

36. मन्नू भंडारी की श्रेष्ठ कहानियां

पृ. 188 रु. 75.00

स्त्री-मन की आकांक्षाएं, प्रेम, दाम्पत्य, पारिवारिक-सामाजिक ढांचे, छद्‌म आधुनिकता के दुष्प्रभाव आदि विषयों पर लिखी गई मन्नू भंडारी की कहानियों का अनूठा संकलन, जिसमें पाठकों को अपने समय का स्वर पहचानने का बेहतरीन अवसर उपलब्ध है।

ISBN 81-237-4363-7

37. मनोज दास की कहानियां

अनु. : राजेंद्र प्रसाद मिश्र पृ. 188 रु. 45.00

ओड़िया के प्रख्यात कथाकार मनोज दास की चुनी हुइ कहानियों का संकलन।

ISBN 81-237-3558-8

38. मसान का फूल और अन्य कहानियां

सच्चिदानन्द राउत राय अनु. : शंकर लाल पुरोहित पृ. 180 रु. 40.00

उड़ीसा के सामान्य जनजीवन को अपने लेखन का केंद्र मानने वाले यशस्वी कथाकार सच्चिदानन्द राउत राय की चुनी हुइ कहानियों का संकलन, जो उड़ीसा के जनपद पर विस्तृत रूप से दिखाया गया है।

ISBN 81-237-1570-6

39. महाश्वेता देवी की श्रेष्ठ कहानियां

अनु. : माहेश्वर पृ. 160 रु. 35.00

साहित्य अकादमी सहित अनेक साहित्यिक पुरस्कारों से सम्मानित बांग्ला की सुप्रसिद्ध लेखिका महाश्वेता देवी द्वारा संकलित उनकी इन कहानियों के केंद्र में मुख्यतया आदिवासी जनजीवन है, जो समाज की मूलधारा से कटकर जी रहा है।

ISBN 81-237-0533-6

40. मामोनी रायसम गोस्वामी की कहानियां

अनु. : श्रवण कुमार पृ. 106 रु. 30.00

असमिया की प्रसिद्ध लेखिका मामोनी रायसम गोस्वामी (ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त) की चुनिंदा कहानियों का संकलन।

ISBN 81-237-3458-1

41. मोहन राकेश की श्रेष्ठ कहानियां

रवीन्द्र कालिया (संपा.) पृ. 196 रु. 90.00

नई कहानी आंदोलन के अग्रणी कथाकार मोहन राकेश की कहानियों में आत्मसंघर्ष, अंतर्विरोध, आत्मपरीक्षण के तत्व सर्वाधिक पाए जाते हैं। इस संग्रह में मोहन राकेश की सोलह श्रेष्ठ कहानियों को लिया गया है।

ISBN 978-81-237-5531-1

42. मुद्राराक्षस : संकलित कहानियां

पृ. 216 रु. 90.00

स्वातंत्र्योत्तरकालीन हिन्दी कहानी को नई दिशा देने वाले प्रसिद्ध कथाकार मुद्राराक्षस की चुनिंदा कहानियों का संकलन।

ISBN 978-81-237-5335-5

43. यज्ञ

कालीपटनम रामाराव अनु. : दंडमूडि महीधर पृ. 84 रु. 26.00

तेलुगु जनपद के घर-आंगन में बिखरे कथासूत्रों का अनोखा संकलन।

ISBN 81-237-1385-1

44. रांगेय राघव : संकलित कहानियां

वीरेश कुमार (संपा.) पृ. 244 रु. 100.00

इतिहास एवं समकालीनता को अपने कथा लेखन में महत्वपूर्ण स्थान देकर, कथा लेखन का एक मानदंड स्थापित करने वाले कलाकार रांगेय राघव की चुनी हुई कहानियों का संकलन।

ISBN 978-81-237-4561-3

45. राजकमल चौधरी की श्रेष्ठ कहानियां

देवशंकर नवीन (संपा.) पृ. 256 रु. 115.00

हिन्दी एवं मैथिली साहित्य के कहानी, कविता, उपन्यास एवं निबंध लेखन को नवता देनेवाले, स्वातंत्र्योत्तर काल के महत्त्वपूर्ण कथाकार राजकमल चौधरी की श्रेष्ठ कहानियों का संकलन।

ISBN 978-81-237-4988-4

46. राजा राधिकारमण प्रसाद सिंह की श्रेष्ठ कहानियां

कमलानंद झा (संपा.) पृ. 198 रु. 90.00

हिन्दी कहानी लेखन के प्रारंभिक दौर में अभूतपूर्व योगदान देने वाले महत्वपूर्ण कथाकार राजा राधिका रमण प्रसाद सिंह की चुनी हुई कहनियों का श्रेष्ठ संकलन।

ISBN 978-81-237-5552-6

47. राजेन्द्र यादव : संकलित कहानियां

पृ. 242 रु. 75.00

श्रेष्ठ कथाकार राजेन्द्र यादव की चुनी हुई कहानियों का संकलन।

ISBN 978-81-237-5243-3

48. विष्णु प्रभाकर : संकलित कहानियां

पृ. 150 रु. 50.00

हिन्दी के सुविख्यात कथाकार विण्णु प्रभाकर द्वारा तैयार की गई 18 कहानियों का यह संग्रह कथाकार के कथा कौशल की सिलसिलेवार प्रस्तुति है।

ISBN 978-81-237-5551-9

49. शेखर जोशी : संकलित कहानियां

पृ. 192 रु. 80.00

स्वातंत्र्योत्तरकालीन हिन्दी कहानी को नई दिशा देने वाले प्रसिद्ध कथाकार शेखर जोशी की चुनिंदा कहानियों का संकलन।

ISBN 978-81-237-5261-7

50. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कहानियां

कमलेश्वर (संपा.) पृ. 402 रु. 130.00

स्वातंत्र्योत्तर काल के श्रेप्ठ हिन्दी कथाकारों की प्रतिनिधि कहानियों का संचयन।

ISBN 81-237-4222-3

51. समकालीन गुजराती कहानियां

राधेश्याम शर्मा (संपा.) अनु. : रमेश उपाध्याय पृ. 116 रु. 24.00

गुजरात के समकालीन समाज की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, आहार-व्यवहार, शोक-संताप, हास-परिहास, सुख-दुख के भावों से भरी कहानियों का अनूठा संकलन।

ISBN 81-237-1160-3

52. समकालीन मलयालम कहानियां

एस. मुकुंदन (संपा.) अनु. : पी. लक्ष्मी कुट्टिअम्मां पृ. 194 रु. 16.00

मलयालम कहानियों का यह संकलन आधुनिक कहानियों का प्रतिनिधि संकलन है। ये कहानियां परंपरागत मोह से निकलकर सामाजिक यथार्थ के रूपायन को नया आयाम देती हैं।

ISBN 81-237-4823-X

53. समकालीन मलयालम कहानियां-2

वी.सी. हारिस अनु. : पी.के. चन्द्रन पृ. 143 रु. 70.00

बीसवीं शताब्दी के अंतिम दो दशकों में लिखी गई मलयालम की 21 श्रेष्ठ कहानियों का अनूठा संचयन। ISBN 81-237-4823-X

54. समसामयिक हिन्दी कहानियां

धनंजय वर्मा (संपा.) पृ. 268 रु. 50.00

मुक्तिबोध, हरिशंकर परसाई, धर्मवीर भारती, अमृत राय, भीष्म साहनी, कृष्ण बलदेव वैद, शानी, रमेश बक्षी, राजी सेठ आदि बीस श्रेष्ठ हिन्दी कथाकारों की कहानियों का यह संकलन हिन्दी कहानी के समसामयिक परिदृश्य को उसकी समग्रता में प्रस्तुत करता है।

ISBN 81-237-1489-0

55. सुजान सिंह की चुनिंदा कहानियां

सुरेन्द्र पाल सिंह (संपा.) अनु. : नरेश 'नदीम' पृ. 234 रु. 50.00

प्रसिद्ध पंजाबी कथाकार सुजान सिंह की 35 श्रेष्ठ पंजाबी कहानियां का हिन्दी अनुवाद।

ISBN 81-237-2382-2

56. सुभद्रा कुमारी चौहान की श्रेष्ठ कहानियां

आनंद प्रकाश (संपा.) पृ. 166 रु. 80.00

स्वाधीनता आंदोलन की सक्रिय कार्यकर्ता सुभद्रा कुमारी चौहान की बाईस श्रेष्ठ कहानियों का संचयन उनके समर्थ कथा लेखक रूप को पाठकों के सामने रखता है। स्वतंत्रता-पूर्व की उनकी इन कहानियों में स्त्री की कोमलता और संघर्षशीलता का समन्वय मूलक चित्रण हुआ है। इन कहानियों में राष्ट्रीय भावना और ओज भी सहज दृश्यमान हैं।

ISBN 81-237-4515-X

57. सौरभ चलिहा की चुनिंदा कहानियां

अनु. : दिनकर कुमार पृ. 108 रु. 35.00

असमिया के उत्कृष्ट कथाकार और नए भावबोधों के प्रणेता सौरभ चलिहा की चुनिंदा कहानियों का संकलन। ISBN 81-237-3500-X

कविता

1. जल भीतर इक बृच्छा उपजै

रमेश अनुपम (संक.) पृ. 284 रु. 120.00

छत्तीसगढ़ की छह सौ वर्षों (सन् 1400 से 2000) की सुदीर्घ काव्य-यात्रा का संचयन।

ISBN 978-81-237-5362-1

2. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कविताएं

केदारनाथ सिंह (संपा.) पृ. 402 रु. 130.00

स्वाधीनता प्राप्ति के बाद के भारत की राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक परिस्थितियों को रेखांकित करने वाली महत्वपूर्ण कविताओं का अनूठा संकलन।

ISBN 978-81-237-4222-3

3. सुभद्रा कुमारी चौहान की श्रेष्ठ कविताएं

चन्द्रा सदायत (संपा.) पृ. 140 रु. 70.00

'राष्ट्रीय वसंत की प्रथम कोकिला', स्वाधीनता आंदोलन की महत्वपूर्ण कवयित्री सुभद्रा कुमारी चौहान की चुनी हुई कविताओं का संकलन। ISBN 81-237-4694-6

उपन्यास

1. अठारहवीं अक्षांश रेखा

अशोक मित्रन अनु. : सुमति अय्यर पृ. 132 रु. 21.00

प्रस्तुत उपन्यास आज के तमिल साहित्य की प्रगति का एक सशक्त प्रमाण है। इसमें भूमध्य के उत्तर में अठारहवीं अक्षांश रेखा पर स्थित हैदराबाद के निवासियों की तत्कालीन परिस्थितियों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया है।

2. अतीत के दिन

के. पी. केशव मेनन अनु. : चंद्रशेखरन नायक पृ. 342 रु. 38.00

सुप्रसिद्ध मलयाली लेखक श्री पी. के. केशव मेनन की आत्मकथा 'कषिअ कालम' का हिन्दी अनुवाद।

3. अनचला डगर

वसंत कुमारी पट्टनायक अनु. : श्रीनिवास उद्गाता पृ. 148 रु. 35.00

स्त्री शिक्षा की प्रगति और पीढ़ी के अंतराल से नारी जीवन में खुलते नए रास्ते को इंगित करता हुआ उम्दा ओड़िया उपन्यास।

ISBN 81-237-2736-4

4. अलीक मानव

सैयद मुस्तफ़ा सिराज़ अनु. : मनमोहन ठाकौर पृ. 400 रु. 65.00

उन्नीसवीं शताब्दी के मध्य से बीसवीं शताब्दी के मध्य तक के सौ वर्षों के बंगाली जनजीवन के सामाजिक इतिहास की झांकी यहां मिलती है। इस परिप्रेक्ष्य में इस उपन्यास में वहां के हिंदू-मुसलमानों के पारस्परिक धार्मिक तनाव, आकर्षण-विकर्षण, मेल-विरोध तथा ब्रिटिश शासन की अराजकता साफ-साफ अंकित हुई है। ISBN 81-237-1836-5

5. आखिर जो बचा

बुच्चि बाबू अनु. : दयावंती पृ. 226 रु. 22.00

एक युवा डाक्टर की कहानी जो जीवन भर विकृत सामाजिक मूल्यों के विरुद्ध लड़ता रहा। पर आखिर उसके पास क्या बचा–अपने आप से समझौता। बुच्चि बाबू को तेलुगु साहित्य में एक कहानीकार तथा उपन्यासकार के रूप में उच्च स्थान प्राप्त है।

ISBN 81-237-0000-8

6. आत्मप्रकाश

सुनील गंगोपाध्याय अनु. : प्रतिभा अग्रवाल पृ. 170 रु. 34.00

बांग्ला के प्रख्यात लेखक का यह पहला प्रकाशित उपन्यास है। युवा मन की रिक्तता और इस रिक्तता के दबाव में उनके द्वारा किए गए विभिन्न कार्यों का चित्रण देखते ही बनता है।

ISBN 81-237-0520-4

7. आदर्श हिन्दू होटल

विभूतिभूषण बंद्योपाध्याय अनु. : प्रफुल्लचंद्र ओझा 'मुक्त' पृ. 158 रु. 35.00

मानवीय संवेदना और जन सामान्य के सपनों, इच्छाओं, आकांक्षाओं को उकेरता हुआ एक शानदार बांग्ला उपन्यास।

ISBN 81-237-2643-7

8. आदमी और जंगल

उमाकान्त शर्मा अनु. : सत्यदेव प्रसाद पृ. 338 रु. 70.00

असम के चाय बागान के श्रमिक समुदाय की जीवन प्रक्रिया के क्रमिक परिवर्तन और असमिया समाज के सांस्कृतिक समन्वय को चित्रिन करता हुआ एक श्रेष्ट उपन्यास।

ISBN 81-237-3354-2

9. आधी घड़ी

पारप्पुरत्तु अनु. : एन.ई. विश्वनाथ अय्यर पृ. 246 रु. 23.00

प्रस्तुत उपन्यास लेखक की सर्वाधिक लोकप्रिय और सशक्त रचना है। उपन्यास की पृष्टभूमि में त्रावणकोर रियासत के मध्य खंड में बसे ईसाई समाज का जीवन चित्रित है।

10. इछामती

विभूतिभूषण बंद्योपाध्याय अनु. : पुष्पमाला जैन पृ. 238 रु. 39.00

पिछली शताब्दी में बंगाल के नीलकर साहबों के आगमन पर नील की खेती प्रारंभ होने से किसानों की विडंबना, और अंत में उनके विद्रोह की ऐतिहासिक घटना पर आधारित श्रेष्ठ बांग्ला उपन्यास।

ISBN 81-237-2132-3

11. उसने जंगल को जीता

केसव रेड्डी अनु. : जे. एल. रेड्डी पृ. 56 रु. 20.00

एक सूअर के चरवाहे और एक सूअरी के प्रसव के आश्रय से गढ़ी हुई इस तेलुगु उपन्यास की कथा में समकालीन जनजीवन पर असुरक्षा और आतंक के मंडराते बादल को प्रभावकारी ढंग से चित्रित किया गया है।

ISBN 81-237-1598-6

12. एक घेरे से बाहर

सु. समुत्तिरम अनु. : विजयलक्ष्मी सुंदरराजन पृ. 138 रु. 31.00

खौफनाक जिंदगी बिताती एक स्वाभिमानी लड़की के जय-पराजय की कथा, जो शोक, संताप, व्यथा और संघर्ष झेलती है, निर्दयता और वेदना की चक्की में लगातार पिसती है पर झुकती नहीं।

ISBN 81-237-1348-7

13. कपिली के आर-पार

नवकांत बरुआ अनु. : लोकनाथ भराली पृ. 62 रु. 12.00

असमिया भाषा के प्रसिद्ध लेखक एवं शिक्षाविद् का बहुत ही रोचक एवं आकर्षक उपन्यास।

ISBN 81-237-0001-6

14. कपीश जी

मनोहर श्याम जोशी पृ. 144 रु. 70.00

भाषा के स्तर पर धारदार व्यंग्य, विषय के स्तर पर अत्यंत आधुनिकता और समझ के स्तर पर गहन मार्मिकता से ओत-प्रोत कृति प्रस्तुत करने वाले हिन्दी उपन्यासकार मनोहर श्याम जोशी का महत्वपूर्ण उपन्यास।

ISBN 978-81-237-5513-7

15. करिसल

पोन्नीलन अनु. : मीनाक्षी पुरी मुद्रणाधीन

अत्यंत निर्धन, अनपढ़, शोषित, रीतिबद्ध और अंधेरे में जी रहे लोगों के जीवन की गतिविधियों, जीवन में मौलिक परिवर्तन की आशा और शोषण के विरुद्ध संग्राम की तैयारी करते हुए जनसमुदाय की जीवन गाथा प्रस्तुत करता हुआ प्रसिद्ध तमिल उपन्यास।

16. कालातीत व्यक्ति

श्रीदेवी अनु. : बालशौरि रेड्डी पृ. 224 रु. 85.00

अभाव की भट्टी में तपते हुए युवक-युवती के जीवन संघर्ष, पीढ़ियों के द्वंद्व तथा पुरानी पीढ़ी के गलित विचार को तार-तार करता हुआ यह तेलुगु उपन्यास हिन्दी पाठकों के लिए एक संग्रहणीय पुस्तक साबित होगी।

ISBN 81-237-4336-X

17. काली मिट्टी

पालगुम्मि पद्मराजु अनु. : आरिगपूडि रमेश चौधरी पृ. 104 रु. 35.00

आंध्र प्रदेश के गांव के सीधे-सादे लोगों के मानवीय पक्षों, जन संबंधों, घृणा, प्रेम, राग, द्वेष आदि का जीवंत चित्र प्रस्तुत करता हुआ श्रेष्ठ तेलुगु उपन्यास।

ISBN 978-81-237-2265-6

18. किनु ग्वाले की गली

संतोष कुमार घोष अनु. : अरिंदम पृ. 142 रु. 9.00

प्रस्तुत उपन्यास एक तरह का आत्मप्रकाश है। इसमें वातावरण विशेष का स्वरूप सामने आता है, जिसमें जीवन के सारे पर्याय समेटे जा सकते हैं।

19. कुरिंजी का शहद

राजम कृष्णन अनु. : विजयलक्ष्मी सुंदरराजन पृ. 284 रु. 44.00

पिछड़े वर्ग तथा पहाड़ी जनजातियों के जीवन को केंद्र बनाकर यह तमिल उपन्यास लिखा गया है। पहाड़ के मानव जीवन पर सामाजिक परिवर्तन के प्रभाव और बाह्य जगत की आधुनिकता के अनुरूप दो पीढ़ियों के अंतराल को साठ वर्षों के समय की पृष्ठभूमि में प्रस्तुत किया गया है।

ISBN 81-237-1855-0

20. कोसला

भालचंद्र नेमाडे अनु. : भगवान दास वर्मा पृ. 298 रु. 55.00

आजादी के बाद की युवा-पीढ़ी की मानसिकता का सच्चा चित्रांकन करता यह उपन्यास शिक्षा, व्यावहारिक जीवन की विसंगतियां, कदम-कदम पर संघर्ष, अस्मिता का संकट आदि बिंदुओं को बड़े तल्ख अनुभवों के साथ उभारता है।

ISBN 81-237-0252-3

21. गंगव्वा गंगामाई

शंकर मोकाशी 'पुणेकर' अनु. : बी.आर.नारायण पृ. 236 रु. 28.00

यह एक पारिवारिक उपन्यास है। कन्नड़ भाषा में लिखी गई पिछले कुछ वर्षों की अद्वितीय रचनाओं में इसकी गिनती है।

ISBN 81-237-0018-0

22. गंगा चील के पंख

लक्ष्मीनंदन बोरा अनु. : शारदा बरुआ पृ. 144 रु. 40.00

असमिया उपन्यास लेखन के क्षेत्र में लक्ष्मीनंदन बोरा का प्रमुख स्थान है। यह पुस्तक उनके बहुचर्चित उपन्यास का हिन्दी अनुवाद है। असमिया न जानने वाले पाठक इसे पढ़कर असमिया ग्राम्य जीवन की एक झलक से परिचित हो पाएंगे।

ISBN 81-237-4052-2

23. गृहभंग

एस.एल. भैरप्पा अनु. : बी.बी.पुत्रन पृ. 408 रु. 35.00

यह कन्नड़ उपन्यास ग्रामीण जीवन की अद्‌भुत झांकी प्रस्तुत करने के साथ ही एक युवती जनम्मा के जीवन की अंतहीन त्रासदियों को सूक्ष्मता से उजागर करता है।

24. गांधारी

ना.धों. महानोर अनु. : निशिकांत ठकार पृ. 92 रु. 11.00

निजाम सल्तनत की समाप्ति के बाद गांधारी नामक छोटे-से गांव की कहानी, जिसके अनेक चरित्र उस समय के परिवेश को जीवंत बना देते हैं।

25. गाथा मफस्सिल

देवेश राय अनु. : सूर्यनाथ सिंह पृ. 174 रु. 80.00

बंगला के प्रसिद्ध उपन्यासकार देवेश राय की सुपरिचित कृति का मनोरम अनुवाद।

ISBN 81-237-4645-8

26. गोष्ठबिहारी का जिंदगीनामा

अमलेन्दु चक्रवर्ती अनु. : सुशील गुप्ता पृ. 362 रु. 75.00

अल्पवेतन भोगी एक क्लर्क के जर्जर अर्थतंत्र और उत्कट अभिलाषा के तालमेल की मार्मिक कथा पर आधारित रोचक बांग्ला उपन्यास।

ISBN 81-237-3449-1

27. चार दीवारों में

एम.टी. वासुदेवन नायर अनु. : पद्‌मिनी मेनन पृ. 150 रु. 35.00

आधुनिक परिवेश में संयुक्त परिवार के जर्जर आदर्श को ढोते रहने के बेतुकेपन का अहसास इस मलयालम उपन्यास में बराबर कुरेदता रहता है। बेजान संबंधों की चारदीवारी में घिरे कुटुंबियों की मनोदशा का आकलन प्रस्तुत कर लेखक ने यथार्थ के चित्र को जीवंत कर दिया है।

ISBN 81-237-2162-5

28. जीवन एक नाटक

पन्ना लाल पटेल अनु. : रघुवीर चौधरी पृ. 358 रु. 60.00

गुजराती के अग्रणी कथाकार की महान कृति (मानवीनी भवाई) का हिन्दी अनुवाद, जिस पर लेखक को भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार दिया गया। उपन्यास में वर्णित अकाल ऐतिहासिक दस्तावेज मात्र ही नहीं बल्कि जीवन की भयावहता से साक्षात्कार भी है।

ISBN 81-237-2738-0

29. दवा

पुनत्तिल कुंजब्दुल्ला अनु. : एन.ई.विश्वनाथ अय्यर पृ. 240 रु. 42.00

चिकित्सा की दुनिया बाहर जितनी भरोसेमंद है, ठोस है, भीतर से उतनी ही अविश्वसनीय, खोखली एवं विद्रूप...। मलयालम का यह उपन्यास इसी सचाई से रू-ब-रू कराता है।

ISBN 81-237-1271-5

30. दानापानी

गोपीनाथ महांति अनु. : शंकरलाल पुरोहित पृ. 264 रु. 30.00

भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार विजेता एवं ओड़िया भाषा के मूर्धन्य उपन्यासकार का अनुपम यथार्थवादी उपन्यास, जिसकी कथावस्तु दानापानी के तीव्र द्वंद्व और पदोन्नति की समस्या को लेकर चलती है।

ISBN 81-237-0010-5

31. देश काल पात्र

जे.पी. दास अनु. : राजेन्द्र प्रसाद मिश्र पृ. 350 रु. 130.00

ओड़िया साहित्य और ओड़िया जनजीवन की धरोहर को रेखांकित करता महत्वपूर्ण उपन्यास।

ISBN 81-237-4591-5

32. धरती की हंसी

लूमर डाइ अनु. : सत्यदेव प्रसाद पृ. 184 रु. 35.00

यह अरुणाचल प्रदेश के आदि समाज के सुख-दुख, हास्य-रुदन से भरपूर एक आंचलिक उपन्यास है। इसमें स्थानीय रीति-रिवाज, पर्व-त्योहार के चित्रण के साथ सरल-सहज पहाड़ी लोगों के वाणिज्यिक परिवेश के संपर्क से अमानवीय होने की गाथा भी दर्ज है।

ISBN 81-237-1933-7

33. धान

पी. वत्सला अनु. : राकेश कालिया पृ. 374 रु. 75.00

केरल के जनजातीय किसानों के शोषण और उत्पीड़न का जीवंत चित्र उपस्थित करता हुआ प्रसिद्ध असमिया उपन्यास।

ISBN 81-237-2700-3

34. नामघरैया

अतुलानंद गोस्वामी अनु. : सत्यदेव प्रसाद पृ. 72 रु. 30.00

असम की संस्कृति, वैष्णव परंपरा और मानवीय मूल्य को ओजस्वी भाषा के साथ चित्रांकित करता प्रसिद्ध असमिया उपन्यास नामघरैया का अनुवाद।

ISBN 81-237-3621-5

35. पगडंडियां

सी. राधाकृष्णन अनु. : विनीता डोगरा पृ. 172 रु. 29.00

मलयालम समाज में अल्पबुद्धि भाई को सर्वसुरक्षा देने हेतु पति-प्रेम को त्याग देने वाली लड़की, निष्काम पुत्री प्रेम में इस लड़की के पिता द्वारा अपने अल्पबुद्धि पुत्र की हत्या को बीच कथानक में रखते हुए एक महत्वपूर्ण उपन्यास। ISBN 81-237-1838-1

36. पात्र-विपात्र

एस. सोज अनु. : उमा बंसल पृ. 116 रु. 60.00

एक बीमार बच्चे के जीवन संग्राम के बहाने चिकित्सा और अंधविश्वास की दुनिया को तार-तार करता हुआ महत्वपूर्ण उपन्यास। ISBN 81-237-3297-X

37. पात्तुम्मा की बकरी और बाल्यकाल सखी

वैक्कम मुहम्मद बशीर अनु. : रत्नमयी देवी दीक्षित पृ. 116 रु. 11.00

दो लघु उपन्यासों के इस संग्रह में से 'पात्तुम्मा की बकरी' एक निर्दोष बालिका की कहानी है, जिसका कथानक अंधविश्वास की धुरी पर घूमने वाले एक परिवार से जुड़ा है। दूसरी कृति 'बाल्यकाल सखी' मोटे तौर पर एक प्रणय कथा है।

38. पानी पड़े पत्ता हिले

गौड़ किशोर घोष अनु. : माहेश्वर पृ. 344 रु. 75.00

पूर्व बंगाल के जसोर जिले के कथ्य और भाषा के सहज प्रयोग से भरा यह आंचलिक उपन्यास ग्रामीण कहावतों, पुराने रीति-रिवाजों, विभिन्न वर्ग के व्यक्तियों, नारी-पुरुषों की भावनाओं से इस तरह परिपूर्ण है कि इसकी साहित्यिक सीमा शिखर तक चली जाती है।

ISBN 978-81-237-1883-7

39. पिता-पुत्र

होमेन बरगोहांई अनु. : दिनकर कुमार पृ. 236 रु. 75.00

दो पीढ़ियों के वैचारिक संघर्ष, असम जनपद के सामाजिक वैमनस्य, राजनीतिक षड़यंत्र आदि को प्रवहमान शैली में सूक्ष्मता से चित्रित करता असमिया उपन्यास।

ISBN978-81-237-3964-9

40. पुराना लखनऊ

अब्दुल हलीम 'शरर' अनु. : नूर नबी अब्बासी पृ. 326 रु. 45.00

अब्दुल हलीम 'शरर' की पुस्तक पुराना लखनऊ (गुजिस्तां लखनऊ) एक ऐसी सभ्यता का चित्र प्रस्तुत करती है जिसे हिंदुस्तान के एक प्रदेश में रहने वालों ने जन्म दिया है। इस दृष्टि से यह पुस्तक एक महान सभ्यता का महान इतिहास ही नहीं बल्कि हमारी राष्ट्रीय विरासत का एक महत्वपूर्ण अंग है। ISBN 81-237-1525-0

41. फायर एरिया

इलियास अहमद गद्दी अनु. : राशिद अली पृ. 154 रु. 60.00

कोलियरी के मजदूरों की व्यथा और कोल माफियाओं की अय्याशी पर आधारित रोचक उर्दू उपन्यास का हिन्दी अनुवाद। उर्दू साहित्य की सेवा के लिए साहित्य अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित। ISBN 81-237-3325-9

42. बंदरगाह

तोफिल मुहम्मद मीरान अनु. : एच. बाल सुब्रह्मण्यम पृ. 206 रु. 41.00

शोषण का व्यूह चलाते और उस व्यूह में फंसते जाते मानवों की अंतर्वस्था की अनूठी कथा इस तमिल उपन्यास में कही गई है। ISBN 81-237-2210-9

43. बचपन की यादें

माधविकुट्टि अनु. : अरविन्दन एम. पृ. 154 रु. 35.00

मलयालम की प्रसिद्ध कथा लेखिका माधविकुट्टि का आत्म-संस्मरणात्मक उपन्यास, जो यदि 'मैं' शैली में नहीं लिखा गया होता तो भारत के किसी भी क्षेत्र के सामंती संस्कार को खंडित करती हुई सामंत बालिका की कथा होता। ISBN 81-237-2771-2

44. बदलते चेहरे

जयकांतन अनु. : एन.बी. राजगोपालन पृ. 238 रु. 50.00

तमिल से अनूदित इस उपन्यास में स्त्री-पुरुष संबंधों के विविध पहलुओं को बड़ी साफगोई और बड़े विस्तार से चित्रित किया गया है। यह उपन्यासकार का कौशल ही माना जाएगा कि एक ही व्यक्ति कभी इस संबंध को अत्यंत अर्थपूर्ण साबित कर देता है तो कभी एकदम निरर्थक। ISBN 81-237-1571-4

45. बाहर का आदमी

जगशिर्पियन अनु. : रा. बीलिनाथन पृ. 248 रु. 26.00

मूलतया तमिल भाषा का यह उपन्यास आम पाठकों का जीवन के अपरिचित पहलुओं से परिचय कराता है। मद्रास आए एक शरणार्थी की कथा के माध्यम से इस उपन्यास में जीवन के कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रकाश डाला गया है।

46. भटके हुए लोग

हरचरन चावला अनु. : खुर्शीद आलम पृ. 170 रु. 60.00

श्रम और प्रतिभा के देशांतर पलायन और वहां के भारतीय नागरिकों के मन में अपने देश की धरती के लिए उठती टीस का जीवंत चित्र प्रस्तुत करता हुआ प्रसिद्ध उर्दू उपन्यास।

ISBN 81-237-3920-6

47. मय्यषी नदी के किनारे

एम.मुकुन्दन अनु. : सुधांशु चतुर्वेदी पृ. 292 रु. 51.00

स्वाधीनता आंदोलन की राजनीतिक, सामाजिक तथा सांस्कृतिक गतिविधियों पर केंद्रित, गोरे शासकों के अत्याचार और मजबूर जनता की दुर्दशा आदि को बड़ी सूक्ष्मता से चित्रित करता हुआ मलयालम उपन्यास। ISBN 81-237-2035-1

48. मरा हुआ चांद

उपेन्द्र किशोर दास अनु. : राजेन्द्र प्रसाद मिश्र पृ. 80 रु. 50.00

ओड़िया कथा साहित्य में नवलेखन के प्रथम दौर के महत्वपूर्ण उपन्यासकार का चर्चित मनोविश्लेषणात्मक और प्रेम के त्रिकोणात्मक स्वरूप का जीवंत चित्रण।

ISBN 81-237-3297-X

49. माहिम की खाड़ी

मधु मंगेश कर्णिक अनु. : विजय बापट पृ. 116 रु. 30.00

बंबई जैसे महानगर में बसी झोपड़-पट्टी में रहने वाले लोगों के जीवन का कभी न भूलने वाला यथार्थ चित्रण। ISBN 81-237-0689-8

50. मिट्टी का आदमी

वासिरेड्डी सीता देवी अनु. : जे.एल.रेड्डी पृ. 392 रु. 64.00

श्रमजीवी किसान के उत्थान एवं आधुनिक रंगीनी में दिशाहारा युवक के पतन की मर्मस्पर्शी दास्तान, जिसमें लेखक ने अपने रचना कौशल से तेलुगुभाषी समाज का जीवंत चित्र प्रस्तुत किया है। ISBN 81-237-1463-7

51. मुक्ति

शांतिनाथ देसाई अनु. : मोतीलाल हलवाई पृ. 180 रु. 40.00

यौवन के उन्माद से उपजा प्रेम और फिर उससे मुक्त होने के लगातार श्रम में हुई विफलता के बीच जूझते एक युवक की रोचक तथा मार्मिक कहानी को प्रस्तुत करता हुआ कन्नड़ उपन्यास। ISBN 81-237-2455-1

52. मृत्यु के बाद

शिवराम कारंत अनु. : गुरुनाथ जोशी पृ. 144 रु. 45.00

भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित प्रख्यात कन्नड़ उपन्यासकार शिवराम कारंत का यह उपन्यास दर्शन जैसे गूढ़ और कठिन विषय पर लिखा गया है, जहां कथात्मक रस में विषय को भिगोने में लेखक को पूरी सफलता मिली है। ISBN 81-237-2146-6

53. यंत्र

मलयाट्टूर रामकृष्णन अनु. : पी.के.चन्द्रन पृ. 310 रु. 75.00

भारतीय प्रशासनिक सेवा परीक्षा में सफल हुए युवकों के प्रशिक्षण से शुरू हुई कहानी में व्यवस्था की यांत्रिक गुत्थियां पिरोता हुआ एक रोचक उपन्यास।

ISBN 978-81-237-3151-3

54. यात्रा का अंत

नील पद्मनाभन अनु. : न.वी.राजगोपालन पृ. 206 रु. 20.00

एक भारतीय घर के टूटने की मार्मिक कहानी इस पुस्तक में प्रस्तुत की गई है। पत्नी कात्यायनी अपने पति अनंतन नायर को छोड़कर किसी और के घर जा बसी है। यह उपन्यास अनंतन नायर के जीवन का लेखा-जोखा है।

55. रंमिली की मुस्कान

रं.बं.तेरां अनु. : नवारुण वर्मा पृ. 200 रु. 39.00

इस पुस्तक को 'कारबी जनजीवन का आर्थिक, सामाजिक इतिहास' कहा जाता है। कारबी जनजीवन के सुख-दुख, प्रेम-विरह, आशा-आकांक्षा आदि को बड़े जीवंत रूप में यहां प्रस्तुत किया गया है।

ISBN 81-237-1880-2

56. रात के राही

करमजीत सिंह कुस्सा अनु. : गुलवंत फारिग पृ. 314 रु. 40.00

पंजाब के निम्नवर्गीय किसान की अधोगति, उनके जीवन के कटु-मधु अनुभव ही आंचलिक उपन्यास का मूल केंद्र हैं। अभाव और सामाजिक यथार्थ के दोहरे मानदंडों को यहां सूक्ष्मता से चित्रित किया गया है।

ISBN 81-237-1008-9

57. वधस्थल

मनोहर श्याम जोशी पृ. 212 रु. 90.00

भाषा के स्तर पर धारदार व्यंग्य, विषय के स्तर पर अत्यंत आधुनिकता और समझ के स्तर पर गहन मार्मिकता से ओत-प्रोत कृति प्रस्तुत करने वाले हिन्दी उपन्यासकार मनोहर श्याम जोशी का महत्वपूर्ण उपन्यास।

ISBN 978-81-237-53

58. विषकन्या

एस.के.पोट्टकाट अनु. : एस.रामचंद्रन नायर पृ. 144 रु. 40.00

प्रसिद्ध मलयालम उपन्यासकार का प्रसिद्ध प्रतीकात्मक उपन्यास जो अपने ध्वन्यात्मक उत्कर्ष के कारण एक भूखंड के इतिहास की कहानी हो जाती है और किसी बैले की सुंदरता प्रस्तुत करता है।

ISBN 81-237-3132-9

59. शहतूतों वाला कुआं

सोहन सिंह सीतल अनु. : सुदीप पृ. 228 रु. 42.00

आजादी, विभाजन और सांप्रदायिक दंगा–तीनों को यथायोग्य सूक्ष्मता तथा बेबाकी से प्रस्तुत करने वाला ऐसा उपन्यास, जिसमें स्वतंत्रता संग्राम के काल का इतिहास जीवंत हो उठता है।

ISBN 81-237-1841-1

60. षड्यंत्र

भीमसेन तोरगल अनु. : अरुणा ज. नाइक पृ. 98 रु. 35.00

ऐतिहासिक और पौराणिक आख्यानों की नई व्याख्या के साथ विस्मयकारी तथ्यों का रहस्य उद्घाटित करता हुआ कन्नड़ उपन्यास।

ISBN 81-237-3554-7

61. सांझ की बेला में

शीलभद्र अनु. : महेन्द्रनाथ दुबे पृ. 122 रु. 35.00

ज्ञान तात्विक प्रश्न, जीवन दर्शन के उत्कर्ष और प्रेमविहीन यौन संपर्क को कथात्मक परिधान देकर उच्चता प्रदान करता हुआ श्रेष्ठ असमिया उपन्यास।

ISBN 81-237-2642-2

62. सीढ़ी के डंडे

तकषी शिव शंकर पिल्लै अनु. : सुधांशु चतुर्वेदी पृ. 268 रु. 46.00

मछुआरों की जीवन प्रक्रिया से अत्यंत साधारण कथ्य को जीवंत रूप देते हुए एक शानदार मलयालम उपन्यास का हिन्दी रूपांतरण, जिसका परिवेश दक्षिण भारत रखा गया है और वहां की लोक-संस्कृति को भी यथा अवसर उकेरा गया है।

ISBN 81-237-1660-5

63. सीप की कोख में मोती

बोधिसत्व मैत्रेय अनु. : सान्त्वना निगम पृ. 268 रु. 46.00

दक्षिण भारत के दूरस्थ क्षेत्र मन्नार उपसागर के तट पर शंख-सीप चुनने वालों और मछली पकड़कर जीवन व्यतीत करने वालों के स्वभाव-संस्कार, आचार-व्यवहार के आश्रय से लिखा गया गहरी अंतर्दृष्टि वाला महत्वपूर्ण बांग्ला उपन्यास।

ISBN 81-237-1660-5

64. सूरजमुखी का सपना

सैय्यद अब्दुल मलिक अनु. : लोकनाथ भराली पृ. 166 रु. 40.00

यह कहानी है असम के डालिम गांव के गुलच की, जिसका जीवन चेनिमाइ, कपाही तथा तरा नामक स्त्रियों के आसपास इस तरह विभिन्न संघर्षों के बीच बढ़ता है कि गांव का जीवन सारे परिवेश सहित चमकने लगता है। प्रेम संघात ही उपन्यास का विषय नहीं है, बल्कि यह प्रकृति के क्रोध से लड़ने की शक्ति का भी वर्णन है।

ISBN 81-237-2835-2

65. स्मृति : एक प्रेम की

कृष्ण खटवाणी अनु. : मोतीलाल जोतवाणी पृ. 94 रु. 18.00

यह उपन्यास मानवीय संबंधों के आकलन, गहन भावना और संवेदनशील कथानक के लिए सिंधी साहित्य में एक मील का पत्थर है।

ISBN 81-237-1460-2

66. स्वर्ण क्षेत्र में स्वागत है

महेन्द्र अनु. : जे.एल. रेड्डी पृ. 66 रु. 25.00

मानव जीवन की स्पर्द्धामय परिस्थितियों को केंद्र में रखकर लिखा गया तेलुगु का उपन्यास। हिन्दी अनुवाद साहित्य अकादेमी द्वारा पुरस्कृत।

ISBN 81-237-2915-4

67. स्वर्णलता

तिलोत्तमा मिश्र अनु. : चन्द्रमुखी जैन पृ. 192 रु. 45.00

उन्नीसवीं सदी के मध्य और शेष भाग में असम के भीतर सीमित सामाजिक, राजनीतिक आलोड़न और नारी जीवन में शिक्षा के प्रवेश से हुए परिवर्तन को चित्रित करता हुआ श्रेष्ठ उपन्यास।

ISBN 81-237-2426-8

68. स्वेच्छा

ओल्गा अनु. : आर. शांता सुन्दरी पृ. 152 रु. 60.00

नारी सशक्तीकरण की दिशा में अपने को समर्पित कर देने वाली कथा लेखिका ओल्गा का चर्चित नारीवादी उपन्यास।

ISBN 81-237-4114-6

69. हरी पत्तियों की गाथा

रास्ना बरुआ अनु. : महेन्द्र नाथ दुबे पृ. 304 रु. 90.00

असम जनपद और चाय-बागान की जीवन-पद्धति की उलझी-सुलझी स्थितियों, अमानवीय क्रियाकलापों, असंकोच, दैहिक आकर्षण और कामनाओं का मनोहर चित्र प्रस्तुत करता हुआ असमिया उपन्यास।

ISBN 81-237-3912-5

70. हाल मुरीदों का

कर्त्तार सिंह दुग्गल अनु. : विजय चौहान पृ. 504 रु. 70.00

आजादी के पूर्व के पंजाब (अब पाकिस्तान) और आजादी के बाद के भारत के इतिहास का दस्तावेज और पंजाब के ग्रामीण जीवन के सजीव चित्रण के साथ विभाजन के समय भड़के दंगों की यथार्थ प्रस्तुति है यह उपन्यास।

ISBN 81-237-0220-4

नाटक/एकांकी

1. आठ असमिया एकांकी और पियली फुकन

प्रफुल्ल दत्त गोस्वामी (संपा.) अनु. : नवारुण वर्मा पृ. 268 रु. 55.00

हास्य-व्यंग्य से लेकर हर तरह की गंभीरता से परिपूर्ण आठ असमिया एकांकियों का संकलन।

ISBN 81-237-1240-5

2. गुजराती एकांकी

ए.एम.रावल (संपा.) अनु. : शशि शर्मा पृ. 192 रु. 40.00

गुजराती साहित्य के बारह एकांकियों का महत्वपूर्ण संकलन, जिसमें गुजराती एकांकी साहित्य के प्रतिनिधि रूप साफ होते हैं।

ISBN 978-81-237-4055-7

3. तीन पंजाबी नाटक (संकलन)

अनु. : कर्त्तार सिंह दुग्गल, बालकराम नागर पृ. 180 रु. 50.00

बीसवीं शताब्दी के पांचवें-छठे दशक में लिखे एवं विशेष रूप से चर्चित तीन पंजाबी नाटकों (लेखक : बलवंत गार्गी, कर्त्तार सिंह दुग्गल, संत सिंह सेखों) का संकलन।

ISBN 81-237-4056-5

4. नट सम्राट

वि.वा.शिरवाडकर अनु. : र.श. केलकर पृ. 84 रु. 20.00

मराठी नाटक की वैभवशाली सांस्कृतिक परंपरा के प्रतिनिधि नाटककार शिरवाडकर द्वारा लिखा गया नाटक, जो सामान्य व्यक्ति की दुखप्रद कहानी है और रमणीय भाषा शिल्प में है।

ISBN 81-237-1906-X

5. नये हिन्दी लघु नाटक

नेमिचंद्र जैन (संपा.) पृ. 220 रु. 40.00

इस संकलन में मोहन राकेश, विपिन कुमार अग्रवाल, सुरेंद्र वर्मा, मणि मधुकर, रामेश्वर प्रेम, सर्वेश्वर दयाल सक्सेना, रमेश बक्षी, ललित मोहन थपलियाल, शांति मेहरोत्रा, शंभुनाथ सिंह आदि दस नाटककारों के लघु नाटक हैं।

ISBN 81-237-0765-7

6. नवान्न

बिजन भट्टाचार्य अनु. : नेमिचंद्र जैन पृ. 98 रु. 35.00

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद के समय में बंगाल जिस अकाल से जूझ रहा था और समाज में अमानवीयता का जो वातावरण फैला हुआ था, उसका जीवंत चित्र प्रस्तुत करता हुआ प्रसिद्ध बांग्ला नाटक।

ISBN 81-237-3776-9

7. भिखारी ठाकुर के नाटक

प्रकाशनाधीन

विदेसिया शैली को जन-जन तक पहुंचाने में सफल और सुविख्यात लोक कलाकार भिखारी ठाकुर के महत्वपूर्ण नाटकों का संकलन।

8. मंदिर का हाथी

ओमचेरी एन.एन.पिल्लै अनु. : एच. बालसुब्रह्मण्यम पृ. 70 रु. 25.00

केरल के मंदिरों के उत्सवों-मेलों के अवसर पर प्रस्तुत की जाने वाली कथाओं के आधार पर लिखा गया यह मलयालम नाटक यथार्थ का लैंडस्केप है। ISBN 81-237-2927-8

9. वनहंसी और श्वेत पद्म

मनोरंजन दास अनु. : शंकर लाल पुरोहित पृ. 108 रु. 8.00

ओड़िया के विलक्षण नाटक का हिन्दी अनुवाद, जहां एक साथ मानव जीवन के कई उलझे सवालों को रेखांकित किया गया है।

10. समकालीन पंजाबी नाटक

चरन दास सिद्धू (संपा.) अनु. : अमरजीत कौर पृ. 108 रु. 35.00

पंजाबी के तीन महत्वपूर्ण नाटकों का संकलन, जो विषय, तकनीक और प्रस्तुति—तीनों दृष्टियों से पंजाबी साहित्य को समृद्ध करता है। ISBN 81-237-3216-3

11. हिन्दी एकांकी

चन्द्रगुप्त विद्यालंकार (संपा.) पृ. 228 रु. 60.00

यह हिन्दी की दस प्रमुख एकांकियों का संकलन है। इसमें उदयशंकर भट्ट, रामकुमार वर्मा तथा अश्क जैसे महत्वपूर्ण एकांकीकारों के एकांकी संकलित हैं।

ISBN 978-81-237-2143-9

निबंध

1. काली माटी के अंचल से

कि.राजनारायणन अनु. : एच. बालसुब्रह्मण्यम पृ. 208 रु. 39.00

तमिल से अनूदित इस पुस्तक में तमिलनाडु के ग्रामांचल की जनता के जीवन की समस्याएं, उसके आचार-विचार, रहन-सहन आदि के दृश्य चित्रित हुए हैं। ग्रामीण अंचल की सुगंध से सुवासित इन निबंधों में लेखक के जनसंबंध भी दिखते हैं। ISBN 81-237-1879-9

2. आबेहयात

मो. हुसैन आजाद अनु. : जाफ़र रजा पृ. 176 रु. 65.00

उर्दू भाषा साहित्य के उद्भव से लेकर सन् 1880 तक का प्रामाणिक इतिहास, जो उर्दू अदब की धरोहर है। ISBN 81-237-4244-4

3. गति और रेखा

विद्यानिवास मिश्र पृ. 132 रु. 9.50

यह संचयन हिन्दी की उस विधा की ओर संकेत करता है जो 'ललित निबंध' के रूप में जानी जाती है। इसमें संकलित निबंधों के रचनाकार हैं : प्रेमघन, अनाम, बनारसीदास चतुर्वेदी, रायकृष्ण दास, राहुल सांकृत्यायन, महादेवी वर्मा, रघुवीर सिंह, अज्ञेय, रघुवंश, विद्यानिवास मिश्र और कृष्णनाथ।

4. गुजराती ललित निबंध

प्रवीण दरजी (संपा.) अनु. : गोपाल दास नागर पृ. 142 रु. 35.00

गुजराती ललित निबंध के क्रमिक विकास एवं वर्तमान स्वरूप को चिह्नित करता श्रेष्ठ ललित निबंधों का एक संग्रह, जहां अपने वजूद के साथ साहित्य भी है और समाज भी।

ISBN 81-237-2942-1

5. डबरे पर सूरज का बिंब (मुक्तिबोध की गद्य रचनाएं)

चंद्रकांत देवताले (संपा.) पृ. 280 रु. 85.00

स्वातंत्र्योत्तर काल के हिंदी साहित्य के श्रेष्ठ कवि एवं चिंतक गजानन माधव मुक्तिबोध के चुने हुए निबंधों का संकलन।

ISBN 81-237-3880-3

6. देवी शंकर अवस्थी : संकलित निबंध

मुरली मनोहर प्रसाद (संपा.) पृ. 236 रु. 75.00

हिन्दी के श्रेष्ठ आलोचक देवी शंकर अवस्थी के चुने हुए निबंधों का संकलन।

ISBN 978-81-237-5253-2

7. रामधारी सिंह दिनकर : संकलित निबंध

वीरेश कुमार (संपा.) पृ. 226 रु. 95.00

राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर के श्रेष्ठ निबंधों का संकलन।

ISBN 978-81-237-5244-0

8. भारती की ललित रचनाएं

पेरियस्वामि तूरन (संपा.) अनु. : सरस्वती रामनाथ पृ. 126 रु. 31.00

सुब्रह्मण्य भारती के ललित निबंधों के इस संकलन में भारती के विचार प्रतिबिंबित होते हैं। समकालीन समाज की विकृतियों को भारती के चिंतन ने जितना पैना और तर्कपूर्ण बनाया, वे अपने पूरे फलक के साथ यहां उपस्थित हैं।

ISBN 81-237-1097-6

9. लेखिकाओं की दृष्टि में महादेवी वर्मा

चन्द्रा सदायत (संपा.) पृ. 236 रु. 80.00

इस पुस्तक में संकलित महादेवी जी के समकालीन से लेकर आज तक की युवा लेखिकाओं के अठारह निबंधों में उनके संपूर्ण रचना संसार पर विचार किया गया है।

ISBN 978-81-237-5571-7

10. मैनेजर पाण्डेय : संकलित निबंध

पृ. 292 रु. 115.00

हिन्दी आलोचना में नई दृष्टि स्थापित करने वाले, समाजशास्त्रीय पद्धति से साहित्य चिंतन करने वाले प्रसिद्ध आलोचक मैनेजर पाण्डेय के चुने हुए आलोचनात्मक निबंधों का संकलन।

ISBN 978-81-237-5248-8

11. व्यथा की बात

जोसफ मॅकवान अनु. : गोपालदास नागर पृ. 182 रु. 50.00

उपन्यास के पाठ का आनंद देने वाले गुजराती रेखाचित्रों का सुसज्जित संकलन। प्रभाव में ये रचनाएं पूरे देश के राग-द्वेष, जय-पराजय को उजागर करती हैं।

ISBN 81-237-3791-2

12. वाद्य वृंद

विद्यानिवास मिश्र पृ. 208 रु. 90.00

एक पूरे दौर की भाषा, संस्कृति, कला, इतिहास, दर्शन, लोक और समाज को समेटता मूर्धन्य साहित्यकार विद्यानिवास मिश्र के 29 निबंधों का संकलन, जिसमें उनके यात्रा विवरण, संस्मरण, रेखाचित्र आदि को समाविष्ट किया गया है।

ISBN 81-237-4330-0

13. श्रेष्ठ पंजाबी गद्य रचनाएं

कुलबीर सिंह कांग अनु. : कुलवंत कोछड़ पृ. 246 रु. 105.00

बीसवीं सदी के प्रारंभ से लेकर अंत तक, पंजाबी निबंध लेखन में हर क्षेत्र से उभरकर आए चुनिंदा लेखकों की रचनाओं का श्रेष्ठ संचयन।

ISBN 81-237-4784-5

14. हजारीप्रसाद द्विवेदी : संकलित निबंध

नामवर सिंह (संपा.) पृ. 126 रु. 27.00

हिन्दी साहित्य की अविच्छिन्न विकास परंपरा को समृद्ध करने वाले आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी के ललित निबंधों का ऐसा संकलन, जहां सामान्य ढंग से बहुत बड़ी-वड़ी बातें की गई हैं। गहन-गंभीर और दर्शन-प्रधान बातें भी यहां मनोरंजक, सहज, सरल और सुबोध हो जाती हैं।

ISBN 81-237-0534-4

15. हरिशंकर परसाई के निबंध

श्याम कश्यप (संपा.) पृ. 222 रु. 95.00

हिन्दी व्यंग्य को नवजीवन और नव दृष्टि देनेवाले प्रसिद्ध व्यंग्यकार हरिशंकर परसाई की श्रेष्ठ रचनाओं का संकलन।

ISBN 81-237-4889-2

हास्य-व्यंग्य

1. हिन्दी हास्य-व्यंग्य संकलन

श्रीलाल शुक्ल, प्रेम जनमेजय (संपा.) पृ. 244 रु. 50.00

भारतेन्दु काल से लेकर आज तक के हिन्दी व्यंग्य साहित्य की गुणवत्ता का ग्राफ प्रस्तुत करता हुआ एक श्रेष्ठ संकलन, जिसमें उनचास प्रतिनिधि व्यंग्यकारों की प्रतिनिधि रचनाओं को संकलित किया गया है।

ISBN 81-237-2055-6

मैथिली साहित्य

1. अक्खर खम्भा (मैथिली कविता संग्रह)

देवशंकर नवीन (संक. एवं संपा.) पृ.394 रु.120.00

स्वाधीनता के बाद की मैथिली कविताओं के इस संकलन में 60 कवियों की रचनाओं को शामिल किया गया है।

ISBN 978-81-237-5408-6

2. देसिल बयना

तारानन्द वियोगी (संपा.) पृ. 330 रु. 100.00

स्वातंत्र्योत्तरकालीन मैथिली कहानी की विकास यात्रा को रेखांकित करने वाली श्रेष्ठ कहानियों का संकलन।

ISBN 978-81-237-5047-7

3. बच्चाक भाषा ओ अध्यापक : एकटा निर्देशिका

कृष्ण कुमार अनु. : शुभंकर मिश्र पृ. 74 रु. 40.00

चर्चित शिक्षाविद् कृष्ण कुमार ने नर्सरी और प्राथमिक स्कूलों के बच्चों की पढ़ाई को रुचिकर बनाने के लिए किए जा सकने वाले प्रयोगों का विवरण सरल भाषा में दिया है। इस पुस्तक के मूल संस्करण का प्रकाशन यूनिसेफ द्वारा किया गया था।

4. मैथिली कथा संचयन

शिवशंकर श्रीनिवास (संपा.) अनु. : प्रतिमा पृ. 278 रु. 110.00

मैथिली कथाकारों की चुनी हुई कहानियों का महत्वपूर्ण संकलन, जो एक साथ मैथिली कथा यात्रा के इतिहास का संक्षिप्त संकेत भी देता है, और मैथिली कथा साहित्य के विकास का प्रमाण भी।

ISBN 81-237-4453-2

5. मैथिली कविता-यात्रा

मुद्रणाधीन

स्वातंत्र्योत्तरकालीन मैथिली कविता की विकास यात्रा को रेखांकित करने वाले श्रेष्ठ कविताओं का संकलन।

6. मैथिली कविता संचयन

गंगेश गुंजन (संपा.) पृ. 248 रु. 100.00

विद्यापति से लेकर आज तक के 51 महत्वपूर्ण कवियों की श्रेष्ठ मैथिली कविताओं का चुनिंदा संकलन।

ISBN 81-237-3297-X

राजस्थानी साहित्य

1. विजयदान देथा री सिरै कथावां

पृ. 224 रु. 95.00

राजस्थानी भाषा के प्रसिद्ध कथाकार और भारतीय लोककथा के विख्यात उद्गाता विजयदान देथा की चुनी हुई राजस्थानी कहानियों का श्रेष्ठ संकलन।

ISBN 978-81-237-4916-7

भारतीय साहित्य पुस्तकमाला

1. गोरख पाण्डेय के भोजपुरी गीत

जीतेन्द्र पाण्डेय (संपा.) पृ.36 रु.25.00

किसान आंदोलन और प्रगतिशील विचारधारा से गहरे रूप में जुड़े रहे कवि एवं चिंतक गोरख पाण्डेय के भोजपुरी गीतों का संकलन।

ISBN 978-81-237-5699-8

2. पृथ्वीराज मोंगा : संकलित कहानियां

पृ. 164 रु. 60.00

मध्यवर्ग की समस्याओं, संकटों, व्यथाओं और आकांक्षाओं को प्रदर्शित करती हुई पृथ्वीराज मोंगा की इक्कीस कहानियों का संकलन।

ISBN 978-81-237-5326-3

3. हिमांशु जोशी : संकलित कहानियां

पृ. 188 रु. 65.00

हिमांशु जोशी की श्रेष्ठ कहानियों का संकलन।

ISBN 978-81-237-5334-8

भारतीय साहित्य निधि

1. आत्मजीवनचरित

फकीरमोहन सेनापति अनु. : श्रीनिवास उद्गाता पृ. 200 रु. 37.00

फकीरमोहन सेनापति (1843-1918) ने आधुनिक ओड़िया गद्य की शुरुआत तो की ही है, ओड़िया में प्रिंटिंग प्रेस लगाने में भी वे अग्रणी रहे हैं। एक लेखक के रूप में फकीरमोहन इतने महान थे कि ओड़िया पाठक और समालोचक उन्हें आदरपूर्वक 'व्यास कवि' कहकर पुकारते हैं।

ISBN 81-237-0630-8

2. इंदुलेखा

ओ. चंतु मेनन अनु. : सुधांशु चतुर्वेदी पृ. 230 रु. 44.00

पहली बार सन् 1989 में प्रकाशित प्रस्तुत उपन्यास में लेखक ने केरल की तत्कालीन सामाजिक व्यवस्था और विशेषकर नायर परिवारों में स्त्री की स्थिति को प्रतिपादित किया है।

ISBN 81-237-0744-4

3. ईशावास्योपनिषद

उमाशंकर जोशी अनु. : जगदीश चन्द्रिकेश पृ. 76 रु. 30.00

यजुर्वेद की वाजसनेयी संहिता का अंतिम, चालीसवां अध्याय ही ईशावास्य उपनिषद है। उमाशंकर जोशी द्वारा गुजराती में व्याख्यायित ईशावास्योपनिषद का हिन्दी अनुवाद।

ISBN 81-237-3795-5

4. उपनिषदों की कहानियां

भगवान सिंह पृ. 188 रु. 36.00

प्रस्तुत पुस्तक में उपनिषदों की कहानियों का हू-ब-हू अनुवाद ही प्रस्तुत नहीं किया गया है, बल्कि जगह-जगह उन कथा-उपकथाओं की खूबियों और खामियों की ओर संकेत करते हुए काफी मनोरंजक व्याख्या भी की गई है।

ISBN 81-237-0531-X

5. कबीर : साखी और सबद

पुरुषोत्तम अग्रवाल पृ. 234 रु. 80.00

शोधपूर्ण और विचारोत्तेजक भूमिका के साथ मध्यकालीन भारत के महत्त्वपूर्ण कवि कबीर की वाणियों का अनूठा संकलन।

ISBN 978-81-237-5034-7

6. कथासरित्सागर

राधावल्लभ त्रिपाठी पृ. 260 रु. 55.00

सोमदेव रचित कथासरित्सागर का हिन्दी रूपांतरण, जो ईसा से लेकर मध्य काल तक की भारतीय परंपराओं और सांस्कृतिक धाराओं से परिचय कराता है और कथा-शिल्प की अद्भुत प्रविधि प्रस्तुत करता है।

ISBN 81-237-1431-9

7. जैसी करनी वैसी भरनी

एम.एस.पुट्टण्णा अनु. : एस.एम.रामचंद्र स्वामी पृ. 114 रु. 28.00

कन्नड़ समाज के पारिवारिक जीवन और सामाजिक लोकाचार के सहारे इस उपन्यास में समकालीन समाज के पाखंड एवं मानवीय कलुषता को चित्रित किया गया है।

ISBN 81-237-1205-7

8. देश की बात

सखाराम गणेश देउस्कर अनु. : बाबूराव विष्णु पराड़कर पृ. 346 रु. 105.00

सन् 1904 में 'देशेर कथा' शीर्षक से प्रकाशित बांग्ला पुस्तक का हिन्दी अनुवाद शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में ने.बु.ट्र. द्वारा प्रकाशित हुई थी, इसमें ब्रिटिश दासता में जकड़ी भारतीय जनता की यातना और चीत्कार का जीता-जागता चित्रण है। पुस्तक की पुनर्प्रस्तुति मैनेजर पाण्डेय ने की है। ISBN 81-237-4437-4

9. पंचतंत्र की कहानियां

भगवान सिंह पृ. 346 रु. 65.00

भारतीय कृतियों में पंचतंत्र ऐसी अकेली कृति है जिसे पूरी तरह ज्ञानकोश कहा जा सकता है। प्रस्तुत है पहली बार संस्कृत से हिन्दी में इतना सहज एवं मनोग्राही अनुवाद।

ISBN 81-237-1374-6

10. बंकिमचंद्र : प्रतिनिधि निबंध

अमित्र सूदन भट्टाचार्य (संपा.) अनु. : प्रयाग शुक्ल पृ. 228 रु. 45.00

बंकिमचंद्र का लेखन भारतीय पाठकों के लिए किसी परिचय का मोहताज नहीं है। इस संकलन में बंकिम के उन निबंधों को लिया गया है जो कई दृष्टियों से आम पाठकों के लिए महत्वपूर्ण हैं। ISBN 81-237-1457-2

11. रंगभूमि

प्रेमचंद पृ. 560 रु. 180.00

परतंत्र भारत की सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक और आर्थिक समस्याओं के बीच एक कल्पित, लेकिन प्रतीकात्मकता में जीवंत पात्र सूरदास के जीवन संग्राम की कथा प्रस्तुत करता हुआ महत्वपूर्ण उपन्यास। ISBN 81-237-4554-0

12. रामराजा बहादुर

सी.वी.रमन पिल्लै अनु. : एन.ई.विश्वनाथ अय्यर पृ. 186 रु. 35.00

मलयालम भाषा के पहले ऐतिहासिक उपन्यासकार के इस अंतिम उपन्यास में सृजनशील प्रतिभा अपने चरम पर दिखाई देती है। लेखक की कुशलता केवल विशिष्ट पात्रों के सृजन में ही नजर नहीं आती, बल्कि वे अपने हर छोटे-बड़े पात्र को जानदार बना देते हैं।

ISBN 81-237-0521-2

13. स्वप्नवासवदत्ता

भास अनु. : जयदेव दास 'अभिनव' पृ. 32 रु. 12.00

संस्कृत नाट्य साहित्य के आचार्य भास का सर्वोत्कृष्ट नाटक, जो कि नाट्यकला की दृष्टि से ही नहीं अपितु जीवन मूल्यों एवं संवेदनाओं की अभिव्यक्ति की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है।

ISBN 81-237-0007-5

14. सेवासदन

प्रेमचंद पृ. 546 रु. 105.00

नारी जीवन की समस्याओं के साथ समाज के धर्माचार्यों, मठाधीशों, धनपतियों, सुधारकों के आडंबर और पाखंड का असली चेहरा उजागर करता हुआ महत्वपूर्ण उपन्यास।

ISBN 81-237-4533-8

विश्व साहित्य

1. अलबेला-अलबेली

शेक्सपियर अनु.: गौरीशंकर रैणा पृ.90 रु.45.00

यह पुस्तक अंग्रेजी के प्रख्यात रचनाकार विलियम शेक्सपियर के नाटक 'टेमिंग ऑफ द श्रू' का हिंदी अनुवाद और मंचन-रूपांतरण है।

ISBN 978-81-237-5606-6

2. तपते दिन : लंबी रातें

नादेज्दा ओब्राडोविक (संपा.) अनु. : विपिन कुमार पृ. 308 रु. 80.00

दक्षिण अफ्रीकी कथा साहित्य की चुनी हुई रचनाओं का ऐसा संकलन जो पाठक को चकित और आंदोलित कर देता है।

ISBN 81-237-4110-3

हिंदी नवजागरण के अग्रदूत

1. चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी' : प्रतिनिधि संकलन

विश्वनाथ त्रिपाठी (संपा.) नामवर सिंह (प्रधान संपा.) पृ. 152 रु. 33.00

'उसने कहा था' जैसी अमर कहानी के लेखक की इतिहास, पुरातत्व, धर्म, दर्शन, भाषा विज्ञान, व्याकरण आदि अनेक विषयों पर लिखी रचनाओं का एक संग्रहणीय संकलन।

ISBN 81-237-2031-9

2. प्रेमचंद : प्रतिनिधि संकलन

खगेन्द्र ठाकुर (संपा.) नामवर सिंह (प्रधान संपा.) पृ. 182 रु. 65.00

भारत के सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक संकट से जूझ रहे जनसामान्य को दायित्वबोध के लिए ललकारता हुआ, प्रेमचंद के प्रतिनिधि निबंधों का संकलन।

ISBN 81-237-3921-4

3. बालकृष्ण भट्ट : प्रतिनिधि संकलन

सत्य प्रकाश मिश्र (संपा.) नामवर सिंह (प्रधान संपा.) पृ. 182 रु. 45.00

भारतेन्दु युग के प्रसिद्ध निबंध एवं एकांकी लेखक, बालकृष्ण भट्ट की प्रतिनिधि रचनाओं का संकलन। ISBN 81-237-1678-8

4. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र : प्रतिनिधि संकलन

कमला प्रसाद (संपा.) नामवर सिंह (प्रधान संपा.) पृ. 182 रु. 46.00

विलक्षण प्रतिभा वाले भारतेन्दु का हिन्दी साहित्य में अद्वितीय योगदान है। हिंदी नाटक के क्षेत्र में नई चेतना का प्रादुर्भाव करने वाले भारतेन्दु की प्रतिनिधि रचनाओं की प्रस्तुति।

ISBN 81-237-1689-3

5. महावीर प्रसाद द्विवेदी : प्रतिनिधि संकलन

रामबक्ष (संपा.) नामवर सिंह (प्रधान संपा.) पृ. 230 रु. 54.00

द्विवेदी जी का मुख्य महत्वपूर्ण कार्य खड़ी बोली का परिष्कार और लेखकों तथा विद्वानों को हिंदी में लिखने की प्रेरणा रहा। ऐसे महत्वपूर्ण समीक्षक की प्रतिनिधि रचनाओं का संकलन। ISBN 81-237-1674-5

6. माधव राव सप्रे : प्रतिनिधि संकलन

मैनेजर पांडेय (संपा.) नामवर सिंह (प्रधान संपा.) पृ. 282 रु. 90.00

भारतेन्दु युग के सुविख्यात पत्रकार, साहित्यकार, माधव राव सप्रे के प्रतिनिधि निबंधों, समालोचनाओं व कहानियों का प्रस्तुत संकलन हिंदी नवजागरण के दौर में उनके योगदान को लक्षित करता है।

ISBN 978-81-237-5579-3

7. राजा शिवप्रसाद 'सितारेहिन्द' : प्रतिनिधि संकलन

वीर भारत तलवार (संपा.) नामवर सिंह (प्रधान संपा.) पृ. 204 रु. 70.00

19वीं सदी के सबसे महत्वपूर्ण और गद्य लेखक राजा शिवप्रसाद 'सितारेहिन्द' की प्रतिनिधि रचनाओं का संकलन।

ISBN 81-237-4121-9

8. रामचन्द्र शुक्ल : प्रतिनिधि संकलन

निर्मला जैन (संपा.) नामवर सिंह (प्रधान संपा.) पृ. 116 रु. 40.00

हिंदी आलोचना के निर्विवाद शिखर पुरुष, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की प्रतिनिधि रचनाओं का यह संकलन इनकी विचार-पद्धति और हिंदी नवजागरण में इनके अद्वितीय योगदान को जानने का बेहतर झरोखा है। ISBN 81-237-2846-8

9. रामावतार शर्मा : प्रतिनिधि संकलन

नन्दकिशोर नवल (संपा.) नामवर सिंह (प्रधान संपा.) पृ. 162 रु. 40.0(

हिन्दी के अग्रणी रचनाकार रामावतार शर्मा की प्रतिनिधि रचनाओं का संकलन।

ISBN 81-237-2846-8

10. शिवपूजन सहाय : प्रतिनिधि संकलन

मंगलमूर्त्ति (संपा.) नामवर सिंह (प्रधान संपा.) पृ. 212 रु. 57.00

भारतेन्दु युग के एक प्रमुख निबंधकार शिवपूजन सहाय की प्रतिनिधि रचनाओं क संकलन।

ISBN 81-237-1707-5

राष्ट्रीय जीवनचरित

कला तथा साहित्य

1. कमला देवी चट्टोपाध्याय

पृ. 116 रु. 55.00

श्रेष्ठ कला प्रेमी एवं लोकजीवन से कला के संबंध की गुरुता जाननेवाली कलासेवी श्रीमती कमला देवी चट्टोपाध्याय की जीवनी।

ISBN 978-81-237-52

2. काज़ी नज़रुल इस्लाम

बसुधा चक्रवर्ती अनु. : इलाचन्द्र जोशी पृ. 88 रु. 40.00

बंगाल के विद्रोही कवि काज़ी नज़रुल इस्लाम हमारे युग के एक असाधारण प्रतिभा संपन्न व्यक्ति थे। उनकी रोचक, संघर्षमय, प्रेरक जीवनी।

ISBN 978-81-237-4763-2

3. महापंडित राहुल सांकृत्यायन

गुणाकर मुले पृ. 218 रु. 40.00 (अजि.) रु. 70.00 (सजि.)

यह पुस्तक हिन्दी साहित्य की महान विभूति राहुल सांकृत्यायन के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का सर्वांगीण परिचय प्रस्तुत करती है। इसमें उनकी साहसिक यात्राओं और सामाजिक-राजनीतिक कार्यकर्ता के रूप में उनके योगदान का भी चित्रण किया गया है।

ISBN 81-237-0495-X (अजि.) ISBN 81-237-0494-1 (सजि.)

4. मिर्जा गालिब

मालिक राम अनु. : श्रीकांत व्यास पृ. 58 रु. 7.00

भारत और विदेशों में अपनी उर्दू की शायरी के लिए प्रसिद्ध महान शायर मिर्जा गालिब के जीवनचरित एवं ग़ज़लों का संकलन।

5. नरसिंह महेता

केशवराम का. शास्त्री अनु. : जगदीश चंद्रिकेश पृ. 96 रु. 40.00

गुजराती साहित्य के इतिहास में 'गुजराती भाषा के आदिकवि' के रूप में यश प्राप्त 15वीं सदी के विशिष्ट प्रतिभासंपन्न भक्त कवि नरसिंह (नरसी) महेता के जीवन के कुछ महत्वपूर्ण प्रसंगों की झांकी इस पुस्तक में है। मूल गुजराती से अनूदित इस पुस्तक में नरसिंह रचित आख्यान-काव्य, भावगीत तथा उनके चुने हुए कुछ पद भी संकलित हैं।

ISBN 81-237-4429-3

6. नंदलाल बोस

दिनकर कौशिक अनु. : सियाराम तिवारी पृ. 110 रु. 30.00

सरल और रोचक शैली में लिखा गया नंदलाल बोस का जीवनचरित उनके व्यक्तित्व के विविध पक्षों का प्रामाणिक दस्तावेज है।

ISBN 81-237-2428-4

7. बाल गंधर्व

मोहन नादकर्णी अनु. : सुरेन्द्र गुप्त पृ. 62 रु. 20.00

मराठी संगीत नाटक की परंपरा तथा भारतीय संगीत को समृद्ध करने में बाल गंधर्व के अमूल्य योगदान को रेखांकित करती रोचक पुस्तक।

ISBN 81-237-0556-5

8. रवीन्द्रनाथ ठाकुर : एक जीवनी

कृष्ण कृपलानी अनु. : रणजीत साहा पृ. 286 रु. 75.00

इस पुस्तक में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित बांग्ला भाषा के महान साहित्यकार की जीवनी को रेखांकित किया गया है।

ISBN 81-237-2351-8

9. विष्णुशास्त्री चिपलूणकर

य.दि. फड़के अनु. : प्रवीण शर्मा पृ. 70 रु. 30.00

प्रस्तुत पुस्तक आधुनिक मराठी साहित्य के चर्चित लेकिन विवादास्पद लेखक के जीवन की महत्वपूर्ण घटनाओं के साथ-साथ उस दौर में महाराष्ट्र के सामाजिक व साहित्यिक परिदृश्य को प्रस्तुत करती है।

ISBN 81-237-4335-1

10. साने गुरुजी

यदुनाथ थत्ते अनु. : रामेश्वर दयाल दुबे पृ. 80 रु. 8.00

साने गुरुजी (पांडुरंग सदाशिव साने, 1899-1950) आधुनिक महाराष्ट्र के एक सम्माननीय व्यक्ति थे। स्वतंत्रता संग्राम के सहभागी, दीन दलित लोगों की बेचैनी तथा सामाजिक सुधार की इच्छा रखने वाले गुरुजी की जीवन गाथा।

11. सी.वाई. चिंतामणि

रवीन्द्रनाथ शर्मा अनु. : मोहिनी राव पृ. 80 रु. 13.0

श्री गोपाल कृष्ण गोखले के बाद सी. वाई. चिंतामणि का नाम पत्रकारिता और राजनीति में कोई आधी शताब्दी तक महत्वपूर्ण कार्यों और राजनीतिक गतिविधियों के लिए जाना जाता रहा है। यह पुस्तक उनके जीवन को समझने में सहायक होगी।

12. सुब्रह्मण्य भारती

प्रेमा नंदकुमार अनु. : रमेश बक्षी पृ. 126 रु. 23.00

भारत की पूर्ण जागृति में जनता की आजादी के लिए संघर्ष करने की प्रेरणा देने वाले महान देशभक्त कवि का प्रेरणादायक चरित्र चित्रण। ISBN 81-237-2018-1

शिक्षा

1. आचार्य नरेंद्रदेव

सत्यप्रकाश मित्तल पृ. 132 रु. 40.00

विलक्षण प्रतिभा और व्यक्तित्व के धनी आचार्य नरेंद्रदेव एक समाजवादी और महान शिक्षाविद् थे। शिक्षा के माध्यम से राष्ट्र के युवाओं में प्रजातांत्रिक पद्धति की आदतें डालने के पक्षधर आचार्यजी की जीवनी स्वयं में प्रेरणा का स्रोत है। ISBN 81-237-3582-0

2. आशुतोष मुकर्जी

ए.पी. दासगुप्ता अनु. : जे.वी.रमण पृ. 94 रु. 20.00

सन् 1864 में जन्मे आशुतोष मुकर्जी ने यद्यपि राजनीति में समुचित भाग नहीं लिया, लेकिन नए भारत के निर्माण में उनका योगदान कम महत्वपूर्ण नहीं है। उन्होंने वकील, विधिवेत्ता, न्यायाधीश तथा विधायक सभी रूपों में एवं शिक्षा के क्षेत्र में अथक परिश्रम किया। ISBN 81-237-4053-0

3. जाकिर हुसैन

एम. मुजीब अनु. : सुमंगल प्रसाद पृ. 200 रु. 35.00

प्रस्तुत पुस्तक में भारत के भूतपूर्व राष्ट्रपति डा. जाकिर हुसैन की जीवनी के साथ-साथ उनके जीवन के उन रचनात्मक पहलुओं का भी विवरण है, जिनमें वे एक सहृदय मानव, सक्रिय कार्यकर्ता, विचारक और लेखक के रूप में सामने आते हैं। ISBN 81-237-0307-4

4. निर्मल कुमार बोस

सुरजीत सिन्हा अनु. : तृप्ति जैन पृ. 96 रु. 27.00

एक अग्रणी भारतीय मानवविज्ञानी, गांधीवाद के उत्कृष्ट प्रतिपादक और बहुमुखी प्रतिभा के धनी निर्मल कुमार बोस के व्यक्तित्व व कृतित्व का वर्णन। ISBN 81-237-1733-4

5. प्रशांत चंद्र महलनवीस

ए. महलनवीस अनु.: सुरेन्द्र गुप्त पृ. 92 रु. 40.00

सन् 1950 में योजना आयोग का संयोजन और भारत की प्रथम व द्वितीय पंचवर्षीय योजनाओं के निर्माण में सक्रिय योगदान देने वाले प्रो. प्रशांत चंद्र महलनवीस के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का रोचक विवरण। ISBN 81-237-4430-7

6. श्रीनिवास रामानुजन

सुरेश राम पृ. 62 रु. 20.00

गणित के महान जादूगर, श्रीनिवास रामानुजन के अद्भुत जीवन की रोमांचक कहानी सरल एवं रोचक भाषा में प्रस्तुत करती पुस्तक। ISBN 81-237-2429-2

विज्ञान

1. मेघनाद साहा

शांतिमय चटर्जी, एणाक्षी चटर्जी अनु. : रा.प्र. जायसवाल पृ. 132 रु. 35.00

भारत के प्रसिद्ध वैज्ञानिक मेघनाद साहा की संक्षिप्त जीवन गाथा, जो अपने तापीनय आयतन के सिद्धांत और तारकीय स्पेक्ट्रमों में इसके अनुप्रयोग के लिए सदैव स्मरण किए जाएंगे। ISBN 81-237-2468-3

2. बीरबल साहनी

शक्ति एम. गुप्ता अनु. : रा. प्र. जायसवाल पृ. 74 रु. 25.00

वैज्ञानिक, विद्वान, देशभक्त और धार्मिक प्रोफेसर साहनी विशेष रूप से पुरावनस्पति विज्ञान और भूविज्ञान में योगदान के लिए विख्यात हैं। इस पुस्तक में उनकी जीवन यात्रा पर प्रकाश डाला गया है। ISBN 81-237-2694-5

3. सत्येंद्र नाथ बोस

शांतिमय चटर्जी, एणाक्षी चटर्जी अनु. : रा.प्र. जायसवाल पृ. 100 रु. 30.00

सत्येंद्र नाथ बोस केवल भौतिक या गणित के ही नहीं बल्कि रसायन, खनिज विज्ञान, समाज विज्ञान, दर्शन तथा भाषाओं जैसे विविध विषयों के भी मर्मज्ञ थे। उनके संघर्षमय जीवन को व्यक्त करती एक पठनीय पुस्तक। ISBN 81-237-1749-0

धर्म, दर्शन तथा समाज सुधार

1. कबीर

पारसनाथ तिवारी पृ. 86 रु. 40.00

लेखक द्वारा गहन अध्ययन और शोध के पश्चात उपलब्ध तथ्यों तथा जनश्रुति के आधार पर अत्यंत सरल और रोचक ढंग से साधारण पाठकों के लिए प्रस्तुत महान संत कबीर की जीवनी। ISBN 81-237-4423-4

2. गुरु गोविंद सिंह

गोपाल सिंह पृ. 82 रु. 20.00

खालसा पंथ की स्थापना करने वाले सिखों के दसवें गुरु गोविंद सिंह की जीवनी। इसके लेखक स्व. डा. गोपाल सिंह सुप्रसिद्ध साहित्यकार व विद्वान के साथ साथ, संसद सदस्य और गोवा के राज्यपाल भी रहे। ISBN 81-237-1201-4

3. गुरु रविदास

आचार्य पृथ्वी सिंह आजाद पृ. 70 रु. 25.00

चर्मकार जाति में जन्म लेकर निराश, दलित, पीड़ित वर्ग को नवजीवन और आशा एवं आश्वासन भरा व्यवहारिक संदेश देने वाले गुरु रविदास का अमर जीवनचरित। ISBN 81-237-2467-5

4. गोपाल गणेश आगरकर

स.मा. गर्गे अनु. : गोविंद गुंठे पृ. 142 रु. 55.00

महाराष्ट्र के महान समाज सुधारक गोपाल गणेश आगरकर की प्रेरक जीवनी।

ISBN 81-237-4830-2

5. चैतन्य

दिलीप कुमार मुखर्जी अनु. : कमलेश पृ. 82 रु. 25.00

चैतन्य महाप्रभु सर्वाधिक तेजस्वी हिंदू संतों में से एक हैं। उनके जीवन पर की गई सघन खोज का परिणाम है यह पुस्तक। ISBN 81-237-2467-5

6. जोति चरित

तर्कतीर्थ लक्ष्मणशास्त्री जोशी अनु. : प्रशांत पाण्डे पृ. 152 रु. 55.00

हिंदू समाज को जातीयता के शाप से मुक्त कराने में जिन महान समाजसेवकों का महती अवदान रहा है जोतिराव फुले (जोतिबा फुले) का उनमें बहुत ऊंचा स्थान रहा है। ऐसे ही महान समाजसेवक की यह जीवनी उनके जीवन के कई ज्ञात-अज्ञात पहलुओं तथा उनके विचारों का एक दस्तावेज-सा प्रस्तुत करती है। ISBN 81-237-4671-7

7. बसवन्ना

एम. चिदानंद मूर्ति अनु. : विनोद खुराना पृ. 84 रु. 11.50

बारहवीं सदी के महान कन्नड़ कवि बसवन्ना की प्रेरक जीवन गाथा।

8. भगवान महावीर

जगदीश चंद्र जैन पृ. 48 रु. 6.50

प्रस्तुत पुस्तक में लेखक ने महावीर स्वामी की जीवन साधना, उनके दर्शन और लोक-कल्याणकारी उपदेशों तथा आज के युग में जैन संस्कृति के योगदान की उपयोगिता को बड़े अध्यवसायपूर्वक गवेषणात्मक अध्ययन के विश्लेषण के साथ प्रस्तुत किया है।

9. रमण महर्षि

कृष्ण स्वामीनाथन अनु. : रमानाथ शास्त्री पृ. 180 रु. 12.50

रमण महर्षि बुद्ध और शंकराचार्य की परंपरा के ऋषियों में हैं। उन्होंने ज्ञान मार्ग की शिक्षा उपदेशों से अधिक स्वयं अपने जीवन से दी। उनकी इस प्रेरणाप्रद जीवनी में लेखक ने आत्मज्ञान की उनकी साधना-पद्धति को बहुत ही प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया है।

10. रामलिंग

पुरसू बालकृष्णन अनु. : सुमति अय्यर पृ. 96 रु. 16.00

कवि एवं पैगंबर रामलिंग स्वामी, महात्मा गांधी, अरविन्द तथा रमण महर्षि के आध्यात्मिक अग्रवर्ती थे। आधुनिक तमिल पुनर्जागरण के अग्रदूत कहे जाने वाले स्वामी जी की प्रेरक और अनुबोधक जीवनी।

11. रेवरेंड जे. जे. एम. निकोल्स राय

पी.आर.किन्डिया अनु. : सौमित्र मोहन पृ. 64 रु. 25.00

रेवरेंड जे.जे.एम. निकोल्स राय की आधुनिक भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका रही है। जयंतिया पहाड़ियों के लोगों को पाकिस्तान में मिलाए जाने का विरोध निकोल्स राय अंत तक करते रहे और अंततः उन्हें सफलता प्राप्त हुई। एक कर्मठ व्यक्ति की प्रेरणाप्रद जीवनी। ISBN 81-237-3943-5

12. विनोबा

निर्मला देशपांडे अनु. : शंकर गोपाल नेने पृ. 132 रु. 30.00

भूदान आंदोलन के संस्थापक विनोबा के जीवनचरित की सुप्रसिद्ध लेखिका निर्मला देशपांडे द्वारा सहज भाव से प्रस्तुति।

ISBN 81-237-1180-8

13. शंकराचार्य

टी.एम.पी.महादेवन अनु. : सुमंगल प्रकाश पृ. 82 रु. 25.00

इस पुस्तक में शंकराचार्य के अद्वैत दर्शन को सुबोध और आकर्षक रूप में पाठकों के समक्ष रखा गया है। ISBN 81-237-2774-4

14. शेख निजामुद्दीन औलिया

ख़लीक़ अहमद निजामी अनु. : निजामुद्दीन पृ. 76 रु. 25.00

हजरत निजामुद्दीन औलिया की यह जीवनी सामाजिक तथा प्रामाणिक सामग्री के आधार पर लिखी गई है। ISBN 81-237-2755-0

15. स्वामी दयानन्द

बी.के. सिंह अनु. : सुमंगल प्रकाश पृ. 106 रु. 40.0(

आर्यसमाज के प्रतिष्ठाता स्वामी दयानन्द की प्रस्तुत जीवनी उनके कर्मठ जीवन की झांकं दर्शाती है।

ISBN 81-237-4136-

16. स्वामी दादू दयाल

झमटमल खूबचंद भावनाणी अनु. : मोतीलाल जोतवाणी पृ. 66 रु. 25.00

दादू दयाल निर्गुण संप्रदाय के संत कवि थे। उनके द्वारा समाजगत जातीय भेदभाव मिटाने के लिए किए गए प्रयासों पर केंद्रित एक पुस्तक।

ISBN 81-237-2527-2

17. संत नामदेव

ल.ग.जोग अनु. : हीरालाल शर्मा पृ. 56 रु. 9.50

देश, काल, धर्म, जाति एवं प्रांत के बंधनों से मुक्त संत नामदेव के जीवन, कार्य एवं काव्य की परिचायक पुस्तक।

18. सिस्टर निवेदिता

वसुधा चक्रवर्ती अनु. : सुरेंद्र अरोड़ा पृ. 66 रु. 25.00

सिस्टर निवेदिता की ऐसे देश और उसके लोगों के प्रति गहन रुचि एवं सहानुभूति जो उनके घर से हजारों मील दूर थे, उन्हें निःस्वार्थ विभूतियों के बीच लाकर खड़ा कर देती है।

ISBN 81-237-2365-2

19. सूरदास

ब्रजेश्वर वर्मा पृ. 76 रु. 8.50

सूरदास कृष्ण भक्ति शाखा के प्रतिनिधि एवं श्रेष्ठ कवि हैं और अष्टछाप के कवियों में उनकी गणना सर्वप्रथम होती है। प्रस्तुत पुस्तक में हिन्दी के इस अनन्य कवि के जीवन एवं कृतित्व पर सारगर्भित प्रकाश डाला गया है।

20. श्री अरविन्द

नवजात अनु. : जगदीश अग्रवाल पृ. 124 रु. 45.00

श्री अरविन्द एक महान दार्शनिक, संत एवं श्रेष्ठ कवि थे। उन्होंने अपने जीवन के प्रारंभिक काल में भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष में सक्रिय भाग लिया और एक प्रमुख नेता के रूप में अपनी भूमिका निभाई। इस पुस्तक में उनका दर्शन और संक्षिप्त जीवनचरित सरल भाषा में प्रस्तुत किया गया है।

ISBN 81-237-4426-9

21. श्री नारायण गुरु

मुर्कोट कुनहप्पा अनु. : धर्मपाल गांधी पृ. 74 रु. 10.50

श्री नारायण गुरु की शिक्षा शंकराचार्य के दर्शन से प्रभावित है। वे सच्चे अर्थों में कर्मज्ञानी एवं धर्मवेत्ता थे। उन्होंने दक्षिण भारत के लाखों दलितों के उत्थान में महान योगदान दिया।

22. श्री मां

प्रेमानंद कुमार अनु. : सुरेश उनियाल पृ. 126 रु. 13.00

पेरिस में जन्मी मीरा अलफेंजा का श्री अरविन्द्र आश्रम, पांडिचेरी की स्थापना में मुख्य शक्ति-स्रोत होना सर्वविदित है। वे बाद में श्री मां बन गईं। उनके भद्र तथा मनमोहक व्यक्तित्व का प्रामाणिक विवरण इस पुस्तक में है। ISBN 81-237-0009-1

23. श्री वल्लभाचार्य

विजयेन्द्र स्नातक पृ. 80 रु. 35.00

मध्ययुगीन कृष्ण भक्ति संप्रदायों में वल्लभ संप्रदाय का स्थान सर्वोपरि माना जाता है। इस संप्रदाय के प्रवर्तक श्री वल्लभाचार्य के जीवनवृत्त और कार्यों का सारगर्भित वर्णन।

ISBN 81-237-4647-4

भारतीय इतिहास

1. अहिल्याबाई

हीरालाल शर्मा पृ. 94 रु. 25.00

अहिल्याबाई के अलौकिक गुणों, असाधारण वीरता और महान कार्यों के विषय में जानकारी देने वाली रोचक पुस्तक। ISBN 81-237-2734-8

2. कुंअर सिंह और 1857 की क्रांति

सुभाष शर्मा, अनन्त कुमार सिंह, जवाहर पाण्डेय पृ. 82 रु. 40.00

सन् 1857 की क्रांति के समय 75 वर्ष की वय में कुंअर सिंह ने जिस वीरता, रण-क्षेत्र की चतुराई, युद्ध-कौशल, अपार साहस का परिचय दिया, वह दुर्लभ है। इस पुस्तक में कुंअर सिंह के संघर्ष को कई रंगीन चित्रों के साथ प्रस्तुत किया गया है।

ISBN 978-81-237-5006-4

3. झांसी की रानी लक्ष्मीबाई

प्रतिभा रानडे अनु. : गोविंद गुंठे पृ. 224 रु. 95.00

लक्ष्मीबाई के जीवन से जुड़ी अनगिनत महत्वपूर्ण घटनाओं का विस्तार से परिचय कराती है यह पुस्तक। लेखिका ने बड़े ही आत्मीय ढंग से इसे प्रस्तुत किया है।

ISBN 978-81-237-5368-8

4. तात्या टोपे

इंदुमती शेवड़े अनु. : सुंदरलाल श्रीवास्तव पृ. 88 रु. 25.00

तात्या टोपे 1857 के विद्रोह की तूफानी घटनाओं के दौरान महान सैनिक नेताओं में से एक थे, जो आज किंवदंती बन गए हैं। उनके कुशल सेनापतित्व के कारण ही संपूर्ण संघर्ष एक अमिट छाप छोड़ सका। स्वतंत्रता की बलिवेदी पर प्राणाहुति देने वाले अमर शहीद की प्रेरक जीवनी। ISBN 81-237-2559-0

5. देशभक्त बिरसा

श्यामसिंह 'शशि' पृ. 54 रु. 30.00

मुंडा जनजाति में भगवान के सदृश पूजनीय माने जाने वाले बिरसा ने पराधीनता के खिलाफ विद्रोह का झंडा फहराया और स्वतंत्रता की वेदी पर अपनी आहुति दे दी। मुंडा जाति के महान लोकनायक की जीवन गाथा। ISBN 81-237-4369-6

6. दुर्गादास राठौड़

रघुबीर सिंह अनु. : बालकराम नागर पृ. 136 रु. 35.00

भारत के सर्वाधिक शक्तिशाली, चतुर और मुगल सम्राटों से लोहा लेने के लिए मशहूर दुर्गादास राठौड़ के संघर्ष की कहानी। ISBN 81-237-2430-6

7. बाबा खड़क सिंह और भारत का स्वतंत्रता संघर्ष

मोहिंदर सिंह अनु. : रघुवीर शर्मा पृ. 70 रु. 35.00

आधुनिक पंजाब के राजनीति की दिशा तय करने और क्षेत्रीय राजनीति में राष्ट्रवादी और धर्मनिरपेक्ष मूल्यों का विकास करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभानेवाले 'सिखों के बेताज बादशाह' बाबा खड़क सिंह के जीवन और उनके समय का यथार्थपरक चित्रण।

ISBN 978-81-237-4993-8

8. महाराणा कुंभा

राजेन्द्र शंकर भट्ट पृ. 348 रु. 120.00

महाराणा कुंभा राजस्थान एवं मेवाड़ के सर्वश्रेष्ठ शासकों में से हैं। उन्होंने भारतीय इतिहास को अपरिमिति ऊंचाइयां प्रदान कीं प्रस्तुत पुस्तक में कुंभा की शासन-व्यवस्था, विजयों और साहित्य एवं कला प्रेमी व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला गया है। ISBN 978-81-237-5356-0

9. महाराणा प्रताप

राजेन्द्र शंकर भट्ट पृ. 80 रु. 30.00

महाराणा प्रताप भारतीय इतिहास की एक गौरवपूर्ण विभूति हैं। प्रस्तुत पुस्तक में श्री राजेन्द्र शंकर भट्ट ने राणा प्रताप की जीवनी के महत्व को प्रतिपादित किया है।

ISBN 81-237-2087-4

10. रानी चेन्नम्मा

वौडियार सदाशिव अनु. : श्यामसिंह 'शशि' पृ. 106 रु. 45.00

अंग्रेजों के खिलाफ रानी चेन्नम्मा द्वारा लड़ी गई साहसिक लड़ाई की ओजस्वी गाथा।

ISBN 81-237-4866-3

11. शिवाजी

सेतुमाधवराव एस. पगड़ी अनु. : जे.वी. रमण पृ. 124 रु. 50.00

मध्यकालीन भारत के प्रसिद्ध मराठा मिथकीय चरित्र छत्रपति शिवाजी का गौरवशाली जीवनचरित।

ISBN 81-237-4808-2

12. शेरशाह सूरी

विद्या भास्कर पृ. 104 रु. 30.00

शेरशाह सूरी अपने समय का एक विशेष व उल्लेखनीय राज व्यक्ति था। उसने शासन व समाज संगठन में नई चीजें शुरू कीं जिससे उसकी कल्पना व संगठन शक्ति का परिचय मिलता है।

ISBN 81-237-2433-0

13. सवाई जयसिंह

राजेन्द्र शंकर भट्ट पृ. 136 रु. 35.00

सवाई जयसिंह भारतीय इतिहास की एक गौरवपूर्ण विभूति हैं। इस पुस्तक में श्री राजेन्द्र शंकर भट्ट ने सवाई जयसिंह की उस जीवनी के महत्व का उल्लेख किया है जिसमें ज्ञान का संकलन और प्रसार अधिकाधिक गरिमामय होता है।

ISBN 81-237-2557-4

14. हर्ष

वी.डी. गंगल अनु. : सुमंगल प्रकाश पृ. 74 रु. 19.00

छठी सदी के महान शासक हर्ष के असाधारण व्यक्तित्व का लेखा जोखा।

ISBN 81-237-0136-5

राजनीति

1. अरुणा आसफ़ अली

जी.एन.एस. राघवन अनु. : नेमिशरण मित्तल पृ. 172 रु. 65.00

स्वतंत्रता संग्राम के दौरान एक प्रखर राजनीतिक क्रांतिकारी एवं स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद गरीबी और निरक्षरता के निवारण हेतु अभियान चलाने वाली एक साहसी और कर्मठ महिला की प्रेरणादायक जीवनी।

ISBN 81-237-4646-6

2. आसफ अली

सुधीर पंत अनु. : रामसेवक श्रीवास्तव पृ. 52 रु. 12.00

देशभक्त, अहिंसावादी, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, संगीत एवं कला के पारखी और भावुक प्रेमी आसफ अली की वहुमुखी प्रतिभा को उजागर करने वाली जीवनी।

3. इंकलाबी यात्रा

मनोरमा दीवान पृ. 144 रु. 55.00

स्वाधीनता संग्राम में अपना अमूल्य योगदान देने वाले एक क्रांतिकारी दंपत्ति सीता देवी व प्रिंसिपल छबीलदास की प्रेरक जीवनी।

ISBN 81-237-4824-8

4. इंदिरा गांधी

इंदर मल्होत्रा अनु. : व्रजकुमार पांडेय पृ. 188 रु. 65.00

यह पुस्तक भारत की प्रथम महिला प्रधानमंत्री के जीवन और युग पर संपूर्णतः ताजा प्रकाश डालती है।

ISBN 81-237-4976-1

5. एम.एन. राय

वी.बी.कर्णिक अनु. : माधुरी पाल पृ. 92 रु. 30.00

प्रस्तुत चरित एम.एन.राय नामक उस अद्वितीय व्यक्तित्व का है जिसने भारतीय स्वाधीनता संग्राम में वर्तमान सदी के प्रथम दो दशकों में ब्रिटिश साम्राज्य के खिलाफ सशस्त्र संघर्षों में भाग लिया।

ISBN 81-237-2487-X

6. कामराज : एक अध्ययन

वी.के. नरसिम्हन अनु. : वागीश क. झा पृ. 190 रु. 70.00

कामराज भारतीय राजनीति में जननेता के रूप में एक अनूठी घटना थे। यह पुस्तक उनके व्यक्तित्व पर व्यापक प्रकाश डालती है—एक व्यक्ति और नेता के रूप में नेहरू युग के उपरांत भारतीय राजनीति में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाती है। ISBN 978-81-237-5249-5

7. क्षितिमोहन सेन

भवतोष दत्त अनु. : रामबहाल तिवारी पृ. 60 रु. 35.00

लोकधर्म तथा शास्त्रीय धर्म क मर्मज्ञ पंडित क्षितिमोहन सेन की यह जीवनी उस समय की काशी नगरी क सांस्कृतिक, साहित्यिक और धार्मिक विकास का इतिहास प्रस्तुत करती है।

ISBN 978-81-237-5041-7

8. गांधी : एक जीवनी

कृष्ण कृपलानी अनु. : नरेश 'नदीम' पृ. 200 रु. 65.00

प्रस्तुत पुस्तक महात्मा गांधी के जीवन और कृत्यों का एक रोचक और सम्मोहक वर्णन प्रस्तुत करती है।

ISBN 81-237-2020-3

. गदर पार्टी नायक कर्तार सिंह सराभा

मन लाल पृ. 94 रु. 230.00 (सजि.), रु. 35.00 (अजि.)

न् 1913 में भारत को अंग्रेजों से आजाद करवाने के लिए सशस्त्र संघर्ष का बिगुल फूंकने ाले कर्तार सिंह सराभा को जब फांसी हुई थी तब वे मात्र साढ़े उन्नीस साल के थे। अपने ोटे से सार्वजनिक जीवन में देशप्रेमियों के दिल पर राज करने वाले शहीद के संघर्षों का ेखा-जोखा।

ISBN 978-81-237-4911-2 (सजि.) ISBN 978-81-237-4912-9 (अजि.)

10. जयप्रकाश नारायण

सुधांशु रंजन पृ. 254 रु. 80.00

स्वयं को राजसत्ता से अलग रखकर लोकसत्ता को सुदृढ़ करने के प्रयत्न में लगे जयप्रकाश नारायण को आम लोगों ने 'लोकनायक' की उपाधि से विभूषित किया था। जे.पी. के उच्च आदर्शों का लेखा-जोखा प्रस्तुत करती पठनीय एवं संग्रहणीय जीवनी।

ISBN 81-237-1063-1

11. डॉ. भगवान दास

नीलांजना किशोर पृ. 210 रु. 75.00

एक महान दार्शनिक, चिंतक व लेखक की सारगर्भित जीवनी।

ISBN 81-237-4896-2

12. नेताजी सुभाष चन्द्र बोस

शिशिर कुमार बोस अनु. : राम अरोड़ा पृ. 140 रु. 50.00

भारत को अंग्रेजों से मुक्त कराने के लिए आजाद हिंद फौज का गठन करने वाले नेताजी का 'जयहिंद' का नारा आज भी हरेक भारतीय में जोश भर देता है। उनके संघर्षमय जीवन की अनुबोधक जीवनी। ISBN 81-237-1840-3

13. बदरुद्दीन तैयबजी

लाईक़ फ़तेहअली अनु. : जे.वी.रमण पृ. 76 रु. 22.00

भारत की स्वतंत्रता के लिए संघर्षरत संस्था कांग्रेस के अध्यक्ष, अधिवक्ता, समाज सुधारक, और जाने-माने शिक्षा शास्त्री का जीवन परिचय। ISBN 81-237-1644-3

14. बाबासाहब आंबेडकर

वसंत मून अनु. : प्रशांत पांडे पृ. 224 रु. 50.00

भारतीय संविधान के रचयिता, विद्वान लेखक, विधिवेत्ता, राजनयिक, समाज सुधारक तथा दलितों के नेता डा. आंबेडकर की जीवनी। ISBN 81-237-0941-2

15. महादेव गोविंद रानाडे

रामनारायण मिश्र पृ. 176 रु. 60.0

जस्टिस रानाडे की यह जीवनी भारतीय समाज में उनके योगदान को रेखांकित करती हु उनके व्यक्तिगत जीवन के विविध पहलुओं पर प्रकाश डालती है।

ISBN 978-81-237-5212-

16. मीनू मसानी

एस.वी. राजू अनु. : सौमित्र मोहन पृ. 108 मुद्रणाधीन

एक सिद्धांतवादी राजनीतिज्ञ की प्रेरणादायक जीवनी।

17. मोरारजी देसाई

यशवंत दोशी अनु. : रामजी भाई सवाणी पृ. 86 रु. 32.00

भारत के भूतपूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई के संघर्षमय जीवन की प्रस्तुति।

ISBN 81-237-2086-6

18. मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया

वी.एस. नारायण राव अनु. : विश्वासनाथ 'प्रशांत' पृ. 126 रु. 45.00

विश्वेश्वरैया 'सर एम.वी. नाम से लोकप्रिय एक ऐसा प्रखर बुद्धिवाला व्यक्तित्व है जिन्होंने भारत के वास्तविक निर्माण में आधारभूत भूमिका निभाई। उन्होंने एक अभियंता, प्रबंधक और राजनेता के रूप में कृष्णराज सागर बांध और भद्रावती आइरन एंड स्टील वर्क्स जैसी अद्भुत एवं उपयोगी धरोहर हमें दी।

ISBN 81-237-4973-0

19. युसुफ मेहरअली

मधु दंडवते अनु. : नेमिशरण मित्तल पृ. 142 रु. 38.00

प्रस्तुत जीवनचरित संस्थापक सदस्य तथा भारत के इतिहास व संस्कृति से गहन लगाव रखने वाले महान समाजवादी का है।

ISBN 81-237-1926-4

20. राममनोहर लोहिया

इंदुमति केलकर संक्षि. एवं संपा. : श्रीपाद कृष्ण केलकर पृ. 194 रु. 55.00

श्रेष्ठ समाजवादी चिंतक, क्रांतिकारी विचारक एवं बहुआयामी प्रतिभा के धनी लोहिया के जीवन संघर्ष की बृहद कथा का संक्षिप्त रूप में इस पुस्तक के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है।

ISBN 81-237-1897-7

21. सेनापति बापट

य.दि. फड़के अनु : यशवंत व्यास पृ. 132 रु. 50.00

पांडुरंग महादेव बापट की प्रस्तुत जीवनी न सिर्फ उनके लंबे और विशिष्ट राजनीतिक जीवन का ब्यौरा देती है बल्कि कठिन परिस्थितियों के बावजूद की गई उनकी निःस्वार्थ सेवाओं तथा बलिदानों की गाथा का विश्लेषण भी करती है। ISBN 81-237-4713-6

22. सैफुद्दीन किचलू

तौफिक किचलू अनु. : प्रदीप कुमार सक्सेना पृ. 124 रु. 50.00

जलियांवाला बाग के मुख्य नायक के रूप में विख्यात एक स्वतंत्रता सेनानी की कहानी जो उनके सुपुत्र की लेखनी से कलमबद्ध की गई है। ISBN 978-81-237-5108-5

23. लोकमान्य तिलक

ग.प्र. प्रधान अनु. : प्रशांत राही पृ. 148 रु. 45.00

स्वतंत्रता आंदोलन को जन जन तक पहुंचाने के लिए सांस्कृतिक और शैक्षिक क्रांति का मार्ग अपनाने वाले बाल गंगाधर तिलक के जीवन की सहज, सरल भाषा में प्रस्तुति।

ISBN 81-237-1652-7

24. वी.ओ. चिदम्बरम पिल्लै

आर.ए.पद्मनाभन अनु. : नरेन्द्र सिन्हा पृ. 78 रु. 35.00

भारतीय जहाज उद्योग को सम्मानजनक स्थान दिलवाने वाले एक महान स्वतंत्रता सेनानी के बहुआयामी जीवन का संक्षिप्त लेखा-जोखा प्रस्तुत करती पुस्तक।

ISBN 81-237-4356-4

25. सरदार वल्लभभाई पटेल

विष्णु प्रभाकर पृ. 66 रु. 30.00

सरदार वल्लभभाई पटेल, भारतीय स्वतंत्रता के लौह पुरुष के नाम से जाने जाते हैं। सात सौ से अधिक देशी रियासतों का विलय उन्होंने भारत में कराया था। ऐसे सरदार पटेल के जीवन के विविध पक्षों का वर्णन इस पुस्तक में है। ISBN 81-237-0947-1

26. ज्ञानी गुरमुख सिंह 'मुसाफिर'

कर्त्तार सिंह दुग्गल अनु. : बालकराम नागर पृ. 118 रु. 16.00

ज्ञानी गुरमुख सिंह 'मुसाफिर' देश के अग्रणी राजनेता थे। भारत के स्वाधीनता संग्राम में उन्होंने महती भूमिका निभाई। वह मात्र राजनीतिक नेता ही नहीं वरन कवि, लेखक और एक अच्छे इंसान भी थे।

27. हसरत मोहानी

मुज़फ़्फ़र हनफ़ी अनु : निज़ामुद्दीन पृ. 102 रु. 45.00

इस पुस्तक में स्वतंत्रता आंदोलन के वीर सेनानी, सत्यनिष्ठ, कर्मठ मुस्लिम साम्यवादी, निर्भीक पत्रकार–यानी बहुमुखी प्रतिभा के धनी हसरत मोहानी की जीवनी को प्रस्तुत किया गया है।

ISBN 81-237-4733-0

28. हकीम अजमल खां

हकीम सैयद ज़िल्लुर्रहमान अनु.: मो. अलीम पृ.138 रु.55.00

प्रख्यात स्वतंत्रता सेनानी, शिक्षाविद्, हकीम और दिल्ली की गंगा-जमुनी संस्कृति के प्रतीक हकीम अज़मल खां की जीवनी।

ISBN 978-81-237-5693-6

29. होमी जहांगीर भाभा

चिंतामणि देशमुख अनु. : इष्टदेव सांकृत्यायन पृ. 128 रु. 55.00

विज्ञान एवं तकनीकी विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभानेवाले भारत के प्रमुख भौतिकविद् होमी जहांगीर भाभा के जीवन और व्यक्तित्व के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालती एक संग्रहणीय जीवनी।

ISBN 978-81-237-5020-0

आत्म जीवनचरित

1. एक गौरैया का गिरना

सालिम अली अनु. : विश्वमोहन तिवारी पृ. 232 रु. 80.00

प्रसिद्ध पक्षिविज्ञानी सालिम अली का आत्मजीवनचरित।

2. किस पहि खोलऊं गठरी

कर्त्तार सिंह दुग्गल अनु. : फूलचन्द मानव पृ. 524 रु. 165.00

पंजाबी के ख्याततनाम लेखक कर्त्तार सिंह दुग्गल का आत्मजीवनचरित, जो जीवनी से अधिक, गुलामी से आजादी में आए भारतीयों की संवेदनशील कथा है।

ISBN 81-237-4164-2

3. बच्चन की आत्मकथा

हरिवंश राय 'बच्चन' संक्षेपण : अजित कुमार पृ. 166 रु. 45.00

प्रख्यात रचनाकार हरिवंश राय 'बच्चन' की चारों प्रसिद्ध आत्मकथात्मक कृतियों का संक्षिप्त रूपांतरण, जो बच्चन की जीवन-यात्रा और साहित्य-साधना–दोनों का पूर्ण परिचय देता ह।

ISBN 81-237-2883-2

4. मेरे जीवन की कुछ यादें

जेड.ए. अहमद पृ. 282 रु. 95.00

दिग्गज कम्युनिस्ट नेता की यादों का ऐसा सफरनामा, जो अविभाजित भारत के राजनैतिक इतिहास और भूगोल की जीती-जागती तस्वीर पेश करती है। ISBN 978-81-237-1115-8

5. मौत के इंतजार में

शिव वर्मा पृ. 88 रु. 40.00

मशहूर क्रांतिकारी और चिंतक शिव वर्मा द्वारा आजादी की लड़ाई के दौरान जेल में बिताए गए 20 सालों के दौरान उनको कई ऐसे बंदियों से मिलने का मौका मिला जिन्हें मौत की सजा हो चुकी थी। इस पुस्तक में ऐसे ही परिवेश में अपनी फांसी का इंतजार कर रहे लोगों की मनोदशा का चित्रण प्रस्तुत किया गया है। ISBN 978-81-237-5340-9

6. राजेन्द्र प्रसाद : आत्मकथा

पृ. 758 रु. 135.00

भारतीय सभ्यता और संस्कृति के आदर्श प्रतीक भारतीय गणतंत्र के प्रथम राष्ट्रपति राजेन्द्र बाबू की, जीवन को उन्नत बनाने की दिशा में प्रेरित करने वाली आत्मगाथा।

ISBN 81-237-0884-X

लोक-संस्कृति और साहित्य

1. अरण्य स्वर

अशोक कुमार मिश्र, गिरिश चन्द्र दास अनु. : सुजाता शिवेन पृ. 172 रु. 55.00

ओड़िया समाज के लोककंठ में व्याप्त, मगर विलुप्त होती पारंपरिक धरोहर जैसी लोककथाओं का संकलन। ISBN 81-237-4113-8

2. आंध्र प्रदेश : लोक-संस्कृति और साहित्य

बी.एम.राजू अनु. : मस्तराम कपूर पृ. 156 रु. 15.00

आंध्र प्रदेश की लोक-संस्कृति और साहित्य की जानकारी देने वाली एक प्रामाणिक पुस्तक।

3. उत्तराखंड : लोक संस्कृति और साहित्य

देवसिंह पोखरिया पृ. 406 रु. 140.00

उत्तराखंड की लोक संस्कृति को जानने-समझने के लिए विद्वान लेखक की रोचक शैली में लिखी एक महत्वपूर्ण पुस्तक, जिसे आप संजोकर रखना चाहेंगे। पुस्तक पढ़कर उत्तराखंड की लोक संस्कृति को महसूस करिए। ISBN 978-81-237-5581-6

4. ओड़िसा : लोक-संस्कृति और साहित्य

के.बी.दास, एल.के.महापात्र अनु. : एस.महापात्र पृ. 176 रु. 41.0

ओड़िया समाज के जीवनयापन का वस्तुपरक दस्तावेज, जो उड़ीसा के बारे में आ जनमानस के कई पूर्वाग्रह तोड़ता है. कई महत्वपूर्ण और जरूरी बातों की सूचना देता और मोटे तौर पर उड़ीसा के हर पहलू की जानकारी देता है। ISBN 81-237-1510-

5. जब दरियाई हाथी भी झबरा था

निक ग्रीव्स अनु. : भगवान सिंह पृ. 142 रु. 84.00

प्राकृतिक इतिहास से पिरोई हुई जंतु कथाओं की यह एक मूल्यवान पुस्तक है। रंगीन और श्वेत-श्याम चित्र तो जैसे इसमें सांस ले रहे हैं। ISBN 81-237-1801-2

6. जब शेर भी उड़ान भरता था

निक ग्रीव्स अनु. : भगवान सिंह पृ. 140 रु. 75.00

अफ्रीकी पुराकथाओं की लुभावनी जंतु कथाएं। अधिकांश के साथ सुंदर व रंगीन, श्वेत-श्याम चित्र। साथ ही इन जंतुओं के क्षेत्र को दर्शाने वाले अफ्रीका के मानचित्र।

ISBN 81-237-2007-6

7. केरल : लोक-संस्कृति और साहित्य

कवलम नारायण पनीक्कर अनु. : उपा पृ. 120 रु. 35.00

तटीय सौंदर्य का प्रदेश केरल की अनंत परंपरा, संस्कृति आदि के सजीव और सुंदर विवरण से भरी एक महत्वपूर्ण कृति। ISBN 81-237-2450-0

8. कहानियां कहावतों की

प्रताप अनम पृ. 126 रु. 50.00

प्रस्तुत पुस्तक में संकलित लोककथाएं रोचक शैली में तो है ही साथ ही हर कथा अपना तर्क भी प्रस्तुत करती हुई पाठकों को बांधे रखती है ISBN 978-81-237-5454-3

9. गुजरात : लोक संस्कृति और साहित्य

हसु याज्ञिक अनु. : जगदीश चंद्रिकेश पृ. 168 रु. 70.00

गुजरात प्रांत की सभ्यता और संस्कृति, भौगोलिक परिवेश, आहार-व्यवहार, रीति-नीति, आचार-संस्कार एवं लोक परंपराओं का संक्षिप्त परिचय देती एक महत्वपूर्ण पुस्तक।

ISBN 81-237-4532-X

10. तमिलनाडु : लोक-संस्कृति और साहित्य

एम.एल.लक्ष्मणन चेट्टियार अनु. : कृष्णगोपाल अग्रवाल पृ. 252 रु. 40.00

सांस्कृतिक दृष्टि से संपन्न प्रदेश के लोगों के आचार-विचार, धर्म विवरण, रीति-रिवाजों की जानकारी देने वाली सार्थक पुस्तक।

11. दुनिया जब नई नई थी

वेरियर एल्विन अनु. : भगवान सिंह पृ. 100 रु. 25.00

भारत के पर्वतों और वनों में लगभग तीन करोड़ जनजातीय लोग निवास करते हैं। ये अनेकानेक वंशों के हैं और इनकी संस्कृति में वहुत तरह के धर्म, सामाजिक संस्थाएं, पोशाक और भाषाएं शामिल हैं। इन्हीं की कुछ महत्वपूर्ण लोककथाओं का संकलन इस पुस्तक में किया गया है। ISBN 81-237-1922-1

12. नील गगन के प्रांगण से

मायाक्षी चट्टोपाध्याय अनु. : विपिन कुमार पृ. 104 रु. 40.00

भारत के उत्तर-पूर्व क्षेत्र की उत्तरी सीमा पर फैली लोमहर्षक पहाड़ी परिदृश्य में गूंजती जिन पौराणिक कथाओं, किंवदंतियों, तथा लोक कथाओं में जीवन की विचित्रता, रहस्य, अस्तित्व का आनंद एवं उसके लिए संघर्ष, मौलिक भावनाओं की परस्पर प्रक्रिया तथा चिरकालीन सत्यों एवं मूल्यों की शाश्वतता सुनाई पड़ती है, उनका अनूठा संकलन।
ISBN 81-237-3865-X

13. पिरथवी भारी है

रमेश दत्त दुबे पृ. 88 रु. 25.00

बुंदेलखंड की श्रेष्ठ लोककथाओं का महत्वपूर्ण संग्रह, जो बुंदेलखंड के जनजीवन की लोक परंपरा से परिचय कराता है। ISBN 81-237-1722-9

14. पूर्वोत्तर की आदिवासी कहानियां

रमणिका गुप्ता (संक. एवं संपा.) पृ. 168 रु. 60.00

इस पुस्तक में अरुणाचल प्रदेश, असम, मिजोरम, मेघालय, नागालैंड, त्रिपुरा, सिक्किम, मणिपुर आदि क्षेत्रों के रचनाकारों की रचनाओं को संजोया गया है।
ISBN 978-81-237-5575-5

15. बंगाल : लोक-संस्कृति और साहित्य

आशुतोष भट्टाचार्य अनु. : नरेन्द्र सिन्हा पृ. 146 रु. 40.00

बंगाल के जनजीवन का संक्षिप्त किंतु सिलसिलेवार दृश्य दिखाती एक श्रेष्ट पुस्तक, जहां बंगाल के रीति-रिवाज, परंपरा, मेले, पर्व, मौखिक साहित्य, लोक साहित्य आदि की संक्षिप्त झांकी मौजूद है। ISBN 81-237-2240-0

16. भारत की लोककथाएं

ए.के. रामानुजन अनु. : कैलाश कबीर पृ. 386 रु. 90.00

भारत के विभिन्न प्रांतों में और भिन्न-भिन्न भाषाओं-उपभाषाओं में प्रचलित लोककथाओं का अनूठा संकलन। ISBN 978-81-237-3446-0

17. भारत के आदिवासी क्षेत्रों की लोककथाएं

शरद सिंह पृ.360 रु.115.00

देश की विभिन्न जनजातियों की रोचक लोककथाओं को प्रस्तुत करती यह पुस्तक उन पाठकों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है जिन्हें लोककथाओं से अनुराग है।

ISBN 978-81-237-5580-9

18. भोजपुरी लोक-कथा

मिथिलेश्वर (पुनर्रचना) पृ. 138 रु. 60.00

हिन्दी के सुपरिचित कथाकार मिथिलेश्वर द्वारा पुनर्रचित भोजपुरी लोककथाओं का अनोखा संकलन।

ISBN 978-81-237-5372-0

19. राजस्थान : लोक संस्कृति और साहित्य

डी. आर. आहूजा अनु. : वागीश कुमार झा, राजेश कमुार झा पृ. 164 रु. 50.00

राजस्थान की लोक संस्कृति, वहां के धर्म, अंधविश्वास, पर्व, त्योहार, आचार-विचार कर संक्षिप्त जानकारी देती हुई पुस्तक।

ISBN 81-237-3883-8

20. संताली लोक कथाएं

डोमन साहू समीर (संपा.) पृ. 162 रु. 50.00

संताली जनजीवन की लोक रुचि के रक्षणार्थ, सामान्य भाषा में प्रस्तुत जनजातीय जनपद के लोककंठ में व्याप्त अनूठी लोककथाओं का मनोहारी संकलन।

21. सिंध की लोककथाएं

रश्मि रमानी (संक. व अनु.) पृ. 100 रु. 45.00

दुनिया की सबसे पुरानी संस्कृतियों में से एक सिंधु घाटी की सभ्यता, साहित्य के सतत विकास की भी साक्षी है। पाकिस्तान के सैकड़ों शहरों तथा गांवों में सिंध का लोक साहित्य बलोची, सरायकी, ओड़की जैसी बोलियों के साथ पल-बढ़ रहा है। सिंध की पारंपरिक लोककथाएं सिंध के लोकजीवन, मान्यताओं, रहन-सहन, परंपराओं की स्मृतियों को जीवंत बना देती हैं।

ISBN 81-237-5690-5

22. हिमाचल की लोककलाएं और आस्थाएं

मौलूराम ठाकुर पृ. 220 रु. 85.00

प्रस्तुत पुस्तक हिमाचल की लोककला और आस्थाओं से जहां परिचय कराती है वहीं हमें हमारी परंपराओं से जुड़े रहने का बोध भी कराती है। इस कड़ी की एक महत्वपूर्ण पुस्तक।

ISBN 978-81-237-5369-0

23. हिमाचल प्रदेश : लोक-संस्कृति और साहित्य

गौतम शर्मा 'व्यथित' पृ. 222 रु. 36.00

प्रस्तुत पुस्तक में हिमाचल प्रदेश के लोक जीवन में व्याप्त तरलता, सरलता, मिठास, जीवंतता, लोककथाएं, लोक नृत्यों, पर्व-त्योहार आदि पक्षों का सरल व सहज भाषा में वर्णन किया गया है। ISBN 81-237-0315-5

सृजनात्मक शिक्षा

1. एक और तोत्तो चान

रामजी दूबे शीघ्र प्रकाश्य

गांव की संस्कृति में पले-बढ़े एक ऐसे प्राध्यापक का विद्यार्थी जीवन से प्राध्यापकीय जीवन की यात्राओं का सफरनामा, जिसमें लेखक सदैव विद्यार्थी की भांति सीखने और सिखाने की गुरु-शिष्य परंपरा से जुड़ा रहा जो वर्तमान में भी यथावत जारी है। गांव से शहर में आने के अनुभवों की यह बेजोड़ पुस्तक है।

2. कठपुतली मार्गदर्शिका

मीना नाईक अनु. : राजेंद्र पांडे पृ. 52 रु. 45.00

कठपुतली के इतिहास को बताते हुए इसके प्रकार, बनाने की विधि समेत इस चित्रमय पुस्तक में मंचित किए जाने योग्य कुछ कठपुतली नाटिकाएं भी दी गई हैं।

ISBN 81-237-4123-5

3. कम लागत, बिना लागत शिक्षण सहायक सामग्री

मेरी ऐन दासगुप्ता अनु. : अरविन्द गुप्ता पृ. 82 रु. 40.00

बेकार पड़ी चीजों से अध्यापक अगर चाहें तो बच्चों के लिए काफी उपयोगी शिक्षण सहायक सामग्री बना सकते हैं। अध्यापकों के लिए एक उपयोगी पुस्तक।

ISBN 81-237-2773-9

4. क्योंजीमल और कैसेकैसलिया

सुबीर शुक्ला पृ. 32 रु. 30.00

क्यों? क्यों? कैसे? कैसे? हमारे आसपास हो रही आम घटनाओं के 'क्यों' और 'कैसे' से जुड़े सवालों के जवाब—कई मनोरंजक गतिविधियों के साथ। ISBN 81-237-3189-2

5. खुलते अक्षर खिलते अंक

विष्णु चिंचालकर पृ. 28 रु. 16.00

वातावरण में पाई जाने वाली सजीव व निर्जीव वस्तुओं में किसी विशिष्ट आकार की कल्पना को प्रस्तुत करती बेहद रोचक पुस्तक। ISBN 81-237-2144-7

6. खेल-खेल में बच्चों का विकास

मीना स्वामिनाथन, प्रेमा डैनियल अनु. : सुधीर नाथ झा पृ. 214 रु. 150.00

इस पुस्तक में विभिन्न खेल गतिविधियों द्वारा बच्चों के संपूर्ण विकास के महत्व को दर्शाया गया है। लेखिका ने विभिन्न चित्रों के माध्यम से अध्यापिका द्वारा खेल गतिविधियां प्रस्तुत की हैं। इस तरह यह पुस्तक अध्यापकों के लिए एक महत्वपूर्ण मार्गदर्शिका का कार्य करती है।

ISBN 978-81-237-15397-3

7. डोरी के खेल

अरविन्द गुप्ता पृ. 50 रु. 45.00

तीस रोचक नमूनों के साथ प्रस्तुत पुस्तक बच्चों में डोरी के खेल के माध्यम से कल्पनाशीलता तथा उनमें स्मरण शक्ति बढ़ाने का कार्य कर सकने में सक्षम है। हर नमूने के साथ निर्देश तो है ही, चित्र भी हैं जिससे पुस्तक की उपयोगिता और बढ़ गई है।

ISBN 81-237-4287-8

8. तोत्तो-चान

तेत्सुको कुरोयानागी अनु. : पूर्वा याज्ञिक कुशवाहा पृ. 140 रु. 45.00

'बेस्ट सेलर' मूल जापानी पुस्तक 'तोत्तो-चान : खिड़की में खड़ी नन्ही लड़की' का हिंदी अनुवाद है यह पुस्तक। एक सात वर्षीया नन्ही-सी लड़की तोत्तो-चान की अत्यंत मनोरंजक एवं सच्ची कहानी, जिसे पहली ही कक्षा में 'असंभव लड़की' की संज्ञा देकर स्कूल से निकाल दिया जाता है।

ISBN 81-237-1760-1

9. दिवास्वप्न

गिजुभाई बधेका अनु. : काशिनाथ त्रिवेदी पृ. 86 रु. 30.00

समर्पित शिक्षक, गिजुभाई बधेका का बाल-शिक्षण पर एक नया दृष्टिकोण।

ISBN 81-237-0831-9

10. नन्हे खिलौने

अरविन्द गुप्ता पृ. 60 रु. 25.00

बेकार समझ कर इस्तेमाल करके फेंकी गई चीजें भी बड़ी उपयोगी व काम की हो सकती हैं। विभिन्न प्रकार के खाली डिब्बे तथा इसी तरह की अन्य चीजों से बच्चे खिलौने बना सकते हैं। मनोरंजन के साथ-साथ पर्यावरण की सुरक्षा भी। एक उपयोगी पुस्तक।

ISBN 81-237-2249-4

11. पहला अध्यापक

चिंगिज़ ऐटमाटोव अनु. : भीष्म साहनी पृ. 70 रु. 25.00

रूस का एक गांव पूरी तरह से निरक्षर था। वहां दूईशेन नाम के एक उत्साही व्यक्ति ने गांव वालों को शिक्षा के प्रति न सिर्फ प्रेरित किया, वरन् गांव के बच्चों को शिक्षित करने में भी वह सफल हुआ। इसी भावभूमि पर लिखी मूल रूसी कहानी का यह हिंदी अनुवाद है। ISBN 81-237-2877-8

12. पर्यावरण प्रहरी

मीना रघुनाथन, ममता पांड्या (संपा.) अनु. : प्रियदर्शन पृ. 98 रु. 95.00

यह पुस्तक पर्यावरणीय शिक्षा की जरूरतों को रेखांकित करती हुई कक्षा और कक्षेतर अनुभव की महत्ता बताती है; साथ ही बेहतर भविष्य के लिए युवाओं के सशक्तीकरण पर भी बल देती है। ISBN 978-81-237-5224-2

13. प्राथमिक विद्यालय के लिए यूनेस्को की विज्ञान स्रोत पुस्तक

वेन हारलेन, जोस एल्स्टगीस्ट अनु. : अरविंद गुप्ता पृ. 256 रु. 145.00

शिक्षकों की सेवा-पूर्व और सेवारत प्रशिक्षण कार्यशालाओं में उपयोग करने के लिए परिकल्पित यह पुस्तक बच्चों में विज्ञान के प्रति रुचि जगाने के लिए अनेकशः उपायों को बताती है। ISBN 978-81-237-5386-7

14. बाल पोथी

महात्मा गांधी अनु. : काशिनाथ त्रिवेदी पृ. 30 रु. 25.00

सन् 1924 में महात्मा गांधी ने स्कूली शिक्षा शुरू करने के लिए बच्चों की पहली किताब 'बाल पोथी' की रचना की थी। उनका मानना था कि बच्चे को अक्षर ज्ञान देने के लिए कोई किताब की जरूरत नहीं है, केवल शिक्षक ही उन्हें अक्षर ज्ञान करवाए। बच्चा जब अक्षरों को पहचानने के काबिल हो जाए तो उसकी पहली पुस्तक 'बाल पोथी' हो।

ISBN 978-81-237-5467-3

15. बच्चे की भाषा और अध्यापक

कृष्ण कुमार पृ. 68 रु. 30.00

चर्चित शिक्षाविद् कृष्ण कुमार ने नर्सरी और प्राथमिक स्कूलों के बच्चों को लिए रुचिकर बनाने के लिए, किए जा सकने वाले प्रयोगों का विवरण सरल भाषा में दिया है। इस पुस्तक के मूल संस्करण का प्रकाशन यूनिसेफ द्वारा किया गया था।

ISBN 81-237-1817-9

16. बच्चों के लिए एक सही शुरुआत

रॉबर्ट जी. मेयर्स अनु. : सुशील जोशी पृ. 92 रु. 30.00

पुस्तक में विकासशील देशों में शिशुओं के विकास कार्यक्रमों का समग्र परिप्रेक्ष्य प्रस्तुत किया गया है।

ISBN 81-237-1119-0

17. बच्चों के लिए खेल-क्रियाएं

मीना स्वामीनाथन पृ. 136 रु. 60.00

खेल-क्रियाएं बालकों के समुचित विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसके द्वारा उनकी सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के भीतर ही, उनकी क्षमताओं और रुचियों को ध्यान में रखकर उनका समुचित विकास किया जा सकता है।

ISBN 81-237-3204-X

18. मेरी दस उंगलियां

अरविन्द गुप्ता पृ. 120 रु. 80.00

कबाड़-कचरा समझकर फेंके गए डिब्बे, ढक्कन आदि से बहुत-सी चीजें बनाई जा सकती हैं। बच्चे अक्सर अपने हाथ से कुछ बनाना चाहते हैं। बच्चे करके जो सीखते हैं वह जीवन भर उन्हें याद रहता है। दस उंगलियों से क्या कुछ नहीं बनाया जा सकता? एक उपयोगी पुस्तक।

ISBN 81-237-3203-1

19. रंग बिरंगा रंगमंच

फैसल अल्काज़ी पृ. 40 रु. 30.00

नाटक मंचित करने के लिए कहानी के चयन से लेकर मंच-सज्जा तक की जानकारी देने वाली पुस्तक।

ISBN 81-237-3174-4

20. वनशाला

प्रिया नागराजन रु. 60.00

कहानी, खेल, माथा-पच्ची, पहेलियों से भरपूर ऐसी पुस्तक जो बच्चों का भरपूर मनोरंजन करेगी।

ISBN 81-237-3285-6

21. वन विद्यालय की कहानी

चितरंजन दास अनु. : बिचार दास पृ. 138 रु. 55.00

यह पुस्तक पांचवें दशक में उड़िसा के जंगलों में शुरू किए गए एक ऐसे विद्यालय की कहानी है, जिसमें बच्चे प्राकृतिक वातावरण में रहकर शिक्षा अर्जित करते हैं। शिक्षा ग्रहण करने के दौरान शिक्षकों एवं छात्रों को किन-किन मुसीबतों का सामना करना पड़ा। उस सबका रोचक अनुभव इस पुस्तक में जीवंत रूप में भरा पड़ा है। यह पुस्तक शिक्षा जगत में एक अनूठा प्रयोग है। शिक्षक और छात्रों के संबंधों को अत्यंत आत्मीयता से प्रस्तुत किया गया है।

ISBN 978-81-237-5413-0

22. वृत्तों की दुनिया

रावेन्द्र कुमार 'रवि' पृ. 52 रु. 60.00

गणित के कठिन सवालों को वृत्तों के द्वारा अत्यंत रोचक ढंग से समझाने में यह पुस्तक बच्चों के लिए अत्यंत उपयोगी है। आकर्षक चित्रांकन है। ISBN 978-81-237-5327-0

23. शिक्षा में सृजनात्मक नाटक एवं कठपुतली नर्तन

मेहर आर. कांट्रेक्टर अनु. : हरबंस लाल लूथरा पृ. 104 रु. 35.00

प्रस्तुत पुस्तक के अंतर्गत शिक्षा में सृजनात्मक नाटक एवं कठपुतली नर्तन की महत्ता पर विस्तार से प्रकाश डाला गया है। ISBN 81-237-2894-8

24. शिक्षा का वाहन : कला

देवी प्रसाद पृ. 138 रु. 50.00

यह पुस्तक शिक्षा के आधारभूत ढांचे के रूप में कला की आवश्यकता को दर्शाती है। कला बालक के संपूर्ण विकास के लिए आवश्यक है। अतः कला की बुनियाद बच्चों में बचपन से ही डालनी चाहिए। इसमें शिक्षक एवं अभिभावक की बड़ी भूमिका है। इसी भावभूमि पर एक उपयोगी पुस्तक। ISBN 81-237-2899-9

25. समझ के लिए तैयारी

कीथ वारेन् अनु. : अरविन्द गुप्ता पृ. 26 रु. 20.00

अपने अनुभवों से आसपास की दुनिया के क्रम और नियम खोजने में मदद करने वाली इस पुस्तक का प्रकाशन पहली बार यूनिसेफ द्वारा किया गया था। ISBN 81-237-1813-6

26. साकार

डॉ. कमल डफाल पृ. 48 रु. 40.00

खिलौना गुड़िया से खेलना बचपन की सबसे मधुर यादों में से एक होता है और जब गुड़िया अपने हाथों से बनी हो तो यह आनंद दुगना हो जाता है। यह पुस्तक अपनी पसंद की गुड़िया तैयार करने की प्रायोगिक जानकारी देती है। यही नहीं, यदि कोई इसे जीवकोपार्जन का माध्यम बनाना चाहता है तो भी यह पुस्तक मार्गदर्शक साबित होगी।

ISBN 978-81-237-5349-2

27. सृजनशील जीवन और शिक्षा

डेल एम. बेथेल (संपा.) अनु. : अशोक लाल पृ. 212 रु. 55.00

मूल जापानी का पहले अंग्रेजी, फिर अंग्रेजी से हिंदी में अनूदित इस पुस्तक में द्वितीय विश्व युद्ध से पूर्व के महान शिक्षाविद् त्सुनेसाबुरो माकीगुची ने शिक्षा संबंधी विचार एवं दर्शन को संकलित किया गया है। हर अभिभावक [illegible] आवश्यक पठनीय पुस्तक। ISBN 81-237-3037-3

28. हाथ मिलाओ

मलयश्री हाश्मी पृ. 32 रु. 25.00

खूबसूरत चित्रों से सुसज्जित इस पुस्तक में बच्चों द्वारा करने के बहुत सारे खेल और मजेदार गतिविधियां दी गई हैं, जिन्हें करके वे आनंद प्राप्त करने के साथ-साथ ज्ञान भी प्राप्त करेंगे।

ISBN 81-237-3636-3

भारतीय डायस्पोरा अध्ययन

1. फीजी यात्रा : आधी रात से आगे

ब्रिज वी. लाल अनु. : सत्या श्रीवास्तव पृ. 132 रु. 55.00

19वीं सदी के आखिरी व 20वीं सदी के प्रारंभिक वर्षों में पूर्वी उत्तर प्रदेश के आंचलिक क्षेत्रों से हजारों लोग रोजी-रोटी की तलाश में सात समंदर पार गए। ये 'गिरमिटिया' आज कई देशों में महत्वपूर्ण पदों पर हैं। लेकिन वे आज भी अपनी भूमि भारत को ही मानते हैं। आत्मजीवनचरित शैली में लिखी गई यह पुस्तक फीजी में जन्मे और अब आस्ट्रेलिया में रह रहे एक भारतीय मूल के लेखक की अनूठी कृति है।

ISBN 81-237-4546-X

एफ्रो-एशियाई देश

1. जापान

यमागुचि हिरोइचि अनु. : राज बुद्धिराजा पृ. 166 रु. 70.00

इस पुस्तक में जापान के इतिहास, संस्कृति, परंपरा, अर्थव्यवस्था, शिक्षा, राजनीति, अंतर्राष्ट्रीय संबंधों पर सामग्री प्रस्तुत करते समय आम पाठक का ध्यान में रखा गया है।

ISBN 978-81-237-5384-3

सतत शिक्षा

1. 1857 का संग्राम

वि.स. वालिंबे अनु. : विजय प्रभाकर पृ. 76 रु. 13.00

देश की आजादी के लिए पहला संग्राम 1857 में ही हुआ था। उस संग्राम की रोचक प्रस्तुति है इस पुस्तक में।

ISBN 81-237-3383-6

2. अमर कैदी

हिमांशु जोशी पृ. 24 रु. 8.00

इस पुस्तक में क्रांतिकारी महावीर सिंह तथा बाबा पृथ्वी सिंह आजाद की कहानी दी गई है। देश की आजादी के लिए इन वीर-बांकुरों ने किस-किस तरह की यातनाएं सहीं, उसका मार्मिक विवरण है इस पुस्तक में।

ISBN 81-237-3858-7

3. अच्छा भोजन

रेनू चौहान पृ. 40 रु. 10.00

खाना कम खाएं या अधिक, लेकिन वह पौष्टिक और अच्छी गुणवत्ता का हो तभी अच्छा भोजन कहलाता है। भोजन में खान-पान की विविधता पर भी पूरा ध्यान देना चाहिए। इन्हीं सब बातों की जानकारी इस पुस्तक में दी गई है। ISBN 81-237-3654-1

4. असूर्यलोक

भगवतीकुमार शर्मा अनु. : ज्योत्स्ना मिलन पृ. 44 रु. 8.00

जीवन के सरोकारों के आसपास घूमती एक रोचक कथा। आत्मबल और विलक्षण बुद्धि का कौशल इस कहानी में प्रस्तुत हुआ है। ISBN 81-237-2955-3

5. आजादी की लड़ाई में आजाद हिंद फौज

शिशिर कुमार बसु अनु. : अमर गोस्वामी पृ. 72 रु. 13.00

सुभाष चन्द्र बोस और आजाद हिंद फौज एक-दूसरे के पूरक थे। आजादी की लड़ाई में इस संगठन की एक बड़ी भूमिका थी। उस काल की जानकारी देती एक पठनीय पुस्तक।

ISBN 81-237-2910-3

6. आमदनी के साधन : स्क्रीन प्रिंटिंग एवं पेपर मैशे

अनुराधा गुप्ता पृ. 32 रु. 9.00

स्क्रीन प्रिंटिंग एवं पेपर मैशे का काम कोई शौक से, तो कोई आजीविका चलाने के लिए करता है। इन दोनों कामों की सामान्य रूपरेखा और प्रक्रिया की जानकारी देते हुए यह पुस्तक कमाई के नए स्रोत भी खोलती है। ISBN 81-237-3732-7

7. इलेक्ट्रिशियन के कामकाज

विक्रम सिंह पृ. 78 रु. 18.00

इलेक्ट्रिशियन के कामकाज को बतौर जीविकोपार्जन अपनाने वाले युवकों के लिए खासतौर पर एवं सामान्य पाठकों के लिए भी पुस्तक बेहद उपयोगी है। ISBN 81-237-4196-0

8. उसका बचपन

कृष्ण बलदेव वैद पृ. 76 रु. 14.00

अभाव, नशाखोरी, जुआ, कलह, पारिवारिक तनाव, उपेक्षा और संदेह के अंबार तले पलते एक बच्चे के बाल मन पर पड़ते मनोवैज्ञानिक असर की जीवंत कथा। यह मूल रूप से एक बड़ा उपन्यास है। इस पुस्तकमाला के लिए लेखक ने उपन्यास के प्रभाव को बरकरार रखते हुए उसका संक्षिप्त रूपांतरण किया है। ISBN 81-237-2160-9

9. कर्मयोगी लोकमान्य तिलक

ग.प्र. प्रधान अनु. : वासंतिका पुणतांबेकर पृ. 84 रु. 12.00

देश की आजादी की लड़ाई में बालगंगाधर तिलक की एक महत्वपूर्ण भूमिका थी। उनके व्यक्तित्व एवं कार्यो के बारे में जानकारी देती एक उपयोगी पुस्तक।

ISBN 81-237-3389-5

10. कल भी सूरज नहीं चढ़ेगा

सुरजीत सिंह सेठी अनु. : जसवंत सिंह विरदी

संक्षि. : कुलवीर सिंह कांग पृ. 126 रु. 25.00

जलियांवाला बाग में हुए नरसंहार के बर्बर कांड को तथ्यों की रोशनी में प्रस्तुत करते उपन्यास का संक्षिप्त संस्करण।

ISBN 81-237-3445-X

11. कहानी जवाहरलाल की

देसराज गोयल पृ. 72 रु. 11.00

भारत के पहले प्रधानमंत्री, जवाहरलाल नेहरू की जीवनी।

ISBN 81-237-2019-X

12. कामकाजी महिलाओं के अधिकार

कमल कुमार पृ. 32 रु. 9.00

कामकाजी महिलाओं के अधिकारों के बारे में जानकारी देती हुई एक उपयोगी पुस्तक।

ISBN 81-237-3641-X

13. गबन

प्रेमचंद अनु. : सिबग़तुल्लाह खां

संक्षि. : अब्दुल अज़ीज़ पृ. 112 रु. 25.00

प्रेमचंद के महत्वपूर्ण उपन्यास 'गबन' का संक्षिप्त रूप।

ISBN 81-237-2968-5

14. गांधी : एक जीवनी

कृष्ण कृपलानी अनु. एवं संक्षि. : वपा दास पृ. 104 रु. 15.00

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के जीवन का परिचय देता रोचक पुस्तक।

ISBN 81-237-2167-7

15. चंद्रशेखर वेंकट रामन

शुकदेव प्रसाद पृ. 76 रु. 19.00

देश के अति प्रतिभाशाली वैज्ञानिक चंद्रशेखर वेंकट रामन की जीवनीपरक पुस्तक, जिसमें रामन के जीवन के अनेक अनछुए पहलू को लेखक ने उजागर किया है। टैगोर के बाद इस देश के दूसरे नोबल पुरस्कार प्राप्त इस भारतीय व्यक्तित्व को पढ़ना बेहद रुचिकर और उपयोगी है।

ISBN 81-237-4531-1

16. जेल से लिखे गए पत्र एवं अन्य लेख

देवेश चन्द्र (संक.) पृ. 104 रु. 19.00

स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा जेल से लिखे गए पत्र एवं अन्य लेखों का संकलन।

ISBN 81-237-2177-3

17. दुर्घटना होने पर क्या करें

रेखा चतुर्वेदी पृ. 32 रु. 10.00

दुर्घटना के विभिन्न आयामों तथा प्राथमिक उपचार आदि के बारे में बताती एक उपयोगी पुस्तक।

ISBN 81-237-4118-9

18. दूसरी आजादी 'सेवा' संशोधित संस्करण

इला.र. भट्ट अनु. : ज्योत्स्ना मिलन पृ. 96 रु. 19.00

महिलाओं की स्वैच्छिक संस्था 'सेवा' के संघर्ष और उपलब्धियों की रोचक कहानी।

ISBN 978-81-237-2903-9

19. पानी का रखरखाव

शामजीभाई आंटाला अनु. : मनोहर सिंह राठौड़ पृ. 64 रु. 11.00

पानी का मोल नहीं समझने पर हमें बूंद-बूंद पानी के लिए तरसना पड़ेगा, यह कल्पना नहीं, सचाई है। पानी के उचित रखरखाव को बताती एक उपयोगी पुस्तक।

ISBN 81-237-3491-3

20. प्रतिभा

हरेकृष्ण महताब अनु. : मंजु शर्मा महापात्र

संक्षि. : किशोरीचरण दास पृ. 82 रु. 13.00

मूल ओड़िया पुस्तक से हिंदी में अनूदित इस उपन्यास में प्रतिभा नाम की एक मेधावी लड़की की कथा कही गई है।

ISBN 81-237-3165-5

21. बख्त खान

इकबाल हुसैन अनु. : गजेन्द्र राठी पृ. 24 रु. 13.00

यह पुस्तक सन् 1857 की महान क्रांति के सेनापति बख्त खान के जीवन-संघर्ष का लेखा-जोखा है।

ISBN 978-81-237-5476-5

22. बड़े बाबू : छोटा जीवन बड़ी कहानी

अशोक लाल पृ. 24 रु. 8.00

आम जनता की परेशानियों को अपनी परेशानी मानने वाले एक ऐसे ईमानदार बड़े बाबू की कहानी, जो तमाम बाधाओं के बावजूद सचाई के मार्ग से विचलित नहीं होता।

ISBN 81-237-3642-8

23. बाबा आमटे

तारा धर्माधिकारी अनु. : हेमा जावडेकर पृ. 80 रु. 12.00

त्याग और सेवा की मूरत थे बाबा आमटे। खासकर कुष्ट रोगियों के कल्याण के लिए बाबा ने अपना जीवन समर्पित कर दिया था। उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व को उभारती एक प्रेरक पुस्तक। ISBN 81-237-3297-X

24. भारत का संविधान

सुभाष काश्यप पृ. 52 रु. 11.00

विश्व के सबसे बड़े लिखित संविधान के विषय में जानकारी प्रस्तुत करती एक प्रामाणिक पुस्तक। ISBN 81-237-2223-0

25. भारत की संसद

सुभाष काश्यप पृ. 40 रु. 9.00

प्रस्तुत पुस्तक में भारत की संसद क्या है और यह कैसे कार्य करती है, इसका वर्णन सरल शब्दों में किया गया है। ISBN 81-237-2164-1

26. भारत में कृषि

रणजीत सिंह अनु. : राम सरूप अणखी पृ. 110 रु. 18.00

भारत में कृषि की दशा और दिशा की जानकारी देती एक उपयोगी पुस्तक।

ISBN 81-237-3164-7

27. भारत में उद्योग

म.रा. कुलकर्णी अनु. : लछमन हर्दवाणी पृ. 140 रु. 20.00

आजादी के पहले से ही यहां उद्योग-धंधे का विकास होता रहा है किंतु आजादी के बाद इसमें पर्याप्त बढ़ोतरी हुई। इस पुस्तक में देश में उद्योग-धंधों के विकास का जायजा लिया गया है। ISBN 81-237-3990-8

28. भारत के नागरिकों के अधिकार

प्रीतम सिंह सफ़ीर अनु. : बलराम दत्त शर्मा पृ. 32 रु. 9.00

हमारे संविधान ने देश के नागरिकों को जो अधिकार प्रदान किए हैं, उसे सबको जानना चाहिए। इन्हीं अधिकारों की जानकारी दी गई है इस पुस्तक में। ISBN 81-237-3001-2

29. भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में महिलाएं

राजम कृष्णन अनु. : विजयलक्ष्मी सुंदरराजन पृ. 72 रु. 13.00

देश की आजादी में महिलाओं ने एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पुरुष आंदोलनकर्ताओं के साथ कंधे से कंधा मिलाकर साथ चलने वाली कुछ महिलाओं की संघर्ष गाथा दी गई है इस पुस्तक में। ISBN 81-237-3327-5

30. मदर टेरिजा

राधारमण राय अनु. : अमर गोस्वामी पृ. 58 रु. 9.00

नोबेल पुरस्कार प्राप्त मदर टेरिजा ने परोपकार को ही अपने जीवन का लक्ष्य बना लिया था। दीन-दुखियों की सेवा में उन्होंने अपना पूरा जीवन लगाया। एक प्रेरक जीवनी।

ISBN 81-237-3124-8

31. महान योगी श्री अरविंद

मनोज दास अनु. : शंकर लाल पुरोहित पृ. 52 रु. 9.00

देश की आजादी के लिए लड़ते योद्धा अरविंद शीघ्र ही अध्यात्म की ओर चले गए और योद्धा से योगी वन गए। श्री अरविंद का जीवन हमें सदैव प्रेरणा देता रहेगा।

ISBN 81-237-3062-4

32. महिलाओं के कानूनी अधिकार

सुषमा मेढ़ पृ. 72 रु. 16.00

महिलाओं के साथ भेदभाव और अत्याचार कोई नई बात नहीं है लेकिन अब इसके विरुद्ध वे आवाज उठाने लगी हैं। दरअसल, वे अपना अधिकार जानने-समझने लगी हैं। महिलाओं को अपने कानूनी अधिकारों के बारे में अधिक से अधिक जानकारी हो, इसके लिए निरंतर प्रयत्न भी हो रहे हैं। यह पुस्तक इसी प्रयत्न की एक कड़ी है।

ISBN 81-237-3915-X

33. यातायात के नियम

एल.सी. महाजन पृ. 28 रु. 9.00

नगरों-महानगरों में बढ़ती आवादी एवं विभिन्न प्रकार के वाहनों की बहुतायत की वजह से यातायात की समस्या पैदा हो गई है। इससे बचने के लिए यात्रियों को यातायात के नियमों को जानना बेहद आवश्यक है। इन्हीं नियमों की जानकारी देती एक उपयोगी पुस्तक।

ISBN 81-237-3665-7

34. रवि कहानी

अमिताभ चौधुरी अनु. : अमर गोस्वामी पृ. 86 रु. 12.00

राष्ट्रगान 'जन गण मन...' के रचयिता रवींद्रनाथ टैगोर कवि होने के साथ-साथ राजनीतिक चेतना से संपन्न एक देशभक्त इंसान भी थे। उन्हीं की जीवनी है यह पुस्तक।

ISBN 81-237-3061-6

35. रस्सी

तकषि शिवशंकर पिल्लै अनु. : रति सक्सेना

संक्षि. : पी. वेणु गोपालन् पृ. 156 , रु. 25.00

लगान व्यवस्था और जनजागृति के महत्वपूर्ण पहलुओं से परिचय कराता है यह उपन्यास।

ISBN 81-237-2873-5

36. रामजी जाग उठा

दि.बा. मोकाशी अनु. : लीला बांदिवडेकर पृ. 32 रु. 9.00

इस पुस्तक में जीवन की नश्वरता को दर्शाते हुए यह संदेश दिया गया है कि मनुष्य को अपने कर्म से विरत नहीं होना चाहिए।

ISBN 81-237-331-5

37. राजा राममोहन राय

विजित कुमार दत्त अनु. : सूर्यनाथ सिंह पृ. 72 रु. 13.00

आधुनिक भारत के महान समाज सुधारक थे राजा राममोहन राय। सती प्रथा की समाप्ति के लिए उन्होंने अथक प्रयास किए थे। पश्चिम के अच्छे विचारों को अपनाने से उन्हें परहेज नहीं था। एक प्रेरक पुस्तक।

ISBN 81-237-3126-4

38. लोकतंत्र

डेविड बीथम, केविन बॉयले अनु. : देसराज गोयल पृ. 28 रु. 7.00

इस पुस्तक में लोकतंत्र से संबंधित कुछ आवश्यक प्रश्नों का समाधान प्रस्तुत किया गया है।

ISBN 81-237-2153-6

39. विज्ञान और भारत

प्रभाकर लवकरे अनु. : जीवितराम सेतपाल पृ. 84 रु. 14.00

हमारा देश परंपरा से ज्ञान-विज्ञान के मामले में पर्याप्त समृद्ध रहा है लेकिन आजादी के बाद से देश में विज्ञान का तीव्र गति से विकास हुआ। यह भी एक सच्चाई है कि देश का भविष्य अगर बनना है तो वह विज्ञान की बदौलत ही बनेगा। इन्हीं सब बातों का विवेचन किया गया है इस पुस्तक में।

ISBN 81-237-4037-6

40. वैतरणी

वासिरेड्डी सीता देवी अनु. : आर. शांता सुंदरी पृ. 96 रु. 15.00

तेलुगु से हिंदी में अनूदित यह उपन्यास लड़की की मनौती से लेकर उसके जीवन के इर्द-गिर्द सामाजिक सरोकारों को समेटता है।

ISBN 81-237-2928-6

41. व्यक्तिगत स्वच्छता

किरण परमार पृ. 32 रु. 9.00

अपनी देह और अपने परिवेश की साफ-सफाई रखना मनुष्य मात्र का स्वाभाविक आचरण है। ऐसा करना जरूरी भी है वरना हम कई प्रकार की बीमारियों के शिकार हो सकते हैं। इस पुस्तक में व्यक्तिगत स्वच्छता की आवश्यकता की जानकारी दी गई है।

ISBN 81-237-3798-X

42. व्यसन से छुटकारा

शारदा कुमारी पृ. 28 रु. 9.00

व्यसन यानी लत कैसी भी हो, बुरी होती है–खासकर नशे की लत। विभिन्न नशीले पदार्थों की जानकारी के साथ-साथ नशों से छुटकारा पाने के उपाय भी इस पुस्तक में बताए गए हैं।

ISBN 81-237-3614-2

43. शहरों में रोजगार की तलाश

दिनेश तिवारी पृ. 20 रु. 7.00

गांवों-कसबों से शहरों-महानगरों में आए लोगों को रोजगार पाने के बारे में जानकारी दी गई है इस पुस्तक में।

ISBN 81-237-3602-9

44. सफल उद्यमी की कहानी

सरला शर्मा पृ. 24 रु. 8.00

उत्तर प्रदेश के एक छोटे-से कसबे में पैदा हुई साजिदा बेगम ने कैसे अपनी हिम्मत, लगन और अनवरत श्रम से न सिर्फ अपने परिवार की परवरिश की, बल्कि बस्ती की अन्य महिलाओं के जीवन में भी रोशनी भर दी, इसकी साहस भरी गाथा है इस पुस्तक में।

ISBN 81-237-3683-5

45. समता के समर्थक आंबेडकर

वसंत मून अनु. : लछमन हर्दवाणी पृ. 112 रु. 18.00

आंबेडकर का सारा जीवन समानता की प्राप्ति के लिए संघर्ष करते बीता। वे अपने संघर्ष में बहुत हद तक सफल रहे। उनके जीवन के विभिन्न पक्षों की जानकारी देती एक उपयोगी पुस्तक।

ISBN 81-237-3444-1

46. समूह माध्यम

एस. दिवाकर अनु. : डी.एन. श्रीनाथ पृ. 64 रु. 11.00

आज का युग सूचना का युग है। सूचना माध्यम के अतीत, वर्तमान और भविष्य की जानकारियां देती एक महत्वपूर्ण पुस्तक।

ISBN 81-237-3134-5

47. सरकारी सेवाओं का उपयोग

अनिल गोयल पृ. 32 रु. 8.00

देश की राजधानी-नगर होने के कारण दिल्ली की समस्याएं बहुत अधिक तथा व्यापक हैं। इसके समाधानस्वरूप यहां सरकारी सेवाओं का जाल भी बहुत विस्तृत है। आम नागरिक सरकारी सेवाओं का लाभ किस तरह उठा सकता है इन्हीं सब बातों की जानकारी इस पुस्तक में दी गई है। ISBN 81-237-3918-4

48. सिलाई मशीन और उसकी देखभाल

जी.के. साहनी पृ. 36 रु. 10.00

गांव हो या शहर, किसी भी सामान्य परिवार में अक्सर सिलाई मशीन पाई जाती है। लेकिन सिलाई मशीन को सही ढंग से चलाने और उसके उचित रखरखाव के बारे में लोगों को समुचित जानकारी नहीं होती। इन्हीं जानकारियों से भरी एक उपयोगी पुस्तक है यह।

ISBN 81-237-3696-7

49. स्वराज पार्टी

सलिल मिश्रा पृ. 64 रु. 10.00

स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान बनी स्वराज पार्टी के कार्यों की रोचक प्रस्तुति।

ISBN 81-237-2163-3

50. स्वतंत्रता आंदोलन के गीत

देवेश चन्द्र पृ. 70 रु. 12.00

स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान आजादी के दीवानों द्वारा गाए जाने वाले गीतों को इस पुस्तक में संकलित किया गया है। ये गीत आज भी हममें स्वदेश और आत्मगौरव की भावना जगाते हैं। ISBN 81-237-3563-4

51. स्वतंत्रता संग्राम का वसंत

नारायण देसाई अनु. : सविता गौड़ पृ. 76 रु. 13.00

सन् 1917 से 1931 तक का समय भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन का महत्वपूर्ण समय था। इस अवधि के सत्याग्रहों एवं अन्य संबंधित घटनाओं का विवरण इस पुस्तक में दिया गया है। ISBN 81-237-3534-0

52. स्वामी विवेकानंद

अनिर्वाण राय अनु. : विलास गिते पृ. 64 रु. 13.00

विदेशों में भारतीय संस्कृति से परिचय कराने में स्वामी विवेकानंद की असाधारण भूमिका को सरल भाषा में प्रस्तुत किया गया है। ISBN 81-237-3035-7

53. हमारी आजादी की कहानी

बिपन चन्द्र अनु. : सलिल मिश्रा पृ. 52 रु. 10.00

किस प्रकार हमें अंग्रेजी शासन के चंगुल से मुक्ति मिली? पुस्तक सरल भाषा में हमें उस वक्त का अहसास कराती है। ISBN 81-237-2552-4

54. हमारी नदियां

जे. मंगलराज जान्सन अनु. : एच. बालसुब्रह्मण्यम पृ. 60 रु. 12.00

प्रस्तुत पुस्तक में देश की 15 चुनी हुई नदियों के बारे में उपयोगी एवं सूचनापरक जानकारी दी गई है। ISBN 81-237-3407-7

55. हमारा हस्तशिल्प

एम.वी. नारायण राव अनु. : डी.एन. श्रीनाथ पृ. 72 रु. 15.00

एक विशाल सांस्कृतिक विविधता वाले हमारे देश भारत में हस्तशिल्प के क्षेत्र में पर्याप्त विविधताएं हैं। हर राज्य की अपनी अलग-अलग हस्तशिल्पीय विशेषताएं हैं। विभिन्न हस्तशिल्पों की जानकारी इस पुस्तक में दी गई है।

ISBN 81-237-4174-X

56. हमारा स्वास्थ्य संशोधित संस्करण

शाम अष्टेकर अनु. : कालिंदी देशपांडे पृ. 92 रु. 18.00

'जान है तो जहान है' ऐसा ठीक ही कहा गया है। स्वास्थ्य के विभिन्न पक्षों– स्वास्थ्य रक्षा के उपाय, स्वास्थ्य सेवाएं आदि के बारे में उपयोगी जानकारी दी गई है इस पुस्तक में। ISBN 81-237-3557-3

57. हमारे ऐतिहासिक स्मारक

तनवीर अहमद अलवी अनु. : इज़हार अहमद नदीम पृ. 68 रु. 12.00

इतिहास के विभिन्न समयों में देश में विभिन्न राजाओं ने अनेक स्मारक बनवाए, जो हमारे लिए आज भी अमूल्य धरोहर की तरह हैं। ऐसे ही कुछ स्मारकों के बारे में जानकारी दी गई है इस पुस्तक में। ISBN 81-237-3434-4

58. हमारे त्योहार

खालिद अशरफ़ अनु. : इज़हार अहमद नदीम पृ. 84 रु. 13.00

भारत को त्योहारों का देश कहा जाता है। विभिन्न धर्मों के विभिन्न पर्व-त्योहार अपने-अपने रीति-रिवाजों के साथ मनाए जाते हैं। ऐसे ही कुछ प्रमुख त्योहारों की जानकारी दी गई है इस पुस्तक में। ISBN 81-237-2911-1

59. हमारे प्रसिद्ध तीर्थस्थान

इलपावुलूरि पांडुरंगा राव अनु. : पोलि विजयराघव रेड्डी पृ. 80 रु. 12.0(

हमारा देश त्योहारों के साथ-साथ तीर्थों का भी देश कहा जाता है। देश में विभिन्न धर्म के कितने ही पवित्र तीर्थ स्थान हैं। उन्हीं तीर्थों की जानकारी देती एक उपयोगी पुस्तक

ISBN 81-237-2977-4

60. 'हिंद छोड़ो' आंदोलन

चंद्रकांत महेता अनु. : प्रणव भारती पृ. 56 रु. 9.00

सन् 1942 में गांधी जी ने 'हिंद छोड़ो' का नारा दिया था और कुछ ही वर्षों में हमारा देश आजाद हो गया। इस काल की घटनाओं का विवरण देती एक उपयोगी पुस्तक।

ISBN 81-237-2153-6

एशिया-प्रशांत सहप्रकाशन कार्यक्रम

1. अंतिम टिकट एवं अन्य कहानियां

एसीसीयू प्रकाशन अनु. : मनोरमा दीवान शीघ्र प्रकाश्य

प्रस्तुत पुस्तक में एशिया-प्रशांत क्षेत्र के दस देशों की दस कहानियां संकलित हैं जो युवाओं को विशेष रूप से पठनीय लगेंगी।

2. आओ, हंसें एक साथ (संकलन)

एसीसीयू प्रकाशन अनु. : मोहिनी राव पृ. 172 रु. 30.00

18 देशों के सहयोग से तैयार 53 हास्य-कथाओं, 54 पहेलियों और 23 कहावतों का रोचक संकलन।

ISBN 81-237-2012-2

3. आधुनिक एशियाई कहानियां (संकलन) संशोधित संस्करण

एसीसीयू प्रकाशन अनु. : बी.एन.गोयल पृ. 138 रु. 30.00

बाल पाठकों के लिए विभिन्न एशियाई देशों की 14 प्रमुख कहानियों का संग्रह, जिसे एशियाई सांस्कृतिक केंद्र, यूनेस्को के सहयोग से प्रकाशित किया गया है।

ISBN 978-81-237-0932-1

4. दीवार एवं अन्य कहानियां

एसीसीयू प्रकाशन अनु. : मनोरमा दीवान पृ. 144 रु. 30.00

प्रस्तुत पुस्तक में एशिया-प्रशांत क्षेत्र के दस देशों की दस कहानियां संकलित हैं जो युवाओं को बेहद पसंद आएंगी।

ISBN 978-81-237-5599-1

5. नाटकों के देश में (संकलन)

एसीसीयू प्रकाशन अनु. : मस्तराम कपूर पृ. 228 रु. 60.00

इस पुस्तक में एशिया और प्रशांत क्षेत्र के 14 देशों के चुनिंदा बाल नाटकों का प्रकाशन किया गया है। इसमें नाटकों के मंचन हेतु वेशभूषा और मंच-सज्जा संबंधी अन्य आवश्यक तकनीकी निर्देश भी दिए गए हैं। ISBN 81-237-0993-5

6. पेड़ (एक पर्यावरण पुस्तक) (संकलन)

एसीसीयू प्रकाशन अनु. : अरविन्द गुप्ता पृ. 66 रु. 21.00

किशोर पाठकों के लिए एशिया और प्रशांत क्षेत्रों के पेड़ों पर एक प्रामाणिक पुस्तक। सभी पेड़ों के रंगीन चित्र। पुस्तक की सामग्री 18 सदस्य देशों द्वारा तैयार की गई है। पर्यावरण के महत्व पर एक आवश्यक प्रकाशन। ISBN 81-237-1981-8

7. बताओ, मैं क्या कर रहा हूं?

एसीसीयू प्रकाशन अनु. : मंजुला माथुर पृ. 34 रु. 50.00

विभिन्न देशों के बारे में जानकारी देने वाली सचित्र पुस्तक। चित्रों द्वारा पठन के प्रति लगाव उत्पन्न करने का प्रयास भी किया गया है। ISBN 81-237-0223-X

नेहरू बाल पुस्तकालय

आयु वर्ग : स्कूल पूर्व

1. आधे गोल चक्कर

बदरी नारायण पृ. 16 रु. 14.00

छोटे बच्चों को आधे गोल चक्करों की पहचान कराने वाली सचित्र पुस्तिका।

ISBN 978-81-237-1115-8

2. आम की कहानी

देबाशीष देब पृ. 16 रु. 12.00

चित्रों के माध्यम से नन्हे-मुन्नों के लिए कही गई एक रोचक कथा।

ISBN 978-81-237-0229-9

3. गुब्बारा

दत्तात्रय पाडेकर पृ. 16 रु. 11.00

गुब्बारे के द्वारा उड़ान भरने वाले एक बालक की साहसिक कहानी। रंगारंग चित्रों सहित।

ISBN 978-81-237-1793-8

4. घर और घर (संकलन)

पृ. 16 रु. 11.00

भारत द्वारा जर्मन जनवादी गणतंत्र के सहयोग से प्रकाशित पुस्तक। तरह-तरह के घरों के इंद्रधनुषी चित्र।

ISBN 978-81-237-0919-2

5. चिड़ियाघर की सैर

सनत सुरती

पृ. 16 रु. 12.00

नन्हे बच्चों को चिड़ियाघर के बारे में जानकारी देने वाली सचित्र पुस्तिका।

ISBN 978-81-237-1808-8

6. दिवाली

रवी परांजपे

पृ. 16 रु. 12.00

दीपमाला के आकर्षक रंगीन चित्रों से सज्जित यह पुस्तक बच्चों को मनमोहक लगेगी।

ISBN 978-81-237-0424-1

7. बाजार की सैर

मंजुला पद्मनाभन

पृ. 16 रु. 11.00

इस पुस्तक में देश के विभिन्न क्षेत्रों के बाजारों की रौनक को बहुरंगे चित्रों द्वारा दर्शाया गया है।

ISBN 978-81-237-1804-X

8. बारात

मिकी पटेल

पृ. 16 रु. 12.00

चित्रों के माध्यम से गिनती सिखाने वाली सुंदर पुस्तक।

ISBN 978-81-237-1803-9

9. रंगबिरंगा राजस्थान

शरदिंदु सेन राय

पृ. 16 रु. 12.00

राजस्थान के बहादुर रणबांकुरे जवानों, दुर्भेद्य किलों, मनोरम स्थलों और जनजीवन की अनुपम झांकी, रंगारंग चित्रों में।

ISBN 978-81-237-0916-1

10. रंगों का त्योहार

मधु पावले

पृ. 16 रु. 11.00

इस पुस्तक के माध्यम से छोटे बच्चों को मूल और मिश्रित रंगों का परिचय रंगीन चित्रों के द्वारा कराया गया है।

ISBN 978-81-237-2833-6

आयु वर्ग : 6-8 वर्ष

11. अक्खन की आँख

सैयर असद अली पृ. 16 रु. 15.00

यह कहानी टीपू उसके चाचा और दुष्ट अक्खन की है। टीपू शरारती बच्चा है और अक्खन एक दुष्ट आदमी, जो हर किसी को तंग करने के लिए नित नए-नए तरीके खोजा करता था। बहुत ही दिलचस्प कहानी है यह। ISBN 978-81-237-5566-3

12. आजाद करो

आशीष सेन गुप्ता अनु. : सुबीर शुक्ला पृ. 16 रु. 12.00

खूबसूरत चित्रों के साथ इस पुस्तक में मनु का पशु-प्रेम प्रकट होता है।

ISBN 978-81-237-0802-1

13. आमवाली चिड़िया

दीपा अग्रवाल अनु. : कमाल अहमद पृ. 16 रु. 15.00

रसीले आम और लालची व्यक्ति के प्रसंगों पर आधारित एक आकर्षक कहानी।

14. आनंदी का इंद्रधनुष

अनूप राय अनु. : पृथ्वीराज मोंगा पृ. 16 रु. 19.00

छोटे बच्चों का मनोरंजन करती एक अलग तरह की कहानी।

ISBN 978-81-237-4268-7

15. इनकी दुनिया

अरबिंदो कुंडू पृ. 16 रु. 11.00

विभिन्न जंगली जानवरों के स्केच और उनके बारे में सादे सरल शब्दों में जानकारी का संकलन। ISBN 978-81-237-2332-7

16. इंद्रधनुष

उषा जोशी पृ. 24 रु. 15.00

रंगबिरंगे सात रंगों से सराबोर इंद्रधनुष और उसके रंगों की कहानी—मजेदार सरल भाषा में। रंगीन चित्रों से सज्जित। ISBN 978-81-237-0330-9

17. उदास मछली की कहानी

अमरेंद्र चक्रवर्ती अनु. : ब्रतीन दे पृ. 16 रु. 17.00

मूल बांग्ला बालकथा का अनुवाद। मार्मिक कहानी।

ISBN 978-81-237-5322-5

18. एक दिन

जगदीश जोशी अनु. : पृथ्वीराज मोंगा पृ. 32 रु. 25.00

सुंदर चित्रों वाली इस पुस्तक में एक लड़के के कारनामों का चित्रण है।

ISBN 978-81-237-2798-4

19. कहानी एक तितली की

अंजन सरकार अनु. : पृथ्वीराज मोंगा पृ. 16 रु. 19.00

तितली के जीवन की रोचक कहानी। ISBN 978-81-237-2633-5

20. कितनी प्यारी है यह दुनिया

जयंती मनोकरण अनु. : मोहिनी राव पृ. 16 रु. 11.00

हमारी धरती, हवा, पानी, सूरज, मौसम, सब कुछ प्यारा है। यही बताया गया है इस पुस्तक में। ISBN 978-81-237-0381-7

21. कौवे की कहानी

युद्धजीत सेनगुप्ता पृ. 16 रु. 11.00

प्रस्तुत पुस्तक में रंगबिरंगे चित्रों के जरिए, कौवे के दैनिक क्रियाकलापों को बताया गया है। ISBN 978-81-237-0241-4

22. क्या सही ? क्या गलत ?

सिगरुन श्रीवास्तव अनु. : रमेश बक्षी पृ. 16 रु. 11.00

यह नटखट मिन्नी और मिक्की की कहानी है, जिन्हें अक्सर नई-नई शरारतें सूझती हैं।

ISBN 978-81-237-1805-5

23. खेल खेल में भारत देखो

विकी आर्य पृ. 28 रु. 15.00

भारत के विभिन्न राज्यों आदि की जानकारी देती रोचक पुस्तक।

ISBN 978-81-237-0326-0

24. खोजो-पहचानो

जगदीश जोशी पृ. 16 रु. 11.00

रेखाचित्रों में छिपे जंगली जीव-जंतुओं आदि को खोज निकालने के लिए दिमागी कसरत कराती छोटे बच्चों के लिए मनोरंजक पुस्तक। ISBN 978-81-237-1710-4

25. चुनमुन आजाद है

कमलेश मोहिन्द्रा पृ. 16 रु. 12.00

छोटे बच्चों के लिए एक मनोरंजक तथा प्रेरणादायक कहानी।

ISBN 978-81-237-2689-9

26. छोटे पौधे : बड़े पौधे

क.स. सेखाराम पृ. 32 रु. 18.00

पौधों और उनके उपयोग के विषय में नन्हे-मुन्नों के लिए सचित्र पुस्तक।

ISBN 978-81-237-0940-6

27. छोटा सा मोटा सा लोटा

सुबीर शुक्ला पृ. 16 रु. 15.00

लय, ताल से भरपूर छोटे बच्चों के लिए रंगारंग पुस्तक। ISBN 978-81-237-3166-3

28. जब आये पहिए

अनूप राय अनु. : दीपक कुमार गुप्ता पृ. 16 रु. 15.00

पहियों के आविष्कार की कहानी–सरल शब्दों में। नन्हे-मुन्नों के लिए उपयोगी।

ISBN 978-81-237-4154-5

29. जंगल में धारियां

गीतिका जैन अनु. : जया पांडे पृ. 16 रु. 15.00

छोटे बच्चों को परोक्ष रूप से पर्यावरण की शिक्षा देने वाली पुस्तक, जिसमें बाघ अपनी कहानी सुनाता है। ISBN 978-81-237-3493-4

30. जैसी हूं मैं अच्छी हूं

गीतिका गोयल पृ. 16 रु. 15.00

किसी को भी दूसरे की देखा-देखी अपनी हालत पर दुखी नहीं होना चाहिए। उसे, जो वह है, उसी पर संतोष करना चाहिए। इसी महत्वपूर्ण संदेश को परोक्ष रूप से देती है यह पुस्तक। सुंदर चित्रांकन। ISBN 978-81-237-5378-2

31. टिलटिल का साहस

स्वप्ना दत्ता अनु. : मोहिनी राव पृ. 16 रु. 14.00

कछुए के नवजात बच्चों की रोचक कहानी के माध्यम से नन्हे बाल पाठकों को कछुए के जीवन की जानकारी दी गई है। मनोरंजक एवं जानकारीपूर्ण कहानी।

ISBN 978-81-237-2212-2

32. तितली का बचपन

युद्धाजीत सनगुप्ता अनु. : ब्रतीन दे पृ. 16 रु. 15.00

तितली के जीवन की कहानी। अत्यंत रोचक। सुंदर चित्रांकन।

ISBN 978-81-237-5221-1

33. तुम्पा और गौरैया

स्वप्नमय चक्रवर्ती अनु. : कमाल अहमद पृ. 16 रु. 15.00

सुंदर चित्रांकन के साथ बच्चों के सूझ-बूझ को प्रदर्शित करती कहानी।

ISBN 978-81-237-5534-2

34. दुष्ट कौआ

संजीव ठाकर पृ. 20 रु. 20.00

चिड़िया के अंडे खाने के लालच में कौआ चोंच ही जला बैठा। रोचक कहानी।

ISBN 978-81-237-4806-1

35. दोस्त

प्रचेता गुप्ता अनु. : कमाल अहमद पृ. 16 रु. 18.00

आकर्षक चित्रों से सुसज्जित शिक्षाप्रद कहानी। ISBN 978-81-237-5524-3

36. नन्हा पौधा

ज़मर जलील पृ. 16 रु. 15.00

सुरक्षित पर्यावरण का नन्हा-सा संदेश देती एक नन्ही-सी पुस्तक। सुंदर चित्रांकन।

ISBN 978-81-237-4718-7

37. नन्ही खो गयी

कमल कांत कोनेर पृ. 16 रु. 13.00

एक नन्ही चींटी मां का कहना न मानकर सैर पर निकल पड़ती है। उसके द्वारा झेली गई मुसीबतों और यात्रा में प्राप्त नए-नए अनुभवों की छोटी सी बाल कहानी। स्वयं लेखक द्वारा आकर्षक चित्रांकन। ISBN 978-81-237-4643-1

38. नन्हे सिंह ने दहाड़ना सीखा

इंदू राणा अनु. : पृथ्वीराज मोंगा पृ. 16 रु. 19.00

सिंह अपने छोटे से शावक को दहाड़ना सिखाना चाहता था। पर जब मुसीबत आई तो शावक स्वयं दहाड़ उठा। ISBN 978-81-237-2249-9

39. नौ नन्हे पक्षी

एन.टी. राजीव अनु. : पृथ्वीराज मोंगा पृ. 16 रु. 19.00

एक जंगली मुर्गा नौ अंडों को सेता रहा। जब बच्चे थोड़े बड़े हुए और मां के साथ पहली उड़ान पर गए तो अजीब चमत्कार हुआ। वह चमत्कार बच्चों का खूब मनोरंजन करेगा।

ISBN 978-81-237-4089-1

40. पशु-पक्षी का नाम बताएं

निरंजन घोषाल पृ. 16 रु. 11.00

पशु-पक्षियों के आकार-प्रकार की सही जानकारी देने वाली सचित्र रंगारंग पुस्तक।

ISBN 978-81-237-0925-0

41. पहेली

जगदीश जोशी पृ. 24 रु. 25.00

नन्ही चिड़िया ने सूरज के रहस्य जानने के लिए बहुत मेहनत की। आखिर उसकी मेहनत सफल रही। सुंदर कहानी। सुंदर चित्रांकन।

ISBN 978-81-237-4930-3

42. पानी ही पानी

रवी परांजपे पृ. 16 रु. 11.00

पानी से संबंधित रंगीन चित्रों वाली मनोरंजक तथा ज्ञानवर्धक पुस्तक।

ISBN 978-81-237-2629-5

43. पूंछ

हाइड्रोसे आलुवा पृ. 24 रु. 15.00

पूंछ वाले जीव-जंतुओं के जीवन में पूंछ की उपयोगिता को दिखाती हुई एक जरूरी एवं ज्ञानवर्द्धक पुस्तक।

ISBN 978-81-237-1708-1

44. पेड़

मार्टी अनु. : देवशंकर नवीन पृ. 26 रु. 14.00

रंगबिरंगे चित्रों से सुसज्जित प्रस्तुत पुस्तक में पेड़ों की दैनिक जीवन में उपयोगिता पर प्रकाश डाला गया है।

ISBN 978-81-237-0567-5

45. फू-कू

जगदीश जोशी पृ. 24 रु. 19.00

दूर किसी ग्रह से आया प्राणी इस बात को देखकर बहुत दुखी होता है कि यहां के लोग गोला-बारूद से लड़ते हैं। नन्हे दिलों को सोचने पर मजबूर करने वाली पुस्तक।

ISBN 978-81-237-5113-9

46. फूल और मैं

मनोरमा जफ़ा पृ. 24 रु. 17.00

विभिन्न मनमोहक फूलों के बारे में सचित्र इंद्रधनुषी पुस्तक।

ISBN 978-81-237-2002-9

47. फूल और मधुमक्खी

अशोक दावर पृ. 24 रु. 19.00

एक मधुमक्खी के फूल में बंद हो जाने की मजेदार कहानी।

ISBN 978-81-237-2328-X

48. बड़ा मूर्ख कौन

श्रीकृष्ण कुमार त्रिवेदी पृ. 16 रु. 14.00

अफ्रीकी लोककथाओं पर आधारित तीन मनोरंजक कहानियां।

ISBN 978-81-237-3506-5

49. बालगीतम्

शशिपाल शर्मा 'बालमित्र' पृ. 28 रु. 13.00

संस्कृत की वाल कविताओं का संग्रह–हिंदी अनुवाद सहित।

ISBN 978-81-237-2729-1

50. बस की सैर

वल्लीकानन अनु. : बालकराम नागर पृ. 32 रु. 20.00

वल्ली नामक एक छोटी बालिका के द्वारा की गई बस की सैर का सरल भाषा में रोचक विवरण। रंगीन चित्रों सहित।

ISBN 978-81-237-0382-4

51. भोर भई

रमेश थानवी पृ. 24 रु. 25.00

भोर अथवा प्रातः के समय जो जो दृश्य दिखाई देते हैं, उन्हीं की शब्दों एवं चित्रों के माध्यम से सुंदर प्रस्तुति।

ISBN 978-81-237-3949-6

52. मन का पंछी

बिमलेन्द्र चक्रवर्ती अनु. : कमाल अहमद पृ. 16 रु. 15.00

प्रकृति और मानव के उन्मुक्त संबंधों को प्रदर्शित करती मनोरंजक कहानी।

ISBN 978-81-237-5508-3

53. मेंढक और सांप

गणेश हालूई अनु. : सुबीर शुक्ला पृ. 16 रु. 12.00

सांप द्वारा मेंढक को खाने की कहानी रंगबिरंगे चित्रों के साथ। ISBN 81-237-0858-0

54. मेरी बहन नेहा

मधु बी. जोशी पृ. 16 रु. 12.00

छोटे बच्चों के लिए कोमल भावनाओं की एक सुंदर रचना। चित्रांकन भी अति सुंदर।

ISBN 978-81-237-2662-7

55. रविवार है कितना अच्छा

अनूप राय अनु. : पृथ्वीराज मोंगा पृ. 20 रु. 19.00

बच्चों को केवल रविवार ही अच्छा लगता था। लेकिन बाद में उसकी समझ में आ जाता है कि हर दिन अच्छा होता है। ISBN 978-81-237-4855-9

56. रेलगाड़ी चले छुक-छुक

मृणाल मित्रा पृ. 16 रु. 12.00

रेलगाड़ी की सचित्र, मनोहारी यात्रा का वर्णन। ISBN 81-237-1810-1

57. रंगबिरंगी दुनिया

युद्धजीत सेनगुप्ता अनु. : पृथ्वीराज मोंगा पृ. 12 रु. 12.00

नन्हे-मुन्ने बच्चों के लिए गतिविधि पुस्तक। उन्हें मजा तो आएगा ही, साथ ही उनकी जानकारी भी बढ़ेगी। ISBN 978-81-237-2632-8

58. लाल पतंग और लालू

आशीष सेनगुप्ता अनु. : सुबीर शुक्ला पृ. 16 रु. 12.00

पुस्तक रोचक चित्रों से भरपूर है। पतंग को पा लेने की अभिलाषा का वर्णन भी अद्‌भुत है। ISBN 978-81-237-0860-2

59. सिंह और कांटाचूहा

जे.बी. शर्मा अनु. : पृथ्वीराज मोंगा पृ. 16 रु. 15.00

कभी किसी को बेकार नहीं समझना–इसे जब सिंह ने अनुभव किया तो उसने जल्दी से अपनी गलती को सुधार लिया। ISBN 978-81-237-4768-2

60. सूरज और शशी

वर्षा दास पृ. 16 रु. 13.00

सूरज और चंदा के रिश्ते पर आधारित एक सुंदर और मनमोहक कहानी। सुंदर चित्रांकन। ISBN 978-81-237-2985-5

61. शेरा और मिट्ठू

मनोरमा जफ़ा पृ. 16 रु. 9.00

एक बालक के साथ एक कुत्ते की दोस्ती पर आधारित भावना-प्रधान कहानी। ISBN 978-81-237-2178-1

62. शोर मचा जंगल में

जगदीश जोशी पृ. 16 रु. 11.00

जंगल की कहानी, चित्रों की ज़ुबानी। ISBN 978-81-237-1807-1

63. हमारा प्यारा मोर

रमेश बक्षी पृ. 16 रु. 12.00

राष्ट्रीय पक्षी मोर के बारे में सचित्र रोचक पुस्तक। सुंदर चित्रांकन।

ISBN 978-81-237-0511-8

64. हक्का-बक्का

प्रयाग शुक्ल पृ. 16 रु. 20.00

छोटी आयु के बच्चों के लिए सुंदर कविताओं का संकलन।

ISBN 978-81-237-0935-2

65. हाथी और कुत्ता

बदरी नारायण पृ. 16 रु. 11.00

नन्हें-मुन्नों के लिए सचित्र पुस्तक।

ISBN 978-81-237-0923-1

66. हाथी और भंवरे की दोस्ती

टी. आर. राजेश पृ. 16 रु. 20.00

छोटे बच्चों के लिए रंगारंग चित्रों से सजी इस पुस्तक में एक भंवरे और हाथी की दोस्ती को दर्शाया गया है।

ISBN 978-81-237-3498-8

आयु वर्ग : 9-11 वर्ष

67. ईदगाह

प्रेमचंद पृ. 32 रु. 14.00

ईद के मेले में दूसरे बच्चों ने तरह-तरह के खिलौने खरीदे, पर गरीब हमीद ने लोहे का चिमटा खरीदा। आगे क्या होता है? पढ़िए हिंदी के महान कथाकार मुंशी प्रेमचंद की इस पुस्तक में।

ISBN 978-81-237-0384-8

68. अद्‌भुत साहस

अभिलाष वर्मा पृ. 24 रु. 19.00

बच्चों के अद्‌भुत साहस ने रहस्य पर से पर्दा तो उठाया ही, साथ ही एक व्यक्ति के अंधेरे जीवन में प्रकाश भर दिया।

ISBN 978-81-237-4286-9

69. अनोखी छुट्टियां

अनुराधा भसीन जामवाल अनु. पृथ्वीराज मोंगा पृ. 24 रु. 15.00

ऊब से भरी छुट्टियों का सदुपयोग करके कुछ बच्चों ने बेसहारा वृद्धों की जिंदगी में किस प्रकार खुशियां बिखेरीं; उसका जीवंत चित्रण इस कथा में है।

ISBN 978-81-237-4190-1

70. अनोखा रिश्ता

पुष्पा सक्सेना पृ. 16 रु. 15.00

पर्यावरण के बारे में जानकारी देती एक मनोरंजक कहानी।

ISBN 978-81-237-4271-1

71. अप्पू की कहानी

नवकृष्ण महन्त अनु. : विनोद रिंगानिया पृ. 236 रु. 30.00

हाथी के एक नन्हे बच्चे की कहानी, जिसे एक लड़का बड़े प्यार से पालता है। एक दिन जब वही बच्चा दूर देश में जाने लगता है तो लड़का और नन्हा हाथी, दोनों अपने आंसू नहीं रोक पाते। प्यारी कहानी। ISBN 81-237-4436-6

72. एक रात जंगल में

क्षमा शर्मा पृ. 16 रु. 15.00

एक लड़के और मां हथिनी के बीच बने स्नेह के रिश्ते की मार्मिक कहानी।

ISBN 978-81-237-4787-3

73. एक समय एक गांव में

मदन अनु. : रमेश बक्षी पृ. 16 रु. 15.00

भारत के गांवों की जिंदगी, रोचक भाषा में रंगीन चित्रों सहित।

ISBN 978-81-237-0918-5

74. एक था पंकज

मिथिलेश्वर पृ. 24 रु. 20.00

एक ऐसे अनाथ बच्चे की कहानी जो अपनी ईमानदारी और हिम्मत के बल पर समाज में सम्मानजनक स्थिति प्राप्त करता है। चित्रांकन भी सुंदर।

ISBN 978-81-237-4630-2

75. कजरी गाय झूले पर

जुज्जा और वाइज़लैंडर अनु. : अरविन्द गुप्ता पृ. 24 रु. 25.00

एक अलग तरह की गाय की रोचक कहानी। ISBN 978-81-237-1696-1

76. कहानी एक बुढ़िया की

मार्गरेट भट्टी अनु. : रमेश बक्षी पृ. 32 रु. 20.00

एक बूढ़े आदमी और बुढ़िया की कहानी। पूरे बारह दिनों के सफर पर जाने की तैयारी और सफर के बाद में मजेदार घटनाओं का रोचक विवरण, रंगारंग चित्रों के साथ।

ISBN 978-81-237-0926-0

77. काबुलीवाला

रवींद्रनाथ ठाकुर अनु. : रणजीत साहा पृ. 20 रु. 19.00

बांग्ला के महान लेखक रवींद्रनाथ ठाकुर की अमर रचना।

ISBN 978-81-237-4848-4

78. कोई खास बात

गीतिका जैन अनु. : भावना पंकज पृ. 16 रु. 13.00

जंगल की सैर करते हुए बच्चों द्वारा लिये गए अनुभव काफी सूचनाप्रद हैं।

ISBN 978-81-237-2948-0

79. कोयल का सितार

अशोक चक्रधर पृ. 24 रु. 25.00

कोयल द्वारा काफी परिश्रम और कई लोगों की मदद से सितार बनाने की कहानी कविता में।

ISBN 978-81-237-0733-4

80. खोये का गुड्डा

अवनीन्द्र नाथ ठाकुर अनु. : सूर्यनाथ सिंह पृ. 52 रु. 30.00

लोककथा शैली में लिखी गई इस कथा में एक बंदर की मदद से बड़ी रानी अपना खोया हुआ मान-सम्मान प्राप्त करती है।

ISBN 978-81-237-2116-3

81. खिलौनेवाली

शंकर सुल्तानपुरी पृ. 16 रु. 15.00

बचपन में मिले स्नेह को एक लड़का कभी नहीं भूल पाया और एक दिन सैनिक के रूप में जा पहुंचा उसी खिलौनेवाली के दरवाजे पर।

ISBN 978-81-237-4315-8

82. खुली छतवाला घर

तनुका भौमिक एन्डो अनु. : श्रीकांत खरे पृ. 36 रु. 30.00

बच्चों के माध्यम से एक बड़े टैरेस वाला घर जीवंत हो उठा है। कबूतर इस कहानी को महत्वपूर्ण मोड़ देते हैं।

ISBN 978-81-237-5281-5

83. गली मोहल्लों के कुछ खेल

मुल्कराज आनंद अनु. : रमेश बक्षी पृ. 32 रु. 20.00

भारतीय गली-मोहल्लों में बच्चों द्वारा खेले जाने वाले कुछ खेलों की मनोरंजक जानकारी।

ISBN 978-81-237-0337-4

84. गिजुभाई का गुलदस्ता (10 पुस्तकों का सेट)

अनुवाद, चित्रांकन और प्रस्तुति : आबिद सुरती

इस सेट में दस पुस्तकें हैं, प्रत्येक में 10-10 कहानियां हैं। प्रख्यात शिक्षाविद् गिजुभाई बधेका ने इन कहानियों को भारतीय लोक संस्कृति के खजाने में से बच्चों के लिए तलाशा और सजाया था। गिजुभाई कहते थे कि यदि आपको बच्चों से प्यार का रिश्ता जोड़ना है तो उसकी नींव कहानी सुनाने से डाली जा सकती है। पूरे सेट में बहुरंगी चित्रों के साथ सौ कहानियां हैं और इस सेट को रु. 300 में खरीदा जा सकता है। ये पुस्तकें अलग-अलग भी खरीदी जा सकती हैं।

रंग बिरंगी मुरगी	रु. 35 पृ. 35	ISBN 978-81-237-4786-1
चूहा सात मूंछों वाला	रु. 35 पृ. 36	ISBN 978-81-237-4942-6
आंखों देखी	रु. 40 पृ. 44	ISBN 978-81-237-5043-9
नकल बिन अकल	रु. 40 पृ. 44	ISBN 978-81-237-5150-4
अमवा भैया नीमवा भैया	रु. 40 पृ. 40	ISBN 978-81-237-5198-6
चबर-चबर	रु. 35 पृ. 40	ISBN 978-81-237-4841-8
बर्फीली बूंद	रु. 35 पृ. 42	ISBN 978-81-237-5025-5
मुनिया रानी	रु. 30 पृ. 30	ISBN 978-81-237-5136-8
बेदम बेदुमा	रु. 40 पृ. 40	ISBN 978-81-237-5196-2
चोर मचाए शोर	रु. 40 पृ. 44	ISBN 978-81-237-5206-8

85. गुलाबो चुहिया और गुब्बारे

कुदसिया ज़ैदी अनु. : एस.ए.रहमान पृ. 24 रु. 15.00

गांव के बाहर एक पेड़ के नीचे मिठाइयां और खिलौने बेचने वाली चुहिया की मजेदार कहानी। सुंदर चित्रांकन। ISBN 978-81-237-1709-8

86. घर वापसी

रवीन्द्रनाथ ठाकुर अनु. : रणजीत साहा पृ. 16 रु. 15.00

13 वर्षीय एक शरारती लड़के की मन को छू जाने वाली कहानी।

ISBN 978-81-237-5496-3

87. घायल कौए की कहानी

रामेश बेदी पृ. 24 रु. 9.00

एक नन्हे से घायल कौए की सच्ची कहानी, जो घर में बिल्कुल पालतू जीव की तरह रहता है। ISBN 978-81-237-3514-6

88. चतुर कौन

गीता आयंगर अनु. : प्रवीण शर्मा पृ. 36 रु. 18.00

पुस्तक में नौजवान गणपति की कहानी है जो अपनी किस्म का निराली तबीयत का है शेर से दोस्ती का बेवाक चित्रण रंगीन चित्रों के साथ प्रस्तुत।

ISBN 978-81-237-1021-6

89. चमकदार गुफा

अरूप कुमार दत्ता अनु. : प्रयाग शुक्ल पृ. 32 रु. 20.00

भाई-बहन की रोमांचक खोज का सरल और रोचक वर्णन, जो देखते ही बनता है। बच्चों में आत्मविश्वास का संचार करने वाली बाल रचना।

ISBN 978-81-237-2096-8

90. चालाक किसान और चार ठग

सोमा कौशिक पृ. 24 रु. 25.00

लोक-कथा शैली में अत्यंत रोचक कहानी। रंगीन चित्रों सहित।

ISBN 978-81-237-4117-0

91. चिड़ियाघर में

रस्किन बांड अनु. : मस्तराम कपूर पृ. 64 रु. 13.00

चिड़ियाघर में आमतौर पर पाए जाने वाले पशु-पक्षियों के बारे में रोचक शब्द-चित्र प्रस्तुत करने वाली पुस्तक। प्रसिद्ध छायाकार रघुराय के जीवंत छायाचित्रों से सज्जित।

ISBN 978-81-237-2064-5

92. चीनू, मीनू और गोगो

मनोरमा जफ़ा पृ. 12 रु. 30.00

बच्चों के एक विशेष वर्ग सहित सामान्य बाल पाठकों के लिए विशिष्ट पुस्तक।

ISBN 978-81-237-3890-1

93. छुपा रुस्तम

मेलानी सेक्वेरा अनु. : पृथ्वीराज मोंगा पृ. 24 रु. 10.00

एक काले बिलाव और नन्ही चुहिया की कहानी, जो बच्चों को कभी हंसाएगी तो कभी आश्चर्य में डाल देगी।

ISBN 978-81-237-1757-1

94. छोटी चींटी काम बड़ा

पुलक विश्वास पृ. 16 रु. 14.00

रंगीन चित्रों के माध्यम से एक लड्डू के टुकड़े को लेकर दो चींटियों के संघर्ष की कहानी।

ISBN 978-81-237-1809-5

95. छोटी सी एक लहर

सुमन चंदावरकर पृ. 32 रु. 16.00

एक छोटी-सी लड़की की एक नन्ही लहर से गहरी दोस्ती की अनूठी सचित्र कहानी।

ISBN 978-81-237-1792-X

96. जंगल के दोस्त

बिमलेन्द्र चक्रवर्ती अनु. : कमाल अहमद पृ. 16 रु. 15.00

जंगल को बनाए और बचाए रखने की प्रेरणा देती एक महत्वपूर्ण कहानी।

ISBN 978-81-237-5509-0

97. जंगल में एक तालाब

उमा आनंद अनु. : रमेश बक्षी पृ. 32 रु. 17.00

जंगली जीव-जंतुओं को पात्र बनाकर बच्चों में उत्सुकता जगाने वाली कथा। आकर्षक रंगीन चित्रों वाली महत्वपूर्ण पुस्तक।

ISBN 978-81-237-0404-6

98. जादूगर

विशाखा पृ. 32 रु. 12.00

बच्चों को लुभाने वाले जादूगर द्वारा किए गए गुदगुदाने वाले कारनामों की कहानी।

ISBN 978-81-237-2329-6

99. जिस दिन नदी बोली थी

कमला नायर पृ. 36 रु. 16.00

मछुआरा परिवार की नन्ही सी लड़की की कहानी जो स्कूल जाना चाहती है। सुंदर चित्रांकन।

ISBN 978-81-237-2322-8

100. जूडी और लक्ष्मी

नाओमी मिशियन अनु. : तारा बागड़देव पृ. 106 रु. 25.00

यह कहानी है एक विदेशी लड़की जूडी की, जो लक्ष्मी के साथ पढ़ती है। जूडी देश के स्वतंत्रता दिवस, दिवाली, पोंगल जैसे त्योहारों में भाग लेती है। वह आधुनिक भारत की बाढ़ जैसी समस्या का सामना भी करती है। यह देश की संस्कृति, ग्रामीण जीवन और संस्कारों के बारे में एक विदेशी लड़की द्वारा लिखी गई एक डायरी है।

ISBN 978-81-237-5658-5

101. जीलानी बानो की बाल कहानियां

पृ. 24 रु. 25.00

उर्दू की प्रख्यात लेखिका की सरस बाल कहानियां। ISBN 978-81-237-5155-9

102. झांसी की रानी की कहानी

संध्या राव अनु. : पंकज चतुर्वेदी पृ. 16 रु. 11.00

रानी लक्ष्मीबाई के जीवन की प्रेरणादायक कहानी जो बच्चों के मन में रोमांच भर देगी।

ISBN 81-237-3745-0

103. टॉम और शरारती कौवी

तनुका भौमिक एन्डो अनु. : पृथ्वीराज मोंगा पृ. 16 रु. 15.00

टॉम कुत्ता शरारती कौवी को सबक सिखाना चाहता था, लेकिन उसके अंडों को देखकर उसे अपना इरादा बदलना पड़ा।।

ISBN 978-81-237-3139-1

104. टीपू सुल्तान की कहानी

संध्या राव अनु. : मीनू गुप्ता पृ. 16 रु. 12.00

टीपू सुल्तान के जीवन की प्रामाणिक जानकारी देती पुस्तक।

ISBN 978-81-237-3144-2

105. ड्रेगन सुनामी

हेमा पांडे पृ. 72 रु. 65.00

इस पुस्तक में जापान की 10 प्रसिद्ध लोककथाओं को बच्चों के लिए प्रस्तुत किया गया है।

ISBN 978-81-237-5423-9

106. तपस्या

सीतेश आलोक पृ. 16 रु. 15.00

किसी भी काम को मन लगाकर करना ही तपस्या है–इसी बात को बुनी गयी एक सुंदर रचना।

ISBN 978-81-237-4919-8

107. तानसेन

अशोक दावर पृ. 40 रु. 20.00

संगील सम्राट तानसेन की रोचक जीवन-गाथा। चित्रों से पूर्णतया सुसज्जित।

ISBN 81-237-2062-0

108. तिली तितली

रमेश बक्षी पृ. 32 रु. 20.00

तिली नामक तितली और तीतल नाम की एक वालिका की रोचक कहानी।

ISBN 978-81-237--0335-0

109. तीन मछलियां

विनीता कृष्णा पृ. 12 रु. 120.00

बच्चों के एक विशेष वर्ग सहित सामान्य बाल पाठकों के लिए एक विशिष्ट पुस्तक।

ISBN 978-81-237-3955-9

110. दादी ने की बुनाई

उरी ओरलेव अनु. : प्रयाग शुक्ल पृ. 40 रु. 16.00

एक फंतासी पर आधारित यह बाल कविता अत्यंत मनोरंजक है।

ISBN 81-237-3502-2

111. दुमदार कहानी

एस.सी.गेब्रियल अनु. : रमेश बक्षी पृ. 32 रु. 11.00

एक चूहे की कहानी जो अपनी दुम कट जाने पर उसे दोबारा पाने के लिए आसमान सिर पर उठा लेता है।

ISBN 978-81-237-1791-1

112. धारीदार बाघ का नाच

दिलीप कुमार बरुवा अनु. : बिपिन कुमार पृ. 24 रु. 20.00

असम में परम्परा से चले आ रहे खरगोश के शिकार का इतना सुंदर और रोचक वर्णन कि बच्चे एक बार शुरू करके पूरी कहानी को पढ़कर ही छोड़ेंगे। सुंदर चित्रांकन।

ISBN 978-81-237-4528-1

113. नटखट लड़की मामू

नीहार चौधुरी अनु. : पापोरी गोस्वामी पृ. 38 रु. 14.00

दो बहनों की कहानी, जिसमें छोटी बहन के व्यवहार में आया बदलाव देखते ही बनता है।

ISBN 978-81-237-1837-3

114. नीम बाबा

ए. आई. फारूकी पृ. 24 रु. 20.00

नीम के वृक्ष के बारे में पूर्ण जानकारी। बड़े ही रोचक ढंग से प्रस्तुत।

ISBN 978-81-237-5371-3

115. नोना और बारिश

प्रिया नागराजन अनु. : कमाल अहमद पृ. 24 रु. 20.00

सूरज और वर्षा की जरूरत को बताती प्रेरणास्पद कहानी।

ISBN 978-81-237-5507-6

116. प्यारा दोस्त

दीपक कुमार कलिता अनु. : सूर्यनाथ सिंह पृ. 28 रु. 25.00

दोस्ती की मिसाल दर्शाती सुन्दर और मार्मिक कहानी। ISBN 978-81-237-5098-9

117. पक्की दोस्ती

ऐंड्रीला मित्रा अनु. : पृथ्वीराज मोंगा पृ. 16 रु. 19.00

दोस्ती की एक मिसाल के बारे में बच्चों के लिए सुन्दर पुस्तक।

ISBN 978-81-237-4242-8

118. पगला आम

आ. ना. पेडणेकर अनु. : शरयु आ. पेडणेकर पृ. 32 रु. 10.00

एक ही स्थान पर खड़े अलसा रहे आम के पौधे की मनोरंजक कहानी जो यह देखना चाहता है कि दुनिया कैसी है। इंद्रधनुषी चित्रों सहित। ISBN 81-237-1802-1

119. पप्पू की परेशानी

शशीप्रभा दास अनु. : पापोरी गोस्वामी पृ. 48 रु. 15.00

इस पुस्तक में ध्वनि-प्रदूषण से परेशान पप्पू की व्यथा-कथा कही गई है।

ISBN 978-81-237-3140-X

120. परियों का खेल

स्वप्ना दत्ता अनु. : पृथ्वीराज मोंगा पृ. 26 रु. 10.00

सूर्य की परियों का अजीब खेल। खेल ही खेल में वे कैसे मुसीबत में पड़ीं, इसकी रोचक कथा है इस लोककथा सरीखी सुंदर कहानी में। अति सुंदर चित्रांकन।

ISBN 978-81-237-0581-6

121. फिर क्या हुआ

ज्ञानेश्वर अनु. : पद्मा सचदेव पृ. 52 रु. 40.00

इस कहानी में मुख्य पात्र बंदर और मनुष्य दोनों हं। पर्यावरण को हो चुकी क्षति की भरपाई कर उसे मूल रूप में लौटा लाने का संदेश देती पुस्तक। अत्यंत रोचक।

ISBN 978-81-237-5042-2

122. बन-बन गैंडे की कहानी

शक्तिरूपा पराशर अनु. : राघव आलोक, तारानंद वियोगी पृ. 40 रु. 35.00

पूर्वोत्तर की पृष्ठभूमि : बाढ़ में बहकर आया एक नन्हा गैंडा। एक मार्मिक कहानी।

ISBN 978-81-237-4857-3

123. बबूल का भूत

गुरदयाल सिंह पृ. 32 रु. 25.00

पंजाबी के सुप्रसिद्ध लेखक द्वारा अपने बचपन की एक शरारत का रोचक वर्णन–कहानी के रूप में। ISBN 978-81-237-5370-6

124. बरसात कब होगी

कामाक्षी बालसुब्रह्मण्यन अनु. : रमेश बक्षी पृ. 24 रु. 12.00

बरसात न होने पर किसान के मन में होने वाली उथल-पुथल की रोचक कहानी, रंगीन चित्रों सहित। ISBN 978-81-237-2325-3

125. बिरजू की मुसीबत

सोमा कौशिक पृ. 20 रु. 17.00

बातों को भूल जाने वाले एक लड़के के बार-बार मुसीबत में पड़ने की मनोरंजक कहानी। सुंदर चित्रांकन। ISBN 978-81-237-4484-6

126. बिरजू और उड़ने वाला घोड़ा

दीपा अग्रवाल अनु. : मोहिनी राव पृ. 16 रु. 12.00

लोककथा की शैली में लिखी गई एक रोचक कहानी। ISBN 978-81-237-2641-4

127. बिल्ली मौसी का परिवार

मनोहर दास चतुर्वेदी पृ. 64 रु. 11.00

प्रस्तुत पुस्तक में बाघ, शेर, सिंह, गुलदार, तेंदुआ, चीता आदि जानवरों के बारे में रोचक और सचित्र जानकारी दी गई है। ISBN 81-237-2834-4

128. बुद्धिमान कछुआ

बरकी इकबाल अहमद अनु. : एस.ए. रहमान पृ. 24 रु. 19.00

एक कछुए के संघर्ष की कहानी अंत में उसे दुष्ट बिल्ली से छुटकारा मिल ही गया।

ISBN 978-81-237-5193-1

129. बुलबुल और मुन्नू

क्षमा शर्मा पृ.28 रु.25.00

क्षमा शर्मा की दो शिक्षाप्रद कहानियों का संकलन। आकर्षक चित्रांकन।

130. भूतू

रातुल शर्मा अनु. : किशन कालजयी पृ. 40 रु. 30.00

बंदर के एक छोटे से बच्चे की मार्मिक कहानी। बंदर के बच्चे को एक लड़का पाल लेता है। आगे का घटनाचक्र अत्यंत रोचक है। चित्रांकन भी अति सुंदर।

ISBN 978-81-237-4540-4

131. भोंदू और भोलू

चंद्रकिरण सोनरेक्सा पृ. 28 रु. 25.00

शिक्षा के महत्व को चुपके से दर्शाती एक सुंदर कहानी। ISBN 978-81-237-5112-2

132. मंगू का लट्टू

कामाक्षी बालसुब्रह्मण्यन अनु. : रमेश बक्षी पृ. 24 रु. 15.00

गरीब बच्चे मंगू ने किस प्रकार एक लट्टू बनाकर तथा रंगकर अपने लिए खिलौना तैयार किया, इसकी रोचक कहानी। ISBN 978-81-237-0415-1

133. महके सारी गली-गली

निरंकार देव सेवक, कृष्ण कुमार (संपा.) पृ. 64 रु. 25.00

बीसवीं सदी की श्रेष्ठ हिंदी बाल-कविताओं का संकलन। ISBN 978-81-237-1732-6

134. मत्स्या

शांता रामेश्वर राव अनु. : रमेश बक्षी पृ. 16 रु. 25.00

एक नन्ही-सी मछली मत्स्या की सचित्र रंगारंग कहानी जो बाद में विराट मत्स्या बनकर मानव जाति की रक्षा करती है। ISBN 81-237-0353-4

135. मीता और उसके जादुई जूते

बी.जी.गुज्जरप्पा अनु. : रमेश बक्षी पृ. 16 रु. 19.00

नन्हे बच्चों के कल्पनाशील संसार की रोचक कहानी, इंद्रधनुषी रंगीन चित्रांकन के साथ।

ISBN 978-81-237-0426-7

136. मुत्थू के सपने

कामाक्षी बालसुब्रह्मण्यन अनु. : रमेश बक्षी पृ. 32 रु. 14.00

मुत्थू द्वारा देखे गए सपने शिक्षा द्वारा किस प्रकार सच हो सकते हैं, इसकी सचित्र कहानी।

ISBN 978-81-237-0416-X

137. मुनिया ने पाया सोना

जगदीश जोशी पृ. 10 रु. 17.00

एक नन्ही चिड़िया के द्वारा चेरी का पौधा उगाने की मनोरम कहानी। सरल भाषा। रंगीन चित्र। ISBN 978-81-237-2327-3

138. मां के समान कौन

केंगसम केंगलम पृ. 32 रु. 30.00

पूर्वोत्तर की इस लोककथा में मां के प्यार का गुणगान किया गया है।

ISBN 81-237-4809-0

139. मैं तुमसे अच्छा हूं
सिगरुन श्रीवास्तव पृ. 24 रु. 14.00
छोटे भाई-बहन की प्यार भरी नोंक-झोंक की कहानी। ISBN 81-237-0944-7

140. मैडम बिलू
मनोरमा जफ़ा पृ. 10 रु. 30.00
बच्चों के लिए एक विशेष वर्ग सहित सामान्य बाल पाठकों के लिए एक विशिष्ट पुस्तक।
ISBN 81-237-3891-9

141. मोर की पूंछ पर आंखें
वायु नायडू अनु. : इरीना गर्ग पृ. 24 रु. 25.00
राजस्थान की एक बालोपयोगी लोककथा। अति सुंदर चित्रांकन।
ISBN 978-81-237-4316-5

142. मोरा
मुल्कराज आनंद अनु. : सविता जाजोदिया पृ. 40 रु. 19.00
एक नटखट हाथी के बच्चे मोरा की कहानी जो कई बार कठिनाइयों में पड़ा, लेकिन उसने तब भी हिम्मत नहीं हारी। ISBN 978-81-237-0365-1

143. मोहिनी और भस्मासुर
शांता रामेश्वर राव अनु. : रमेश बक्षी पृ. 32 रु. 16.00
भस्मासुर राक्षस के आतंक से गांव के लोगों को मोहिनी नामक बालिका ने अपनी सूझ-बूझ से किस तरह मुक्ति दिलाई, इसके बारे में रंगबिरंगे आकर्षक चित्रों सहित रोचक कहानी।
ISBN 978-81-237-0406-2

144. राजा जो कंचे खेलता था
एच.सी. मदन अनु. : दिव्या शुक्ला पृ. 30 रु. 20.00
कंचे खेलने के शौकीन नन्हे-से लड़के की कहानी जिसे पिता के देहांत के बाद राजा बना दिया जाता है। इस कहानी में बड़ों का बालपन में लौटना भी रोचक ढंग से दिखाया गया है। ISBN 978-81-237-2237-5

145. राणा हारा नहीं
किरण तामुली अनु. : उदिता जैन पृ. 32 रु. 30.00
पोलियो के शिकार एक लड़के की हिम्मत की कहानी जो कठिन परिस्थितियों में से गुजरते हुए एक बढ़िया क्रिकेट खिलाड़ी बनता है। मूल असमिया।
ISBN 978-81-237-4571-8

146. रूपा हाथी

मिकी पटेल पृ. 32 रु. 20.00

चिड़ियाघर के रूपा हाथी की रंगबिरंगी सचित्र कहानी, जो एक बार रंगबिरंगा हो गया था। ISBN 81-237-0338-2

147. लाल पतंग

गीता धर्मराजन अनु. : रमेश बक्षी पृ. 24 रु. 8.00

बादलों के साथ हवा में उड़ती रंगबिरंगी पतंगों की मजेदार कहानी। ISBN 81-237-0386-4

148. लाली और काली

विनीता कृष्णा पृ. 12 रु. 100.00

बच्चों के लिए मनोरंजन-प्रधान एक पुस्तक। ISBN 81-237-3954-0

149. लौट आया चंपू

आनंद पाटील अनु. : तिप्पेस्वामी पृ. 40 रु. 30.00

नन्हे से पिल्ले और एक लड़की के आपसी स्नेह की मार्मिक कहानी।

ISBN 978-81-237-4753-8

150. संकट सांप का

रस्किन बांड अनु. : मोहिनी राव पृ. 32 रु. 14.00

अजगर को पालने से उपजे हास्य और रोमांच पर आधारित एक रोचक कहानी। सुंदर चित्रों सहित। ISBN 978-81-237-0179-0

151. सबका साथी सबका दोस्त

उमाशंकर जोशी पृ. 32 रु. 17.00

बच्चों के लिए गांधी जी के जीवन की वे घटनाएं, जो रोचक तो हैं ही, शिक्षाप्रद भी हैं। सुंदर चित्रांकन। ISBN 81-237-0500-X

152. सफेद घोड़ा

अमरेन्द्र चक्रवर्ती अनु. : प्रयाग शुक्ल पृ. 28 रु. 14.00

'लोककथा' शैली में लिखी गई इस कहानी का नायक अनेक मुसीबतों के बाद आखिर अपने देश लौटता है, और वह भी पूरे सम्मान के साथ। इसकी रोचकता देखते ही बनती है। ISBN 978-81-237-1929-0

153. सबसे प्यारा कौन ?

राधा खम्बादकोणे अनु. : पृथ्वीराज मोंगा पृ. 24 रु. 17.00

सरल भाषा में विभिन्न पेड़-पौधों के बारे में सचित्र जानकारी। इसमें सूर्य को सबसे प्यारे लगने वाले पेड़ संबंधी प्रतियोगिता की कथा है। ISBN 81-237-0414-3

154. साहूकार

जयप्रकाश राय अनु. : पृथ्वीराज मोंगा पृ. 16 रु. 7.00

दहेज प्रथा पर एक रोचक लोककथा। ISBN 81-237-2727-5

155. सूरजमुखी और तितलियां

जयंती मनोकरण अनु. : मस्तराम कपूर पृ. 24 रु. 14.00

कंचन की अनोखी कल्पना, सूरजमुखी और तितलियों से गहरी दोस्ती, अनजाने में ही नन्हे पाठकों की जिज्ञासा का विषय बन जाती है। ISBN 81-237-1159-1

156. सोना की कहानी

तारा तिवारी अनु. : मोहिनी राव पृ. 32 रु. 20.00

एक नन्हे ऊंट की रोचक एवं मनोरंजक कहानी। ISBN 978-81-237-2324-5

157. हमने खोजी नई कहानी

विभा देवसरे शीघ्र प्रकाश्य

पृथ्वी के पर्यावरणीय संरक्षण का संदेश देता बाल नाटक। मंचन योग्य एकांकी जानकारी देता है कि धरती के प्राकृतिक संसाधन सीमित हैं और उनका अंधाधुंध इस्तेमाल कई समस्याओं का कारक बन सकता है।

158. हम हिंदुस्तानी

मेहरू जे. वाडिया अनु. : रमेश बक्षी पृ. 24 रु. 14.00

बच्चों में कौमी एकता के भाव और देशप्रेम पैदा करने वाली पुस्तक।

ISBN 81-237-0552-2

159. हमारे जल पक्षी

राजेश्वरप्रसाद नारायण सिंह पृ.56 रु.40.00

इस पुस्तक में पानी में मिलने वाले प्रमुख पक्षियों का परिचय, उनकी विशेषताएं, उनके बारे में प्रचलित लोक मान्यताओं का विवरण आकर्षक चित्रों के साथ प्रस्तुत किया गया है। ISBN 978-81-237-5609-7

160. हवा कहां रहती है

सांथनी गोविंदन अनु. : सुधा भार्गव पृ. 24 रु. 20.00

एक राजकुमार की कहानी, जो पतंग उड़ाने के लिए चाहता है कि हवा तेज चले। लेकिन ऐसा नहीं होता। फिर राजा के हुक्म से हवा के घर की तलाश की जाती है। सुंदर कहानी।

ISBN 978-81-237-0000-X

आयु वर्ग : 12-14 वर्ष

161. अमर ज्योति

गोपीनाथ तलवलकर पृ. 64 रु. 16.00

गुरु नानक, चंडीदास, कबीर, एकनाथ आदि महापुरुषों के संक्षिप्त प्रेरणादायक जीवनचरित।

ISBN 978-81-237-1086-X

162. अमरीकी आदिवासी लोक-कथाएं

उषा आयंगर पृ. 60 रु. 40.00

ये लोक-कथाएं बिल्कुल भारत की लोक-कथाओं की तरह लगती हैं। रोचक, मनोरंजक एवं कहीं-कहीं संदेश। सुंदर संकलन।

ISBN 978-81-237-5438-3

163. अंतरिक्ष का वरदान

मोहन सुंदरराजन अनु. : सुरेश उनियाल पृ. 56 रु. 13.00

अंतरिक्ष के बारे में कौतूहलपूर्ण काल्पनिक कहानी के माध्यम से बच्चों में विज्ञान के प्रति रुचि जागृत करने वाली प्रेरक पुस्तक।

ISBN 81-237-0380-5

164. आज भी खरे हैं तालाब

अनुपम मिश्र पृ. 96 रु. 25.00

कुछ वर्ष पहले गांधी शांति प्रतिष्ठान द्वारा प्रकाशित यह पुस्तक देश में जल संरक्षण के आंदोलन के रूप में चर्चित हुई है। इस पुस्तक का संक्षिप्त संस्करण बच्चों के लिए तैयार किया गया है। इसमें पारंपरिक जल स्रोतों के महत्व व प्रासंगिकता को कथानक शैली में प्रस्तुत किया गया है।

ISBN 81-237-4477-3

165. आओ, नाटक खेलें

उमा आनंद अनु. : बलराज पंडित पृ. 64 रु. 15.00

एक रोचक कहानी जिसमें रंगमंच के संक्षिप्त इतिहास के साथ नाटक व मंचन के सभी पहलुओं का वर्णन किया गया है।

ISBN 81-237-0843-2

166. इतवा मुंडा ने लड़ाई जीती

महाश्वेता देवी अनु. : गोविंद सिंह पृ. 64 रु. 13.00

पढ़ाई के लिए उत्सुक एक आदिवासी बालक इतवा के संघर्ष की रोचक कहानी। इस पुस्तक में मुंडा जनजाति के लोगों के जीवन, उनके रीति-रिवाज और सामाजिक व्यवस्था का सशक्त वर्णन है।

ISBN 81-237-0529-8

167. एक वन्य जन्तु वार्डन के साहसिक कारनामे

ई.आर.सी. दावेदार अनु. : सुरेश उनियाल पृ. 64 रु. 15.00

जंगली जानवरों की जीवन प्रक्रिया एवं साहसिकता की जीवंत प्रस्तुति। इस पुस्तक में जानवरों एवं जंगलों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई है। ISBN 81-237-3543-X

168. एवरेस्ट : मेरी शिखर यात्रा

बचेन्द्री पाल अनु. : बी.एन.गोयल पृ. 64 रु. 15.00

एवरेस्ट पर पहली बार विजय प्राप्त करने वाली महिला बचेन्द्री पाल की संक्षिप्त आत्मकथा। ISBN 81-237-0929-3

169. ऐसे जीव जिन्हें भूला नहीं जा सकता

रस्किन बांड अनु. : देबाशीष देब पृ. 40 रु. 30.00

सच्ची घटनाओं पर लिखी गई ये कहानियां अत्यंत रोचक और मनोरंजक हैं।

ISBN 978-81-237-5414-7

170. कछुए और मगर

इंद्रनील दास तथा *ज़ई* और *रोम व्हिटेकर* अनु. : हरसरन सिंह विश्नोई पृ. 64 रु. 13.00

कछुए और मगरमच्छ के रहस्यमय संसार की जानकारी के लिए यह पुस्तक काफी उपयोगी है। ISBN 81-237-1300-2

171. क्रिकेट

विजय मर्चेंट अनु. : योगराज थानी पृ. 64 रु. 14.00

क्रिकेट के खेल का परिचय तथा खेलने की विधि पर विश्व प्रसिद्ध भारतीय क्रिकेट खिलाड़ी द्वारा एक बालोपयोगी पुस्तक। ISBN 81-237-2318-0

172. कबीर के दोहे

बलदेव वंशी (संक. एवं संपा.) शीघ्र प्रकाश्य

कबीर के दोहों को संकलित कर उनके अर्थ को भी स्पष्ट करती यह एक महत्वपूर्ण पुस्तक है। बच्चों के साथ बड़ी उम्र के पाठक भी पसंद करेंगे।

173. कीटों का अनोखा संसार

हरिन्दर धनौआ मोतिहार अनु. : उमा बंसल पृ. 40 रु. 25.00

विभिन्न प्रकार के कीटों की अनोखी दुनिया का परिचय देती महत्वपूर्ण प्रामाणिक बाल पुस्तक। ISBN 978-81-237-2205-5

174. कोरियाई बाल कविताएं

दिविक रमेश (संक. एवं अनु.) पृ. 40 रु. 35.00

भारतीय बाल पाठकों के लिए कोरियाई बाल कविताओं का संकलन। कविताओं का संकलन और अनुवाद दिविक रमेश ने किया है। ISBN 81-237-3550-2

175. कौन बड़ा कौन छोटा

रेखा जैन पृ. 40 रु. 13.00

शरीर के विभिन्न अंगों ने जब अपने को दूसरे से बेहतर कहा तो पूरा शरीर ही गड़बड़ा गया और उसे अनेक तकलीफों का सामना करना पड़ा। अंत में यह नाटक यही कहता है कि न कोई बड़ा है और न कोई छोटा। सभी अपनी-अपनी जगह पर महत्वपूर्ण हैं।

ISBN 81-237-3032-2

176. खुली छत वाला घर

तनुका भौमिक एन्डो अनु. : श्रीकान्त खरे पृ. 36 रु. 30.00

अत्यंत रोचक कहानी। बच्चों और पालतू कबूतरों के आपसी रिश्तों की गर्माहट इस कहानी में देखी जा सकती है। ISBN 978-81-237-5381-5

177. खेल-खेल में

भारतभूषण अग्रवाल, बिंदु अग्रवाल पृ. 96 रु. 17.00

देश के विभिन्न पहलुओं पर खेल-खेल में जानकारी देती पुस्तक। पहेलियों ने इसे इतना पठनीय और आकर्षक बना दिया है कि बच्चे देखते ही इसे पढ़ना चाहेंगे।

ISBN 81-237-3542-1

178. गोमुख-यात्रा

शीला शर्मा पृ. 64 रु. 11.00

उत्तरकाशी से लेकर गोमुख तक की यात्रा का रोचक एवं सचित्र वर्णन। इतिहास तथा पौराणिक गाथाओं के संक्षिप्त विवरण सहित। ISBN 81-237-0856-4

179. गौतम बुद्ध

लीला जार्ज अनु. : गायत्रीनाथ पंत पृ. 72 रु. 16.00

बौद्ध धर्म के प्रवर्तक गौतम बुद्ध का संक्षिप्त जीवनचरित। रोचक एवं सरल भाषा में।

ISBN 81-237-0430-5

180. चाय की कहानी

अरूप कुमार दत्ता अनु. : एम.एल.गुप्ता पृ. 64 रु. 14.00

भारत के चाय बागानों में चाय की खेती, वहां के पर्यावरण, चाय की खोज, उपयोगिता आदि पर प्रकाश डालने वाली कहानी, रोचक एवं सुबोध भाषा में।

181. चार पौराणिक चरित्र

पं. लक्ष्मीनारायण मिश्र शीघ्र प्रकाश्य

भरत, अभिमन्यु, प्रह्लाद तथा लव-कुश, इन पौराणिक चरित्रों को एकांकी रूप में बेहद दिलचस्प रूप में प्रस्तुत किया गया है।

182. छिपकलियां

इंद्रनील दास, रोमुलस व्हिटेकर अनु. : उमा बंसल पृ. 32 रु. 8.00

संसार में हर जगह पाई जाने वाली छिपकलियों के बारे में विज्ञान-सम्मत जानकारी।

ISBN 81-237-4116-2

183. जैनेन्द्र कुमार की तीन बाल कहानियां

पृ.60 रु.45.00

महत्वपूर्ण साहित्यकार द्वारा लिखी गई बच्चों के लिए ये कहानियां निःसंदेह रोचक हैं और उनमें भाषागत संस्कार भी विकसित करती हैं। ISBN 978-81-237-5610-3

184. जलियांवाला बाग

भीष्म साहनी पृ. 56 रु. 16.00

इस पुस्तक में 13 अप्रैल, 1919 को अमृतसर के जलियांवाला बाग में हुए जघन्य हत्याकांड, जिसमें हजारों निर्दोष लोगों को गोलियों से भून दिया गया था, की हृदयस्पर्शी कहानी है।

ISBN 81-237-0900-5

185. जवाहरलाल नेहरू

तारा अली बेग अनु. : रमेश बक्षी पृ. 64 रु. 18.00

स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की संक्षिप्त जीवनी। रोचक और प्रेरणादायक। छायाचित्रों सहित। ISBN 81-237-0761-4

186. जोड़ासांको वाला घर

लीला मजुमदार अनु. : प्रफुल्लचंद्र ओझा पृ. 72 रु. 15.00

गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टाकुर के बचपन की रोचक घटनाओं का विवरण।

ISBN 81-237-1712-1

187. झंडों की रंगबिरंगी दुनिया

के.वी. सिंह पृ. 90 रु. 30.00

रंगीन ध्वजों के चित्रों से सजाई गई इस पुस्तक में झंडों के इतिहास, उद्देश्य और वर्तमान को सहज रूप से प्रस्तुत किया गया है।

ISBN 81-237-4054-9 (संशोधित संस्करण शीघ्र प्रकाश्य)

188. टूटा पंख और अन्य कहानियां

बैलिंदर धनौआ अनु. : द्रोणवीर कोहली पृ. 40 रु. 13.00

प्रमुख एशियाई देशों की ज्ञानवर्धक, रोचक लोककथाएं।

ISBN 81-237-0347-3

189. टोडा और टाहर

ई.आर.सी.दावेदार अनु. : इंदरराज वैद पृ. 64 रु. 15.00

नीलगिरि पर्वतमाला में पाए जाने वाले जंगली पशु टाहर की मार्मिक कहानी।

ISBN 81-237-0720-7

190. डाक टिकट की कहानी

सत्य प्रसाद चटर्जी अनु. : प्रेमनाथ चतुर्वेदी पृ. 64 रु. 15.00

बच्चों को डाक टिकट संग्रह के बारे में आवश्यक जानकारी देने वाली एक मार्गदर्शक पुस्तक। महत्वपूर्ण डाक टिकटों के रंगीन तथा सादे चित्रों सहित।

ISBN 81-237-1084-4

191. डाक बाबू का पार्सल

द्रोणवीर कोहली पृ. 52 रु. 25.00

प्रकृति का मूल स्वरूप बनाए रखने का संदेश देने वाली एक खूबसूरत कहानी।

ISBN 81-237-0968-4

192. तेरह अनुपम कहानियां (संकलन)

पृ. 152 रु. 65.00

यह भारतीय भाषाओं की तेरह अनुपम कहानियों का संकलन है। इसका चित्रांकन किया है मिकी पटेल ने।

ISBN 978-81-237-0840-9

193. तैयार रहो

उमा आनंद अनु. : पृथ्वीराज मोंगा पृ. 64 रु. 15.00

तीन बहादुर बालचरों की रोचक कहानी, जो पिकनिक मनाने शिमला जाते हैं और गड्ढे में गिरे गड़रिये की मदद करते हैं।

ISBN 81-237-1090-9

194. तृष्णा की सागर यात्रा

कर्नल टी.पी.एस. चौधरी अनु. बृजमोहन गुप्त पृ. 80 रु. 15.00

छोटी-सी नाव पर हजारों किलोमीटर की रोमांचक सागर यात्रा का सचित्र विवरण।

ISBN 81-237-2979-0

195. दीपू गधे के रोमांचक कारनामे

वर्नोन थॉमस अनु. : अमित सिन्हा पृ. 68 रु. 14.00

रशेल मैकबीन की दूरदर्शन पटकथा पर आधारित इस पुस्तक में एक स्वामीभक्त गधे के साहसिक कारनामों का ब्योरा है।

ISBN 81-237-0896-3

196. धरती से सागर तक

विनीता सिंघल पृ. 36 रु. 30.00

पृथ्वी और सागर के विषय में वैज्ञानिक जानकारी देती इस पुस्तक को कहानी के रूप में लिखा गया है। रोचक, मनोरंजक एक जानकारीपूर्ण पुस्तक।

ISBN 81-237-3519-7

197. धान-कथा

रमेश दत्त शर्मा पृ. 64 रु. 16.00

धान के बारे में एक सूचना-प्रधान पुस्तक। ISBN 978-81-237-2076-X

198. नेपाली मेंढक के साहसिक कारनामे

कनक मणि दीक्षित अनु. : शशी जैन पृ. 112 रु. 25.00

भक्तप्रसाद भ्यागुतो काठमांडू का एक नौजवान मेंढक था। इस मेंढक के साहसिक कारनामों के विवरण को पढ़ना बेहद आह्लादकारी और मनोरंजक लगता है।

ISBN 978-81-237-5725-4

199. नया सवेरा

बलदेव सिंह 'बद्दन' शीघ्र प्रकाश्य

बच्चों के लिए एक बड़ी प्यारी-सी कहानी। बच्चे अवश्य पसंद करेंगे।

200. प्यारे पिताजी

भवेन्द्रनाथ सैकिया अनु. : नवारुण वर्मा पृ. 108 रु. 25.00

एक बिगड़े हुए लड़के की कहानी जिसकी वजह से पूरा परिवार हमेशा परेशान रहता है। लेकिन अंत में वह अपने किए पर शर्मिंदा हो उठता है। एक रोचक कहानी।

ISBN 81-237-2551-5

201. पांच कहानियां

मोहिनी राव (संपा.) पृ. 68 रु. 15.00

हिंदी के पांच प्रसिद्ध कथाकारों की पांच बालोपयोगी मनोरंजक कहानियां का सचित्र संकलन। ISBN 81-237-0515-8

202. पक्षी जगत

जमाल आरा पृ. 64 रु. 20.00

भारत में आमतौर पर पाए जाने वाले पक्षियों की मुख्य विशेषताओं की सचित्र जानकारी।

ISBN 81-237-0351-1

203. पानी

राम अनु. : वी.एन.गोयल पृ. 64 रु. 17.00

बच्चों को पानी के बारे में विज्ञान सम्मत जानकारी देने वाली रोचक पुस्तक।

ISBN 81-237-1077-1

204. पुस्तकें जो अमर हैं

मनोज दास अनु. : बालकराम नागर पृ. 64 रु. 15.00

वेद, उपनिषद्, रामायण, महाभारत, पुराण, तिरकुरल, कथासरित्सागर, पंचतंत्र आदि भारतीय ग्रंथों का सरल भाषा में परिचयात्मक वर्णन। ISBN 978-81-237-0028-4

205. पुस्तकों का अनोखा संसार

सेम्युएल इजराइल अनु. : मस्तराम कपूर पृ. 64 रु. 14.00

पुस्तकों के इतिहास मुद्रण एवं उत्पादन के बारे में रोचक तथा सचित्र जानकारी।

206. प्रदूषण

एन. शेषगिरी अनु. : पंचमलाल चित्रकार पृ. 64 रु. 20.00

वर्तमान युग में मशीनीकरण के कारण हो रहे प्रदूषण के भयंकर खतरों के प्रति सजग करने वाली पुस्तक। सरल एवं रोचक भाषा में अनेक चित्रों सहित।

ISBN 978-81-237-2066-1

207. प्रेमचंद

अमृतराय पृ. 64 रु. 12.00

सरल एवं रोचक भाषा में उपन्यास सम्राट प्रेमचंद का संक्षिप्त जीवनचरित।

208. प्रेमचंद की तेरह बाल कहानियां

हरिकृष्ण देवसरे (संक. एवं संपा.) पृ. 148 रु. 35.00

कथा-सम्राट प्रेमचंद की अनेक कहानियां बालोपयोगी भी हैं। इस संकलन में ऐसी तेरह कहानियों को लिया गया है, ताकि आज के बच्चे कल की साहित्यिक रचनाओं का आनंद भी ले सकें। हमें पूरा विश्वास है कि बच्चे इन कहानियों को बार-बार पढ़ना चाहेंगे।

ISBN 81-237-4566-4

209. फिल्म कैसे बनती है

ख्वाजा अहमद अब्बास पृ. 64 रु. 15.00

बच्चों को फिल्म निर्माण के सामान्य एवं तकनीकी पक्षों के बारे में जानकारी देने वाली सचित्र पुस्तक। ISBN 978-81-237-1102-7

210. फैसला और पूर्व की अन्य कथाएं

कथा थैरानी अनु. : अमरजीत सिंह पृ. 44 रु. 35.00

कुछ देशों की लोक-कथाओं का संकलन। रोचक कथाएं। ISBN 978-81-237-5323-2

211. बच्चे जिन्होंने कमाल किया

थंगामणि अनु. : अमर गोस्वामी पृ. 144 रु. 30.00

आज की कुछ सुप्रसिद्ध हस्तियों के बचपन की प्रमुख घटनाओं की कहानी। इन्हीं घटनाओं ने उन्हें कुछ बनने के लिए प्रेरित किया। एक सुंदर और प्रेरणादायक पुस्तक।

ISBN 81-237-4605-X

212. बच्चों की सुभद्रा

चन्द्रा सदायत (संपा.) पृ. 32 रु. 30.00

श्रेष्ठ कवयित्री सुभद्रा कुमारी चौहान की लिखी बालोपयोगी कविताओं का अनूठा संकलन। ISBN 81-237-4858-2

213. बर्फ के आदमी

सूर्यनाथ सिंह पृ. 32 रु. 30.00

विज्ञान-कथा की तर्ज पर लिखी गयी एक रोचक कहानी। सुंदर चित्रांकन।

ISBN 978-81-237-4939-6

214. बड़ा पानी

लीला मजुमदार पृ. 64 रु. 14.00

पहाड़ों के कठिन जीवन, वहां पाए जाने वाले जीव-जंतुओं के बारे में बाल सुलभ मन से उपजे सवालों का अनुभवी बुजुर्ग द्वारा समाधान करने पर आधारित एक रोचक पुस्तक।

ISBN 81-237-2826-6

215. बड़े सयाने-बड़े चालाक

कला थैरानी अनु. : बालकराम नागर पृ. 32 रु. 20.00

भारत की सीमा से सटे पूर्वी देशों में प्रचलित छह ऐसी कहानियों का संकलन, जिसमें जंगली जानवरों के जरिए, छोटे बच्चों को नैतिक शिक्षा दी गई है।

ISBN 978-81-237-0922-2

216. बहुत दिन हुए (भाग-1)

मीठी चोक्सी, पी.एम.जोशी अनु. : शुभा वर्मा पृ. 64 रु. 14.00

मोहनजोदड़ो से हर्ष तक के युग की कहानियां जो सरल तथा मधुर भाषा में लिखी गई हैं।

ISBN 81-237-1092-5

217. बहुत दिन हुए (भाग-2)

मीठी चोक्सी, पी.एम.जोशी अनु. : शुभा वर्मा पृ. 64 रु. 14.00

बौद्ध धर्म से जुड़ी अशोक, कनिष्क, समुद्रगुप्त और हर्ष के काल की कहानियां।

ISBN 81-237-0363-5

218. बैलगाड़ियां और उपग्रह

मोनिशा बॉब अनु. : पंचमलाल चित्रकार पृ. 64 रु. 25.00

भारत में बैलगाड़ियों के युग से वर्तमान तक के विज्ञान और तकनीकी विकास का वर्णन प्रस्तुत पुस्तक में रोचक भाषा में किया गया है।

ISBN 978-81-237-3539-9

219. ब्रह्मांड की यात्रा

जयंत नार्लीकर अनु. : कृष्ण कुमार पृ. 64 रु. 13.00

ब्रह्मांड की संक्षिप्त बालोपयोगी जानकारी। इसमें पृथ्वी सहित सभी ग्रहों, तारों, आकाशगंगा आदि का परिचय दिया गया है।

ISBN 81-237-1494-7

220. बोरी का पुल

सुरेखा पाणंदीकर पृ. 80 रु. 16.00

गोवा की आजादी की लड़ाई पर आधारित एक अत्यंत पठनीय कहानी।

ISBN 978-81-237-3456-5

221. बिजली के खंभों जैसे लोग

सूर्यनाथ सिंह पृ. 84 रु. 70.00

यह एक विज्ञान-गल्प यानी साइंस फिक्शन है। कथानक रोचक व कौतुहलपूर्ण है, जिसमें कल्पना और वैज्ञानिक तथ्य एक साथ चलते हैं।

ISBN 978-81-237-5463-5

222. भारतरत्न पंडित गोविंद बल्लभ पंत

हिमांशु जोशी पृ. 74 रु. 15.00

दुर्लभ छाया-चित्रों से सज्जित राजनीति के एक विशाल व्यक्तित्व की जीवनी। पुस्तक में पंत जी के मानवीय पक्षों को भी बखूबी उभारा गया है। एक संग्रहणीय पुस्तक।

ISBN 81-237-3913-3

223. भारत के यायावर

श्याम सिंह शशि पृ. 64 रु. 20.00

भारत के यायावरों अथवा खानाबदोशों के इतिहास, जीवन, खान-पान आदि की प्रामाणिक जानकारी। ISBN 978-81-237-5370-6

224. भारतीय त्योहार (संकलन)

पृ. 92 रु. 30.00

भारत में प्रतिवर्ष मनाए जाने वाले कुछ महत्वपूर्ण रंगारंग त्योहारों की जानकारी देने वाला एक रोचक संकलन। मनोरम छायाचित्रों सहित। ISBN 978-81-237-3592-4

225. भारत के बहादुर नवजवान

सिगरुन श्रीवास्तव अनु. : हरिकृष्ण देवसरे पृ. 64 रु. 13.00

इस पुस्तक में उन बच्चों के साहस की छह सच्ची कहानियां हैं जिन्हें बहादुरी का राष्ट्रीय पुरस्कार मिल चुका है। ISBN 81-237-0510-7

226. भारत ने आजादी कैसे जीती?

कृष्ण चैतन्य अनु. : मोहिनी राव पृ. 36 रु. 25.00

अंग्रेजों द्वारा भारत में आकर शासन करने, स्वतंत्रता संग्राम और आजादी प्राप्त करने की कहानी इस पुस्तक में है। ISBN 81-237-2090-4

227. भारत में विदेशी यात्री

के.सी.खन्ना अनु. : मस्तराम कपूर पृ. 64 रु. 14.00

भारत में आने वाले विदेशी पर्यटक, हुएनत्सांग, मेगास्थनीज और अल-बिरूनी द्वारा भारत का आंखों देखा वर्णन। ISBN 81-237-4022-0

228. भारतीय संगीत की परंपरा

मंजरी जोशी पृ. 84 सजि. : रु. 60.00; अजि. रु. 25.00

भारतीय संगीत के विभिन्न घरानों, संगीतज्ञों, वाद्यों आदि पर प्रकाश डालती एक ज्ञानवर्धक पुस्तक।

ISBN 81-237-3986-0 तथा; 81-237-3985-0

229. भीमभाई की कमीज

छोटुभाई जे.भट्ट अनु.: वर्षा दास शीघ्र प्रकाश्य

गुजराती से किया गया हिंदी में अनुवाद मौलिकता का आभास देता है। एक बहुत ही सुंदर कविता जो हमें सामाजिक होने का स्पष्ट संकेत भी करती है।

230. भूकंप और जंगल की आग

रस्किन बांड अनु. : ऋषिकांत चतुर्वेदी पृ. 54 रु. 11.00

भूकंप आने पर होने वाली तबाही, भूकंप के समय नागरिकों द्वारा किए जाने वाले उपाय और जंगल में आग लगने पर वहां मचती भगदड़ की घटना को इस पुस्तक में रोचक ढंग से दर्शाया गया है। ISBN 81-237-0879-3

231. भोलू और गोलू

पंकज बिष्ट पृ. 80 रु. 20.00

रिंगमास्टर के कोड़े की मार से डरकर सर्कस में तरह-तरह के करतब दिखाने वाले एक नन्हे भालू की मार्मिक कहानी। ISBN 81-237-0936-6

232. मंत्र-तंत्र

हजारीप्रसाद द्विवेदी पृ. 32 रु. 18.00

आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी द्वारा रचित बाल कथाओं से कम ही लोग परिचित हैं। इस पुस्तक में द्विवेदी जी की पांच बालोपयोगी रोचक कहानियां हैं. जो पंचतंत्र, हितोपदेश आदि की कहानियों की याद दिलाती हं। ISBN 978-81-237-0624-5

233. मेहनत की कमाई का सुख

दर्शन सिंह आशट पृ. 16 रु. 15.00

यह कहानी एक ईमानदार किसान मंगू की है. जिसे राजा का हार खेत में गिरा हुआ मिल जाता है। फिर भी मंगू उसे छुपाता नहीं बल्कि राजा को दे आता है और ईनाम पाता है।

ISBN 978-81-237-5573-1

234. मदर टेरेसा

लीला मजुमदार, बच्ची करकरिया अनु. : नरेन्द्र सिन्हा पृ. 64 रु. 14.00

एक ऐसी कल्याणकारी मां की कहानी जिसने दुनिया में हर कहीं दीन-दुखियों, अनाथों एवं अपंगों, सभी को मां का प्यार दिया। ISBN 978-81-237-0928-4

235. महाभारत

के. कुटुंब राव अनु. : हेमलता आंजनेयलु पृ. 64 रु. 14.00

भारत के महान ग्रंथ महाभारत की संक्षिप्त कथा का सरस एवं सुबोध शैली में वर्णन।

ISBN 81-237-0865-3

236. महाराजा रणजीत सिंह

प्रीतम सिंह अनु. : रमेश बक्षी पृ. 64 रु. 13.00

पंजाब के प्रसिद्ध इतिहास पुरुष महाराजा रणजीत सिंह का जीवन वृत्तांत। सरल एवं रोचक भाषा शैली में। ISBN 81-237-0334-1

237. मेरी चुंबकीय उत्तरी ध्रुव यात्रा

प्रीति सेनगुप्ता अनु. : बृजमोहन गुप्त पृ. 56 रु. 12.00

लेखिका द्वारा की गई चुंबकीय उत्तरी ध्रुव यात्रा का रोमांचपूर्ण वर्णन। मनोरंजन के साथ ही महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करना इस पुस्तक की विशेषता है।

ISBN 81-237-2109-9

238. युग-युग की कहानियां

शांता रंगाचारी अनु. : मोहिनी राव पृ. 64 रु. 14.00

पुराणों की प्रचलित कहानियां। आकर्षक तथा नए ढंग से प्रस्तुत।

ISBN 81-237-0017-2

239. रक्त की कहानी

रेखा अग्रवाल, यतीश अग्रवाल पृ. 56 रु. 17.00

मानव शरीर में रक्त का कार्य, उसकी संरचना, रक्त समूह, रक्त चढ़ना, रक्तदान एवं रक्त से संबंधित बीमारियों के बारे में ज्ञानवर्धक सचित्र जानकारी।

ISBN 81-237-0329-5

240. रस्टी के कारनामे

रस्किन बांड अनु. : द्रोणवीर कोहली पृ. 96 रु. 25.00

इस पुस्तक में रस्टी के अद्भुत कारनामों से जुड़ी दो कहानियां हैं जो पाठकों को बहुत पसंद आएंगी।

ISBN 978-81-237-1421-9

241. राजकुमार और मूंगों का सागर

दाइसाकू इकेदा अनु. : राजी सेठ पृ. 56 रु. 40.00

एक विदेशी लोककथा जो अत्यधिक मनोरंजक होने के साथ ही मार्मिक भी है। अत्यंत सुंदर बहुरंगे चित्र।

ISBN 978-81-237-3659-4

242. राम कथा

हंसा मेहता अनु. : तालेवर गिरि पृ. 64 रु. 14.00

वाल्मीकि रामायण पर आधारित राम की कथा जो वैसे तो हर आयु एवं वर्ग के लोगों के लिए महत्व रखती है, लेकिन आज के बच्चों के लिए इसका विशेष महत्व है।

ISBN 81-237-0509-3

243. रामू और रोबोट

अरुण सेदवाल पृ. 32 रु. 25.00

विज्ञान-कथा के रूप में लिखी गई यह कहानी मनोरंजन के साथ जानकारी भी देती है।

ISBN 978-81-237-5439-0

244. रेडक्रास की कहानी

कृष्ण सत्यानंद अनु. : मोहिनी राव पृ. 64 रु. 16.00

रेडक्रास की प्रामाणिक जानकारी देती हुई एक महत्वपूर्ण पुस्तक, जिसमें प्रसंगवश आने वाले करीब-करीब सभी महत्वपूर्ण व्यक्तियों के बारे में यथासंभव जानकारी दी गई है।

ISBN 978-81-237-0186-8

245. रोहंत और नंदिय

कृष्ण चैतन्य अनु. : मोहिनी राव पृ. 64 रु. 17.00

जातकों में से ली गई काले हिरन, रोहंत तथा बंदर नंदिय की बुद्धिमत्ता, सद्व्यवहार तथा नम्रता की कहानियां।

ISBN 978-81-237-0504-0

246. वन्य जीवन

जित राय अनु. : द्रोणवीर कोहली पृ. 64 रु. 15.00

बच्चों के लिए वन के पशु-पक्षियों तथा पेड़-पौधों के बारे में रोचक एवं सचित्र जानकारी।

ISBN 978-81-237-2003-6

247. विश्व को बदल देने वाले आविष्कार (भाग-1)

मीर नजाबत अली अनु. : हरसरन सिंह विश्नोई पृ. 64 रु. 14.00

विज्ञान के नए-नए आविष्कारों की जानकारी देने वाली रोचक एवं ज्ञानवर्धक पुस्तक।

ISBN 978-81-237-2323-5

248. विश्व को बदल देने वाले आविष्कार (भाग-2)

मीर नजाबत अली अनु. : हरसरन सिंह विश्नोई पृ. 64 रु. 14.00

विज्ञान के नए-नए आविष्कारों की जानकारी देने वाली रोचक एवं ज्ञानवर्धक पुस्तक।

ISBN 978-81-237-0363-3

249. वीरों की कहानियां

राजेंद्र अवस्थी पृ. 64 रु. 16.00

ऐसे वीर बालकों की कथाएं जो हमारे धार्मिक ग्रंथों से संबंधित हैं। एक संग्रहणीय पुस्तक।

ISBN 81-237-0367-8

250. वृक्षों का संसार

रस्किन बांड अनु. : शीला शर्मा पृ. 52 रु. 40.00

आमतौर पर भारत में पाए जाने वाले वृक्षों, उन पर बसेरा करने वाले पक्षियों तथा उनसे संबंधित अन्य जानकारी सुंदर चित्रांकन। (संशोधित संस्करण शीघ्र प्रकाश्य)

ISBN 81-237-1822-5

251. स्वामी और उसके दोस्त

आर.के.नारायण अनु. : मस्तराम कपूर पृ. 168 रु. 40.00

पुस्तक में दक्षिण भारत के काल्पनिक शहर मालगुड़ी के दस वर्षीय स्वामीनाथन के जीवन की रोचक कड़ियां बिल्कुल सहज भाषा में प्रस्तुत हैं। ISBN 81-237-1288-X

252. स्वर्ग की सैर

लीलावती भागवत पृ. 64 रु. 14.00

भारत के विभिन्न क्षेत्रों में प्रचलित सुरुचिपूर्ण लोककथाओं का संग्रह।

ISBN 81-237-1076-3

253. स्वराज्य की कहानी (भाग-1)

विष्णु प्रभाकर पृ. 64 रु. 14.00

स्वाधीनता संग्राम के दौरान वर्ष 1857 से लेकर 1910 तक अंग्रेजों की गुलामी से मुक्त होने के लिए किए गए आंदोलनों एवं संघर्षों की रोमांचक कहानी। चित्रों सहित।

ISBN 978-81-237-2063-7

254. स्वराज्य की कहानी (भाग-2)

सुमंगल प्रकाश पृ. 64 रु. 15.00

सन् 1919 में जलियांवाला बाग की दिल दहला देने वाली घटना से लेकर 15 अगस्त 1947 तक भारत को आजाद कराने के आंदोलनों और अमर शहीदों की प्रेरक कहानी।

ISBN 978-81-237-2069-2

255. संदूक में दुल्हन तथा अन्य कहानियां

मनोज दास अनु. : मनोरमा दीवान पृ. 96 रु. 25.00

शिक्षाप्रद और उपदेशपरक होने के साथ-साथ बेहद रुचिकर एवं आनंददायी दस कहानियों का संकलन। साथ ही चित्र इसे और भी पठनीय बनाते हैं।

ISBN 978-81-237-5499-4

256. समाचारपत्रों की कहानी

चंचल सरकार अनु. : नरेंद्र सिन्हा पृ. 64 रु. 12.00

समाचारपत्रों के इतिहास की संक्षिप्त जानकारी एवं इसके विकास में अहम् भूमिका निभाने वाले व्यक्तियों की सूचना। एक ज्ञानवर्धक पुस्तक। ISBN 81-237-2187-0

257. सरस कहानियां

मनोज दास अनु. : बालकराम नागर पृ. 64 रु. 14.00

सरस तथा रोचक भाषा में प्रचलित परंपरागत कहानियां का संग्रह।

ISBN 81-237-0931-5

258. सहेली

सुरेखा पाणंदीकर पृ. 56 रु. 35.00

राजस्थान की पृष्ठभूमि पर आधारित एक लड़की और उसकी सहेली ऊंटनी की कहानी। लड़की की बहादुरी देखते ही बनती है। ISBN 81-237-4788-8

259. सांप और हम

जई, रोम व्हिटेकर अनु. : हनुमान सिंह पंवार पृ. 64 रु. 13.00

सांपों पर एक प्रामाणिक पुस्तक। इनके विविध प्रकार, रंग, चाल-ढाल और रहस्यपूर्ण आदतों पर प्रस्तुत पुस्तक में रोचक एवं सरल भाषा में प्रकाश डाला गया है।

ISBN 81-237-1356-8

260. सुब्रह्मण्यम भारती

रा.अ. पद्मनाभन पृ. 64 रु. 8.00

प्रसिद्ध तमिल कवि की रोचक जीवन गाथा। ISBN 81-237-0388-0

261. सुल्तान की पसंद और अन्य कहानियां

कला थैरानी अनु. : स्नेहलता त्यागी पृ. 44 रु. 35.00

ऐसी विदेशी लोककथाओं का संकलन जो पूर्णतया भारतीय प्रतीत होता है। रोचकता इन कथाओं की विशेषता है। ISBN 978-81-237-4719-4

262. सोना की आंखें

उषा यादव पृ. 60 रु. 12.00

बड़ी आयु वर्ग के बच्चों के लिए लिखी गई यह लंबी कहानी एक साहसी बाल कथा है, जिसमें बच्चे अपनी लगन से राजकीय हिरन उद्यान में भ्रष्टाचार करने वालों का हृदय परिवर्तन कर देते हैं। ISBN 81-237-3843-9

263. सौर मंडल की सैर

देवेंद्र मेवाड़ी चित्र : अरूप गुप्ता पृ. 44 रु.35.00

सौरमंडल के ग्रहों की संख्या आठ होने, प्लूटो को ग्रह की श्रेणी से हटाकर प्लूटाइड नाम से 'बौना ग्रह' बनाने, सौरमंडल के पिंडों के वर्गीकरण, ग्रहों की गति, आदि पर जानकारी देने वाला रोचक कथानक। ISBN 978-81-237-5611-6

264. हसन जमाल की चार बाल कहानियां

पृ. 36 रु. 30.00

हिन्दी के वरिष्ठ लेखक हसन जमाल की चार प्रेरक और महत्वपूर्ण कहानियों का संकलन।

ISBN 978-81-237-5576-2

265. श्रेष्ठ हिंदी बाल नाटक

हरिकृष्ण देवसरे (संक. एवं संपा.) पृ. 140 रु.50.00

श्रेष्ठ 15 महत्वपूर्ण रचनाकारों के नाटक जिनमें पौराणिक, सामाजिक, राष्ट्रीय, मनोवैज्ञानिक, हास्य-व्यंग्य, वैज्ञानिक कथा शामिल हैं। बच्चों के लिए तैयार यह पुस्तक बच्चों का 'विजन' विस्तृत करेगी, वहीं दूसरी ओर एक संग्रहणीय पुस्तक भी है।

ISBN 978-81-237-5631-8

266. हमारा नाटक

हरिकृष्ण देवसरे (संपा.) पृ. 96 रु. 19.00

बच्चों के द्वारा रंगमंच पर खेले जाने वाले सात बालोपयोगी नाटकों का संकलन। इन नाटकों को खेलने के लिए विशेष तामझाम की जरूरत नहीं है। ISBN 81-237-0946-3

267. हमारा शरीर

रमेश बिजलानी अनु. : दमयंती गुरुदेव पृ. 32 रु. 18.00

हमारा शरीर एक आश्चर्यजनक मशीन है। प्रस्तुत पुस्तक में शरीर के विविध अंगों और उनके कार्यकलापों के बारे में सचित्र एवं रोचक जानकारी दी गई है।

ISBN 978-81-237-0393-7

268. हमारे जलपक्षी

राजेश्वरप्रसाद नारायण सिंह पृ. 56 रु.40.00

इस पुस्तक में पानी में मिलने वाले प्रमुख पक्षियों का परिचय, उनकी विशेषताएं, उनके बारे में प्रचलित लोक मान्यताओं का विवरण आकर्षक चित्रों के साथ प्रस्तुत किया गया है। ISBN 978-81-237-5609-7

269. हमारी धरती

लाईक़ फ़तेहअली अनु. : दमयंती गुरुदेव पृ. 64 रु. 15.00

हमारी धरती से संबद्ध विभिन्न पक्षों को दर्शाते हुए प्रसंगवश पर्यावरण, मौसम संबंधी आदि अनेक ज्ञान की बातें सिखाने वाली एक आवश्यक पुस्तक। ISBN 81-237-0455-0

270. हमारी नदियों की कहानी (भाग-1)

लीला मजुमदार पृ. 64 रु. 16.00

उत्तर भारत की नदियों के सांस्कृतिक तथा धार्मिक महत्व की प्रस्तुति, सरस और सरल भाषा में। ISBN 81-237-0866-1

271. हमारी नदियों की कहानी (भाग-2)

अल. वलीअप्पा अनु. : मोहिनी राव पृ. 64 रु. 16.00

शेष भारत की नदियों के बारे में जानकारी देने वाली पुस्तक। ISBN 81-237-0405-4

272. हमारी नौसेना

कमांडर आर.एन.गुलाटी अनु. : सुरेश उनियाल पृ. 64 रु. 9.00

दुनिया में अपना प्रमुख स्थान रखने वाली भारतीय नौसेना की कहानी, जो हमारे देश की जल सीमा की रक्षा करने में सर्वथा समर्थ है। ISBN 81-237-0923-4

273. हवा की अनोखी दुनिया

आर.के. मूर्ति अनु. : स्नेहलता त्यागी पृ. 56 रु. 30.00

हवा अथवा वायु के संबंध में वैज्ञानिक जानकारी जो कि कहानी के माध्यम से कही गई है। ISBN 978-81-237-4513-8

274. हुएनत्सांग की भारत यात्रा

बैलिंदर, हरिंदर धनोआ अनु. : दमयंती गुरुदेव पृ. 64 रु. 15.00

हर्ष के काल में बुद्ध धर्म के ज्ञान-भंडार की खोज में भारत आने वाले चीनी यात्री हुएनत्सांग द्वारा भारत का आंखों देखा वर्णन इस पुस्तक में है। इसमें तत्कालीन भारत की जानकारी मिलती है। ISBN 81-237-0930-7

275. WWW.घना जंगल.कॉम

हरिकृष्ण देवसरे पृ. 56 रु. 35.00

यह पुस्तक कहानी के माध्यम से कंप्यूटर और इंटरनेट के फायदे और नुकसान की जानकारी बड़ी सहजता से देती है। अति सुंदर चित्रांकन। ISBN 81-237-4642-3

276. नवाब रंगीले

आबिद सुरती पृ. 110 रु. 60.00

प्रख्यात कार्टूनिस्ट व लेखक आबिद सुरती का लघु उपन्यास 13-18 वर्ष के किशोर बच्चों के लिए विशेष रूप से है, हालांकि इसे सभी आयु वर्ग के लोग पसंद करेंगे। उपन्यास कई खंडों में विभाजित है, लेकिन मुख्य कहानी रंगीले नवाब के चारों ओर ही घूमती है। घटनाओं में मनोरंजन, हास्य के साथ-साथ चुटीले व्यंग्य भी हैं। अपरोक्ष रूप से राष्ट्रीय एकता, वृक्षारोपण जैसे संदेश भी हैं, लेकिन कहीं प्रतीत नहीं होता है कि कोई संदेश दिया जा रहा है। ISBN 978-81-237-5200-6

277. मैं हूं सोना

मनोरमा जफ़ा पृ. 110 रु. 25.00

किशोर वर्ग के बालिकाओं एवं बालकों के लिए एच.आई.वी./एड्स जागरूकता हेतु एक उपन्यास। ISBN 978-81-237-5215-0

278. स्वाधीनता संग्राम

रेखा जैन पृ. 40 रु. 25.00

इस बाल-नाटक में अंग्रेजी राज से अपने भारत देश को आजाद कराने के संघर्ष का संक्षिप्त इतिहास बताने का प्रयास किया गया है। ISBN 978-81-237-5222-8

नवसाक्षर साहित्यमाला

महिला सशक्तीकरण

1. अंधेरा घर

पुदुवै चन्द्रहरि अनु. : विजयलक्ष्मी सुंदरराजन पृ. 24 रु. 7.00

यह एक अशिक्षित मां की कहानी है। वह हमेशा झगड़ती रहती है और अंततः मृत्यु को प्राप्त होती है। तमिल से हिन्दी में अनूदित रचना। ISBN 81-237-3895-1

2. अपना मुकाम

मो. साजिद खान पृ. 12 रु. 7.00

शमा के परिवार के दूसरे लोग शमा की शादी करना चाहते थे लेकिन शमा ने पढ़ाई कर टीचर की नौकरी कर ली। और अपना जीवन साथी भी तलाश लिया। पढ़ाई की महत्ता बताती यह पुस्तक। ISBN 81-237-3851-X

3. आंसू का खारापन

चिनु मोदी अनु. : वर्षा दास पृ. 16 रु. 5.00

केसरटी गांव के किरपा पंडित ने अंबा सुथारिन की बेटी मंजू से दिल लगाया, पर उसकी मां ने शादी कहीं और कर दी। वियोगी किरपा ने हनुमान की शरण ली लेकिन जब मंजू विधवा हुई तो वह हनुमानजी को छोड़कर कहीं चला गया। ISBN 81-237-2696-6

4. आंखें खुल गईं

कासी विल्लवन अनु. : विजयलक्ष्मी सुंदरराजन पृ. 12 रु. 9.00

यह कहानी शराबी किलियन की है। उसकी देखादेखी उसकी पत्नी, बच्चे भी इस धंधे में आ जाते हैं और अपना सब कुछ तबाह कर बैठते हैं। ISBN 81-237-3726-2

5. औरत जात

एस. साकी अनु. : मोना साकी पृ. 20 रु. 9.00

स्त्री के चरित्र पर केंद्रित पंजाबी कथाकार की एक श्रेष्ठ रचना।

ISBN 81-237-2683-4

6. उजाला

आशा दुबे पृ. 16 रु. 5.00

नारी शिक्षा के महत्व को दर्शाती इस कहानी की नायिका कम उम्र में ही विधवा हो गई लेकिन उसने हिम्मत नहीं हारी और डाक्टर बनकर गांव की सेवा में जुट गई।

ISBN 81-237-1830-0

7. उजाले की राह

मो. साजिद खान पृ. 12 रु. 6.00

कोई काम छोटा नहीं होता। हिम्मत कभी नहीं हारनी चाहिए। अहमद को जीने का मंत्र मिल गया, उसने काम शुरू कर दिया।

ISBN 81-237-3797-1

8. इस हाथ दे, उस हाथ ले

आभा झा पृ. 16 रु. 9.00

आज के जमाने में सबको बेटा चाहिए। पुस्तक बताती है बेटी भी परिवार के लिए बेहद जरूरी है। लाजो ने एक शर्त रख छोड़ी थी। वह शर्त क्या थी? जानने के लिए पुस्तक पढ़ें।

ISBN 81-237-4640-7

9. एक औरत एक जिंदगी

रामदरश मिश्र पृ. 20 रु. 8.00

अकेली औरत पति की मृत्यु के बाद समाज से संघर्ष करती हुई अपना स्थान बनाती है। हिन्दी के प्रतिष्ठित रचनाकार की एक सशक्त कथा।

ISBN 81-237-2602-3

10. एक थी लता

गार्गी चक्रवर्ती पृ. 36 रु. 15.00

निम्न परिवार की लता द्वारा लापरवाह भाई के होते हुए मां की चिता को अग्नि देने की कथा, जो मानवीय संवेदना को दर्शाती है।

ISBN 81-237-1958-2

11. एक थी सुल्ताना

नासिरा शर्मा पृ. 24 रु. 10.00

मुस्लिम लड़की भी तलाक ले सकती है। समाज में दोनों को बराबर का अधिकार है। कल्लू मियां की लड़की सुल्ताना ने भी अधिकार को समझा और दूसरी शादी के लिए हामी भर दी।

ISBN 81-237-4560-5

12. ऐसा क्यों

बालकृष्ण बोकील अनु. : वर्षा दास पृ. 14 रु. 10.00

लड़के-लड़कियों में भेद करने की सामाजिक कुप्रथा पर चोट करती दस कविताओं का संग्रह।

ISBN 81-237-1233-2

13. ऐसे हुई सयानी लाली

दिनेश पुरोहित पृ. 40 रु. 10.00

इस पुस्तक में दो कहानियां हैं। पहली कहानी में लाली नामक लड़की के सामाजिक संघर्ष का ब्यौरा है। दूसरी कहानी में शहर में काम करने के बाद हमेशा के लिए वापस गांव लौटने की कहानी है। ISBN 81-237-0580-8

14. कमला

अरविन्द मिश्र पृ. 16 रु. 9.00

कमला ने गांव की महिलाओं को एकत्र कर साक्षरता केंद्र की शुरुआत की। महिलाओं की एकता ने अपने मंडल को कैसे अपने प्रदेश में सर्वश्रेष्ठ बना दिया, पढ़िए।

ISBN 81-237-4771-3

15. कटे पंखों वाली परी

कुलदीप सिंह धीर पृ.16 रु.12.00

युवावस्था में नेत्रहीनता का दंश झेलने वाली एक लड़की के हौसले की कहानी। विपरीत स्थितियों के बावजूद उसे नोकरी मिली और बाद में एक भले-चंगे युवक से शादी भी।

ISBN 978-81-237-5711-7

16. किरन

राजेश शुक्ला पृ. 14 रु. 9.00

'किरन' कहानी एक ऐसी संवेदनशील किशोरी है जो प्रकृति को प्रेम करने वाली है। प्रकृति के प्रति उसकी संवेदनशीलता को देखकर मैडम गांव के लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करती हैं। ISBN 978-81-237-5455-0

17. कोशी मेरी बेटी

आशा दुबे पृ. 16 रु. 6.00

पिता के गुजर जाने के बाद कोशी ने हिम्मत नहीं हारी। उसने बचपन में मिट्टी के खिलौने बनाना सीखा था। बचपन का हुनर जीवन-यापन के काम आया। छत्तीसगढ़ की महिला रचनाकार की महत्वपूर्ण रचना। ISBN 81-237-4080-8

18. खेमी

रामनारायण पाठक 'द्विरेफ' अनु. : वर्षा दास पृ.16 रु. 5.00

गुजराती के प्रसिद्ध कथाकार 'द्विरेफ' द्वारा लिखी यह कहानी खेमी के अपने पति धनिया के प्रति अटूट प्यार पर केंद्रित है। ISBN 81-237-1249-9

19. गुड्डी

मुकेश पचौरी पृ. 20 रु. 10.00

यह पुस्तक किशोरी के मनोविज्ञान पर केंद्रित है। मां-बाप को चाहिए कि वे कुछ पल अपने बच्चों के साथ बिताएं और उनकी भावना को समझें। ISBN 978-81-237-5194-8

20. गुलकी बन्नो

धर्मवीर भारती रूपां. : कन्हैयालाल नंदन पृ. 32 रु. 8.00

गुलकी बन्नो एक सब्जी वाली कुबड़ी है, जिसे उसके आदमी ने छोड़ दिया। बच्चे उसे सताते हैं पर वह बुरा नहीं मानती। आखिर एक दिन गुलकी अपने आदमी के साथ चली गई। ISBN 81-237-3413-1

21. गुलाबा

नलिनी श्रीवास्तव पृ. 15 रु. 9.00

यह कहानी गुलाबा जैसी कर्मठ और लगन की पक्की महिला के संघर्ष की गाथा कहती है। गुलाबा अपनी मेहनत और लगन से अपने पुत्र खेमलाल को पढ़ा लिखाकर एक बड़ा अफसर बनाती है। ISBN 978-81-237-5094-1

22. गुंजा की नैनी

कासिम खुर्शीद पृ. 16 रु. 9.00

प्रस्तुत कहानी जागरूक किसान दंपती के जीवन में आने वाले उतार-चढ़ावों को केंद्र में रखकर लिखी गई है। ISBN 978-81-237-5490-1

23. घर लौट चलो

मीनाक्षी स्वामी पृ. 12 रु. 7.00

संतान न होने के लिए पुरुष व महिलाएं दोनों उत्तरदायी हैं। मात्र महिलाओं को दोषी ठहराने को अनुचित बताती कहानी। ISBN 81-237-1835-4

24. चतुर लड़की

चित्रा नाईक पृ. 8 रु. 8.00

इस चित्र प्रधान पुस्तक में एक ऐसी बुद्धिमान लड़की की कथा है जिसने अपने किसान पिता को धूर्त साहूकार के चंगुल से बचाया। ISBN 81-237-0035-0

25. चंपा

लक्ष्मी कन्नन पृ. 16 रु. 13.00

यह कहानी औरत के जीवट की है। चंपा का पति शराब पीकर मर गया। कैसे और किन हालात में चंपा ने घर को संभाला? किन कारणों से चंपा को गांव में मान मिला? कैसे उसने अपने आपको कामकाज के काबिल बनाया? बताती है यह पुस्तक।

ISBN 81-237-3511-1

26. जलने से बचाव

कल्पना सूद लाल अनु. और रूपां. : पंकज चतुर्वेदी पृ. 46 रु. 20.00

'जलने का इलाज करने से बेहतर है कि उससे बचाव करें' यह संदेश देती इस पुस्तक में बताया गया है कि किस तरह मामूली-सी लापरवाही आग की भयंकर घटना का कारण बन जाती है। थोड़ी सी सावधानी व्यक्ति को बहुत बड़ी दिक्कतों से बचा सकती है।

ISBN 978-81-237-4999-0

27. जैसा बोओगे

सु. समुत्तिरम अनु. : विजयलक्ष्मी सुंदरराजन पृ. 16 रु. 6.00

यह ससुर और बहू केंद्रित एक बेहतरीन रचना है। अगर बहू अपने ससुर को पिता का दर्जा दे तो बुज़ुर्ग पीढ़ी हमेशा आशीष ही देगी। तमिल की एक आदर्श रचना।

ISBN 81-237-3793-9

28. ठगिनी

सुबोध घोष अनु. : देवलीना पृ. 32 रु. 7.00

एक बाप-बेटी हमेशा भोले-भाले लोगों को शादी का झांसा देकर माल हड़प कर जाते थे। आखिर एक दिन बेटी ही बाप को ठगकर अपने दूल्हे के साथ हमेशा के लिए घर छोड़ गई।

ISBN 81-237-2732-1

29. तपोवन का राजा

प्रेम सिंह नेगी पृ. 16 रु. 10.00

यह कहानी बड़ी रोचक है। यह बताती है हर अच्छी या बुरी बात के पीछे कसूरवार आदमी ही है।

ISBN 81-237-3510-3

30. देवपुर की बुआ

वीरेन्द्र तंवर पृ. 20 रु. 9.00

लीला दाई ने सरपंच पद जीत कर पुराने सरपंच को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया। बताती है यह सरल रचना।

ISBN 81-237-3765-3

31. देर है अंधेर नहीं

वीरेन्द्र तंवर पृ. 12 रु. 7.00

अपने आदमी के शक का शिकार हुई कला ने आत्महत्या क्यों की? उसके पति की गिरफ्तारी और थानेदार की नौकरी क्यों गई? पढ़िए मानवाधिकार पर केंद्रित एक असरदार रचना।

ISBN 81-237-2750-X

32. दुमेला की विमला

माल चंद तिवाड़ी पृ. 16 रु. 9.00

यह कहानी महिलाओं के स्वाभिमान का जीवंत चित्र प्रस्तुत करती है। 12वीं पास विमला ने पूर्व सरपंच की तरकीब को कामयाब नहीं होने दिया। सुंदर चित्रांकन ने कहानी में रोचकता भर दी है।

ISBN 978-81-237-5470-3

33. नया सवेरा

योगेन्द्र नाथ शर्मा 'अरुण' पृ. 24 रु. 13.00

ज्यादा बड़ा परिवार हो तो अलग तरह की समस्याएं उत्पन्न हो जाती हैं। छोटे परिवार का संदेश जब डाक्टरनी ने दिया तो दादी भी मान गई।

ISBN 81-237-4677-6

34. पापड़ बड़ी बनाएं

प्रज्ञा बाछोतिया पृ. 16 रु. 9.00

महिलाएं खाली समय का सदुपयोग कर आर्थिक दृष्टि से संपन्न हो सकती हैं। वे कैसे लघु कुटीर उद्योग की शुरुआत कर सकती हैं। सरल भाषा में बताती पुस्तक।

ISBN 81-237-5199-3

35. पूछेरी

मनोहर चमोली 'मनु' पृ. 16 रु. 9.00

पूछेरी कहानी एक अनाथ किंतु जागरूक एवं साहसी लड़की पर केंद्रित है। उसकी दिलेरी को देखकर गांव के मुखिया ने उसे अनाथ नहीं बल्कि पूरे गांव की बेटी कहकर संबोधित किया।

ISBN 978-81-237-5498-7

36. पिंडदान

ज्योत्स्ना मिलन पृ. 16 रु. 9.00

विवाह के बाद कोई जात-पांत नहीं रहती, ऐसा काका ने बुआ को समझाया। बात बुआ ने समझ ली और बहू को रसोई में काम करने दिया।

ISBN 81-237-3430-1

37. प्रेम का सार

यशपाल रूपां. : विनीता अग्रवाल पृ. 20 रु. 10.00

एक पत्नी के प्यार और त्याग को दर्शाती हिन्दी के सुप्रसिद्ध कथाकार यशपाल की कहानी का रूपांतरण।

ISBN 81-237-0898-X

38. बड़ी हो रही है लड़की

रघुवीर सहाय पृ. 16 रु. 7.00

लड़की किन परिस्थितियों में कैसे और किस तरह अपना विकास करती है। ऐसे ही सतरंगी रंगों को इस किताब में समेटा गया है। पुस्तक की खूबसूरती चित्रों ने बढ़ा दी है। ISBN 81-237-3114-0

39. बहादुर दीदी

गार्गी चक्रवर्ती पृ. 16 रु. 10.00

एक माली की लड़की आशा जब ससुराल गई तो सास-ससुर और पति ने दहेज के लिए खूब सताया। उसने अपनी बेबसी की चिट्ठी घर लिख भेजी। पढ़ी-लिखी बहन ने शिकायत कर सबको हवालात में बंद करवाया। अपने अधिकारों की रक्षा पर केंद्रित पुस्तक बेहद उपयोगी है। ISBN 81-237-3470-0

40. बुधिया का सपना

पृ. 20 रु. 10.00

स्त्री के जीवट पर केंद्रित कहानी। कैसे बुधिया पर जुल्म हुआ लेकिन उसने हार नहीं मानी। थाने जाकर शिकायत कर न्याय की हकदार बनी बुधिया।

ISBN 81-237-4759-4

41. बंसीधर अब तू किधर जाएगा रे?

श्री म. माटे अनु. : लछमन हर्दवाणी पृ. 20 रु. 10.00

मराठी से अनूदित हिंदी रचना। ISBN 81-237-3768-8

42. भगत की सीख

बलदेव साव पृ. 16 रु. 6.00

भाई-भाई का झगड़ा किस घर में नहीं होता? पिता की बात नहीं मानी तो घर बिखर गया। छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ कथाकार की मार्मिक रचना। ISBN 81-237-3925-7

43. भले घर का लड़का

सतीश जायसवाल पृ. 16 रु. 7.00

यह कहानी घर से भाग आए लड़के की है जो बाद में बड़ा पछताता है। वरिष्ठ लेखक सतीश जायसवाल की एक श्रेष्ठ रचना। ISBN 81-237-3894-3

44. भानसोज की चैती

गिरीश पंकज पृ. 16 रु. 5.00

गांव में शराबबंदी के लिए महिलाओं द्वारा एकत्र होकर किए गए संघर्ष की कहानी।

ISBN 81-237-1781-4

45. भाभी बनी सरपंच

वीरेन्द्र तंवर पृ. 16 रु. 10.00

अनपढ़ भाभी कैसे गांव की सरपंच बनी? किस तरह गांव के मुखिया जालिम सिंह की जमानत जब्त हुई? गांव के विकास पर केंद्रित यह पुस्तक।

ISBN 81-237-3482-4

46. भूल

जैबुन्निसा 'हया' पृ. 16 रु. 9.00

प्रस्तुत कहानी 'भूल' एक अपाहिज किंतु स्वाभिमानी लड़की रेवती पर केंद्रित है। कहानी की लेखिका ने रेवती के माध्यम से समाज और परिवार में उपेक्षित विकलांगों के अदम्य साहस और उनके जन्मजात गुणों की ओर ध्यान आकर्षित किया है।

ISBN 978-81-237-5526-7

47. भूल का शूल

शारदा कुमारी पृ. 16 रु. 10.00

कहानी सिखाती है कि कभी भी दूसरे व्यक्ति पर आरोप बिना देखे नहीं लगाना चाहिए। एड्स जैसी बीमारी कई कारणों से हो सकती है जिसका समय रहते इलाज किया जा सकता है।

ISBN 81-237-3432-8

48. मतदाता सावित्रीबाला

बनफूल पृ. 12 रु. 5.00

प्रस्तुत कहानी में संघर्ष से जूझती एक गरीब मां का चित्रण है, जिसे अनेक कष्टों का सामना करना पड़ता है।

ISBN 81-237-2100-5

49. मिट्टी का आदमी

वासिरेड्डी सीता देवी अनु. : जे. एल. रेड्डी पृ. 32 रु. 10.00

अपनी गलतियों के कारण वरूथिनी ने अपना घर, परिवार, धन-दौलत, मान-मर्यादा को कैसे खो दिया? यही बताती है तेलुगु से हिंदी में अनूदित यह रचना।

ISBN 81-237-3896-X

50. मेरा भाई है...

सनत कुमार भट्ट रूपां. एवं अनु. : वर्षा दास पृ. 12 रु. 5.00

नवसाक्षरों के लिए पहले प्राइमर के साथ पढ़ी जा सके ऐसी पुस्तिका का मूल गुजराती से हिंदी में किया गया एक अनूठा प्रयास।

ISBN 81-237-2931-8

51. महिला पढ़-लिख ले तो?

रूपां. : वर्षा दास — पृ. 12 — रु. 11.00

महिलाएं अगर साक्षर हो जाएं तो उन्हें तथा उनके परिवार को क्या क्या लाभ हो सकते हैं, इसकी जानकारी देने वाली पुस्तक। ISBN 81-237-0767-3

52. मैना दीदी की कहानियां

जयंत कुमार त्रिभुवन — पृ. 36 — रु. 12.00

इस पुस्तक में दो कहानियां संकलित हैं। दोनों ही कहानियों में नारी द्वारा अपने अधिकारों की पहचान और उनके लिए लड़ने का वर्णन है। ISBN 81-237-0192-6

53. मुक्ति के लिए

जगवीर सिंह वर्मा — पृ. 20 — रु. 6.00

पति की मौत के बाद सिरदारी तेरहवें दिन ही काम की तलाश में निकल पड़ती है। अकेली औरत के जूझने की एक सशक्त रचना। ISBN 81-237-2342-3

54. मुलाणा का बकस

व्यंकटेश माडगुलकर — अनु. : हेमा जावडेकर — पृ. 16 — रु. 5.00

दिमागी हालत से कमजोर मेहनती बकस सारा दिन बकरियां चराता है। चाची की जली-कटी सहता है। समाज में फैले शोषण पर केंद्रित मराठी की एक मर्मस्पर्शी रचना।

ISBN 81-237-3070-5

55. यह जवाबदारी किसकी

बालकृष्ण बोकील — पृ. 32 — रु. 12.00

विवाह के बाद अपने गांव लौटकर एक लड़की विभिन्न परिवारों के बड़े-बूढ़ों की एक बैठक बुलाती है और उन्हें इस बात के लिए दोषी ठहराती है कि उन्होंने उसे अनपढ़ रखा। सब अपनी भूल स्वीकार कर बदलाव लाने का निर्णय लेते हैं।

ISBN 81-237-0185-3

56. रामो चंडी

चंदन नेगी — अनु. : सुभाष नीरव — पृ. 18 — रु. 12.00

पंजाबी लेखिका की एक मार्मिक रचना। एक ही मुहल्ले में एक ही नाम की पांच औरतें रहती हैं। ऐसे में रामो चंडी को जानना बेहद जरूरी हो जाता है।

ISBN 81-237-4676-8

57. लखमी

धूमकेतू — अनु. : गीता जैन; रूपां. : चंद्रकांत सेठ — पृ. 20 — रु. 6.00

गृहस्थी में बचत के महत्व को दर्शाती कहानी। ISBN 81-237-1575-7

58. लाली

बलदेव सिंह 'बद्दन' पृ. 12 रु. 8.00

बिमला और हरखू को अपने दोनों बच्चों से बड़ा लगाव था। जब लाली की शहर में नौकरी लगने की खबर आई तो विमला की खुशी देखते ही बनती थी।

ISBN 81-237-4717-9

59. वसीयत

अनसूया अग्रवाल पृ. 18 रु. 9.00

'वसीयत' कहानी अविवाहित स्त्रियों पर केंद्रित है। कहानी हमें बताती है किस प्रकार पारिवारिक जिम्मेदारियां और स्वार्थी लोगों से धोखा खाई ये महिलाएं अपने पैरों पर खड़ी होकर स्वाभिमान से जीती हैं।

ISBN 978-81-237-5456-7

60. सच्ची खुशी

अमर गोस्वामी पृ. 12 रु. 6.00

दामोदर पांडे ने अपनी समाज सेवा के साथ अपनी मां के छुआछूत के भेदभाव को बिल्कुल मिटा दिया। वरिष्ठ कथाकार की एक आदर्श रचना।

ISBN 81-237-3909-5

61. सरला ने कहा

जमुना प्रसाद कसार पृ. 16 रु. 9.00

सरला पढ़-लिख कर समझदार हो गई तो उसके मां-बाप को बड़ी खुशी हुई। छत्तीसगढ़ के वयोवृद्ध रचनाकार की एक महत्वपूर्ण रचना।

ISBN 81-237-3863-3

62. सुजाता की सास

शिव मृदुल पृ. 12 रु. 8.00

प्रस्तुत कहानी में लेखक ने सुधारवादी दृष्टिकोण अपनाया है। सुजाता की सास लड़के और लड़की में कोई भेद नहीं रखती है। सास के इस उदारवादी और ममतामयी व्यवहार से सुजाता की सास के प्रति पूर्व में बनाई गई गलत धारणाएं टूट गईं।

ISBN 978-81-237-5559-5

63. सागर

वर्षा दास पृ. 16 रु. 8.00

ट्रस्ट द्वारा प्रकाशित पहली पुस्तक, जिसमें एक भी संयुक्ताक्षर नहीं है। इसका उपयोग साक्षरता के पहले प्राइमर के साथ किया जा सकता है। ISBN 81-237-2771-1

एकता व सद्भाव

1. अमरु की कहानी

गुरमेल मडाहड़ पृ.16 रु.13.00

अमरु नामक लड़के ने कैसे अपनी लगन एवं मेहनत से अपने व अपने परिवार का जीवन खुशहाल बनाया, इसकी कहानी है इस पुस्तक में। एक प्रेरक रचना।

ISBN 978-81-237-5712-4

2. इंसान की पहचान

गिरीश पंकज पृ. 16 रु. 9.00

यह कहानी सेजपुर गांव के दो किसानों की है। एक गरीब है और दूसरा अमीर। कैसे अमीर किसान का हृदय परिवर्तन हुआ? बताती है यह पुस्तक।

ISBN 81-237-3481-6

3. एक गांव जगतपुर

कृष्ण कुमार पृ. 14 रु. 10.00

यह कहानी बताती है कि गांव में नारी शिक्षा में अगर महिलाओं को जोड़ दिया जाए तो सचमुच एक क्रांतिकारी परिवर्तन किया जा सकता है। यह परिवर्तन जगतपुर में भी हुआ।

ISBN 81-237-4595-8

4. एक ही धारा

बटरोही पृ. 24 रु. 11.00

प्रस्तुत पुस्तक में गांव में व्याप्त ऊंच-नीच की कुरीति पर सटीक प्रहार किया गया है।

ISBN 81-237-0011-3

5. एकता का पुल

मोहम्मद अलीम पृ. 16 रु. 10.00

गांव की हर जाति व धर्म के लोगों को शोषण के विरुद्ध उठकर कार्यवाही करने की प्रेरणा देने वाली कहानी।

ISBN 81-237-0590-5

6. केसर की महक

बचिंत कौर पृ.16 रु.13.00

अपना बच्चा न होने की स्थिति में एक ग्रामीण दंपति शहर जाकर अनाथालय से एक बच्चा गोद ले लेता है जिससे घर भर में खुशी तैर जाती है।

ISBN 978-81-237-5710-0

7. गुल्लू

नासिरा शर्मा पृ. 12 रु. 8.00

कैसे गुल्लू अपनी अच्छाई से कुछ शरारती बच्चों के आचरण को बदल देता है। गुल्लू की मासूमियत पूरी कहानी का मूल केंद्र है। ISBN 81-237-4286-5

8. चंदर का सुख

सीतेश आलोक पृ. 16 रु. 9.00

वरिष्ठ लेखक की सरस कहानी जो बतलाती है कि कभी भी हमें किसी को दुःख नहीं पहुंचाना चाहिए। ISBN 81-237-4789-6

9. दयाबाई

शरद सिंह पृ. 14 रु. 9.00

महिलाएं भी परिवार का पालन-पोषण कर सकती हैं, अपने पति का सहयोग भी कर सकती हैं यही इस कहानी में बताया गया है। ISBN 81-237-664-4

10. दयाल

आबासाहब वाघमारे अनु. : लछमन हर्दवाणी पृ. 32 रु. 9.00

यह कहानी एक दयालु आदमी की है जो हमेशा सबके सुख-दुख में आगे रहता है। युवा शक्ति और जनचेतना को जगाने की इसकी एक मिसाल थी। ISBN 81-237-3477-8

11. धरती निचला बैल

कुलवंत सिंह विर्क अनु. : सुभाष नीरव पृ. 24 रु. 5.00

करमसिंह और मानसिंह पक्के दोस्त थे। अपनी छुट्टी काटकर मानसिंह करमसिंह के गांव पहुंचा तो अंत तक बापू ने उसकी मौत की खबर मानसिंह से छिपाए रखी। जब बात खुली तो दोनों फूट-फूटकर रो पड़े। पंजाबी कथाकार की बेहद मार्मिक रचना। ISBN 81-237-2731-3

12. जैसे सबके दिन फिरे

श्याम सुंदर त्रिपाठी पृ. 24 रु. 9.00

'अन्न कोठी' की महत्ता बताती छत्तीसगढ़ के लेखक की एक रोचक कहानी।

ISBN 81-237-3746-7

13. झुमनी आपा का गांव

रचना सिद्धा पृ. 16 रु. 9.00

सभी लोग बराबर हैं। कौन छोटा कौन बड़ा? एक झुमनी आपा ही थी जिसने नफरत की हवा को रोकने का बीड़ा उठाया। गांव में एक मिसाल कायम कर गई झुमनी आपा।

ISBN 81-237-4625-3

14. पहले आप

इब्ने कंवल अनु. : उमा बंसल पृ. 16 रु. 9.00

एक-दूसरे को बेहद प्यार करने वाले पति-पत्नी की रोचक कहानी जो मौत के फरिश्ते को सामने पाकर अपने से पहले अपने साथी की मौत चाहते हैं।

ISBN 978-81-237-5612-7

15. पारसमणि

ईश्वर पेटलीकर अनु. एवं रूपां. : वर्षा दास पृ. 20 रु. 7.00

प्रस्तुत पुस्तक समाज में व्याप्त छुआछूत, ऊंच-नीच को समाप्त करने की प्रेरणा देती है।

ISBN 81-237-1531-5

16. बहादुर बच्चे

सिगरुन श्रीवास्तव पृ. 20 रु. 12.00

बच्चों की बहादुरी के किस्से रोचक भाषा में लेखिका ने लिखे हैं।

ISBN 81-237-2450-0

17. भाई

सुनीता कावले अनु. : लछमन हर्दवाणी पृ. 30 रु. 8.00

कुष्ट रोग कोई भयावह बीमारी नहीं है। जब गांववालों को यह पता चला तो उन्हें अपनी गलती का एहसास हुआ। उपचार के बाद राम की दुकान में फिर से चहल-पहल शुरू हो गई। हर बीमारी का इलाज है बशर्ते आप शुरू से ध्यान दें।

ISBN 81-237-3349-6

18. भोला किसान

सु. पलनी सामी अनु. : विजयलक्ष्मी सुंदरराजन पृ. 12 रु. 6.00

यह एक भोले किसान शंकर और धूर्त पंडित की कहानी है। तमिल से हिन्दी में अनूदित रचना।

ISBN 81-237-3711-4

19. मिनीमाता

परदेशीराम वर्मा पृ. 20 रु. 6.00

मिनीमाता छत्तीसगढ़ की प्राण थी। वह कैसे सांसद पद तक पहुंची। इस रोचक सफर को जानना सुखद लगेगा।

ISBN 81-237-3741-6

20. लालटेन

मधुकर सिंह पृ. 20 रु. 7.00

वरिष्ठ रचनाकार की जन-जागृति को आंदोलित करती बेहद मर्मस्पर्शी रचना।

ISBN 81-237-2775-5

21. विघन की जड़

भरत ओला पृ. 12 रु. 8.00

यह कहानी फत्तू खां और जीत सिंह के रिश्तों पर केंद्रित है। किस बात पर उनकी तकरार का अंत हुआ। रोचक कहानी। ISBN 81-237-4858-2

22. साथी हाथ बढ़ाना

लक्ष्मी कन्नन पृ. 16 रु. 9.00

कहानी बताती है भले ही हम कितने आधुनिक हो जाएं पर घर की रीढ़ हमारे माता-पिता हैं जिनके आशीर्वाद से घर में बरक्कत और खुशियां बनी रहती हैं।

ISBN 81-237-3518-9

23. सहारा एक दूजे का

अशोक लाल पृ. 16 रु. 9.00

कहानी बताती है कि पैसा, नकदी चाहे कुछ भी हो इससे कुछ दिन तो आदमी को राहत मिलती है, लेकिन सारी जिंदगी नहीं काटी जा सकती। ISBN 81-237-3431-X

24. सुख के आंसू

देवेन्द्र सिंह पृ. 16 रु. 9.00

प्रस्तुत कहानी दो दोस्तों–धनसिंह और गोपाल की दोस्ती का बड़ा मार्मिक वर्णन करती है। ISBN 978-81-237-5473-4

स्वास्थ्य

1. आशा की किरण

विनोद कुमार मिश्र पृ. 20 रु. 7.00

दिमागी तौर पर कमजोर बच्चों को नई रोशनी देती यह पुस्तक।

ISBN 81-237-4002-6

2. आंखों की देखभाल–नजर का बचाव

उदय चंद्र गुप्ता पृ. 28 रु. 13.00

आंखों का विकार, देखने में परेशानी तथा आंखों के अन्य रोग और उनके उपचार का ब्योरा। ISBN 81-237-1041-0

3. अपंगता से मुकाबला

विनोद कुमार मिश्र पृ. 16 रु. 6.00

विज्ञान के इस युग में ऐसी कोई बीमारी नहीं जिसका इलाज न हो। लोगों को भी चाहिए कि ऐसी स्थिति ही न उपजे कि उन्हें बेबस होना पड़े। ISBN 81-237-3069-1

4. ऐसा ही होगा

निशात फातमा पृ. 12 रु. 9.00

यह कहानी गुटखा, तम्बाकू और अन्य नशीले सेवन की चीजों के कारण मनुष्य के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्परिणामों का जिक्र करते हुए उनके सेवन पर रोक लगाने को जागरूक करती है।

ISBN 978-81-237-5106-1

5. खैनी एक जहर

ओंकार शर्मा 'निराला' पृ. 12 रु. 7.00

जान है तो जहान है। नशा कभी भी सगा नहीं होता। यह अपने को आप से और परिवार से दूर कर देता है। इससे बचना पूरे परिवार की खुशहाली के लिए बहुत जरूरी है।

ISBN 81-237-4197-0

6. जब फुलवा हंसी

प्रभा सरस पृ. 16 रु. 8.00

यह कटे-फटे होंठों को ठीक कर देने वाली एक रोचक कहानी है। कैसे फुलवा का जीवन बिल्कुल बदल गया। बताती है यह कहानी।

ISBN 81-237-3743-7

7. कमली का दुश्मन

पुष्पा सक्सेना पृ. 16 रु. 9.00

स्त्रियों के स्वास्थ्य पर केंद्रित यह कहानी मूलतः महिलाओं में खून की कमी से होने वाले बीमारियों और उसके निवारण के बारे में जानकारी देती है।

ISBN 978-81-237-5696-7

8. कमर का दर्द

जितेन्द्र माहेश्वरी पृ. 24 रु. 7.00

आज के व्यस्त जीवन में आदमी को कई बार झुकना पड़ता है। काम करना पड़ता है। नतीजन कमर में दर्द शुरू हो जाता है। पुस्तक सरल भाषा में बताती है कि कमर के दर्द से कैसे छुटकारा पाएं।

ISBN 81-237-2125-0

9. कुशल माली

मेनका श्रीवास्तव पृ. 16 रु. 8.00

'कुष्ठ रोग' कोई भयंकर रोग नहीं है। समय रहते इससे बचा जा सकता है। हरखू ने भी यही किया। कलेक्टर ने जब 'कुशल माली' का पुरस्कार दिया तो पूरा परिवार खुशी से झूम उठा।

ISBN 81-237-4612-1

10. जब मन में उठे बच्चे की चाह

यतीश अग्रवाल शीघ्र प्रकाश्य

प्रस्तुत कहानी में लेखक ने गर्भस्थ महिलाओं के गर्भ धारण करते समय किन-किन बातों का ध्यान रखना है इस बात की बड़ी ही महत्वपूर्ण जानकारी दी है।

11. तंबाकू से कैसे बचें?

पीयूष जैन पृ. 20 रु. 7.00

कोई भी नशा हो, उसका परिणाम हमेशा भयंकर होता है। वरिष्ठ डाक्टर द्वारा लिखी गई एक महत्वपूर्ण रचना।

ISBN 81-237-4067-0

12. तुरंत उपचार

यतीश अग्रवाल पृ. 40 रु. 13.00

आम जीवन में कोई न कोई दुर्घटना घटती रहती है। ऐसे में 'तुरंत उपचार' की आवश्यकता महसूस होती है। इस विषय को बखूबी बताती है यह उपयोगी पुस्तक।

ISBN 81-237-2114-5

13. नई रोशनी

प्रभा सरस पृ. 18 रु. 10.00

इस कहानी से कुष्ठ रोगियों में जागरूकता और जिंदगी के प्रति सकारात्मक नजरिया पैदा होता है।

ISBN 978-81-237-5472-7

14. निश्चय

अरविन्द सिंह आशिया पृ. 14 रु. 9.00

प्रस्तुत कहानी पूर्णतः महिलाओं के स्वास्थ्य पर केंद्रित है। किशोरावस्था में मासिक धर्म के बारे में पूर्ण जानकारी न होने के कारण उत्पन्न परेशानियों को रोचक ढंग से बताया गया है।

ISBN 978-81-237-5469-7

15. पागल मौत कहें या रेबीज़

उदयवीर सिंह राणा पृ. 32 रु. 14.00

रेबीज़ जैसे भयानक रोग के विषय में पूर्ण एवं लाभदायक जानकारी इस पुस्तक में दी गई है। रेबीज़ से बचने के लिए कुत्ते, बिल्ली, बंदर आदि जानवरों के काटने पर तुरंत उपचार किए जाने पर बल दिया गया है।

ISBN 81-237-0851-3

16. पूरियों की सुगंध

रमाशंकर श्रीवास्तव पृ. 24 रु. 10.00

यह कहानी खाने के शौकीन नरेश के इर्द-गिर्द घूमती है। अधिक खाना खाने से उसके पाचन तंत्र में खराबी आ गई। अंत में उसने अपनी इस बुरी आदत को छोड़ने का संकल्प किया।

ISBN 978-81-237-5497-0

17. बड़े दिलवाला

डा. हरप्रीत सिंह पृ. 28 रु. 11.00

दिल की बीमारी किसी को भी हो सकती है। आज जरूरत है कि आप अपनी सेहत का किस प्रकार ख्याल रखते हैं। प्रमुख चिकित्सक द्वारा सरल भाषा में बताती यह एक महत्वपूर्ण पुस्तक। ISBN 978-81-237-5153-5

18. बात आंख की

श्रीनिवास जोशी पृ. 16 रु. 7.00

आंख के बिना संसार अधूरा है। इसकी सुरक्षा कैसे करें? जानकारी देती है वरिष्ठ लेखक की यह उपयोगी पुस्तक। ISBN 81-237-2460-8

19. बात कान की

श्रीनिवास जोशी पृ. 16 रु. 7.00

कान हमारे शरीर का अनिवार्य अंग है। इसकी देखभाल कैसे की जाए? सरल भाषा में बताती है यह पुस्तक। ISBN 81-237-2451-1

20. बात शादी की

श्रीमती एन. विजयलक्ष्मी पृ. 16 रु. 7.00

पुस्तक बताती है कि शादी की सही उम्र क्या होनी चाहिए और मां बनने पर क्या सावधानी बरतनी चाहिए। एक उपयोगी पुस्तक। ISBN 81-237-4126-X

21. बीमारी में भोजन कैसा हो?

रेनू चौहान पृ. 36 रु. 9.00

आए दिन मनुष्य बीमार पड़ता है। वह तय नहीं कर पाता कि उस हालत में स्वस्थ रहने के लिए वह कैसा भोजन करे। इस विषय पर पुस्तक लाभदायक जानकारी देती है।

ISBN 81-237-2139-0

22. भोजन और हमारा शरीर

रेनू चौहान पृ. 52 रु. 12.00

शरीर की मशीन सुचारु रूप से चलाने के लिए जरूरी विटामिन, प्रोटीन आदि कैसे प्राप्त करें? आम परिवार सस्ते में पौष्टिक भोजन कैसे पाएं? इन सबका विवरण है, इस पुस्तक में। साथ ही हैं ज्ञानवर्धक मनोरंजक खेल भी। ISBN 81-237-1128-X

23. मानव शरीर

रमेश बिजलानी रूपां. : जितेन्द्र माहेश्वरी पृ. 20 रु. 8.00

शरीर कैसे काम करता है? इसका सरल भाषा में विवरण प्रस्तुत कर रहे हैं एक चिकित्सक। ISBN 81-237-0691-X

24. मेले की माया

हरिसुमन बिष्ट पृ. 22 रु. 10.00

'मेले की माया' कहानी गांवों में स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता पैदा करने में बेजोड़ है। माया ने हेल्थ मेले से जो जानकारी प्राप्त की उससे गांव की सभी महिलाओं को लाभान्वित किया।

ISBN 978-81-237-5471-1

25. संगत

शारदा कुमारी पृ. 12 रु. 6.00

इस पुस्तक में बुरी संगत में फंसे एक लड़के की रोचक कहानी है।

ISBN 81-237-2123-4

26. सजा

यतीश अग्रवाल शीघ्र प्रकाश्य

प्रस्तुत कहानी में किशोरावस्था में हुई भूल के कारण एच.आई.वी. से ग्रस्त लड़की का मार्मिक चित्रण प्रस्तुत किया गया है।

27. सात जन्मों का साथ

यतीश अग्रवाल पृ. 24 रु. 10.00

सुखद दाम्पत्य जीवन में आने वाले सुख-दुखों को किस प्रकार दोनों दम्पति आपस में मिलकर सामना करते हैं।

ISBN 978-81-237-5695-0

28. साधारण रोग

सुरेश नाडकर्णी अनु. : हेमा जावडेकर पृ. 32 रु. 13.00

आम जीवन में आदमी के साथ कुछ न कुछ घटता रहता है। ऐसे में पुस्तक बताती है कि साधारण रोग से कैसे निबटें?

ISBN 81-237-2507-8

29. सांझ सवेरा

मीनाक्षी स्वामी पृ. 24 रु. 6.00

जानलेवा बीमारी 'एड्स' के कारणों व उससे बचने के उपायों पर प्रकाश डालती एक रोचक कहानी।

ISBN 81-237-1844-6

30. हड्डी टूटने पर

जितेन्द्र माहेश्वरी पृ. 32 रु. 16.00

हड्डी विशेषज्ञ द्वारा लिखित यह पुस्तक हड्डी टूटने पर किए जाने वाले उपचार के बारे में सरल और सुबोध ढंग से बताती है।

ISBN 81-237-1557-9

31. हमारे प्राण हमारे हाथ में

इरा गुणसेकरन अनु. : विजयलक्ष्मी संुदरराजन पृ. 16 रु. 10.00

पुस्तक बताती है कि मनुष्य अपनी सुरक्षा को बखूबी निभा सकता है बशर्ते वह ध्यान दे। स्वास्थ्य केंद्रित एक रचना। ISBN 81-237-3748-3

पर्यावरण

1. अकाल को बुलावा

सहदेव साहू अनु. : राजेंद्र प्रसाद मिश्र पृ. 20 रु. 11.00

ओड़िया से हिन्दी में अनूदित यह पुस्तक पर्यावरण संरक्षण पर केंद्रित है कि कैसे गांव वालों ने भूमि के कटाव और नुकसान को समझते हुए पुनः खेती की ओर मन लगाया। ISBN 81-237-2484-3

2. ईंधन की कमी

चित्रा नाईक पृ. 12 रु. 10.00

राज्य संसाधन केंद्र महाराष्ट्र द्वारा प्रकाशित इस सचित्र पुस्तक में, गांवों में ईंधन की समस्या के निवारण का रोचक विवरण है। ISBN 81-237-0844-0

3. छोटे गांव की बड़ी बात

शुभु पटवा पृ. 52 रु. 18.00

यह पुस्तक गांवों के परिवेश को वृक्षारोपण द्वारा हरा-भरा करने के महत्व पर प्रकाश डालती है, जिसकी आज सबसे बड़ी जरूरत है। ISBN 81-237-0850-5

4. जंगल में जीवन

जित राय रूपां. : बटरोही पृ. 28 रु. 15.00

पेड़-पौधों, जानवरों और पक्षियों के बारे में दिलचस्प जानकारी। ISBN 81-237-0184-5

5. नीली झील

कमलेश्वर रूपां. : रमेश थानवी पृ. 22 रु. 6.00

प्रकृति प्रेम को दर्शाती एक भावनात्मक कहानी। ISBN 81-237-1763-6

6. पेड़ों की महिमा

रस्किन बांड रूपां. : प्रेम सिंह नेगी पृ. 24 रु. 9.00

आमतौर पर पाए जाने वाले भारतीय वृक्षों और उनमें घोंसला बनाकर रहने वाली चिड़ियों की अद्भुत जानकारियों का संकलन। ISBN 81-237-0191-8

7. बैक्टीरिया
जी जयसीलन अनु. : विजयलक्ष्मी सुंदरराजन पृ. 20 रु. 13.00
पुस्तक बताती है कि आस-पास गंदगी बिल्कुल न फैलने दें। स्वस्थ रहना हो तो गंदगी को हटाना ही पड़ेगा। ISBN 81-237-3747-5

8. मैं पीपल हूं
जगदीश चंद्रिकेश पृ. 12 रु. 8.00
अक्सर हम अपने मन में कई प्रकार की भ्रांतियां पाल लेते हैं कि पीपल के नीचे नहीं बैठना चाहिए इत्यादि। यह पुस्तक इसी तरह की अनेक शंकाओं का समाधान और पीपल के इतिहास से परिचय कराती है।
ISBN 81-237-4723-3

9. लीला का कमाल
केशव चंद्र पृ. 20 रु. 8.00
थली गांव की औरतों ने एकजुट हो बंजर भूमि पर वृक्षारोपण कर पास-पड़ोस के गांवों की महिलाओं को भी पर्यावरण की रक्षा के लिए प्रेरित किया। ISBN 81-237-2315-6

10. वीरगढ़ के वीर
हरीश नवल पृ. 24 रु. 9.00
पर्यावरण संरक्षण पर केंद्रित एक महत्वपूर्ण कहानी जिसे सुपरिचित लेखक ने बड़े रोचक ढंग से प्रस्तुत किया है।
ISBN 81-237-4127-8

11. हरियाली और सफाई
अनु. : जे.एल. रेड्डी पृ. 12 रु. 9.00
हमें आस-पास के पर्यावरण को ठीक रखना है तभी हम स्वस्थ रहेंगे। खूबसूरत चित्रों के माध्यम से समझाती यह उपयोगी पुस्तक।
ISBN 81-237-3772-4

पशुपालन

1. कुरज बांधी गाय
इंदरदान देथा पृ. 40 रु. 10.00
यह पशु की देखभाल संबंधी कहानी है। इसमें गाय की विभिन्न नस्लों, उसके चारे, बीमारियों आदि के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई है। ISBN 81-237-0938-2

2. नेक अभियान

जनार्दन मिश्र पृ. 16 रु. 9.00

नगरों-महानगरों में जहां-तहां बिखरे पड़े पॉलिथीन को निगलकर कितने ही गाय, भैंस आदि पशु अकाल मौत को प्राप्त हो जाते हैं। इसी समस्या को केंद्र में रखकर लिखी गई यह पुस्तक हमें सचेत करती है। ISBN 978-81-237-5629-5

3. रेशमा

सरदार सिंग बैनाडे अनु. : लछमन हर्दवाणी पृ. 24 रु. 7.00

मराठी से हिंदी में अनूदित पुस्तक में गो-पालन विषय पर महत्वपूर्ण जानकारी दी गई है।

ISBN 81-237-3210-4

लोक-साहित्य

1. आधी पूंछवाला राक्षस

प्रत्यूष गुलेरी पृ. 12 रु. 5.00

'लींडापीर' नामक शैतान से कांगड़ावासियों को मुक्ति मिलती है। हिमाचल प्रदेश की एक लोकप्रिय कथा। ISBN 81-237-2502-7

2. आओ गले मिलें

मनोहर पुरी पृ. 16 रु. 7.00

एक ऐतिहासिक रचना, जो बताती है कि मिल-जुलकर रहने से परिवार, राज्य कभी नहीं बिखरता। ISBN 81-237-3717-3

3. आल्हा-ऊदल

देवीशरण सिंह 'ग्रामीण' पृ. 14 रु. 7.00

बुंदेलखंड की मशहूर लोककथा पर आधारित। ISBN 81-237-2578-7

4. ईसुरी

राजमणि दिवाकर पृ. 14 रु. 4.00

बुंदेली के जनप्रिय कवि ईसुरी का संक्षिप्त परिचय। ISBN 81-237-2578-7

5. एक और पहलू

प्रभुदयाल खट्टर पृ. 16 रु. 6.00

छोटी-छोटी कथाएं जो जीने का नया संस्कार देती हैं। वास्तव में इन घटनाओं से ही आदमी अपना विकास कर पाता है। ISBN 81-237-3053-1

6. तीन कंजूस व अन्य कहानी

यू.एस. आनन्द पृ. 12 रु. 9.0

अपनी तरह की दो अद्भुत कहानियां जो पाठकों को गुदगुदाने का काम करेंगी।

ISBN 978-81-237-5192-

7. दो ठग

गौतम शर्मा 'व्यथित' पृ. 8 रु. 7.0

'नहले पर दहला' वाली सूक्ति यहां चरितार्थ होती है। दो ठग कैसे आपस में बुद्धू बने पढ़िए यह रोचक कहानी।

ISBN 81-237-329

8. दो भाई

निशात फारूक पृ. 16 रु. 9.0

यह कहानी अमीर और गरीब भाई के बारे में है। अमीर भाई के द्वारा गरीब भाई का शोष दिल दहला देता है लेकिन गरीब भाई अंततः बड़े भाई के परिवार की देखभाल करता है

ISBN 81-237-4287-

9. किरात और अर्जुन की लड़ाई

महाकवि भारवि; पुनर्लेखन : राधावल्लभ त्रिपाठी पृ. 32 रु. 7.0

भगवान शंकर और पार्वती किरात और किराती का वेश धारण कर अर्जुन की परीक्षा लेने कैसे कामयाब हुए? उत्सुकता जगाती यह ऐतिहासिक कथा। ISBN 81-237-2917-0

10. किस्सा डाकू रौहिणेय का

राधावल्लभ त्रिपाठी पृ. 28 रु. 8.0

यह कहानी हजारों साल पुरानी है। एक डाकू था। वह सेठ-साहूकारों को लूटता था कभी पकड़ में न आया। आखिर एक दिन डाकू राजा को सारी आपबीती सुनाकर संन्यास हो गया।

ISBN 81-237-3507-

11. किस का धन

गोपाल मेघाणी अनु. एवं रूपां. : वर्षा दास पृ. 20 रु. 11.0

पुस्तक बताती है कि सरकारी वस्तुओं का इस्तेमाल व्यक्तिगत कार्यों में नहीं करना चाहिए। गुजराती से हिंदी में अनूदित एक प्रेरणाप्रद पुस्तक। ISBN 81-237-2960-X

12. गुलेर का राजा हरिचंद

प्रत्यूप गुलेरी पृ. 20 रु. 5.50

हिमाचल प्रदेश के एक परोपकारी राजा की लोकप्रिय लोककथा।

ISBN 81-237-2503-

13. गूजरी महल

मधुसूदन पाटिल पृ. 12 रु. 3.50

इस पुस्तक में हिसार के गूजरी महल के बारे में रोचक ढंग से बताया गया है।

ISBN 81-237-2571-X

14. जन्मदिन

बलदेव सिंह बद्दन पृ.12 रु.11.00

एक वंचित और गरीब बालक हमउम्र धनवान किंतु सहृदय बालक की मदद से पढ़-लिखकर नौकरी प्राप्त कर लेता है। एक मार्मिक कथा। ISBN 978-81-237-5709-4

15. जैसी करनी वैसी भरनी

वीरेन्द्र तंवर पृ. 12 रु. 8.00

वरिष्ठ लेखक द्वारा लिखी गयी लालच की प्रवृत्ति से बचने की सीख देती लोककथा।

ISBN 81-237-1829-2

16. त से तेनालीराम ब से बीरबल

दिविक रमेश पृ. 23 रु. 10.00

इस पुस्तक में तेनालीराम और बीरबल की क्रमशः 'लालच की हार' और 'झपकी', इन दो कहानियों को लिया गया है। तेनालीराम और बीरबल ने अपनी सूझबूझ से समाज में ढेरों उदाहरणों और कार्यों द्वारा आम जनता को न्याय दिलवाया। आकर्षक चित्रांकन ने कहानी को रोचक बना दिया है। ISBN 978-81-237-5099-6

17. धन का खजाना

मुकुल कलार्थी अनु. : वर्षा दास पृ. 8 रु. 6.00

गुजराती की एक लोकप्रिय रचना की प्रस्तुति। ISBN 81-237-3116-7

18. नौकरी रोशनी करने की

जगदीश चंद्रिकेश पृ. 12 रु. 7.00

गुजरात के आदिवासी समुदाय की एक रोचक लोक कथा, जिसे सुपरिचित लेखक ने सरल भाषा में लिखा है। ISBN 81-237-4129-4

19. पंडित कौन ?

रघुवीर चौधरी पृ. 16 रु. 6.00

यह कहानी एक ऐसे नौजवान की है जो हर बात को तोते की तरह रट लेता था और अपने को विद्वान समझता था। आखिर इसी बड़प्पन में उसे मुंह की खानी पड़ी।

ISBN 81-237-3520-0

20. पसीने की कमाई

नर्मदा प्रसाद गुप्त पृ. 12 रु. 6.0

यह एक बुंदेलखंडी रचना है जिसमें अपने हाथ की मेहनत और मनुष्य की स्वाभाविक आदत को दिखाया गया है कि क्यों गृहणियां लालच को आसरा देती हैं।

ISBN 81-237-3408-

21. मूमल महेन्द्र की प्रेमकथा

मीनाक्षी स्वामी पृ. 20 रु. 10.00

जैसलमेर की रियासत लोदरवा की राजकुमारी मूमल और अमरकोट के राजकुमार महेन्द्रसिंह की अमर प्रेम कहानी पर आधारित है यह पुस्तक। आकर्षक चित्रांकन कहानी को जीवंत कर देता है।

ISBN 978-81-237-5070-

22. मौसी का बेटा

रामसरूप अणखी पृ.16 रु.12.00

अंधविश्वासों को दूर करती एक प्रेरक कथा।

ISBN 978-81-237-5713-1

23. बंदगी

रणवीर रांग्रा पृ. 14 रु. 7.00

अकबर बादशाह के जीवन से जुड़े एक रोचक किस्से को कहानी में पिरोया है [illegible] लेखक रणवीर रांग्रा ने।

ISBN 81-237-4269-X

24. बलिदान

श्रीकृष्ण पृ. 12 रु. 7.00

एक बूढ़ी मां ने अपने इकलौते बेटे को राज्य की रक्षा के लिए कुर्बान कर दिया। बताती है मां के जीवट की यह ऐतिहासिक कथा।

ISBN 81-237-4300-9

25. बुढ़ापे का प्रेम

गणेश खुगशाल 'गणी' पृ. 16 रु. 9.00

पहाड़ की एक रोचक लोक-कथा जिसमें बुजुर्ग दंपति की रोचक जीवन-शैली को दिखाया गया है।

ISBN 81-237-4353-X

26. महाराज भगीरथ का सवाल

रघुवीर चौधरी पृ. 16 रु. 8.00

यह एक ऐतिहासिक रचना है जिसमें शुरू से अंत तक उत्सुकता बनी रहती है।

ISBN 81-237-3450-6

27. राक्षस की अंगूठी

विशाख दत्त पुनर्लेखन : तारानंद वियोगी पृ. 32 रु. 7.00

संस्कृत के विख्यात नाटक 'मुद्राराक्षस' को सरल भाषा में हिंदी के प्रतिष्ठित रचनाकार ने नवसाक्षरों के लिए लिखा है। इसमें चाणक्य की कुशल राजनीति का परिचय मिलता है। ISBN 81-237-2917-0

28. वतायो फकीर की कहानियां

मोतीलाल जोतवाणी पृ. 12 रु. 6.00

छोटी कथाएं जीवन को कैसे गति देती हैं? कौतूहल जगाती है यह पुस्तक।

ISBN 81-237-2842-5

29. वसंतसेना

महाकवि शूद्रक पुनर्लेखन : प्रयाग शुक्ल पृ. 32 रु. 7.00

संस्कृत साहित्य की विख्यात कहानी को नवसाक्षरों के लिए सरल और रोचक शब्दों में प्रयाग शुक्ल ने लिखा है। इसमें कथा है कि किस तरह उज्जयिनी की नर्तकी बाद में नगरवधू का दर्जा पा लेती है। ISBN 81-237-2892-1

30. शंख परी

मनोहर पुरी पृ. 20 रु. 8.00

शंख परी धरती पर कैसे आ गई? उसने क्या-क्या किया? रोचक कहानी नवसाक्षरों के लिए सुपरिचित रचनाकार ने लिखी है। ISBN 81-237-4128-6

31. सांझ-सकारे

मलय (संकलनकर्ता) पृ. 16 रु. 5.50

ग्रामीण अंचलों के प्रसिद्ध गीत, जो जनमानस में रचे बसे हैं।

32. सांझी दीवार

संतोख सिंह धीर पृ.20 रु.14.00

गांव-घरों में दीवार की वजह से भाइयों के बीच होनेवाले कलह की मार्मिक कथा ।

ISBN 978-81-237-5714-8

33. सुन्नी भूंकू

श्रीनिवास जोशी पृ. 20 रु. 7.00

हिमाचल प्रदेश के वरिष्ठ लेखक द्वारा लिखी चंबा जिले की एक लोकप्रिय प्रेमकथा।

ISBN 81-237-2295-8

34. सुरहिन

बलभद्र तिवारी पृ. 14 रु. 4.00

सुरहिन गाय और सिंह की रोचक गाथा। ISBN 81-237-2603-1

35. हरदौल

लोकराम रजक पृ. 12 रु. 4.00

ओरछा राजा जुझारसिंह के छोटे भाई हरदौल की वीरता की गाथा। सरल भाषा में लिखी पुस्तक। ISBN 81-237-2569-8

कथा साहित्य

1. अपना रास्ता लो बाबा

काशीनाथ सिंह रूपां. : महेश दर्पण पृ. 16 रु. 8.00

शहर में सब बीमारियों का इलाज होता है। यही सुनकर बेचू बाबा शहर आए। देवनाथ ने बाबा के दर्द को समझा और डाक्टर को दिखाया। बाबा आश्वस्त हो आशीर्वाद दे अपने गांव लौट गए। ISBN 81-237-2344-X

2. अपनी धरती का सुख

सत्यदेव संवितेन्द्र पृ. 20 रु. 10.00

यह कहानी बदनू की है जो शहर जाकर शहरी बाबू बन गया था मगर अपने बेटे की जिद के आगे उसे झुकना पड़ा। उसने तय कर लिया कि उसका परिवार अब गांव में ही रहेगा। ISBN 81-237-4744-6

3. अपने-बेगाने

पृथ्वीराज मोंगा पृ. 16 रु. 9.00

इस कहानी में वृद्धावस्था में संतानों द्वारा किए गए अमानवीय व्यवहार को रेखांकित किया गया है। वृद्धों के प्रति संवेदना बनाए रखने में प्रस्तुत कहानी अत्यंत सार्थक है। ISBN 978-81-237-5466-6

4. आदमी जिसने भगवान को देखा

बाल गंगाधर तिलक रूपां. : जे.एल. रेड्डी पृ. 32 रु. 10.00

तेलुगु से हिंदी में अनूदित एक रचना का सरलीकरण, नवसाक्षरों के लिए। ISBN 81-237-4350-5

5. अब जवाब दो

नरेन्द्र बाम पृ. 40 रु. 10.00

इस पुस्तक में दो कहानियां संकलित हैं। एक कहानी में निस्संतान स्त्री बुधनी काकी की व्यथा है तो दूसरी में गरीबी और प्रयत्न के बीच वार्तालाप है।

6. उपकार का बदला

श्रीरमणलाल सोनी अनु. : जगदीश चंद्रिकेश पृ. 32 रु. 8.00

गुजराती की एक श्रेष्ठ रचना का हिंदी अनुवाद। ISBN 81-237-3995-8

7. उस रात की बात

मिथिलेश्वर पृ. 12 रु. 10.00

बिना किसी स्वार्थ के मुसीबत के समय अनजान शहरी के काम आना ग्रामीण जीवन में व्याप्त सरलता को उजागर करता है, यही इसकी कहानी है। ISBN 81-237-0592-1

8. उसने कहा था

चंद्रधर शर्मा 'गुलेरी' रूपां. : अमितेश्वर पृ. 20 रु. 11.00

गुलेरी जी की मार्मिक कहानी, जिसका हिन्दी साहित्य में अद्वितीय स्थान है।

ISBN 81-237-0899-8

9. ओट

के.एल. गर्ग अनु. : अमरीक सिंह दीप पृ. 20 रु. 8.00

पंजाबी के वरिष्ट कथाकार की एक महत्वपूर्ण रचना। ISBN 81-237-4277-0

10. कफ़न

प्रेमचंद रूपां. : कुमार नरेन्द्र पृ. 20 रु. 8.00

अमर कथाकार मुंशी प्रेमचंद की एक यादगार कहानी। ISBN 81-237-4289-4

11. काम एक : तरीके अनेक

वीरेन्द्र मेंहदीरत्ता पृ. 16 रु. 5.00

प्रस्तुत कहानी में एक ही कार्य को करने वाले तीन विभिन्न सोच वाले व्यक्तियों के चरित्र को बखूबी दिखाया गया है। ISBN 81-237-2326-1

12. काकी

सियारामशरण गुप्त पृ. 8 रु. 7.00

इस कहानी में शामू के बाल सुलभ मन का मानवीय चित्रण है, जो अपनी काकी की मौत का सही अर्थ नहीं समझ पाता है। वह अपनी काकी को भगवान के यहां से पतंग के माध्यम से लौटा लाने की योजना बनाता है। ISBN 81-237-1324-X

13. करामात

कर्त्तार सिंह दुग्गल पृ. 16 रु. 7.00

वरिष्ठ कथाकार की एक श्रेष्ठ कहानी नवसाक्षरों के लिए सरल भाषा में प्रस्तुत।

ISBN 81-237-4258-4

14. करमू

बलदेव वंशी पृ. 16 रु. 9.00

बाल श्रम पर केंद्रित एक रोचक कहानी। ISBN 81-237-4767-5

15. गांव के लोग

मिथिलेश्वर पृ. 24 रु. 9.00

गांव के लोगों के मन में अभी भी भाई-चारा और मदद की भावना देखने को मिलती है; यही बताती है यह कहानी।

ISBN 81-237-4421-8

16. गुरुजी

शरतचंद्र चट्टोपाध्याय रूपां. : हरिमोहन पृ. 16 रु. 8.00

बांग्ला के सुपरिचित कथाकार की एक महत्वपूर्ण रचना का हिंदी सरलीकरण लेखक हरिमोहन द्वारा प्रस्तुत। ISBN 81-237-4391-2

17. धरती की बेटा

युगेश शर्मा पृ. 20 रु. 8.00

हिंदी के सुपरिचित कथाकार की एक महत्वपूर्ण रचना। ISBN 81-237-4198-7

18. धोरों पर ढाणी

कृष्ण कुमार रत्तू पृ. 16 रु. 9.00

यह कहानी अकडू उर्फ आरिफ का है जो रेत के टीलों में पलकर बड़ा हुआ। बाद में पढ़कर आरिफ ने सबका मान बढ़ाया। जानने के लिए यह पुस्तक पढ़ें।

ISBN 81-237-4837-X

19. चुनावी चक्कर

प्रेम सिंह नेगी पृ. 16 रु. 5.00

सरपंच चालूराम अपनी चालों से हमेशा जीतता था। लेकिन गांव के लोगों ने भोलाराम को खड़ा किया और भारी मतों से जितवा दिया।

ISBN 81-237-2678-3

20. गलती का एहसास

अश्वघोष पृ. 16 रु. 7.00

गांव के भोले-भाले लोग एक साधू के चक्कर में आकर अपना सुख-चैन गंवा बैठे; वहीं गांव के ही दो नौजवानों ने मक्कार साधू के चंगुल से गांव वालों को बाहर निकाला। वरिष्ठ लेखक की एक असरदार रचना। ISBN 81-237-4354-8

21. जग्गो ताई

चंद्रकिरण सौनरेक्सा पृ. 12 रु. 8.00

हिंदी की महत्वपूर्ण कथा-लेखिका की एक असरदार रचना। जग्गो ताई ने देश की रक्षा के लिए अपनी हवेली को बेचने का निर्णय निडर होकर ले ही लिया।

ISBN 81-237-4120-0

22. जमीन का आखिरी टुकड़ा

इब्राहीम शरीफ रूपां. : विनीता अग्रवाल पृ. 32 रु. 7.00

पिता के मरने के बाद घर बिखर गया। बड़े भाई ने छोटे भाइयों को पढ़ाया-लिखाया। पति की याद दिलाता जमीन का आखिरी टुकड़ा जब बिका तो मां कैसे चुप सी हो गई? पढ़िए एक संवेदनशील कहानी।

ISBN 81-237-2348-3

23. जमाना बदल गया

देवशंकर नवीन पृ. 12 रु. 11.00

जन-जीवन में व्याप्त रूढ़ियों व अंधविश्वासों पर केंद्रित एक कहानी।

ISBN 81-237-0591-3

24. जुम्मन मियां की घोड़ी

पुन्नी सिंह रूपां. : शरद सिंह पृ. 16 रु. 8.00

जुम्मन मियां की घोड़ी ने ऐन वक्त पर धोखा देकर जुम्मन मियां को कैसे अपमानित किया? बताती है सुपरिचित रचनाकार की महत्वपूर्ण रचना।

ISBN 81-237-4409-9

25. जल्लाद

नुज़्हत हसन पृ. 16 रु. 9.00

मानवीय संवेदनाओं को उकेरती एक मर्मस्पर्शी कहानी। इसमें जल्लाद पेशे से जुड़े एक ऐसे पिता का चित्रण किया गया है, जो पुत्र के स्थान पर पुत्री के जन्म से झूम उठा। पुत्री के जन्म से उसे वंशानुगत जल्लादी पेशे से मुक्ति मिली।

ISBN 81-237-4409-9

26. टोटकों का फेर

प्रेम सिंह नेगी पृ. 24 रु. 11.00

इस पुस्तक में दो कहानियां हैं। पहली कहानी में बताया गया है कि ओझा के काले जादू के चक्कर में पड़कर बीमार हुई एक ग्रामीण महिला का डाक्टर से इलाज करवाया जाता है और वह ठीक हो जाती है। दूसरी कहानी अंधविश्वास के बारे में है जिसमें एक स्त्री की आर्थिक हानि होती है।

ISBN 81-237-0528-X

27. टोबा टेक सिंह

सआदत हसन मंटो रूपां. : शेरजंग गर्ग पृ. 20 रु. 8.00

उर्दू के प्रसिद्ध रचनाकार की विश्व प्रसिद्ध कहानी का रूपांतरण सरल भाषा में प्रस्तुत।

ISBN 81-237-4351-3

28. डाक मुंशी

फकीर मोहन सेनापति रूपां. : गिरीश पंकज पृ. 16 रु. 7.00

हरिसिंह डाकखाने में चपरासी थे। उनकी इच्छा थी कि उनका बेटा डाक बाबू बन जाए। इच्छा पूरी भी हुई। बेटे अफसर ने पिता को सम्मान तो दूर उल्टे दुत्कारना शुरू कर दिया। उड़िया की एक महत्वपूर्ण रचना।

ISBN 81-237-4288-6

29. ढोल

अमितेश्वर पृ. 16 रु. 8.00

झूठी आन-बान के दिखावे का अंत बर्बादी होता है, इस बात को दर्शाती कहानी।

ISBN 81-237-0587-5

30. दो कहानियां पंचतंत्र से

रूपां. : विनीता अग्रवाल पृ. 16 रु. 9.00

यह पंचतंत्र की एक लोकप्रिय रचना है। इसमें सांप और मेंढक की रोचक कथा है।

ISBN 81-237-2366-0

31. तीन कहानियां पंचतंत्र से

रूपां. : विनीता अग्रवाल पृ. 20 रु. 9.00

पंचतंत्र की तीन रोचक कहानियों का नवसाक्षरों के लिए सरल भाषा में रूपांतरण।

ISBN 81-237-1788-1

32. तीन में से घटा तीन

महिम बरा रूपां. : विनीता अग्रवाल पृ. 24 रु. 7.00

पूरनकान्त घर के खर्चों में उलझा रहता है। कभी भी उसके पास पैसा नहीं बचता। हमेशा अपने भाग्य पर रोता रहता है। जितना कमाता है, उतना ही गंवा देता है। प्रस्तुत कहानी में जीवन के संघर्ष का बेबाक चित्रण है।

ISBN 81-237-2115-3

33. तीन सवाल

लियो तोल्सतोय रूपां. : चन्द्रकिरण राठी पृ. 16 रु. 7.00

एक राजा था। उसे ऐसे उपाय की तलाश थी कि उसकी कभी हार न हो। राजा के मन में तीन सवाल उपजे। किसी काम को करने का सही समय क्या है? किसकी बात सुननी चाहिए? और सबसे जरूरी काम क्या है? इन प्रश्नों के उत्तर एक साधू ने किस तरह दिए? पढ़िए विश्व प्रसिद्ध रूसी लेखक लियो तोल्सतोय की यह कहानी।

ISBN 81-237-0976-5

34. थार पर जिन्दगी

कासिम खुर्शीद पृ. 12 रु. 9.00

यह कहानी किसना की है जो भेड़-बकरियां चराता था। अकाल की विपत्ति से कैसे उसने अपने को संभाला। ISBN 81-237-4781-0

35. दुकान की चाबी

पोनकुन्नम वर्की अनु. : एच. बालसुब्रह्मण्यम पृ. 28 रु. 8.00

बरगीस और कोशी दो दोस्त थे। बरगीस हमेशा चतुराई से कुछ पैसा बचाता रहा। मलयालम से अनूदित एक मार्मिक रचना। ISBN 81-237-2338-5

36. धनीराम की बग्गी

जोगेश दास रूपां. : नासिरा शर्मा पृ. 16 रु. 5.50

नौकरानी से अवैध संबंध बनाने पर साहूकार अपने बेटे को बचाता है। इस दुखद घटना से जन्मी एक मार्मिक कथा। ISBN 81-237-2117-X

37. नमक का दारोगा

प्रेमचंद रूपां. : अशोक वशिष्ठ पृ. 20 रु. 9.00

प्रेमचंद द्वारा लिखी एक विश्वप्रसिद्ध रचना। यह रचना मानवीय मूल्यों की स्पष्ट तस्वीर प्रस्तुत करती है। ISBN 81-237-4511-7

38. बैरंग लिफाफा

आईदान सिंह भाटी पृ. 16 रु. 9.00

इस कहानी में फौजी पति की पत्नी का दर्द पत्र के माध्यम से व्यक्त हुआ है। पत्रों की भी बड़ी जीवंत भाषा होती है। इस पुस्तक में वह मौजूद है। ISBN 81-237-4770-5

39. पछतावा

प्रेमचंद रूपां. : पुष्पा सक्सेना पृ. 24 रु. 11.00

हिंदी कथा साहित्य के सम्राट माने जाने वाले मुंशी प्रेमचंद की कहानी झूठ, अन्याय और अत्याचार पर दया, धर्म और सत्य की विजय की कहानी है।

ISBN 81-237-4658-X

40. प्रसाद

लीलावती भागवत पृ. 16 रु. 7.00

भाई-बहन के रिश्ते को दर्शाती एक असरदार रचना। ISBN 81-237-4109-X

41. प्यार की खुशबू

शमसुल हक उस्मानी अनु. : कौसर मजहरी पृ. 30 रु. 9.00

मूलतः उर्दू भाषा से हिन्दी में अनूदित यह पुस्तक रिश्तों को समझने का महत्व दर्शाती है। ISBN 81-237-1974-4

42. नील मास्टरनी

गोदावरीश महापात्र अनु. : राजेन्द्र प्रसाद मिश्र पृ. 12 रु. 6.00

ओड़िया साहित्य की महत्वपूर्ण रचना का हिंदी अनुवाद। ISBN 81-237-3112-4

43. नई सुबह

जनार्दन मिश्र पृ. 16 रु. 5.00

पढ़ने की कोई उम्र नहीं होती। 'जब जागो तभी सवेरा' की उक्ति चरितार्थ करती एक महत्त्वपूर्ण रचना। ISBN 81-237-4125-1

44. पंच परमेश्वर

प्रेमचंद पृ. 28 रु. 12.00

एक असरदार रचना। सरल भाषा में प्रस्तुत। ISBN 978-81-237-4885-6

45. पानी

रामदरश मिश्र पृ. 16 रु. 5.00

ग्रामीण समाज में व्याप्त छुआछूत की मानसिकता को बदलने वाले प्रतिष्ठित कथाकार की एक प्रभावी रचना। ISBN 81-237-1531-5

46. पतंग

मनोज दास पृ. 16 रु. 6.00

उड़िया की एक बेहतरीन रचना का हिंदी अनुवाद। ISBN 81-237-3790-4

47. पढ़ने का हक

नासिरा शर्मा पृ. 18 रु. 8.00

पढ़ने की रुचि को प्रकट करती सुपरिचित महिला कथाकार की एक उत्कृष्ट रचना।
ISBN 81-237-2775-5

48. पहलवान की ढोलक

फणीश्वरनाथ 'रेणु' रूपां. : भारत यायावर पृ. 24 रु. 8.00

हिन्दी के प्रमुख कथाकार 'रेणु' की कलम से लिखी एक पहलवान की कथा, जो जीवन के सारे उतार-चढ़ावों को झेलता हुआ भी ढोल की थाप में अपनी आस्था बनाए रखता है। ISBN 81-237-0897-1

49. पुरस्कार

जयशंकर प्रसाद रूपां. : अरविन्द त्रिपाठी पृ. 14 रु. 6.00

मधूलिका ने राष्ट्र की रक्षा के लिए अपने प्रेम की बलि दे दी। त्याग, समर्पण और कर्तव्यबोध का संदेश देती ऐतिहासिक परिवेश की लोकप्रिय कहानी।

ISBN 81-237-1766-6

50. पांच बेटों का पिता

बचिंत कौर अनु. : फूलचंद मानव पृ. 24 रु. 11.00

'छोटा परिवार-सुखी परिवार' का संदेश देती इस कहानी में पांच बेटों के पिता की दुर्दशा का मार्मिक विवरण है। जबकि उनका भाई, जिसका केवल एक बेटा था, सुख से जीवन बिता रहा था।

ISBN 81-237-1625-7

51. पिंजरा

द्रोणवीर कोहली पृ. 24 रु. 7.00

तोते के माध्यम से मानवीय भावनाओं पर लिखी गई हिन्दी के प्रसिद्ध कथाकार की कहानी।

ISBN 81-237-0939-0

52. बंधुआ मजदूर

गणेश खरे शीघ्र प्रकाश्य

प्रस्तुत कहानी का मुख्य पात्र श्यामू है। अपनी सूझ-बूझ से वह कैसे बंधुआ मजदूर रखने वाले ठेकेदारों के चंगुल से बच निकलता है, पूरी कहानी श्यामू के इसी संघर्ष पर केंद्रित है।

53. बादशाह सलामत

चिनु मोदी अनु. : वर्षा दास पृ. 8 रु. 5.00

गुजराती के वरिष्ठ कथाकार की एक रोचक कथा।

ISBN 81-237-2543-4

54. बरगद का पेड़

जे. भाग्यलक्ष्मी पृ. 20 रु. 7.00

हमारे वृक्ष उतने ही आदरणीय हैं जितने हमारे घर के बुजुर्ग। एक बेहतरीन रचना।

ISBN 81-237-2683-4

55. बूढ़ी काकी

प्रेमचंद रूपां. : सुभाष चंदर पृ. 20 रु. 9.00

किस प्रकार भतीजा काकी को बहला-फुसला कर जायदाद अपने नाम कर लेता है और खाने को रोटी भी नहीं देता। महान कथाकार की दिल को छू लेने वाली रचना।

ISBN 81-237-4512-5

56. बैजू मामा

रामवृक्ष बेनीपुरी पृ. 24 रु. 14.00

यह एक ऐसे व्यक्ति की कहानी है जो चोरी करते हुए पकड़ा जाता है। बाद में वह शर्म के मारे जेल छोड़कर अपना मुंह किसी को भी दिखाना नहीं चाहता।

ISBN 81-237-0420-8

57. बड़े घर की बेटी

प्रेमचंद पृ. 24 रु. 10.00

अमर कथाकार की एक बेहतरीन रचना जो बड़े घर की बेटी का अर्थ बतलाती है।

ISBN 978-81-237-4884-9

58. बघेलो साघणी

रामसरूप अणखी पृ. 16 रु. 7.00

गांव की मजबूत कद-काठी की बघेलो ने अपने बलबूते पर शुरू से आखिर तक कैसे संघर्ष किया? बताती है यह असरदार रचना।

ISBN 81-237-4199-5

59. भीमा जोधा

अब्दुल मलिक खान पृ. 52 रु. 12.00

यह गांव से कामकाज की तलाश में शहर गए भीमा की कहानी है। भीमा की पत्नी, जो पढ़ी-लिखी है, शहर में मुसीबत में फंसे भीमा को छुटकारा दिलाती है। यह पुस्तक मुख्यतया स्त्री-शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालती है।

ISBN 81-237-0516-6

60. भूत आया

चित्रा नाईक पृ. 8 रु. 8.00

यह कहानी गांवों में भूतों के बारे में मनगढ़ंत बातों के बारे में है। बाग में भूतों द्वारा आम चुराने की बात गांव में बच्चे-बच्चे की जुबान पर थी, पर अंततः असली चोर पकड़े जाते हैं। उन्हें पुलिस के हवाले कर दिया जाता है।

ISBN 81-237-0523-9

61. भय की बीमारी

तारादत्त पंत पृ. 16 रु. 8.00

एक बहू की शादी के काफी अरसे तक बच्चा नहीं हुआ। सास ने ओझा की मदद ली मगर सब बेकार साबित हुआ। कहानी बताती है कि ओझा लोगों को बेवकूफ बनाते हैं। इन सबसे बचना चाहिए।

ISBN 81-237-4355-6

62. मछली की आंखें

ज़किया मशहदी पृ. 16 रु. 11.00

भरे पूरे परिवार का मुखिया बुढ़ापे में किस कदर अपना दुख परिवार से छिपाता है लेकिन बेटे को पता चल जाता है और बेटा पिता का इलाज कराता है। उर्दू व हिंदी लेखिका की मर्मस्पर्शी रचना। ISBN 81-237-4590-7

63. मजेदार गांव

सतीश उपाध्याय पृ. 20 रु. 10.00

इस कहानी में अवधराज काका और गांव का पंडित दो मुख्य पात्र हैं। काका को सदैव चर्चा में रहने और हर बात को बढ़ा-चढ़ाकर कहने की आदत है। पंडित उसकी हर बात का समर्थन कर आए दिन गांव में अफवाहों को फैलाकर गांववालों को लूटता था। अंत में इन दोनों की पोल खुल गई। ISBN 978-81-237-5491-8

64. मैं हूं रप्पायी

अनवर अनु. : एच. बालसुब्रह्मण्यम् पृ. 32 रु. 8.00

रप्पायी इलाके का बदमाश था लेकिन जैसे ही पढ़ाई से नाता जुड़ा तो मस्ती में कैसे झूमने लगा ! ISBN 81-237-2343-1

65. मरना नहीं, जीना है

ब्रह्मानन्द विश्वकर्मा पृ. 8 रु. 6.00

अशिक्षा के कारण बिलटा के मां-बाप धोखे से दवाई की जगह खटमल की दवा पी गए और जान गवां बैठे। अब पढ़ाई की महत्ता बिलटा समझ गया था।

ISBN 81-237-4198-0

66. मास्टर जी

पृथ्वीराज मोंगा पृ. 20 रु. 6.00

मास्टर जी बच्चों को अच्छी शिक्षा देना अपना परम कर्तव्य मानते थे। जब उनका ही एक छात्र उनसे रिश्वत की मांग करता है तो मास्टर जी बहुत गहरे तक टूट जाते हैं। इसी टूटन की कहानी है मास्टर जी। ISBN 81-237-1798-9

67. महाजन

विमल मित्र रूपां. : कमल कुमार पृ. 20 रु. 9.00

यह कहानी एक ऐसे कंजूस आदमी की है जो अपने इलाज के लिए अपनी दमड़ी खर्च करना नहीं चाहता, उल्टे अपने बच्चों को ताना देता है। सारी रकम वह अपने विशेष जूते में रखता था। बेटिकट यात्रा करते समय टांग गंवा बैठा और बाद में जिंदगी भी।

ISBN 81-237-4539-7

68. मुरब्बी
विष्णु प्रभाकर रूपां. : रमाशंकर श्रीवास्तव पृ. 24 रु. 12.00
वरिष्ट कथाकार की यह एक बड़ी रोचक कथा है। भाषा का मिजाज और खूबसूरती इसकी प्रमुख विशेषता है।
ISBN 81-237-4618-0

69. मुर्गे ने बांग दी
शिवप्रसाद सिंह रूपां. : विनीता अग्रवाल पृ. 20 रु. 6.00
सूखाग्रस्त गांव में मंगरू लुहार का परिवार कई दिनों से भूखा है। सुनहरे कल की आशा में मंगरू फिर भी काम करता है।
ISBN 81-237-1320-7

70. यार की चिट्ठी
मधुकर सिंह पृ. 42 रु. 8.00
गरीब-अमीर के संबंधों पर केंद्रित मित्रों के लिए समर्पित प्यार भावना और एकता का संदेश देती एक रोचक कहानी।
ISBN 81-237-2737-2

71. रामसजीवन की मां
गोविन्द मिश्र रूपां. : प्रेम जनमेजय पृ. 20 रु. 5.50
रामसजीवन और जटाशंकर दोनों पड़ोसी हैं। लेकिन दोनों का स्वभाव एक दूसरे से अलग है। किंतु गुस्सैल जटाशंकर रामसजीवन की बेटी की शादी में गुस्सा भूल उसकी बेटी की विदाई करता है।
ISBN 81-237-2349-0

72. राम बाबू का आफिस
प्रेम सिंह नेगी पृ. 12 रु. 7.00
उत्तरांचल के वरिष्ठ लेखक की अनुशासन के महत्व को दर्शाती शिक्षाप्रद कहानी।
ISBN 81-237-0588-3

73. राम बड़ा है
हबीब कैफ़ी पृ. 16 रु. 8.00
यह कहानी दो दुकानदारों की है। एक बड़ा दुकानदार है जो मूर्तियां बेचता है। वह अपने सामने नौजवान दुकानदार को पसंद नहीं करता, लेकिन वही नौजवान जब मुसीबत के वक्त खून देकर उसकी जान बचाता है तो मिस्रीलाल अपनी कड़वाहट हमेशा के लिए भूल जाता है।
ISBN 81-237-4722-5

74. रामायण
हंसा मेहता पृ. 36 रु. 14.00
रामायण का सरल और संक्षिप्त रूप नवसाक्षरों के लिए रोचक भाषा में प्रस्तुत।
ISBN 81-237-0190-X

75. लाला पटेल की 'लायबरी'

रमणलाल व. देसाई रूपां. : सुषमा मेढ़ पृ. 28 रु. 10.00

साक्षरता अभियान की सार्थकता के लिए गांवों में पुस्तकालयों की अति आवश्यकता है। एक अनपढ़ ग्रामीण लाला पटेल ने अपने गांव के लोगों में पुस्तकों की ललक कैसे जगाई? यह इस कहानी में प्रस्तुत है। ISBN 81-237-1756-3

76. वकील की फीस

जीवन यदु पृ. 18 रु. 8.00

निरक्षरता, शोषण का कारण बनती है। वकील साहब ने गरीब ग्रामीणों को साहूकार के चंगुल से बचाया और फीस के रूप में अक्षर ज्ञान मांगा। ISBN 81-237-1827-6

77. विकास की ओर

राधेलाल नवचक्र पृ. 16 रु.9.00

कहानी का मुख्य पात्र धनेसर काका है। गांव की बड़ी से बड़ी मुसीबत को वे तुरंत दूर कर देते थे। गांव में उनकी बात टालने वाला कोई नहीं था। उन्होंने गांव के चार पढ़े-लिखे युवकों को गांव के विकास में योगदान देने के प्रति जागरूक किया।

ISBN 978-81-237-5608-0

78. शैतान सिंह

गिरीश पंकज पृ. 20 रु. 6.00

मनसुख गांव का पढ़ा-लिखा मेहनती लड़का था। गांव के नौजवान लड़कों को मिट्टी का हुनर सिखाते-सिखाते थानेदार से उलझ बैठा। थानेदार को किस प्रकार सबक मिला? बताती है यह रोचक कथा। ISBN 81-237-2722-4

79. सच्ची सहेली

नासिरा शर्मा पृ. 12 रु. 5.00

रेशमा पढ़ाई कर टीचर बन गई तब कहीं जाकर शकूर जूते वाले को शिक्षा का सही अर्थ समझ में आया। महिला के अधिकार से संबंधित एक असरदार रचना।

ISBN 81-237-2735-6

80. सवा सेर गेहूं

प्रेमचंद रूपां. : मन्नू भंडारी पृ. 32 रु. 15.00

इस कहानी में अमर कथाकार ने उच्च कोटि के साहूकार द्वारा गरीब किसान मजदूरों का शोषण दिखाया है। मजदूर पीढ़ी-दर-पीढ़ी अपना कर्ज नहीं चुका पाता।

ISBN 81-237-0419-4

81. सिरकटा बरगद

सुरेश सलिल पृ. 12 रु. 8.00

सन् 1857 की लड़ाई के दौरान शहीद हुए चौधरी कस्तूरी सिंह की शौर्य गाथा।

ISBN 81-237-0589-1

82. सुबह का भूला

बटरोही पृ. 24 रु. 8.00

सोबन पहलवान शराब पीने की बुरी आदत से अपनी ताकत, इज्जत सब खो बैठता है. लेकिन एक घटना उसके जीवन को बदल देती है।

ISBN 81-237-0006-7

83. सुदामा की मुक्ति

अमर गोस्वामी पृ. 24 रु. 8.00

यह एक ऐसे गुरुजी की कहानी है जिनका उद्देश्य है कि 'हर बच्चे को सही और बेहतर शिक्षा मिले।' वे इस दिशा में कामयाब भी हुए।

ISBN 81-237-3398-4

84. सुनहरी भोर का सपना

भगवती लाल व्यास पृ. 12 रु. 9.00

जैसलमेर के आम आदमी के जीवन से जुड़ी सच्चाई का चित्र खींचती है यह पुस्तक।

ISBN 81-237-4732-2

85. सोन पहाड़ी का रहस्य

चित्रा नाईक अनु. : अंजला महर्षि पृ. 28 रु. 9.00

ग्रामीणों के अंधविश्वासी होने का लाभ उठाकर डकैतों ने सोन पहाड़ी के मंदिर को अपना अड्डा बना लिया था। शहर में पढ़ने वाले लड़के जब छुट्टियों में गांव आए तो उन्होंने हिम्मत से उन डकैतों को पकड़ कर रहस्य दूर किया।

ISBN 81-237-1278-6

86. हैसियत

परदेशीराम वर्मा पृ. 20 रु. 6.00

हिंदी के सुपरिचित रचनाकार की यह परंपरावादी मानवीय सरोकारों की एक आदर्श रचना है।

ISBN 81-237-3742-7

87. क्षमादान

प्रवासी विनयकृष्ण पृ. 12 रु. 5.00

एक युवक रमजान के बेटे की हत्या कर देता है और उसी के घर में पनाह मांगता है। अपने घर में पनाह लिए अपराधी के बारे में रमजान को बाद में पता लग जाता है। पर वह उसे क्षमादान देता है।

ISBN 81-237-1667-2

जीवनचरित

1. गोविंद गुरु

ज्योति पुंज पृ. 44 रु. 11.00

राजस्थान के भील कबीले के सरदार का नाम गोविंद गुरु था। उसने अपने कबीले को कुछ अच्छे गुण ग्रहण करने सिखाए और अंत में कबीले को अन्याय के विरुद्ध लड़े गए युद्ध में विजय हुई। ISBN 81-237-0848-3

2. चंदन पानी

आशा श्रीधर पृ. 12 रु. 4.00

महान संत रविदास की संक्षिप्त जीवनी। ISBN 81-237-2581-7

3. तीन पत्र यरवदा से

मोहनदास करमचंद गांधी चयन-संपादन : वर्षा दास पृ. 20 रु. 10.00
अनु. : सोमेश्वर पुरोहित

इस पुस्तक में गांधी जी द्वारा जेल से लिखे गए तीन पत्र हैं जो वास्तव में उच्च कोटि के विचार हैं जो हमें जागरूक होना सिखाते हैं। ISBN 81-237-4828-0

4. बात जवाहरलाल की

देसराज गोयल पृ. 60 रु. 9.00

लोकतंत्र, महिलाओं, धर्म-निरपेक्षता, विश्व शांति, विज्ञान, प्रकृति आदि विषयों पर पंडित जवाहरलाल नेहरू के विचारों का संकलन। ISBN 81-237-1204-9

5. बुल्लेशाह

मनोरमा दीवान पृ. 20 रु. 10.00

सूफी संत कवि बुल्लेशाह के जीवन की एक रोचक घटना प्रस्तुत कहानी में दी गई है।
ISBN 978-81-237-5588-5

6. परमवीर सेनानी

अक्षय कुमार जैन पृ. 32 रु. 10.00

पुस्तक में आठ परमवीर चक्र से सम्मानित सैनिकों की चर्चा की गई है। इन्हें 1947, 1962, 1965 और 1971 में हुए युद्धों में अद्‌भुत वीरता दिखाने के लिए सम्मानित किया गया है। ISBN 81-237-0616-2

7. बापू की बातें

उमाशंकर जोशी पृ. 28 रु. 13.00

महात्मा गांधी के जीवन की कुछ आदर्श घटनाओं की रोचक प्रस्तुति।
ISBN 81-237-0112-8

8. याद जवाहरलाल की

देसराज गोयल पृ. 64 रु. 10.00

सरल और सुबोध शैली में लिखी गई भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की जीवनी। ISBN 81-237-0514-X

9. रानी दुर्गावती

ठाकुर भूपतिसिंह पृ. 12 रु. 5.00

बुंदेली रानी दुर्गावती की शौर्य गाथा। ISBN 81-237-2575-2

10. वीरवर कल्ला राठौड़

उपेन्द्र अणु पृ. 16 रु. 9.00

मेड़ता के राजकुमार वीरवर कल्ला राठौड़ प्रस्तुत कहानी का मुख्य पात्र है। साहसी एवं स्वाभिमानी राजकुमार ने तत्कालीन बादशाह की गुलामी स्वीकार न कर उसका बहादुरी से सामना किया। ISBN 978-81-237-5560-1

11. वीर बालक

राजेन्द्र अवस्थी पृ. 28 रु. 9.00

इस पुस्तक में उन वीर बालकों की कहानियां कही गई हैं, जो पौराणिक कथाओं के रूप में हमारे जीवन का एक अंग बन गई हैं। ISBN 81-237-0189-6

12. संत जम्भेश्वर

इन्दिरा विश्नोई पृ. 12 रु. 2.25

नागोर परगने के गांव पापासार में एक राजपूतवंशी के घर जन्मे जम्भेश्वर की जीवनी।

13. सच की खोज

लीला जार्ज पृ. 32 रु. 18.00

आकर्षक चित्रों सहित गौतम बुद्ध के जीवन का रोचक विवरण।

ISBN 81-237-0181-0

हास्य-व्यंग्य

1. झूठ का परिणाम

सुरेन्द्र दुबे पृ. 12 रु. 8.00

यह कहानी रामलाल की है, जिसका झूठ बोलने में कोई मुकाबला नहीं। गुदगुदाती और मुस्कराने को मजबूर करती रचना। ISBN 81-237-2683-4

2. बजरंगी की बारात

सुभाष चंदर पृ. 20 रु. 10.00

बजरंगी शादी के लिए तैयार हुआ। बारात चली और बैरंग लौट आई। क्यों लौटी? इसे जानने के लिए पढ़िए यह हास्य कथा। ISBN 81-237-4758-6

3. शराबी नंबर एक

प्रेम सिंह नेगी पृ. 16 रु. 9.00

हास्य शैली में गांव में शराब की आदत पर लिखी गई एक प्रेरणादायक कहानी। दुकानदार ने उन शराबियों की सूची बनाई हुई है जिनकी निकट भविष्य में मृत्यु हो सकती है। जब नं. एक चल बसता है तो नं. दो उसकी जगह ले लेता है।

ISBN 81-237-0527-1

विविध (कानून/रोजगार, विज्ञान व अन्य)

1. आपका सूचना का अधिकार

आभा सिंघल जोशी पृ. 24 रु. 8.00

नागरिक अधिकारों के बारे में बताती एक उपयोगी पुस्तक। ISBN 81-237-4036-0

2. कागज के लिफाफे

उषा पुरी पृ. 36 रु. 15.00

महिलाएं भी अपना भरण-पोषण कर सकती हैं। यही बात महिला स्वरोजगार केंद्रित यह पुस्तक बताती है। ISBN 81-237-4583-4

3. कानून के फायदे

मीनल दीक्षित अनु. : गीता जैन पृ. 40 रु. 11.00

कानून के तौर-तरीके जानने का प्रत्येक भारतवासी को अधिकार है। कहानी के अंदाज में कानून की जानकारी बड़े रोचक तरीके से इस पुस्तक में दी गई है।

ISBN 81-237-3515-4

4. ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम

निखिल डे, ज्यां द्रेज, रीतिका खेरा अनु. : विपिन कुमार पृ. 68 रु. 19.00

इस पुस्तक में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई है जिसे हर ग्रामीण को जानना बेहद जरूरी है। रोजगार की तलाश में उम्मीद की किरण जगाती पुस्तक सरल भाषा में नवसाक्षरों के लिए तैयार की गई है। ISBN 81-237-4730-6

5. गंगा की ओर

शीला शर्मा रूपां. : सुषमा मेढ़ पृ. 24 रु. 8.00

उत्तर काशी से गोमुख की यात्रा का सरल वृत्तांत समेटे इस पुस्तक में गंगा नदी से जुड़े इतिहास और किंवदंतियों का ब्योरा है। ISBN 81-237-0183-7

6. चलो चांद की ओर

तंग सिवरासन पृ. 16 रु. 14.00

चांद से जुड़ी रोचक यात्रा की सैर कराती पुस्तक। ISBN 81-237-3777-7

7. घट

पंकज बिष्ट पृ. 24 रु. 7.50

बिजली तथा उससे चलने वाले उपकरणों के आगे अन्य पुराने प्राकृतिक साधनों पर निर्भर उपकरण जैसे घट आदि की महत्ता दर्शाती कथा। ISBN 81-237-0779-7

8. जय नर्मदा

दुर्गा पाठक पृ. 12 रु. 8.00

प्रसिद्ध नदी नर्मदा का उद्गम स्थल तथा आगे की राह, उससे जुड़ी पौराणिक कथा आदि का संक्षिप्त विवरण। ISBN 81-237-2576-0

9. मल्लिका नूरजहां

मनोरमा दीवान पृ. 12 रु. 9.00

यह कहानी हिन्दुस्तान की पहली महिला साम्राज्ञी मल्लिका नूरजहां के जीवन की झांकी प्रस्तुत करती है। ISBN 978-81-237-5204-4

10. मेरी फ्रीडा बेदी

मनोरमा दीवान पृ. 23 रु. 10.00

भारतीय स्वाधीनता संग्राम में भाग लेने वाली पहली ब्रिटिश महिला के जीवन की रोमांचक कथा प्रस्तुत करती, एक अत्यंत प्रेरणात्मक कहानी है। ISBN 978-81-237-5301-2

11. रईस

सैयद जावेद हसन पृ. 11 रु. 9.00

बाल मजदूरी उन्मूलन पर केंद्रित यह कहानी अत्यंत रोचक है। इस कहानी का केंद्रीय पात्र रईस दस-ग्यारह साल का बच्चा है। वह एक बल्ब फैक्टरी में काम करता था। यह बालक बड़ा ही स्वाभिमानी और बहादुर था। उसने मालिक के अन्याय के विरोध में फैक्टरी जाना बंद कर दिया। अंत में इसके मालिक को पुलिस ने बाल मजदूरी के अपराध में जेल में डाल दिया। ISBN 978-81-237-5107-8

12. रोशनी की नदी

अश्वघोष पृ. 16 रु. 8.00

राष्ट्रीय रोजगार गारंटी अधिनियम की जानकारी रोचक भाषा में कहानी के माध्यम से उत्तरांचल के वरिष्ठ लेखक ने प्रस्तुत की है। ISBN 81-237-4735-7

13. विज्ञान के उपहार

मीर नजाबत अली रूपां. : सुभद्रा सालवी पृ. 20 रु. 14.00

इस पुस्तक में दुनिया की दिशा बदलने वाले पहियों, भाप इंजन, सूक्ष्मदर्शी, प्रिंटिंग प्रेस आदि के आविष्कार की रोचक कहानियां, कार्टून तथा चित्रों के माध्यम से दर्शाई गई हैं।

ISBN 81-237-0180-X

14. हिमालय की चोटी पर

बचेन्द्री पाल रूपां. : तारा जायसवाल पृ. 32 रु. 13.00

एवरेस्ट पर पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला की आत्मकथा।

ISBN 81-237-0182-9

15. ऐसे बदली नाक की नथ

मनोहर चमोली मनु पृ. 16 रु. 9.00

अपने अधिकारों के लिए लड़ने में शर्म कैसी? उपभोक्ता मंच में शिकायत कर न्याय दिलाती रचना। ISBN 81-237-4408-0

16. डंडे का डर

राजुरकर राज पृ. 10 रु. 8.00

स्थानीय दुकानदार जब सामान देने में मिलावट करता है तो कैसे शिकायत होने पर माफी मांगता है। उपभोक्ता कानून पर सरल भाषा में तैयार पुस्तक।

ISBN 81-237-4802-3

विविध

महापुरुष और उनके विचार

1. अकबर के जीवन की प्रेरक घटनाएं

शीरीं मूसवी अनु. : उमेश दत्त दीक्षित पृ. 144 रु. 50.00

इस पुस्तक में महान मुगल सम्राट मोहम्मद जलालुद्दीन अकबर के जीवन की प्रेरक घटनाओं को संकलित किया गया है, जो अकबर के साहसी जीवन की परिचायक हैं।

ISBN 81-237-3039-X

2. अमर शहीद सरदार भगत सिंह

जितेन्द्रनाथ सान्याल अनु. : स्नेहलता सहगल पृ. 306 रु. 65.00

भारत को ब्रिटिश शासन से मुक्त कराने के लिए स्वतंत्रता संग्राम में हंसते-हंसते अपने जीवन की आहुति देने वाले अमर शहीद सरदार भगत सिंह के नाम से भारत का बच्चा-बच्चा परिचित है। सर्वप्रथम ब्रिटिश काल में प्रकाशित और तत्कालीन शासन द्वारा जब्त जीवनी के संशोधित संस्करण की पुनरावृत्ति है प्रस्तुत पुस्तक। ISBN 81-237-2932-4

3. गांधीजी और उनके शिष्य

जयंत पंड्या अनु. : भवानी दत्त पंड्या पृ. 182 रु. 65.00

इस पुस्तक में 12 ऐसे प्रसिद्ध गांधीवादियों के संक्षिप्त जीवनचरित प्रस्तुत किए गए हैं, जो लोग महात्मा गांधी से प्रभावित होकर देश के विभिन्न हिस्सों में समाजसेवा के विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय रहे। ISBN 81-237-4406-4

4. गांधी का भारत : भिन्नता में एकता

महात्मा गांधी अनु. : सुमंगल प्रकाश पृ. 84 रु. 40.00

धर्म, समाज, भाषा, आर्थिक समानता जैसे विषयों पर गांधीजी द्वारा समय-समय पर की गई टिप्पणियों का संकलन। ISBN 81-237-4678-4

5. घियाणा (हिमाचली नाटकों का संकलन)

गौतम शर्मा 'व्यथित' (संक. एवं संपा.) पृ. 228 रु. 85.00

हिमाचली भाषा में चुनिंदा नाटकों का संग्रह, जो हिमाचल के नाट्य-शिल्प की एक तस्वीर प्रस्तुत करती है। ISBN 978-81-237-5691-2

6. जवाहरलाल नेहरू : संघर्ष के दिन

अर्जुन देव (संपा.) अनु. : देवेश चन्द्र पृ. 334 रु. 75.00

देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू द्वारा विभिन्न अवसरों पर दिए गए भाषणों, पत्रों एवं चुने हुए वक्तव्यों का संकलन। एक संग्रहणीय पुस्तक। ISBN 81-237-1818-7

7. द्वारकानाथ टैगोर

कृष्ण कृपलानी अनु. : शिवदान सिंह चौहान पृ. 284 रु. 37.00

यह पुस्तक कवि रवीन्द्रनाथ टैगोर के पितामह द्वारकानाथ टैगोर की संपूर्ण जीवनी है।

8. धर्मनिरपेक्ष धर्म

कर्तार सिंह दुग्गल अनु. : कुलवंत कोछड़ पृ. 104 रु. 45.00

यह पुस्तक सिख धर्म के धर्मनिरपेक्ष स्वरूप पर प्रकाश डालती है। इसमें बताया गया है कि सिख पंथ धर्म से अधिक एक अनुशासित व देशभक्त जीवन शैली है।

ISBN 81-237-4750-0

9. नेहरू और आजाद : 1857 पर वक्तव्य

पृ. 34 रु. 20.00 (अजि.), रु. 100.00 (सजि.)

प्रस्तुत पुस्तक में पं. जवाहरलाल नेहरू और मौलाना अबुल कलाम आजाद द्वारा अंग्रेजों के खिलाफ 1857 में लड़ी गई 'आजादी की पहली जंग' पर दिए गए वक्तव्यों के संपादित अंश संकलित हैं। ISBN 978-81-237-5403-1 (अजि.) ISBN 978-81-237-5402-4 (सजि.)

10. फांसी लाहौर की

गुरदेव सिंह सिद्धू पृ. 100 रु. 50.00

शहीदे आजम सरदार भगत सिंह को काव्यांजलि स्वरूप प्रकाशित इस पुस्तक में 63 कविताओं का संकलन है, जिनमें से कई के रचनाकार अज्ञात हैं। पुस्तक की लंबी भूमिका में भगत सिंह के विचार के अलावा उनके द्वारा जेल में भूख हड़ताल करने के समर्थन में कई नेताओं के बयान भी शामिल है। ISBN 81-237-4665-2

11. महात्मा और कवि

सव्यसाचि भट्टाचार्य (संक. एवं संपा.) नु. : तालेवर गिरि पृ. 218 रु. 75.00

महात्मा गांधी और कविवर रवींद्रनाथ टैगोर के बीच सन् 1915 से 1941 के बीच हुए पत्र-व्यवहार और विचार-विमर्श को इस पुस्तक में संकलित किया गया है। ISBN 81-237-4525-7

12. महात्मा गांधी के विचार

आर.के.प्रभु, यू.आर.राव (संकलन) अनु. : भवानी दत्त पंड्या

पृ. 568 रु.90.00 (अजि.) रु.180.00 (सजि.)

इस पुस्तक में धर्म, भारतीय संस्कृति, तत्कालीन राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक परिवेश आदि अनेक विषयों पर गांधीजी का दार्शनिक मत प्रस्तुत किया गया है। वर्तमान समय में भी इन विचारों की प्रासंगिकता यथावत है। ISBN 81-237-0985-4 (अजि.)
ISBN 81-237-0986-2 (सजि.)

13. मैं नास्तिक क्यों हूं

भगत सिंह भूमिका : विपिन चंद्रा अनु. : पंकज चतुर्वेदी पृ. 30 रु. 25.00

शहीदेआजम भगत सिंह के दो आलेखों–'मैं नास्तिक क्यों हूं' और 'ड्रीमलैंड' की भूमिका का संकलन। ये आलेख भगत सिंह की समाजवादी विचारधारा के परिचायक हैं।

ISBN 81-237-4870-1

14. राष्ट्रवाद

रवीन्द्रनाथ टैगोर अनु. : सौमित्र मोहन पृ. 68 रु. 35.00

प्रस्तुत पुस्तक में उन व्याख्यानों को संकलित किया गया है, जिन्हें रवीन्द्रनाथ टैगोर ने 1916-1917 में अपनी जापान तथा अमेरिका यात्रा के दौरान दिया था। दूरदर्शितापूर्ण ये व्याख्यान आज के समय में भी उतने ही प्रासंगिक हैं। ISBN 81-237-4104-9

15. राष्ट्रीयता और समाजवाद

आचार्य नरेंद्रदेव पृ. 524 रु. 120.00

भारत में अंग्रेजी शासन के पश्चात देशवासियों में राष्ट्रीयता के उदय और तत्कालीन घटनाओं के इतिहास को इस पुस्तक में प्रस्तुत किया गया है। नरेंद्रदेव द्वारा व्यक्त विचार आज के संदर्भ में भी प्रासंगिक है। ISBN 81-237-3845-5

16. सुकरात का मुकदमा और उनकी मृत्यु

प्लेटो अनु. : मन्मथनाथ गुप्त पृ. 148 रु. 45.00

प्रस्तुत पुस्तक में प्रसिद्ध सुकरात के मुकदमे और उनके मृत्यु दंड पर लगभग ढाई हजार वर्ष पूर्व दिए सुकरात के वक्तव्यों और मान्यताओं का वर्णन किया गया है, जो आज की परिस्थितियों में भी उतने ही सटीक और महत्वपूर्ण है। ISBN 81-237-2934-0

17. स्वामी विवेकानन्द

नरेन्द्र कोहली पृ. 352 रु. 95.00

भारत के महान व्यक्तित्व, स्वामी, विवेकानन्द की उपन्यास की शैली में लिखी गई प्रेरणाप्रद जीवनी। ISBN 81-237-4341-6

18. हिन्दू-धर्म क्या है?

महात्मा गांधी पृ. 114 रु. 40.00

इस छोटी-सी पुस्तक में हिन्दू-धर्म पर महात्मा गांधी के समृद्ध चिंतन को सामान्य पाठकों के लिए प्रस्तुत किया गया है। अलग-अलग समय पर लिखे गए इन लेखों में हिन्दू-धर्म की छवि विद्यमान है जो अपनी विचार संपन्नता, समग्रता और मानव अस्तित्व की मूलभूत दुविधाओं के प्रति सजगता के विषय में, अन्यत्र दुर्लभ है। ISBN 81-237-0634-0

साहित्य

1. कविता...बचपन

सीताकांत महापात्र अनु. : राजेन्द्र प्रसाद मिश्र पृ. 44 रु. 30.00

देश-विदेश की 32 श्रेष्ठ बचपन की कविताओं का संकलन ज्ञानपीठ पुरस्कार विजेता कवि सीताकांत महापात्र ने किया है। एक संग्रहणीय पुस्तक।

ISBN 81-237-3439-5

2. ढब्बूजी की धमक

आबिद सुरती पृ. 36 रु. 55.00

प्रसिद्ध कार्टूनिस्ट आबिद सुरती द्वारा तैयार की गई 100 बहुरंगी कार्टून-स्ट्रीप्स का संकलन। ISBN 81-237-4474-9

3. पूर्वोत्तर की आदिवासी कहानियां

रमणिका गुप्ता (संक. एवं संपा.) पृ. 168 रु. 60.00

प्रस्तुत पुस्तक में अरुणाचल प्रदेश, असम, मिजोरम, मेघालय, नागालैंड, त्रिपुरा, सिक्किम, मणिपुर आदि क्षेत्रों के रचनाकारों की आदिवासी कहानियों को संकलित किया गया है।

ISBN 978-81-237-5575-5

4. मेरा नन्हा भारत

मनोज दास अनु. : दिवाकर पृ. 236 रु. 75.00

प्रख्यात लेखक मनोज दास द्वारा देश के विभिन्न ऐतिहासिक स्थानों की यात्रा के संस्मरणों को उन्होंने इतिहास के साथ कथानक शैली में प्रस्तुत किया गया है।

ISBN 81-237-4581-8

5. राहुल चयनिका

विद्यानिवास मिश्र (संपा.), *'पंकज'* (सह संपा.) पृ. 372 रु. 65.00

राहुल सांकृत्यायन की प्रतिनिधि रचनाओं का संकलन।

ISBN 81-237-0496-8

6. ललद्यद

वेद राही पृ. 106 रु. 45.00

आधुनिक कश्मीरी भाषा एवं साहित्य की जननी 'ललद्यद' चौदहवीं शताब्दी की सुप्रसिद्ध संत-कवयित्री हैं; इनके 'वाखों' ने आत्म-शुद्धता, सदाचार एवं मानव-बंधुत्व की भावनाओं से तत्कालीन जनमानस को आलोड़ित किया था। डोगरी से हिंदी में अनुवाद श्री वेद राही ने किया है।

ISBN 978-81-237-5425-3

7. वामा शिक्षक

मुंशी ईश्वरी प्रसाद, मुंशी कल्याण राय संपा. : डॉ. गरिमा श्रीवास्तव

पृ. 110 रु. 55.00

इसका प्रकाशन सन् 1883 में विद्यादर्पण छापाखाना, मेरठ ने किया था। उल्लेखनीय है कि सन् 1868 के आसपास तत्कालीन पश्चिमोत्तर और अवध सरकारों ने शिक्षा के महत्व को बताने वाली पुस्तकें लिखने या अन्य भाषाओं से अनुवाद करने पर सौ से पांच सौ रुपए के पुरस्कार की घोषणा की थी। यह उपन्यास लड़कियों को सामाजिक अंधविश्वास, रूढ़ियों और अशिक्षा से बचाने का संदेश देता है।

ISBN 978-81-237-5561-8

8. शब्द और सुर का संगम : काजी नज़रुल इस्लाम

दान बहादुर सिंह पृ. 140 रु. 55.00

नज़रुल जीवनपर्यन्त राष्ट्रीय एकता और सांप्रदायिक सद्भाव के आधार-स्तंभ रहे। यह पुस्तक काजी नज़रुल इस्लाम के काल की विषम परिस्थितियों का आकलन करते हुए इस महान चितेरे की शाश्वत और मानवीय मूल्यों से आपूर्ण बहुमुखी प्रतिभा की झलक प्रस्तुत करती है।

ISBN 978-81-237-5195-5

9. हिंदी काव्य-संग्रह

सुमित्रानंदन पंत (संपा.) पृ. 108 रु. 55.00

सन् 1973 में पहली बार प्रकाशित, सुमित्रानंदन पंत द्वारा संपादित यह कविता संग्रह स्वतंत्रता के बाद की हिंदी कविता के विकास और प्रगति का यत्किंचित् दिग्दर्शक है। आज इसमें सम्मिलित कई कवियों का देहावसान हो चुका है, लेकिन उनकी रचनाएं आज भी काव्य-प्रेमियों की प्रिय रचनाएं बनी हुई हैं। संकलन में पुनर्जागरण की कविता, छायावादी, प्रगतिशील और प्रयोगशील नई कविताओं के 38 कवियों को शामिल किया गया है। इस संस्करण के लिए कवि-परिचय को लिखने का कार्य डॉ. गंगा प्रसाद बरसैयां ने किया है।

ISBN 978-81-237-5660-8

10. हिंदी भक्ति साहित्य में सामाजिक मूल्य एवं सहिष्णुतावाद

प्रो. सावित्री चंद्र 'शोभा' पृ. 130 रु. 45.00

इस पुस्तक में मुख्य रूप से हिंदी भक्ति और हिंदी में लिखित सूफी प्रेमाख्यानों के माध्यम से मध्यकालीन भारत में सामाजिक और उदारवादी तत्वों को रेखांकित किया गया है।

ISBN 81-237-4998-3

समसामयिक

1. आजाद भारत में क्रिकेट

सूर्यप्रकाश चतुर्वेदी पृ. 142 रु. 65.00

आज पूरे विश्व में क्रिकेट एक लोकप्रिय खेल है। प्रस्तुत पुस्तक में गत 50 वर्षों का भारतीय क्रिकेट का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया गया है। युवा क्रिकेट प्रेमियों के लिए एक रोचक, जानकारीपूर्ण और प्रेरणादायक पुस्तक।

ISBN 81-237-3076-4

2. ऑलराउंडर

सूर्यप्रकाश चतुर्वेदी पृ. 220 रु. 85.00

टेस्ट क्रिकेट विश्व के 16 महान खिलाड़ियों द्वारा मैदान पर दिखाए गए जौहर और संघर्ष का लेखा-जोखा। साथ ही एकदिवसीय क्रिकेट के बढ़ते प्रचलन के कारण टेस्ट मैचों के शास्त्रीय खेल के लुप्त होने की चिंता।

ISBN 978-81-237-4957-0

3. कर्मठ महिलाएं

रितु मेनन (संकलन)   अनु. : विपिन कुमार   पृ. 258   रु. 100.00

पिछले 50 वर्षों के दौरान देश के सामाजिक-सांस्कृतिक पटल पर सक्रिय 21 महिलाओं की आत्मकथाओं का संकलन। ISBN 81-237-4434-X

4. नीले-बर्फीले स्वप्न लोक में

शेखर पाठक   पृ. 64   रु. 100.00

प्रस्तुत पुस्तक में कैलास-मानसरोवर की रोमांचक यात्रा का वर्णन किया गया है।

ISBN 978-81-237-5415-4

5. भारत का आर्थिक संकट और समाधान

बिमल जालान   अनु. : नरेश 'नदीम'   पृ. 212   रु. 40.00

भारत की वर्तमान आर्थिक स्थिति और भावी संभावनाओं के प्रति यथार्थवादी दृष्टिकोण इस पुस्तक की विशेषता है। यह पुस्तक नीति निर्धारकों, उद्योगपतियों, अर्थशास्त्रियों, राजनीतिज्ञों और विषय में रुचि लेने वाले सामान्य पाठकों के लिए अनिवार्य दस्तावेज के रूप में मानी गई है। ISBN 81-237-0648-0

6. भारत की बीसवीं सदी : पीछे मुड़कर देखते हुए

एन.एन. वोहरा, सब्यसाचि भट्टाचार्य (संपा.) अनु.: राघवचेतन राय पृ.278 रु.105.00

प्रशासन, विदेश नीति, संस्कृति, कला, खेल, व्यवसाय जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर गत एक सदी के दौरान आए बदलावों के साक्षी देश के महान चिंतकों के आलेखों का संकलन। इस पुस्तक का प्रकाशन इंडिया इंटरनेशनल सेंटर के सहयोग से किया गया है।

ISBN 978-81-237-5636-3

7. विश्व क्रिकेट और भारत

सूर्यप्रकाश चतुर्वेदी   पृ. 284   रु. 95.00

इस पुस्तक में क्रिकेट के इतिहास, उसकी क्रमिक प्रगति तथा भारतीय उपमहाद्वीप का विश्व क्रिकेट को योगदान, विश्व के प्रमुख मैदान व रिकार्डों को आसान भाषा में कई दुर्लभ चित्रों के साथ प्रस्तुत किया गया है। ISBN 81-237-4303-3

8. लोक व्यवस्था अनुरक्षण हेतु स्रोत पुस्तक

समर सिंह   अनु. : तालेवर गिरी   पृ. 150   रु. 60.00

यह पुस्तक सांप्रदायिक दंगों के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक विधियों का संकलन है। इसमें सांप्रदायिक सौहार्द बढ़ाने के व्यावहारिक उपायों की जानकारी भी दी गई है। पुस्तक में सभी वैधानिक व्यवस्थाओं और उनके कार्यपालन के निदेशों को बेहद सहज व सरल तरीके से प्रस्तुत किया गया है। ISBN 81-237-4880-9

9. सत्यजीत राय का सिनेमा

चिदानन्द दास गुप्ता अनु. : अवध नारायण मुद्गल पृ. 120 रु. 120.00

सत्यजीत राय का यह विस्तृत अध्ययन फिल्मकार के चार दशकों में फैले हुए अद्वितीय रचनात्मक जीवन का विवरण प्रस्तुत करता है। ISBN 81-237-2135-8

10. सामाजिक बदलाव के लिए शिक्षा : एमवीएफ और बाल श्रम

सुचेता महाजन अनु.: अभिषेक कश्यप पृ.64 रु.40.00

एक गैरसरकारी संगठन द्वारा चलाए गए सामाजिक आंदोलन और शिक्षा के अधिकार आंदोलन का लेखा-जोखा। ISBN 978-81-237-5692-9

इतिहास एवं अन्य

1. अफ़सानी निकीतीन की भारत यात्रा

पंकज चतुर्वेदी (अनु. व रूपा.) पृ. 36 रु. 25.00

वास्को डि गामा से 25 साल पहले भारत की धरती पर कदम रखने वाला पहला यूरोपीय अफसानी निकीनीन मूल रूप से रूस का रहने वाला था। वह सन् 1466 से 1475 के बीच लगभग तीन वर्ष तक भारत में रहा। निकीतीन द्वारा भारत प्रवास के दौरान लिखे गए अनुभवों को इस पुस्तक में प्रस्तुत किया गया है। ISBN 978-81-237-5217-4

2. इब्नबतूता की भारत यात्रा या चौदहवीं शताब्दी का भारत

अनु. : मदनगोपाल पृ. 228 रु. 60.00

अरब देश से चौदहवीं शताब्दी में भारत भ्रमण करने वाले इब्नबतूता द्वारा इस शताब्दी का रोचक वर्णन। ISBN 81-237-2039-4

3. काला पानी का ऐतिहासिक दस्तावेज

रामचरणलाल शर्मा पृ. 66 रु. 25.00

प्रस्तुत पुस्तक में लेखक ने भारतीय स्वतंत्रता की लड़ाई में अनेक वर्ष काला पानी के नाम से प्रसिद्ध अंडमान की सेलुलर जेल में काटे। उन्होंने वहां की क्रूर यातनाओं का वर्णन अपनी डायरी में लिखा जो अंग्रेजी शासन की बर्बरता की कहानी स्वयं व्यक्त करता है।

ISBN 81-237-3439-5

4. चीनी यात्री फाहियान का यात्रा विवरण

अनु. : जगन्मोहन वर्म्मा पृ. 114 रु. 40.00

चौथी शताब्दी में भारत आए चीनी यात्री फाहियान द्वारा अपने यात्रा-वृत्तांत का रोचक वर्णन। ISBN 81-237-1932-9

5. पंडितों का पंडित

शेखर पाठक पृ. 196 रु. 100.00

उन्नीसवीं सदी के हिमालयी अन्वेषक नैन सिंह रावत की जीवनगाथा को सरल व रोचक भाषा में प्रस्तुत किया है लेखक श्री शेखर पाठक ने। लगता है नैन सिंह के साथ हम भी यात्रा कर रहे हों। ISBN 978-81-237-5505-2

6. बर्नियर की भारत यात्रा

फैक्सिस बर्नियर एम.डी. अनु. : गंगा प्रसाद गुप्त पृ. 198 रु. 45.00

औरंगजेब के समय का भारत कैसा था, इसका वर्णन बर्नियर ने अपने इस यात्रा वृत्तांत में किया है। एक अत्यंत रोचक व पठनीय पुस्तक।

ISBN 81-237-3497-2

7. भारत : अल-बिरूनी

क़यामुद्दीन अहमद (संपा.) अनु. : नूर नबी अब्बासी पृ. 300 रु. 60.00

ग्यारहवीं शताब्दी में महमूद गजनवी की सेना के साथ भारत आए ईरानी मूल के निवासी अल-बिरूनी द्वारा उस काल के भारत के इतिहास, उसकी विशेषताओं, आचार-विचार और रीति-रिवाजों की वस्तुपरक रोचक प्रस्तुति।

ISBN 81-237-2110-2

8. भारत भक्त विदेशी महिलाएं

मानवती आर्य्या पृ. 64 रु. 40.00

कुछ ऐसी महिलाओं का जीवन परिचय जिनका जन्म भले ही भारत में न हुआ हो, लेकिन वे इस देश के समाज, संस्कृति, कला और स्वतंत्रता से बेहद लगाव रखती थीं।

ISBN 978-81-237-5068-2

9. भारतीय पुनर्जागरण में अग्रणी महिलाएं

सुशीला नैयर,

कमला मनकेकर (संपा.) अनु. : नेमिशरण मित्तल पृ. 438 रु. 160.00

भारतीय राष्ट्रीयता के उदय तथा विकास और उसके स्वाधीनता आंदोलन में परिणत होने के संघर्ष में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इस पुस्तक में ऐसी 67 भारतीय महिलाओं के जीवनचरित प्रस्तुत किए गए हैं, जिन्होंने स्वतंत्रता संग्राम के साथ-साथ समाज सुधार तथा आजादी के बाद नए भारत के निर्माण में अनुकरणीय भूमिका निभाई है।

ISBN 81-237-4420-X

10. भारत की सांस्कृतिक विरासत : एक परिदृश्य चित्र

सुदर्शन कुमार कपूर पृ. 108 रु.60.00

भारत की सांस्कृतिक विरासत को समझने के लिए यह एक महत्वपूर्ण पुस्तक है। सरल व रोचक भाषा में बेहद अनुसंधान के बाद यह तैयार की गई है।

ISBN 978-81-237-5626-4

11. मुहम्मद अली खान : एक आत्म कथन

के. सी. यादव अनु. : गजेन्द्र राठी पृ. 48 रु. 30.00

मुहम्मद अली खान 1857 की क्रांति के महत्वपूर्ण और अनूठे क्रांतिकारी रहे हैं। यह पुस्तक 1857 के किसी भारतीय क्रांतिकारी द्वारा बगावत के बारे में खुद बताई गई शायद एकमात्र आत्मकथा है।

ISBN 978-81-237-5475-8

12. रानी लक्ष्मीबाई

वृन्दावनलाल वर्मा पृ. 88 रु. 30.00

स्वतंत्रता संग्राम की उज्ज्वल मणि लक्ष्मीबाई के संघर्षशील जीवन की यथार्थ प्रस्तुति। यह पुस्तक केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, नयी दिल्ली के द्वारा हिंदी (कोर) बारहवीं कक्षा के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम में पढ़ाई जाती है।

ISBN 81-237-0486-0

13. स्वतंत्रता संग्राम

बिपनचंद्र, अमलेश त्रिपाठी,
वरुण देव अनु. : रामसेवक श्रीवास्तव पृ. 170 रु. 55.00

यह पुस्तक भारत के स्वाधीनता संग्राम के ऐतिहासिक संघर्ष की कहानी कहती है।

ISBN 81-237-1004-6

14. हे चो का यात्रा वृत्तांत : आठवीं सदी का भारत

भूमिका : प्रो. कृष्ण मोहन श्रीमाली अनु. : डा. जगदीश चंद्रिकेश

पृ. 76 रु. 40.00

आठवीं सदी में भारत की सामाजिक, राजनीतिक और धार्मिक तस्वीर का एक कोरियाई यात्री द्वारा चित्रण। नौवीं सदी में गुम हुए चीन के एक गुफा मठ में बंद हे चो का यह यात्रा-विवरण एक हजार साल बाद सन् 1908 में ही बाहर आ सका। जर्मन और अंग्रेजी के एक अनुवाद के बाद हिंदी में पहली बार प्रस्तुत है यह यात्रा-विवरण।

ISBN 978-81-237-4929-2

15. हिन्दू पंच का बलिदान अंक

कमलादत्त पाण्डेय (संपा.) पृ. 310 रु. 110.00

भारत तथा विदेशों में अपनी मातृभूमि और सत्य के लिए बलिदान हो गए वीरों की सचित्र गाथा। इसका प्रकाशन 1930 में हुआ था, लेकिन तत्काल ही अंग्रेज सरकार ने इसे जब्त कर लिया था। इस दुष्प्राप्य अंक का पुनर्मुद्रण। ISBN 81-237-1890-X

16. हुमायूंनामा

गुलबदन अनु. : ब्रजरत्नदास पृ. 118 रु. 55.00

यह पुस्तक बाबर और हुमायूं के शासनकाल का एकमात्र विवरण है, जिसकी लेखिका मुगल शाही खानदान से ही थी। गुलबदन का जन्म 1523 में काबुल में हुआ था, लेकिन इनका पालन-पोषण हुमायूं की मां माहम बेगम ने ही किया था।

ISBN 978-81-237-5418-5

कोश

1. समांतर कोश (दो खंडों में)

अरविंद कुमार, कुसुम कुमार पृ. 1768 रु. 630.00 (दोनों खंडों का)

हिंदी की विशाल शब्द संपदा संजोने वाला हिंदी भाषा का पहला थिसारस।

ISBN 81-237-1951-5

2. हिन्दुस्तानी कहावत-कोश

एस.डब्ल्यू. फैलन अनु. एवं संशो. : कृष्णानन्द गुप्त पृ. 374 रु. 185.00 (सजिल्द)

स्व. एस.डब्ल्यू. फैलन के प्रसिद्ध ग्रंथ 'ए डिक्शनरी ऑफ हिन्दुस्तानी प्रोवर्ब्स, सेइंग्स, एम्ब्लेम्स, एफेरिज्म्स' का देवनागरी लिपि में विस्तृत व्याख्या एवं टीका-टिप्पणी सहित संशोधित एवं परिमार्जित संस्करण। ISBN 81-237-4685-7

रीडर

3. विनोबा-विचार-दोहन

पराग चोलकर (संपा.) पृ. 210 रु. 55.00

प्रस्तुत संकलन में समेटे गए विनोबा के विचार गागर में सागर भरने का प्रयासमात्र है, लेकिन अमृत-सिंधु की ये कुछ बूंदें भी पाठकों के समक्ष विनोबा के जीवन-दर्शन की झांकी प्रस्तुत करने में सक्षम हैं।

ISBN 81-237-3992-3

स्वर्ण जयंती पुस्तकमाला

1. अक्खर खम्भा (मैथिली कविता संग्रह)
देवशंकर नवीन (संक. एवं संपा.) पृ. 394 रु.120.00
स्वाधीनता के बाद की मैथिली कविताओं के इस संकलन में 60 कवियों की रचनाओं को शामिल किया गया है। ISBN 978-81-237-5408-6

2. किरनी : फुल्लन दी (हिमाचली कथा संग्रह)
पीयूष गुलेरी (संक. एवं संपा.) पृ. 154 रु.60.00
इस संकलन में स्वाधीनता के बाद के 32 हिमाचली रचनाकारों की कथाओं को शामिल किया गया है। ISBN 978-81-237-5409-3

3. तीन बीसी पार (राजस्थानी कथा संग्रह)
नंद भारद्वाज (संक. एवं संपा.) पृ. 244 रु.85.00
स्वाधीनता के बाद की राजस्थानी कहानियों के इस संकलन में 32 प्रमुख कथाकारों की कहानियों को शामिल किया गया है।

ISBN 978-81-237-5046-0

4. देसिल बयना (मैथिली कथा संग्रह)
तारानंद वियोगी (संक. एवं संपा.) पृ. 330 रु.100.00
स्वाधीनता के बाद के 46 प्रमुख मैथिली कथाकारों की कहानियों को इस संकलन में शामिल किया गया है। ISBN 978-81-237-5047-7

5. दृश्यालेख (हिंदी नाटक)
देवेंद्र राज अंकुर (संक. एवं संपा.) पृ. 546 रु.165.00
इस संकलन में स्वाधीनता के बाद के 8 प्रमुख हिंदी नाटककारों के नाटकों को शामिल किया गया है। ISBN 978-81-237-5519-9

6. साख भरै सबद (राजस्थानी कविता संग्रह)
अर्जुन देव चारण (संक. एवं संपा.) पृ. 186 रु.75.00
स्वाधीनता के बाद के 31 प्रमुख राजस्थानी कवियों की प्रतिनिधि रचनाओं को इस संकलन में शामिल किया गया है। ISBN 978-81-237-5089-7

7. सीरां (हिमाचली कविता संग्रह)
प्रेम भारद्वाज (संक. एवं संपा.) पृ. 280 रु.95.00
स्वाधीनता के बाद की हिमाचली पहाड़ी कविताओं के इस संकलन में 71 कवियों की चुनींदा रचनाओं को शामिल किया गया है। ISBN 978-81-237-5057-6

नेशनल बुक ट्रस्ट के किताब क्लब का सदस्य बनें एवं पुस्तक-क्रय में छूट पाएं

नेशनल बुक ट्रस्ट की पुस्तकें 18 भारतीय भाषाओं और अंग्रेजी में, उचित मूल्य पर उपलब्ध हैं। ट्रस्ट का लगातार यह प्रयास रहा है कि देशभर के पुस्तक विक्रेताओं को बड़ी संख्या में नामांकित करके पुस्तकों को हर जिले तक पहुंचाया जाए। इस दिशा में काफी कुछ किया जा चुका है, और काफी कुछ करना बाकी है। अभी तक, पाठकों को अपनी व्यक्तिगत खरीद के लिए, सीधा ट्रस्ट को लिखना पड़ता था। इस प्रक्रिया में समय के साथ ही पैसा भी अधिक लगता है।

वी.पी.पी. द्वारा पुस्तकों का आदेश देने की प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए ट्रस्ट ने नेशनल बुक ट्रस्ट किताब क्लब की शुरुआत की है। पचास रुपये का शुल्क जमा कर के कोई भी व्यक्ति/संस्था किताब क्लब का सदस्य बन सकता है। सदस्यों को निम्नलिखित सुविधाएं दी जाएंगी :

1. नेशनल बुक ट्रस्ट की सभी पुस्तकों पर 20 प्रतिशत छूट;
2. आदेश की पुस्तकों के मूल्य के आधार पर डाक खर्च में छूट;
3. किताब क्लब के किसी भी सदस्य द्वारा एक वर्ष के दौरान 500/- रु. तक की खरीद पर 25/- रु. तक की कीमत की पुस्तकें उपहार स्वरूप प्रदान की जाती हैं जिसके लिए सदस्य को वर्ष के दौरान की गई खरीद के सत्य बीजक प्रस्तुत करने होंगे। वर्ष की गणना वित्तीय वर्ष के आधार पर की जाएगी, जैसे वर्तमान वर्ष की 1 अप्रैल से आगामी वर्ष 31 मार्च तक। दावे की वैधता खत्म हुए वर्ष के पश्चात छः माह तक मान्य होगी;
4. नेशनल बुक ट्रस्ट के मासिक बुलेटिन, सूचीपत्र (मांग करने पर) तथा अन्य प्रचार सामग्री के माध्यम से ट्रस्ट की नयी पुस्तकों तथा अन्य गतिविधियों की लगातार जानकारी।

नियम व शर्तें

सदस्यता

1. भारत में रहने वाला कोई भी व्यक्ति/संस्था सदस्य बन सकता है।
2. सदस्यों से नाममात्र के लिए 50 रुपये का सदस्यता शुल्क लिया जाता है।

छूट

3. सदस्य ट्रस्ट की कोई भी पुस्तक 20 प्रतिशत छूट पर खरीद सकते हैं।

डाकखर्च

4. पुस्तकें वी.पी.पी. द्वारा भेजी जाती हैं। 50 रुपये या उससे कम के आदेश पर पूरा डाकखर्च जोड़ा जाता है। 51 रुपये से 100 रुपये तक के आदेश पर आधा डाकखर्च लिया जाता है; और 100 रुपये से ज्यादा के आदेश की पुस्तकें डाकखर्च जोड़े बिना भेजी जाती हैं।

नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया

नेहरू भवन, 5 इंस्टीट्यूशनल एरिया, फेज-II, वसंत कुंज,
नई दिल्ली-110070

दूरभाष : 91-11-26707700, 24526168, 24526169, 24526187
24526189, 24507255

वेबसाइट : www.nbtindia.org

ई-मेल : nbtindia@ndb.vsnl.net.in

किताब क्लब सदस्यता प्रपत्र

कृपया इस प्रपत्र की दो प्रतियों के साथ 50 रुपये का सदस्यता शुल्क नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया के नाम बैंक ड्राफ्ट द्वारा भिजवाएं

1. नाम (स्पष्ट अक्षरों में)..
   ....
2. पूरा डाक पता...
   ....
   ....
   पिन कोड................................फोन/मोबाइल नं. ....
3. व्यवसाय...
4. आयु...
5. सदस्यता शुल्क बैंक ड्राफ्ट/नगद द्वारा भेजा जा रहा है।
   बैंक ड्राफ्ट की संख्या और तिथि...
   जारी करने वाले का नाम...
   जिसके नाम जारी किया गया..

   मैंने नेशनल बुक ट्रस्ट किताब क्लब के नियमों व शर्तों को पढ़ लिया है और वे मुझे मान्य हैं।

....

हस्ताक्षर

स्थान............................

तिथि............................

मुद्रक: जे. के. ऑफसेट प्रिंटर्स नांगलोई दिल्ली .41



पुस्तकों की आपूर्ति के लिए नेशनल बुक ट्रस्ट के किसी भी कार्यालय को लिखें

मुख्य कार्यालय
नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया
नेहरू भवन, 5 इंस्टीट्यूशनल एरिया, फेज-II
वसंत कुंज, नई दिल्ली-110070
दूरभाष : 011-26707700, 26707702
फैक्स : 26121883, 26707792
ई-मेल : nbtindia@ndb.vsnl.net.in
nbtindia@nbtindia.org.in
वेबसाइट : www.nbtindia.org.in

पश्चिम क्षेत्रीय कार्यालय
नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया
रवीन्द्र नाट्य मंदिर
प्रथम तल
पु.ल. देशपांडे महाराष्ट्र कला अकादमी
प्रभादेवी
मुंबई - 400 025
दूरभाष : 022-23720442, 24320380
फैक्स : 022-24320380
ई-मेल: nbtindiamumbai@yahoo.com
वेबसाइट: www.nbtindia.org.in

दक्षिण क्षेत्रीय कार्यालय
नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया
हॉल नं. 1, बीडीए शॉपिंग काम्प्लैक्स
बनाशंकरी 2 स्टेज
बंगलुरू-560070
दूरभाष व फैक्स : 080-26711994
ई-मेल: nbtindiasro@vsnl.net
वेबसाइट: www.nbtindia.org.in

पूर्व क्षेत्रीय कार्यालय
नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया
जलानसेवा ट्रस्ट बिल्डिंग
द्वितीय तल
61, महात्मा गांधी रोड
कोलकाता-700009
दूरभाष व फैक्स : 033-22413899
ई-मेल: nbtcal@vsnlnbt
वेबसाइट: www.nbtindia.org.in

